दक्ष®

12 दिसम्बर 2024 को जारी विज्ञप्ति एवं 16 दिसम्बर 2024
को जारी New Changed Syllabus के अनुसार Best Study Material

A Complete Guide for

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित

REET

राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा

2025

सामाजिक अध्ययन

— Level-2 (कक्षा 6 से 8) —

शिक्षण विधियों सहित

NCERT एवं Raj. Board की पुस्तकों पर आधारित

वर्ष 2022, 2021, 2017, 2015, 2012 व 2011
के **Exam Papers** के प्रश्नों का उत्तर सहित समावेश

पाठ्यक्रम में शामिल प्रत्येक बिन्दु पर आधारित प्रश्नों का
महत्त्व के अनुसार समावेश

विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों में पूछे गये प्रश्नों का अध्यायवार समावेश

— एच. चारण • ओमप्रकाश यादव • रामजीलाल यादव —

Buy Online at :
WWW.DAKSHBOOKS.COM

Daksh Books

दक्ष®

लेवल-II (कक्षा 6-8) REET सामाजिक अध्ययन

शिक्षण विधियों सहित

- भारतीय इतिहास (प्राचीन, मध्यकालीन व आधुनिक)
- भारत व राजस्थान की राजनीतिक व्यवस्था
- विश्व, भारत व राजस्थान का भूगोल
- राजस्थान का इतिहास, कला व संस्कृति
- शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-I व II

-:: दक्ष की पुस्तकें ही क्यों पढ़ें? ::-

- **16 दिसम्बर, 2024** को जारी नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार सारगर्भित पुस्तक।
- REET के पुराने प्रश्न-पत्रों (2022 से 2011 तक) के विश्लेषण के आधार पर **नवीन सामग्री का समावेश** करते हुए सभी अध्यायों को नवीन रूप से तैयार किया गया है।
- विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नों तथा अन्य महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नों का अध्यायवार समावेश।
- **NCERT** एवं **RBSE** की नवीन पुस्तकों का सार (नये पाठ्यक्रमानुसार) इसमें प्रमुख बिन्दुओं के रूप में दिया गया है।
- इस पुस्तक के सभी अध्यायों में विषयवस्तु को सरलीकरण रूप में प्रस्तुत करने के लिए **मानचित्र, चार्ट, चलचित्र, सारणी** का समावेश किया गया है।
- इस पुस्तक के प्रत्येक अध्याय के पीछे रिवीजन के लिए नोट्स रूप में परीक्षोपयोगी तथ्यों को दिया गया है।
- इस सम्पूर्ण पुस्तक को अद्यतन संदर्भों के अनुरूप तैयार किया गया है।
- इस पुस्तक की **भाषा सहज एवं सरल** रखी गई है। जिससे एक औसत अभ्यर्थी भी इस पुस्तक का अध्ययन करके सरकारी नौकरी का दावेदार बन सके।
- सभी अध्यायों को **पॉइन्ट टू पॉइन्ट** रूप में सरल भाषा में समझाया गया है। जिससे पढ़ने वाले छात्र (अभ्यर्थी) को बोझिलता या नीरसता को महसूस नहीं करें।
- इस पुस्तक में नवीन पाठ्यक्रमानुसार इतिहास विषय में नये अध्यायों—**चोल साम्राज्य**, मध्यकालीन अर्थव्यवस्था एवं स्थापत्यकला, मौर्य एवं गुप्तकालीन अर्थव्यवस्था, साहित्य व स्थापत्य का समावेश किया गया है।
- राजनीति विज्ञान में नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार **कानून एवं सामाजिक न्याय, लिंग बोध** (जेंडर परसेप्शन) अध्यायों का समावेश किया गया है।
- राजनीति विज्ञान के अध्यायों में नवीनतम संविधान संशोधनों, विधेयकों एवं तथ्यों का समावेश।
- भूगोल के नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार पृथ्वी के मुख्य जलवायु कटिबन्ध तथा पृथ्वी के प्रमुख परिमंडल नामक अध्यायों का समावेश।
- भूगोल विषय के अध्यायों में **आर्थिक समीक्षा 2023-24** के पूर्णतया नवीनतम व संवर्द्धित आँकड़े प्रस्तुत किये गये हैं।

लेखकगण

हिंगलाज चारण | ओमप्रकाश यादव | रामजी लाल यादव

दक्ष प्रकाशन

(A Unit of College Book Centre)

प्रकाशक :

परितोष वर्धन जैन

कॉलेज बुक सेन्टर

- A-19, सेठी कॉलोनी,
  जयपुर-302 004

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

लेजर टाईपसैटिंग :

पूजा एण्टरप्राईजेज़

जयपुर

मुद्रक :

के.डी. प्रिन्टर्स

जयपुर।

Code No.: D-809

- *प्रकाशक की अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी अंश का किसी भी प्रणाली के सहारे पुन:उत्पत्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीकी तरीके (इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फॉटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, डिजिटल, वेब) के माध्यम से अथवा इस पुस्तक का नाम, टाईटल, चित्र, रेखाचित्र, नक्शे, डिजाईन, कवर डिजाईन, सैटिंग, शिक्षण-सामग्री, विषय-वस्तु, पूर्ण या आंशिक रूप से किसी भी भाषा में हूबहू या तोड़-मरोड़ कर या अदल-बदल कर प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है। इस पुस्तक के प्रतिलिप्याधिकार प्रकाशक के पास सुरक्षित हैं।*
- *पुस्तक का कम्पोजिंग कार्य कम्प्यूटर द्वारा कराया गया है। पुस्तक के लेखन व प्रकाशन कार्य में लेखक, प्रूफ रीडर, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरतने के बावजूद भी अधूरी या पुरानी जानकारी का होना/कुछ ग़लतियों/कमियों का रह जाना मानवीय भूलवंश सम्भव है, जिसके लिए पुस्तक प्रकाशन से जुड़े मुद्रक, लेखक एवं प्रकाशक उत्तरदायी नहीं होंगे। पाठकों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।*
- *सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जयपुर (राज.) होगा।*

16 दिसम्बर, 2024 को जारी नवीनतम पाठ्यक्रम

राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (REET)-2024

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम (Syllabus)

लेवल-II

(उस व्यक्ति के लिए जो कक्षा 6 से 8 तक सामाजिक अध्ययन का शिक्षक बनना चाहता है)

(इस प्रश्न-पत्र के इस भाग में 60 अंकों के कुल 60 प्रश्न होंगे)

सामाजिक अध्ययन

- **भारतीय सभ्यता, संस्कृति एवं समाज**

  सिन्धु घाटी सभ्यता, वैदिक संस्कृति, जैन व बौद्ध धर्म, महाजनपदकाल।

- **मौर्य तथा गुप्त साम्राज्य एवं गुप्तोत्तर काल**

  राजनीतिक इतिहास और प्रशासन, अर्थव्यवस्था साहित्य एवं स्थापत्य, भारतीय संस्कृति के प्रति योगदान, भारत 600–1000 ईस्वी. वृहत्तर भारत

- **मध्यकाल एवं आधुनिक काल**

  चोल साम्राज्य, भक्ति और सूफी आन्दोलन, मुगल राजपूत सम्बन्ध; मुगल प्रशासन, मध्यकालीन अर्थव्यवस्था एवं स्थापत्य कला। भारतीय राज्यों के प्रति ब्रिटिश नीति, 1857 का विद्रोह, भारतीय अर्थव्यवस्था पर ब्रिटिश प्रभाव, पुनर्जागरण एवं सामाजिक सुधार, भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन (1885–1947)

- **भारतीय संविधान एवं लोकतंत्र**

  भारतीय संविधान का निर्माण व विशेषताएँ, उद्देशिका, मूल अधिकार एवं मूल कर्त्तव्य, कानून एवं सामाजिक न्याय, लिंग बोध (जेण्डर परसेप्शन) बाल अधिकार व बाल संरक्षण, लोकतंत्र में निर्वाचन व मतदाता जागरुकता।

- **सरकार : गठन एवं कार्य**

  संसद; राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्, राज्य सरकार, पंचायती राज एवं नगरीय स्व-शासन (राजस्थान के विशेष संदर्भ में), जिला प्रशासन व न्याय व्यवस्था।

- **पृथ्वी एवं हमारा पर्यावरण**

  सौर-मण्डल, अक्षांश, देशान्तर, पृथ्वी की गतियां, वायुदाब एवं पवनें, चक्रवात एवं प्रति चक्रवात, महासागरीय परिसंचरण, ज्वालामुखी, भूकम्प, पृथ्वी के मुख्य जलवायु कटिबन्ध, पृथ्वी के प्रमुख परिमण्डल, पर्यावरणीय समस्याएं एवं समाधान।

- **भारत का भूगोल एवं संसाधन**

  भू-आकृति, प्रदेश, जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, वन्य जीवन, मृदा, कृषि फसलें, उद्योग, खनिज, जनसंख्या, मानव संसाधन, विकास के आर्थिक एवं सामाजिक कार्यक्रम।

- **राजस्थान का भूगोल एवं संसाधन**

  भौतिक प्रदेश, जलवायु एवं अपवाह प्रणाली, झीले, मृदा, जल-संरक्षण एवं संग्रहण, कृषि फसलें, खनिज एवं ऊर्जा संसाधन, राजस्थान की प्रमुख नहरें एवं नदी घाटी परियोजनाएँ, परिवहन, उद्योग एवं जनसंख्या, पर्यटन स्थल, वन एवं वन्य जीवन।

- **राजस्थान का इतिहास**

  प्राचीन सभ्यताएँ एवं जनपद, राजस्थान के प्रमुख राजवंशों का इतिहास, 1857 की क्रांति में राजस्थान का योगदान, राजस्थान में प्रजामण्डल, जनजातीय व किसान आंदोलन, राजस्थान का एकीकरण, राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व।

- **राजस्थान की कला व संस्कृति**

  राजस्थान की विरासत (दुर्ग, महल, स्मारक), राजस्थान के मेले, त्योहार एवं लोक कलाएं, राजस्थान की चित्रकला, राजस्थान के लोक नृत्य एवं लोक नाट्य, लोक देवता, लोक संत, लोक संगीत एवं संगीत, वाद्य यंत्र, राजस्थान की हस्तकला एवं स्थापत्य कला, राजस्थान की वेशभूषा एवं आभूषण, राजस्थान की भाषा एवं साहित्य।

- **शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-I**

  सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन की संकल्पना एवं प्रकृति; कक्षा-कक्ष की प्रक्रियाएँ, क्रियाकलाप एवं विमर्श; सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन के अध्यापन की समस्याएँ; समालोचनात्मक चिन्तन का विकास।

- **शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-II**

  पृच्छा/आनुभविक साक्ष्य, शिक्षण अधिगम सामग्री एवं सहायक सामग्री, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, प्रायोजना कार्य, सीखने के प्रतिफल, मूल्यांकन।

➢ *बहुविकल्प प्रश्नों का मापदण्ड कक्षा 6 से 8 तक के राज्य सरकार द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम एवं शैक्षणिक सत्र 2024-25 की प्रचलित पाठ्य पुस्तकों के आधार पर होगा, लेकिन प्रश्नों का कठिनाई स्तर सीनियर सैकण्डरी (कक्षा 12) तक का होगा।*

विगत वर्षों के प्रश्न-पत्रों का अध्यायवार विश्लेषण

REET/RTET

क्र. सं.	अध्याय के नाम	2022 IV	2022 III	2022	2021	2017	2015	2012	2011	कुल
	भारतीय सभ्यता, संस्कृति एवं समाज									
1	सिन्धु घाटी सभ्यता	1	2	1	1	–	1	2	2	10
2	वैदिक संस्कृति	–	–	1	1	–	1	1	–	4
3	बौद्ध व जैन धर्म	3	2	2	1	–	1	–	–	9
4	महाजनपदकाल	–	1	1	1	3	–	–	–	6
	मौर्य तथा गुप्त साम्राज्य एवं गुप्तोत्तर काल									
1	मौर्य साम्राज्य (राजनीतिक इतिहास और प्रशासन, भारतीय संस्कृति के प्रति योगदान)	2	1	1	2	1	2	1	2	12
2	गुप्त साम्राज्य (राजनीतिक इतिहास और प्रशासन, अर्थव्यवस्था, साहित्य एवं स्थापत्य, भारतीय संस्कृति के प्रति योगदान)	2	1	3	1	1	1	1	2	12
3	गुप्तोत्तर काल (भारत 600-1000 ईस्वी)	–	3	2	–	–	–	3	1	9
4	वृहत्तर भारत	–	–	–	–	1	1	–	–	2
	मध्यकाल एवं आधुनिक काल									
1	चोल साम्राज्य	New Chapter Add Syllabus [16 Dec., 2024]								
2	भक्ति एवं सूफी आन्दोलन	1	1	1	1	2	–	1	2	9
3	मुगल-राजपूत सम्बन्ध	2	–	–	2	1	1	1	1	8
4	मुगल प्रशासन	1	2	2	–	–	–	–	1	6
5	मध्यकालीन अर्थव्यवस्था एवं स्थापत्य कला	New Chapter Add Syllabus [16 Dec., 2024]								
6	भारतीय राज्यों के प्रति ब्रिटिश नीति	–	–	–	–	–	–	–	–	–
7	1857 की क्रांति	1	1	–	–	–	–	–	3	5
8	भारतीय अर्थव्यवस्था पर ब्रिटिश प्रभाव	–	–	–	–	–	–	1	1	2
9	पुनर्जागरण एवं सामाजिक सुधार	1	1	1	1	–	3	2	–	9
10	भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन (1885-1947)	1	–	1	1	2	1	–	1	7
	भारतीय संविधान एवं लोकतंत्र									
1	भारतीय संविधान का निर्माण व विशेषताएँ	3	1	2	-	-	1	1	3	11
2	भारतीय संविधान की उद्देशिका	1	2	1	1	1	1	1	-	8
3	मूल अधिकार	2	-	1	1	2	3	1	1	11
4	नीति निदेशक तत्व एवं मूल कर्त्तव्य	—	1	—	—	1	1	1	1	5
5	कानून एवं सामाजिक न्याय	–	–	–	–	1	1	–	–	2
6	लिंग बोध	New Chapter Add Syllabus [16 Dec., 2024]								
7	बाल अधिकार व बाल संरक्षण	1	1	1	1	–	–	1	–	5
8	लोकतंत्र में निर्वाचन व मतदाता जागरुकता	–	1	–	2	–	–	–	–	3
	सरकार : गठन एवं कार्य									
1	सरकार : गठन एवं कार्य	–	–	–	2	–	–	–	–	2
2	संसद	–	1	1	1	1	1	–	1	6
3	राष्ट्रपति	3	–	1	1	1	1	1	2	10
4	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्	–	1	1	–	1	–	–	–	3
5	राज्य सरकार (राजस्थान सरकार)	–	–	–	–	–	–	–	–	–
6	पंचायती राज एवं नगरीय स्व-शासन (राजस्थान के विशेष संदर्भ में)	–	–	–	1	–	–	2	–	3
7	जिला प्रशासन व न्याय व्यवस्था	–	–	–	–	–	–	–	–	–

क्र. सं.	अध्याय के नाम	2022 IV	2022 III	2022	2021	2017	2015	2012	2011	कुल
	पृथ्वी एवं हमारा पर्यावरण									
1	सौरमंडल	1	1	–	–	–	–	–	–	2
2	अक्षांश एवं देशान्तर	1	1	–	–	–	–	–	–	2
3	पृथ्वी की गतियाँ	2	–	2	1	–	–	–	–	5
4	वैश्विक पवन प्रणाली	1	–	1	1	–	–	–	–	3
5	चक्रवात एवं प्रतिचक्रवात	1	–	1	1	1	–	–	1	5
6	महासागरीय परिसंचरण	1	1	1	–	–	–	–	–	3
7	ज्वालामुखी	1	–	–	–	–	–	–	–	1
8	भूकम्प	–	2	1	–	–	–	–	–	3
9	पृथ्वी के मुख्य जलवायु कटिबन्ध	New Chapter Add Syllabus [16 Dec., 2024]								
10	पृथ्वी के प्रमुख परिमंडल	New Chapter Add Syllabus [16 Dec., 2024]								
11	पर्यावरणीय समस्याएँ एवं समाधान	–	–	–	–	–	–	–	–	–
	भारत का भूगोल एवं संसाधन									
1	भू-आकृति प्रदेश	1	1	1	2	1	1	1	1	9
2	भारत की जलवायु	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3	भारत में प्राकृतिक वनस्पति	–	2	1	–	–	1	–	1	5
4	भारत में वन्य जीवन	–	–	–	–	–	–	1	–	1
5	भारत में मृदा संसाधन (मिट्टियाँ)	–	–	–	–	–	1	–	–	1
6	भारत में कृषि एवं फसलें	–	1	–	–	1	1	–	–	3
7	भारत में उद्योग	–	–	–	1	–	1	–	1	3
8	भारत में खनिज संसाधन	–	1	1	1	1	1	1	–	6
9	भारत में जनसंख्या एवं मानव संसाधन	–	–	–	1	1	1	–	–	3
10	भारत में विकास के सामाजिक एवं आर्थिक कार्यक्रम	–	–	–	–	–	–	–	–	–
	राजस्थान का भूगोल एवं संसाधन									
1	राजस्थान के भौतिक प्रदेश	1	–	1	1	–	1	1	1	6
2	राजस्थान की जलवायु	–	–	1	–	–	–	–	–	1
3	राजस्थान की अपवाह प्रणाली	1	1	–	1	2	–	–	–	5
4	राजस्थान की झीलें	1	–	–	–	1	–	–	–	2
5	राजस्थान में मृदा	–	–	–	–	–	–	–	–	–
6	राजस्थान में जल संरक्षण एवं संग्रहण	–	–	–	–	–	1	1	1	3
7	राजस्थान में कृषि फसलें	–	–	1	1	–	–	–	1	3
8	राजस्थान में खनिज एवं ऊर्जा संसाधन	1	–	–	–	–	1	2	1	5
9	राजस्थान की प्रमुख नहरें एवं नदी घाटी परियोजनाएँ	–	–	1	–	–	–	–	–	1
10	राजस्थान में परिवहन	–	–	–	–	1	–	–	1	2
11	राजस्थान के उद्योग	–	–	–	–	–	1	1	–	2
12	राजस्थान की जनसंख्या (जनगणना-2011)	–	–	–	–	–	–	–	–	–

क्र. सं.	अध्याय के नाम	2022 IV	2022 III	2022	2021	2017	2015	2012	2011	कुल
	पृथ्वी एवं हमारा पर्यावरण									
13	राजस्थान के पर्यटन स्थल	–	1	–	1	–	–	–	–	2
14	राजस्थान में वन एवं वन्य जीवन	1	1	–	–	1	–	–	–	3
	राजस्थान का इतिहास									
1	प्राचीन सभ्यताएँ एवं जनपद	–	–	–	–	1	–	–	–	1
2	राजस्थान के प्रमुख राजवंशों का इतिहास	2	1	1	2	1	2	–	–	9
3	1857 की क्रांति में राजस्थान का योगदान	–	1	1	–	–	–	–	1	3
4	राजस्थान में प्रजामण्डल आंदोलन	1	–	1	1	–	1	–	1	5
5	राजस्थान में जनजातीय व किसान आंदोलन	1	1	–	1	–	–	1	–	4
6	राजस्थान का एकीकरण	1	1	1	–	1	–	–	–	4
7	राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व	–	–	1	3	1	–	1	–	6
	राजस्थान की कला व संस्कृति									
1	राजस्थान की विरासत एवं स्थापत्य कला	–	1	1	1	–	–	1	2	6
2	राजस्थान के मेले	–	1	–	–	–	–	–	1	2
3	राजस्थान के त्योहार	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4	राजस्थान की चित्रकला एवं लोक कलाएँ	1	1	–	1	1	–	–	–	4
5	राजस्थान के लोक नृत्य एवं लोक नाट्य	–	1	1	–	1	–	–	–	3
6	राजस्थान के लोक देवता एवं देवियाँ	–	–	–	–	1	–	–	–	1
7	राजस्थान के लोक संत	2	–	–	1	1	–	–	1	5
8	राजस्थान के लोक संगीत एवं वाद्य यंत्र	–	–	1	1	–	–	–	–	2
9	राजस्थान की हस्तकला	–	–	–	–	–	–	–	–	–
10	राजस्थान की वेशभूषा एवं आभूषण	–	1	1	1	–	–	–	–	3
11	राजस्थान की भाषा एवं साहित्य	1	1	1	–	1	–	1	–	5
	शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-I									
1	सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन की संकल्पना एवं प्रकृति	5	2	2	1	3	3	2	–	18
2	कक्षा-कक्ष की प्रक्रियाएँ, क्रियाकलाप एवं विमर्श	–	–	4	3	3	1	1	–	12
3	सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन के अध्यापन की समस्याएँ	–	–	–	–	1	1	2	–	4
4	समालोचनात्मक चिंतन का विकास	–	1	–	–	–	1	–	–	2
	शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-II									
1	पृच्छा/आनुभाविक साक्ष्य	–	–	–	–	1	–	1	–	2
2	शिक्षण अधिगम की सामग्री एवं सहायक सामग्री	1	3	1	1	–	1	1	–	8
3	सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी : आई.सी.टी.	2	–	–	–	–	–	–	–	2
4	प्रायोजना कार्य	–	2	1	–	1	1	1		6
5	सीखने के प्रतिफल	–	–	–	–	–	–	–	–	–
6	मूल्यांकन	2	2	1	1	1	2	2	–	11

अनुक्रमणिका

क्र. स. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

❖ **REET : 2022, 2021, 2017, 2015, 2012, 2011** गत वर्षों के प्रश्नोत्तर P-1–P-22

भारतीय सभ्यता, संस्कृति एवं समाज 1–46

1 सिन्धु घाटी सभ्यता [Indus Valley Civilisation] 1
2 वैदिक संस्कृति [Vedic Culture] 12
3 बौद्ध व जैन धर्म [Buddhism & Jainism] 26
4 महाजनपदकाल [Mahajanapada Period] 41

मौर्य तथा गुप्त साम्राज्य एवं गुप्तोत्तर काल 47–108

1 मौर्य साम्राज्य [Maurya Dynasty] 47
(राजनीतिक इतिहास और प्रशासन, भारतीय संस्कृति के प्रति योगदान)
2 गुप्त साम्राज्य [Gupta Dynasty] 67
(राजनीतिक इतिहास और प्रशासन, अर्थव्यवस्था, साहित्य एवं स्थापत्य, भारतीय संस्कृति के प्रति योगयान)
3 गुप्तोत्तर काल [Post-Gupta Period] (भारत 600-1000 ईस्वी) 86
4 वृहत्तर भारत [Greater India] 102

मध्यकाल एवं आधुनिक काल 109–256

1 चोल साम्राज्य [Cholas Empire] 109
2 भक्ति एवं सूफी आन्दोलन [Bhakti and Sufi Movements] 122
3 मुगल-राजपूत सम्बन्ध [Mughal-Rajput Relations] 137
4 मुगल प्रशासन [Mughal Administration] 154
5 मध्यकालीन अर्थव्यवस्था एवं स्थापत्य कला
[Economy & Architecture of Medieval Period] 168
6 भारतीय राज्यों के प्रति ब्रिटिश नीति
[British Policy towards Indian States] 191
7 1857 की क्रांति [Revolution of 1857] 198
8 भारतीय अर्थव्यवस्था पर ब्रिटिश प्रभाव [British Impact on Indian Economy] 206
9 पुनर्जागरण एवं सामाजिक सुधार [Renaissance and Social Reforms] 214
10 भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन (1885-1947)
[Indian National Movement : 1885-1947] 229

भारतीय संविधान एवं लोकतंत्र 257–316

1 भारतीय संविधान का निर्माण व विशेषताएँ
[Framing & Features of Indian Constitution] 257
2 भारतीय संविधान की उद्देशिका [Preamble of Indian Constitution] 268
3 मूल अधिकार [Fundamental Right] 273

क्र. स.	अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
4	नीति निदेशक तत्व एवं मूल कर्त्तव्य [Directive Principles of Policy & Fundamental Duties]	285
5	कानून एवं सामाजिक न्याय [Law and Social Justice]	291
6	लिंग बोध [Gender Perception]	296
7	बाल अधिकार व बाल संरक्षण [Child Rights and Child Protection]	300
8	लोकतंत्र में निर्वाचन व मतदाता जागरुकता [Election in Democracy & Voters Awareness]	309
	सरकार : गठन एवं कार्य	**317–382**
1	सरकार : गठन एवं कार्य [Government : Composition & Functions]	317
2	संसद [Parliament]	323
3	राष्ट्रपति [President]	340
4	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद् [Prime Minister & Council of Ministers]	356
5	राज्य सरकार (राजस्थान सरकार) [State Government (Govt. of Rajasthan)]	366
6	पंचायती राज एवं नगरीय स्व-शासन (राजस्थान के विशेष संदर्भ में) [Panchayati Raj & Urban Self-Government (in reference to Rajasthan)]	375
7	जिला प्रशासन व न्याय व्यवस्था [District Administration & Judicial System]	379
	पृथ्वी एवं हमारा पर्यावरण	**383–450**
1	सौरमंडल [Solar System]	383
2	अक्षांश एवं देशान्तर [Latitude and Longitude]	391
3	पृथ्वी की गतियाँ [Earth's Movement]	397
4	वैश्विक पवन प्रणाली [Global Wind System]	401
5	चक्रवात एवं प्रतिचक्रवात [Cyclone and Anti-cyclone]	412
6	महासागरीय परिसंचरण [Ocean Circulation]	417
7	ज्वालामुखी [Volcano]	424
8	भूकम्प [Earthquake]	429
9	पृथ्वी के मुख्य जलवायु कटिबन्ध [Main Climatic Zones of the Earth]	434
10	पृथ्वी के प्रमुख परिमंडल [Major Spheres of the Earth]	436
11	पर्यावरणीय समस्याएँ एवं समाधान [Environmental Problems and their Solutions]	441
	भारत का भूगोल एवं संसाधन	**451–542**
1	भू-आकृति प्रदेश [Physiographic Regions]	451
2	भारत की जलवायु [Climate of India]	469
3	भारत में प्राकृतिक वनस्पति [Natural Vegetation in India]	482

क्र. स.	अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
4	भारत में वन्य जीवन [Wild Life in India]	489
5	भारत में मृदा संसाधन (मिट्टियाँ) [Soil Resources in India]	496
6	भारत में कृषि एवं फसलें [Agriculture & Crops in India]	503
7	भारत में उद्योग [Industries in India]	510
8	भारत में खनिज संसाधन [Mineral Resources in India]	518
9	भारत में जनसंख्या एवं मानव संसाधन [Population & Human Resources in India]	530
10	भारत में विकास के सामाजिक एवं आर्थिक कार्यक्रम [Economic and Social Programmes of Development in India]	534
	राजस्थान का भूगोल एवं संसाधन	**543–636**
1	राजस्थान के भौतिक प्रदेश [Physical Regions of Rajasthan]	543
2	राजस्थान की जलवायु [Climate of Rajasthan]	547
3	राजस्थान की अपवाह प्रणाली [Drainage System of Rajasthan]	550
4	राजस्थान की झीलें [Lakes of Rajasthan]	555
5	राजस्थान में मृदा [Soil in Rajasthan]	558
6	राजस्थान में जल संरक्षण एवं संग्रहण [Water Conservation and Harvesting in Rajasthan]	561
7	राजस्थान में कृषि फसलें [Agriculture Crops in Rajasthan]	564
8	राजस्थान में खनिज एवं ऊर्जा संसाधन [Minerals and Energy Resources in Rajasthan]	571
9	राजस्थान की प्रमुख नहरें एवं नदी घाटी परियोजनाएँ [Major Canals & River-valley Projects of Rajasthan]	582
10	राजस्थान में परिवहन [Transportation in Rajasthan]	588
11	राजस्थान के उद्योग [Industries of Rajasthan]	594
12	राजस्थान की जनसंख्या (जनगणना-2011) [Population of Rajasthan (Census-2011)]	604
13	राजस्थान के पर्यटन स्थल [Tourist Places of Rajasthan]	610
14	राजस्थान में वन एवं वन्य जीवन [Forest & Wild Life in Rajasthan]	627
	राजस्थान का इतिहास	**637–684**
1	प्राचीन सभ्यताएँ एवं जनपद [Ancient Civilizations and Janpadas]	637
2	राजस्थान के प्रमुख राजवंशों का इतिहास [History of major dynasties of Rajasthan]	641
3	1857 की क्रांति में राजस्थान का योगदान [Contribution of Rajasthan in revolt of 1857]	653
4	राजस्थान में प्रजामण्डल आंदोलन [Prajamandal Movement in Rajasthan]	658
5	राजस्थान में जनजातीय व किसान आंदोलन [Tribal's & Peasant's Movement in Rajasthan]	664

क्र. स.	अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
6	राजस्थान का एकीकरण [Integration of Rajasthan]	674
7	राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व [Major Personalities of Rajasthan]	678
	राजस्थान की कला व संस्कृति	**685–744**
1	राजस्थान की विरासत एवं स्थापत्य कला [Heritage & Architecture of Rajasthan]	685
2	राजस्थान के मेले [Fairs of Rajasthan]	697
3	राजस्थान के त्योहार [Festivals of Rajasthan]	700
4	राजस्थान की चित्रकला एवं लोक कलाएँ [Paintings and Folk-arts of Rajasthan]	703
5	राजस्थान के लोक नृत्य एवं लोक नाट्य [Folk Dance and Folk Drama of Rajasthan]	709
6	राजस्थान के लोक देवता एवं देवियाँ [Lok-Devta and Lok-Deviyan of Rajasthan]	715
7	राजस्थान के लोक संत [Lok Saint of Rajasthan]	720
8	राजस्थान के लोक संगीत एवं वाद्य यंत्र [Folk Music and Musical Instruments of Rajasthan]	724
9	राजस्थान की हस्तकला [Handicrafts of Rajasthan]	730
10	राजस्थान की वेशभूषा एवं आभूषण [Dresses and Ornaments of Rajasthan]	734
11	राजस्थान की भाषा एवं साहित्य [Languages & Literature of Rajasthan]	738
	शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-I	**745–782**
1	सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन की संकल्पना एवं प्रकृति [Concept and Nature of Social Science/Social Study]	745
2	कक्षा-कक्ष की प्रक्रियाएँ, क्रियाकलाप एवं विमर्श [Classroom Processes, Activities and Discussion]	756
3	सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन के अध्यापन की समस्याएँ [Problems of Teaching Social Science/ Social Studies]	772
4	समालोचनात्मक चिंतन का विकास [Development of Critical Thinking]	777
	शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-II	**783–832**
1	पृच्छा/आनुभाविक साक्ष्य [Enquiry/Empirical Approach]	783
2	शिक्षण अधिगम की सामग्री एवं सहायक सामग्री [Teaching Learning Material and Teaching Aids]	787
3	सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी : आई.सी.टी. [Information and Communication Technology : ICT]	804
4	प्रायोजना कार्य [Project Work]	815
5	सीखने के प्रतिफल [Learning Outcomes]	821
6	मूल्यांकन [Evaluation]	826

विज्ञप्ति 2022

REET#Level-II (6-8)

24 जुलाई, 2022 (Shift-IV) को आयोजित (उत्तर सहित)

सामाजिक अध्ययन

(इस खण्ड में कुल 60 प्रश्न हैं जिन अभ्यर्थियों ने इस विषय का चयन किया है उन्हें सभी प्रश्न करना अनिवार्य है।)

91. वर्तमान रूप में उपलब्ध भगवान महावीर एवं उनके अनुयायियों की शिक्षाएँ लगभग 1500 वर्ष पूर्व गुजरात में किस स्थान पर लिखी गई थीं?
(A) वल्लभी (B) लोथल (C) रंगपुर (D) भरुच

92. संघ में पुरुषों और स्त्रियों के रहने की अलग-अलग व्यवस्था थी, यह हमें किस त्रिपिटक से पता चलता है?
(A) अभिधम्म पिटक (B) सुत्त पिटक
(C) विनय पिटक (D) इनमें से कोई नहीं

93. कौन सी नदियों ने मगध के यातायात, जल-वितरण एवं जमीन को उपजाऊ बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया?
(A) गोदावरी - तुंगभद्रा (B) गंगा-सोन
(C) चंबल - माही (D) कृष्णा - कावेरी

94. अशोक के अधिकांश अभिलेख पाये गये हैं
(A) प्राकृत भाषा और ब्राह्मी लिपि
(B) पालि भाषा और देवनागरी लिपि
(C) संस्कृत भाषा और ब्राह्मी लिपि
(D) पंजाबी भाषा और गुरुमुखी लिपि

95. वह कौन सा भू-भाग था जो ब्राह्मणों को दान दिया जाता था तथा उनसे भूमिकर व अन्य प्रकार के कर राजा द्वारा नहीं वसूले जाते थे?
(A) अग्रभाग (B) अग्रहार
(C) अग्रदान (D) भूमि-दान

96. 'प्रयाग-प्रशस्ति' की रचना समुद्रगुप्त के राजकवि हरिषेण ने किस भाषा में की थी?
(A) प्राकृत (B) हिन्दी (C) पालि (D) संस्कृत

97. शुंग वंश की स्थापना किस मौर्य सेनानायक द्वारा की गई थी?
(A) पुष्यमित्र शुंग (B) अग्निमित्र शुंग
(C) असुमित्र शुंग (D) देवभूति शुंग

98. कनिष्क का राजकवि चुनें जिसने बुद्ध की जीवनी, 'बुद्धचरित' की रचना की थी।
(A) सौन्दरानन्द (B) अश्वघोष
(C) शूद्रक (D) हर्षवर्धन

99. मुगल प्रांतों में एक प्रशासनिक मंडल कौन सा था?
(A) पेशकश (B) जाग़ीर
(C) मिल्कियत (D) परगना

100. अलवार संतों का एक मुख्य काव्य संकलन जिसे तमिल वेद के रूप में भी जाना जाता है—
(A) तोंदराडिप्पोडि (B) करइक्काल अम्मइयार
(C) तवरम (D) नलयिरा दिव्यप्रबंधम

101. मुगल शासक जहाँगीर की माता किस राजपूत वंश से संबंधित थी?
(A) कच्छवाहा (B) राठौड़
(C) परमार (D) चौहान

102. 'ये फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा।' 1851 में गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी ने यह कथन किस रियासत के बारे में कहा था?
(A) सतारा (B) अवध (C) झाँसी (D) नागपुर

103. 'प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस' हेतु कौन सा दिन निर्धारित किया गया था?
(A) 14 अगस्त, 1948 (B) 16 अगस्त, 1947
(C) 14 अगस्त, 1946 (D) 16 अगस्त, 1946

104. किस संविधान संशोधन के द्वारा भारत में वयस्क मताधिकार की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की गयी?
(A) 59 (B) 61 (C) 63 (D) 71

105. भारत के संविधान की प्रस्तावना में कौन सी विशेषता नहीं है?
(A) पंथ-निरपेक्षता (B) संघीय शासन
(C) राजनीतिक न्याय (D) प्रतिष्ठा की समानता

106. भारत की संविधान निर्मात्री सभा के उपाध्यक्ष कौन थे?
(A) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (B) के.एम. मुन्शी
(C) ए.एन. सिन्हा (D) एच.सी. मुखर्जी

107. 'संपत्ति का अधिकार' वर्तमान में भारत के संविधान के किस अनुच्छेद में वर्णित है?
(A) 224(क) (B) 290(क)
(C) 300(क) (D) 312(क)

108. 6 से 14 वर्ष उम्र के बालकों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने हेतु कौन सा संविधान संशोधन किया गया?
(A) 74वाँ (B) 81वाँ (C) 86वाँ (D) 91वाँ

109. भारत के उपराष्ट्रपति के निर्वाचक मण्डल में कौन शामिल है?
(A) संसद के मनोनीत सदस्य
(B) राज्य विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य
(C) (A) और (B) दोनों
(D) राज्य विधानसभाओं के मनोनीत सदस्य

110. भारत के उच्चतम न्यायालय से परामर्श करने की राष्ट्रपति की शक्ति भारत के संविधान के किस अनुच्छेद में वर्णित है?
(A) 143 (B) 147 (C) 140 (D) 145

111. भारत के संविधान के किस भाग में शहरी स्थानीय शासन वर्णित है?
(A) 8 (B) 9(क) (C) 11 (D) 10(क)

134. 'पिछवई चित्रांकन' किस चित्रकला शैली से संबंधित है?
(A) किशनगढ़ चित्रकला शैली (B) बीकानेर चित्रकला शैली
(C) अलवर चित्रकला शैली (D) नाथद्वारा चित्रकला शैली

135. 'रांगड़ी' और 'नीमाड़ी' किस राजस्थानी बोली की उपबोलियाँ हैं?
(A) मालवी (B) वागड़ी
(C) हाड़ौती (D) शेखावटी

136. कौन 'वागड़ की मीरा' के नाम से भी जानी जाती थी?
(A) मीरा बाई (B) गवरी बाई
(C) कोयल बाई (D) काली बाई

137. निम्न में से कौन सा सामाजिक विज्ञान का लक्ष्य नहीं है ?
(A) बौद्धिक व मानसिक विकास
(B) अवकाश के समय का सदुपयोग करना
(C) सामाजिक परिवर्तन लाने में सहायक बनना
(D) शिक्षण शिष्टाचार

138. सामाजिक विज्ञान में शिक्षण-अधिगम सामग्री का महत्त्व है :
(A) समय और परिश्रम की बचत
(B) विषय वस्तु की स्पष्टता
(C) (A) और (B) दोनों गलत हैं
(D) (A) और (B) दोनों सही हैं

139. 'सामाजिक विज्ञान से तात्पर्य अध्ययन की उन शाखाओं से है जो मानव मात्र को उनके सामाजिक सम्बन्धों के सन्दर्भ में समझने में सहायता करते हैं ।' यह परिभाषा दी है
(A) कोलम्बिया एनसाइक्लोपीडिया
(B) ब्रिटेनिका एनसाइक्लोपीडिया
(C) एनसाइक्लोपीडिया ऑफ सोशल साइंसेज
(D) सामाजिक अध्ययन आयोग, यू.एस.ए. की रिपोर्ट

140. सूचना तकनीकी का शिक्षा में सबसे पहले उपयोग किस देश में किया गया?
(A) ब्रिटेन (B) यू.एस.ए.
(C) फ्रांस (D) जर्मनी

141. एक अच्छे मूल्यांकन के लिए कौन सा मापदंड सही नहीं है?
(A) वैधता (B) विश्वसनीयता
(C) वस्तुनिष्ठता (D) व्यक्तिपरकता

142. सामाजिक विज्ञान शिक्षण के मूल्य हैं
(A) सामाजिक मूल्य
(B) जनतांत्रिक मूल्य
(C) कलात्मक और मनोरंजनात्मक मूल्य
(D) उपरोक्त सभी

143. संकलनात्मक मूल्यांकन निम्न के लिए अनुपयुक्त है
(A) श्रेणी (ग्रेड) निश्चित करने में
(B) विद्यार्थी अधिगम का सार संक्षेप तैयार करने में
(C) सत्रांत मूल्यांकन में
(D) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की प्रगति पर निगरानी में

144. निम्न में से कौन सा विषय उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान में सम्मिलित नहीं है?
(A) इतिहास (B) नागरिकशास्त्र
(C) भूगोल (D) मनोविज्ञान

145. निम्न में से शिक्षण के 'अनुप्रयोग उद्देश्य' का सही उदाहरण है
(A) परिभाषा देना (B) वर्गीकरण करना
(C) स्थापित करना (D) प्रत्यास्मरण करना

146. सूचना तकनीकी के मुख्य घटक हैं
(A) सॉफ्टवेयर (B) हार्डवेयर
(C) उपयोगकर्ता (D) उपर्युक्त सभी

147. कौन सी स्थायी पवनें 30° दक्षिणी अक्षांशों से 60° दक्षिणी अक्षांशों के मध्य प्रवाहित होती हैं?
(A) दक्षिण-पूर्वी व्यापारिक पवनें
(B) ध्रुवीय पूर्वी पवनें
(C) पछुआ पवनें
(D) उत्तर-पूर्वी व्यापारिक पवनें

148. विली-विलीज चक्रवात कहाँ उत्पन्न होते हैं?
(A) पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया (B) प्रशांत महासागर
(C) अटलांटिक महासागर (D) हिंद महासागर

149. निम्नलिखित महासागरीय धाराओं में से कौन सी धाराएँ दक्षिणी अटलांटिक महासागर में स्थित हैं?
(1) ब्राजीलियन धारा (2) बैंगुएला धारा
(3) ओयाशिवो धारा (4) गल्फ स्ट्रीम धारा
(A) 2, 4 (B) 1, 2
(C) 3, 4 (D) 1, 2, 4

150. देहरादून, कोटलीदून एवं पाटलीदून स्थित हैं
(A) हिमाद्री व हिमाचल के मध्य
(B) हिमाचल व शिवालिक के मध्य
(C) शिवालिक के दक्षिणी भागों पर
(D) हिमाद्री के उत्तरी भागों पर

उत्तरमाला

91.(A)	92.(C)	93.(B)	94.(A)	95.(B)	96.(D)	97.(A)	98.(B)	99.(D)	100.(D)
101.(A)	102.(B)	103.(D)	104.(B)	105.(B)	106.(D)	107.(C)	108.(C)	109.(A)	110.(A)
111.(B)	112.(A)	113.(A)	114.(B)	115.(D)	116.(A)	117.(C)	118.(B)	119.(C)	120.(*)
121.(B)	122.(*)	123.(D)	124.(A)	125.(D)	126.(A)	127.(A)	128.(C)	129.(A)	130.(B)
131.(D)	132.(B)	133.(A)	134.(D)	135.(A)	136.(B)	137.(D)	138.(D)	139.(A)	140.(B)
141.(D)	142.(D)	143.(D)	144.(D)	145.(C)	146.(D)	147.(C)	148.(A)	149.(B)	150.(B)

109. हमारे देश का केन्द्रीय बैंक है—
(A) भारतीय स्टेट बैंक (B) भारतीय रिजर्व बैंक
(C) सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया (D) बैंक ऑफ बड़ौदा

110. राजस्थान राज्य सहकारी बैंक का मुख्यालय स्थित है—
(A) जोधपुर (B) जयपुर (C) अजमेर (D) कोटा

111. 'सौ टापूओं का शहर' राजस्थान के किस जिले में स्थित है—
(A) डूँगरपुर (B) उदयपुर
(C) प्रतापगढ़ (D) बाँसवाड़ा

112. राजस्थान की निम्न में से कौनसी जनजाति को भारत सरकार द्वारा आदिम जनजाति समूह की सूची में शामिल किया गया है—
(A) भील (B) सहरिया (C) गरासिया (D) मीणा

113. राजस्थान में मीठे पानी की सबसे बड़ी झील है—
(A) जयसमन्द (B) राजसमन्द
(C) कायलाना (D) सिलीसेढ़

114. राजस्थान भारत में निम्न में से कौनसी फसल का सर्वाधिक उत्पादक राज्य है—
(A) मक्का (B) मूँगफली (C) सरसों (D) कपास

115. अध्यापन कक्ष में पृथ्वी की आकृति को समझाने का सर्वश्रेष्ठ साधन क्या है—
(A) ग्लोब (B) मानचित्र (C) रेखाचित्र (D) चार्ट

116. राज्य विधान परिषद् में राज्यपाल द्वारा कितने सदस्यों का मनोनयन किया जाता है—
(A) 1/3 (B) 1/12 (C) 1/9 (D) 1/6

117. स्वतंत्र भारत की पहली लोकसभा के प्रथम उपाध्यक्ष थे—
(A) सरदार हुकुम सिंह (B) एस.वी. कृष्णामूर्ति राव
(C) अनन्त शयनम अयंगर (D) जी.जी. स्वेल

118. भारत में मतदान के दौरान मतदान केन्द्र पर 'मतदाता रजिस्टर' का प्रभारी कौन होता है—
(A) प्रथम मतदान अधिकारी (B) द्वितीय मतदान अधिकारी
(C) तृतीय मतदान अधिकारी (D) पीठासीन अधिकारी

119. किस शासन प्रणाली में कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी होती है—
(A) संसदीय सरकार (B) अध्यक्षीय सरकार
(C) सर्वाधिकारवादी सरकार (D) सैनिक शासन

120. निम्न में से कौनसा 'ज्ञान उद्देश्य' का उदाहरण है—
(A) व्याख्या करना (B) रचना करना
(C) परिभाषित करना (D) विश्लेषण करना

121. दुर्गादास राठौड़ की छतरी किस राज्य में स्थित है—
(A) राजस्थान (B) उत्तर प्रदेश
(C) मध्य प्रदेश (D) गुजरात

122. चावण्ड चित्रकला शैली का विकास किस क्षेत्र में हुआ—
(A) मेवाड़ (B) हाड़ौती
(C) मारवाड़ (D) शेखावाटी

123. श्रीमती किशोरी देवी किस किसान आन्दोलन से सम्बद्ध रहीं—
(A) बरड़ (B) सीकर (C) बिजौलिया (D) बीकानेर

124. 'बजट्टी' नामक आभूषण शरीर के किस भाग में धारण किया जाता है—
(A) नाक (B) दांत (C) कान (D) गला

125. एडवर्ड थॉर्नडाइक (1898) को शिक्षा मनोविज्ञान में किस सिद्धान्त के लिए जाना जाता है—
(A) स्मृति का सिद्धान्त (B) विस्मृति का सिद्धान्त
(C) सीखने का सिद्धान्त (D) समायोजन का सिद्धान्त

126. निम्नलिखित में से कौनसा वाद्य यंत्र बांसुरी की तरह होता है—
(A) अलगोजा (B) भपंग
(C) रावणहत्था (D) तंदूरा

127. निम्नलिखित में से कौनसा एक युग्म सही सुमेलित है—

महाजनपद	नगर
(A) गांधार	मथुरा
(B) अंग	उज्जैन
(C) अवन्ति	सोत्थवती
(D) कम्बोज	राजपुर

128. भण्डदेवरा मंदिर किस जिले में स्थित है—
(A) बूँदी (B) कोटा
(C) बाराँ (D) झालावाड़

129. चन्द्रगुप्त मौर्य के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. उसने सेल्यूकस की पुत्री के साथ विवाह किया।
2. उसने अपने जीवन के अंतिम काल में बौद्ध धर्म स्वीकार किया।
3. उसने अशोक को अपना उत्तराधिकारी बनाया
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही हैं—
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1, 2 (D) 1, 2, 3

130. अशोक के अभिलेखों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. अधिकांश अभिलेख प्राकृत भाषा में हैं
2. अधिकांश अभिलेख ब्राह्मी लिपि में हैं
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1, 2 (D) इनमें से कोई नहीं

131. डूँगजी व जवाहरजी ने किन राज्यों की सेना के विरुद्ध संघर्ष किया—
(A) बीकानेर व जोधपुर (B) भरतपुर व जोधपुर
(C) भरतपुर व बीकानेर (D) उदयपुर व बाँसवाड़ा

132. निम्न में से किस क्रांतिकारी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए 'अमरदास वैरागी' का छद्म नाम धारण किया—
(A) अर्जुनलाल सेठी (B) प्रतापसिंह बारहठ
(C) केसरी सिंह बारहठ (D) जोरावर सिंह बारहठ

133. राजस्थान के किस क्रांतिकारी को तिहाड़ जेल में रखा गया था—
(A) अर्जुनलाल सेठी (B) गोपाल सिंह खरवा
(C) केसरी सिंह बारहठ (D) प्रतापसिंह बारहठ

134. निम्नलिखित में से कौन हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप के चंदावल दस्ते में शामिल थे?
1. पुरोहित गोपीनाथ 2. राणा पूंजा
3. जयमल मेहता 4. हकीम खाँ
5. चारण जैसा 6. कृष्णदास चूडावत
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 2, 3, 4, 5
(C) 2, 3, 5, 6 (D) 1, 2, 3, 5

(A) मूल्यांकन के लिये (B) आनुभविक साक्ष्य के लिए
(C) मनोरंजन के लिए (D) इनमें से सभी

95. सामाजिक विज्ञान में किस प्रकार की शिक्षण सामग्री सबसे उपयोगी होती है?
(A) मॉडल (B) संग्रहालय
(C) दृश्य-श्रव्य सामग्री (D) ड्राइंग उपकरण

96. सामाजिक विज्ञान अध्ययन की आवश्यकता है—
(A) सामाजिक-सांस्कृतिक संरचना एवं उसके पर्यावरण से सम्बन्ध को समझने के लिए
(B) ढाँचागत सुविधाओं के विकास के लिए
(C) तीव्र आर्थिक विकास के लिए
(D) शैक्षणिक समस्याओं को समझने के लिए

97. निम्नलिखित में से सामाजिक विज्ञान की नवीन संकल्पना कौन-सी है?
(A) तथ्यात्मक सूचनाओं को एकत्र करना
(B) सामाजिक प्रथाओं का अध्ययन
(C) मानवीय सम्बन्धों का अध्ययन एवं समाज को श्रेष्ठ बनाना
(D) अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्धों का अध्ययन

98. सामाजिक विज्ञान कक्षा-कक्ष की प्रमुख आवश्यकता क्या है?
(A) स्थिति, बनावट एवं स्थान
(B) पुस्तकालय एवं वाचनालय का संलग्न होना
(C) प्रदर्शन की सुविधा (D) प्रयोगों की सुविधा

99. सामाजिक विज्ञान में कक्षा-कक्ष प्रक्रिया विकसित करने में सहायक होता है—
(A) ज्ञान (B) कुशलता (C) अभिव्यक्ति (D) इनमें से सभी

100. सामाजिक विज्ञान अध्ययन की प्रमुख समस्या है—
(A) छोटे कक्षा-कक्ष
(B) अध्यापक-छात्र अनुपात में वृद्धि होना
(C) अप्रशिक्षित अध्यापक
(D) पुस्तकालय सुविधाओं में कमी

101. विरासत के संरक्षण हेतु स्मारक, पुराशेष स्थान एवं प्राचीन वस्तु अधिनियम राजस्थान में कब लागू हुआ?
(A) 1961 (B) 1971 (C) 1947 (D) 1952

102. 'बालद' क्या है?
(A) मांड गायन की परम्परा
(B) बिणजारों की वह बैल समूह, जिसकी पीठ पर माल लादकर विक्रय हेतु ले जाया जाता है
(C) 'ओलयूं' का पर्यायवाची
(D) अकाल पड़ने पर मवेशियों को चारे-पानी की खोज में अन्य भू-भागों में ले जाने की घटना

103. राजस्थान के जननायक माणिक्यलाल वर्मा के बारे में निम्न में से कौन-सा कथन असत्य है?
(A) इनका जन्म बिजौलिया में हुआ था
(B) इन्होंने अपना जीवन एक किसान के रूप में शुरू किया था
(C) वे बिजौलिया किसान आन्दोलन से लम्बे समय तक सम्बद्ध रहे
(D) स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् वे वृहत्तर राजस्थान के प्रधानमंत्री बने।

104. राजस्थान की अमूल्य साहित्यिक धरोहर 'वातां री फुलवारी' कितने खण्डों में उपलब्ध है?
(A) 8 (B) 10 (C) 12 (D) 16

105. ऐतिहासिक स्थल 'मानगढ़' राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) डूँगरपुर (B) प्रतापगढ़ (C) राजसमन्द (D) बाँसवाड़ा

106. निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन अरावली श्रेणियों के लिए सही है?
(A) वर्ष में सहायक
(B) जल विद्युत उत्पादन के लिए उपयुक्त
(C) जल विभाजक का कार्य करता है
(D) परिवहन के लिए अवरोधक

107. निम्नलिखित में से कौन-सा एक राजस्थान में वर्षा जल संग्रहण की परम्परागत विधि है?
(A) तालाब (B) कुआँ (C) नदी (D) टांका

108. राजस्थान के किस जिले में छबड़ा तापीय ऊर्जा केन्द्र स्थित है?
(A) कोटा (B) बाराँ (C) झालावाड़ (D) सवाई माधोपुर

109. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

उद्योग		स्थान
(A) हिन्दुस्तान मशीन टूल्स (एचएमटी)	—	अजमेर
(B) बॉल बियरिंग	—	अलवर
(C) सीमेन्ट	—	मोड़क
(D) विद्युत मीटर	—	जयपुर

110. राजस्थान में प्रमुख अभ्रक उत्पादक जिले हैं—
(A) अजमेर, भीलवाड़ा और जयपुर
(B) उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और राजसमन्द
(C) भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और कोटा
(D) जयपुर, दौसा और टोंक

111. कौन-सा भू-आकार 'विश्व की छत' के नाम से जाना जाता है?
(A) महा हिमालय (B) पामीर का पठार
(C) तिब्बत का पठार (D) दक्षिण का पठार

112. भारत के किस राज्य में ग्रीष्म ऋतु में सामान्यतया 'काल वैशाखी' हवायें चलती हैं?
(A) पश्चिम बंगाल (B) असम (C) उड़ीसा (D) बिहार

113. भारत के किस क्षेत्र में याक पशु मिलता है?
(A) सुन्दरवन (B) अरुणाचल प्रदेश (C) दार्जिलिंग (D) लद्दाख

114. निम्नलिखित में से किस एक स्थान पर एण्टीबायोटिक दवाओं की उत्पादक इकाई है?
(A) ऋषिकेश (B) देहरादून (C) शिमला (D) चंडीगढ़

115. भारत में 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम' किस वर्ष में लागू किया गया?
(A) 1982 (B) 1986 (C) 1988 (D) 1991

116. निम्नलिखित में से कौन-सा धात्विक खनिज नहीं है?
(A) बॉक्साइट (B) ताँबा (C) क्रोमाइट (D) अभ्रक

117. निम्न में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

संसाधन का प्रकार		उदाहरण
(A) अनवीकरणीय संसाधन	—	प्राकृतिक गैस
(B) प्राकृतिक संसाधन	—	जल
(C) जैव संसाधन	—	वन
(D) सर्वव्यापक संसाधन	—	ताँबा

118. सतत् पोषणीय विकास की अवधारणा का सम्बन्ध है—
(A) संसाधनों के अधिकतम उपयोग से
(B) संसाधनों के संरक्षण से
(C) संसाधनों के औद्योगिक उपयोग से
(D) ऊर्जा संसाधनों के विकास से

119. वन्य जीवों के कम होने का एक प्रमुख कारण है—
(A) प्राकृतिक आवासों का नष्ट होना (B) बाँधों का निर्माण
(C) बाढ़ (D) नगरीकरण

120. विश्व में निम्नलिखित में से किस एक प्रदेश में गहन निर्वाह कृषि अधिक प्रचलित है?
(A) शीतोष्ण प्रदेश (B) भूमध्यसागरीय प्रदेश
(C) मानसूनी प्रदेश (D) अर्द्धशुष्क प्रदेश

121. किस महासागर में 'मेरियाना गर्त' स्थित है?
(A) हिन्द महासागर (B) प्रशान्त महासागर
(C) अन्ध महासागर (D) उत्तरी ध्रुव सागर

122. क्षेत्रफल के आधार पर विश्व का सबसे बड़ा और सबसे छोटा महाद्वीप है—
(A) अफ्रीका एवं ऑस्ट्रेलिया (B) एशिया एवं एन्टार्कटिका
(C) एशिया एवं ऑस्ट्रेलिया (D) उत्तरी अमेरिका एवं एन्टार्कटिका

123. निम्नलिखित में से कौन-सा एक पृथ्वी का परिमण्डल नहीं है?

भारतीय सभ्यता, संस्कृति एवं समाज

1 सिन्धु घाटी सभ्यता [Indus Valley Civilisation]

नगर नियोजन, सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक जीवन

- बीसवीं सदी के शुरुआती दशकों तक पश्चिमी विद्वानों की यह धारणा थी कि सिकन्दर के आक्रमण (326 ई.पू.) से पहले भारत में कोई सभ्यता ही नहीं थी परन्तु इसी सदी के द्वितीय दशक के अंतिम सालों में इस भ्रामक धारणा का निराकरण हुआ।
- जब सिन्धु व उसकी सहायक नदियों के किनारे एक विशाल सभ्यता के अस्तित्व के साक्ष्य मिले। जब 20वीं शताब्दी के तीसरे दशक (1924) में सिन्धु घाटी सभ्यता की खोज की घोषणा हुई और मान्यता मिली तो यह सभ्यता विश्व की प्राचीन नदी घाटी सभ्यताओं में से एक थी। नगर नियोजन, भवन निर्माण व स्वच्छता में तो यह सभ्यता विश्व की समकालीन सभ्यताओं (मिस्र एवं सुमेरियन) से भी उत्कृष्ट थी। इस सभ्यता की खोज ने भारत के प्राचीन इतिहास को विश्व के मानचित्र पर उकेर दिया। भारत की इस प्राचीन व प्रसिद्ध सभ्यता को सिन्धु घाटी सभ्यता कहा जाता है।
- सिन्धु घाटी सभ्यता को सम्पूर्णता में समझने हेतु इस अध्याय में निम्नलिखित बिन्दुओं को शामिल किया गया है—

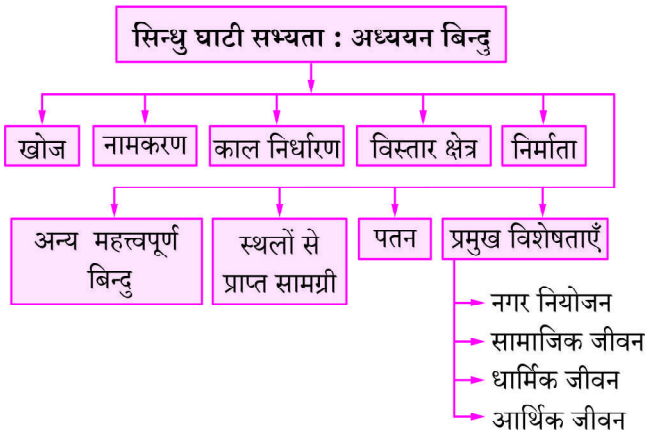

सिन्धु घाटी सभ्यता की खोज

- सर्वप्रथम 1826 ई. में **'चार्ल्स मैसन'** नामक अंग्रेज ने हड़प्पा के टीलों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया और अपनी पत्रिका 'नेरेटिव ऑफ जरनीज' में इसका उल्लेख किया। चार्ल्स मैसन का अनुमान था कि हड़प्पा के टीलों के नीचे कोई पुरानी सभ्यता दबी हुई हो सकती है।
- 1856 ई. में बर्टन बंधुओं (जॉन बर्टन/विलियम बर्टन) ने हड़प्पा के टीलों से प्राप्त ईंटों का प्रयोग लाहौर से करांची तक रेलवे लाइन बिछाने में किया।
- 1856 ई. में **अलेक्जेण्डर कनिंघम** ने हड़प्पा नगर के टीलों का सर्वे किया।
- भारत में प्रागैतिहासिक स्थलों को खोजने का कार्य **'भारतीय पुरातत्व एवं सर्वेक्षण विभाग'** करता है। भारतीय पुरातत्व विभाग के जन्मदाता **अलेक्जेण्डर कनिंघम** को माना जाता है।
- **1861 ई.** में इन्हीं के निर्देशन में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (ASI) की स्थापना की गई। इसके पहले जनरल **अलेक्जेण्डर कनिंघम** ही बने। **1902 ई.** में **जॉन मार्शल** के द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (ASI) का पुनर्गठन किया गया।
- 1921 ई. में ASI के महानिदेशक **'सर जॉन मार्शल'** थे तब इनके निर्देशन में रायबहादुर दयाराम साहनी ने 1921 ई. में पंजाब (वर्तमान पाकिस्तान) के मोण्टगोमरी जिले में रावी नदी के तट पर स्थित हड़प्पा का अन्वेषण किया।

नोट—1947 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (ASI) के तत्कालीन डायरेक्टर जनरल आर.ई.एम. व्हीलर थे।

- 1922 ई. में **राखलदास बनर्जी** द्वारा मोहन जोदड़ो नामक स्थल का उत्खनन किया गया।
- 1924 ई. में (चार्ल्स मैंसन के सर्वप्रथम 'हड़प्पा' जाने के करीब 100 वर्षों बाद) **'जॉन मार्शल'** ने **'द इलस्ट्रेटेड लंदन न्यूज'** नामक समाचार पत्र में पूरे विश्व के समक्ष सिंधु सभ्यता की खोज की घोषणा की।
- इस घोषणा ने भारत को विश्व के मानचित्र पर अंकित कर दिया और उसे विश्व के प्राचीनतम सभ्यताओं की जन्म स्थली मेसापोटामिया एवं मिस्र के समकक्ष ला खड़ा किया।
- इस सभ्यता के प्रकाश में आने के साथ दुनिया को यह ज्ञात हो गया कि आज से लगभग 3000 वर्ष पहले भारतीय उपमहाद्वीप के पश्चिमोत्तर भाग में सिंधु व उसकी नदियों के किनारे एक विशाल नगरीय सभ्यता का अस्तित्व था।
- **एस.एन. राव** 'द स्टोरी ऑफ इंडियन आर्कियोलॉजी' में लिखते है कि ''मार्शल ने भारत को जहाँ पाया था, उसे उससे 3000 वर्ष पीछे छोड़ा।''
- इस सभ्यता से जुड़े प्रारम्भिक स्थलों की खोज सिन्धु व उसकी सहायक नदियों के किनारे होने के कारण सर्वप्रथम जॉन मार्शल ने 1924 ई. में इसे **'सिंधु घाटी सभ्यता'** नाम दिया।
- **हड़प्पा सभ्यता** भारत की प्रथम नगरीय सभ्यता थी। **गार्डन चाइल्ड** ने इसे **'प्रथम नगरीय सभ्यता'** या **'प्रथम नगरीय क्रांति'** कहा है।

नामकरण

- इस सभ्यता के लिए तीन नामों का प्रयोग होता है–
  सिन्धु सभ्यता/सिन्धु घाटी सभ्यता, हड़प्पा सभ्यता और सिन्धु–सरस्वती सभ्यता।

❖ अजातशत्रु ने आक्रमण कर मल्ल राज्य को **मगध** में मिला लिया था।

11. शूरसेन

❖ मथुरा के आसपास का क्षेत्र **'शूरसेन'** कहलाता था। यहाँ यदुवंश का शासन था। यही पर यदु राजवंश में जन्मे **'कृष्ण'** यहाँ के राजा थे।
❖ बुद्ध के समय यहाँ का राजा **अवन्तिपुत्र** था, जो बुद्ध का शिष्य था।

12. मत्स्य

❖ वर्तमान राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, अलवर, दौसा के क्षेत्र मत्स्य महाजनपद में सम्मिलित थे।
❖ मत्स्य जनपद की राजधानी **'विराटनगर'** थी। इसकी स्थापना **'विराट'** नामक राजा ने की थी। जिसे **'बैराठ'** भी कहा जाता है।
❖ महाभारत में यहाँ के राजा विराट का उल्लेख मिलता है। अज्ञातवास में पाण्डवों ने अपना अन्तिम वर्ष यहीं व्यतीत किया था।
❖ उस समय मत्स्य व चेदि जनपद के मध्य निरंतर संघर्ष चलता रहता था। कालान्तर में मगध के शक्तिशाली राजाओं ने इसे जीतकर अपने अधीन कर लिया।
❖ मत्स्य जनपद का सर्वप्रथम उल्लेख **'ऋग्वेद'** में मिलता है।

13. अवन्ति

❖ अवन्ति की दोनों राजधानियों (उज्जयिनी एवं महिष्मति) के बीच में **वैत्रवती** नदी बहती थी।
❖ बुद्ध के समकालीन अवन्ति के राजा **चण्डप्रद्यौत** थे। चण्डप्रद्यौत के बीमार होने पर बिम्बिसार ने अपने राजवैद्य **जीवक** को उनके उपचार हेतु भेजा था।
❖ अवन्ति का मगध साम्राज्य में विलय **शिशुनाग** ने किया।

14. अश्मक

❖ यह महाजनपद वर्तमान में **गोदावरी** नदी के तट पर समीपवर्ती क्षेत्र में स्थित था। **अश्मक एकमात्र महाजनपद, जो दक्षिण भारत में स्थित** था।
❖ बुद्धकाल में **अवन्ति** ने अश्मक को जीत लिया था। यहाँ पर ईक्ष्वाकुवंशी शासकों का शासन था।

15. गांधार

❖ यह महाजनपद आधुनिक पेशावर, रावलपिण्डी व कश्मीर के कुछ क्षेत्रों में स्थित था। **तक्षशिला** व **पुष्करावती** इसके दो प्रमुख नगर थे। **तक्षशिला** इसकी राजधानी थी।
❖ यहाँ के लोग **गान्धार** कहे जाते थे और इनका उल्लेख अशोककालीन अभिलेखों में मिलता है।
❖ **तक्षशिला** नगर उस काल में विद्या व कला का प्रमुख केन्द्र था। यहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी विद्याध्ययन करने आते थे।
❖ महाभारत के अनुसार गान्धार की राजकुमारी गांधारी धृतराष्ट्र की पत्नी और दुर्योधन की माता इसी महाजनपद की थी।
❖ गांधार के राजा **पुष्करसारिन** ने अवन्ति के राजा **चण्डप्रद्योत** को पराजित किया था।
❖ रामायण के अनुसार गांधार की राजधानी **तक्षशिला** की स्थापना भरत के पुत्र **तक्ष** ने की।

16. कम्बोज

❖ कौटिल्य ने कम्बोजों को **'वार्ताशस्त्रोपजीवी संघ'** अर्थात **वार्ता** (कृषि, पशुपालन एवं वाणिज्य) तथा **शस्त्रों** द्वारा जीविका चलाने वाला कहा है।
❖ **कम्बोज अपने घोड़ो के लिए प्रसिद्ध था।**
❖ यह महाजनपद पश्चिमोत्तर सीमा प्रांत में स्थित था।
❖ सौलह महाजनपदों के अतिरिक्त बौद्ध साहित्य में निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण गणराज्यों का उल्लेख हुआ है—

1. कपिलवस्तु के शाक्य
2. रामग्राम के कोलिय
3. पिप्पलीवन के मोरिय
4. पावा के मल्ल
5. कुशीनार के मल्ल (मल्लों की दूसरी शाखा)
6. वैशाली के लिच्छवि
7. अल्लकल्प के बुलि
8. सुंसभारगिरि के भग्ग
9. मिथिला के विदेह
10. केसपुत्त के कालाम

❖ उपर्युक्त गणतन्त्रों में शासन-सूत्र जनता के हाथों में होता था। विवाद का निर्णय बहुमत से किया जाता था। कालान्तर में ये गणराज्य राजतन्त्र में परिवर्तित हो गये अथवा शक्तिशाली महाजनपदों (राज्यों) द्वारा इनको उनमें सम्मिलित कर लिया गया था और इनकी गणराज्य-पद्धति का अन्त कर दिया गया था।
❖ **गणराज्यों की कार्यप्रणाली :** गणराज्यों का संथागार उनका सार्वजनिक सभागार होता था। जिसमें जनों के मुखिया एकत्रित होते थे। उनमें से एक प्रतिनिधि 'राजा' संथागार का मुखिया होता था। सभा में कोरम पूर्ति, प्रस्ताव रखने, मत गणना आदि के सुस्पष्ट एवं सुनिश्चित नियम थे।
❖ **गणराज्यों के पतन के कारण**

1. अजातशत्रु की साम्राज्यवादी नीति
2. गणराज्यों के उच्च पदों का अनुवांशिक होना
3. गणराज्यों की आपसी फूट
4. समकालीन राजतंत्रों की विस्तारवादी नीति
5. सिकंदर का आक्रमण
6. गणराज्यों के बहुमत के निर्णय में देरी व गोपनीयता न रहना।

मगध का उत्कर्ष (हर्यक वंश)

❖ छठी सदी ई.पू. में सोलह महाजनपदों में से चार शक्तिशाली राजतंत्र मगध (हर्यक वंश), कौशल (ईश्वाकु वंश), वत्स (पौरव वंश) एवं अवन्ति (प्रद्योत वंश) प्रमुख थे। कालान्तर में इन में से **मगध** राजनीतिक सर्वोच्चता प्राप्त कर प्राचीन भारत का प्रथम साम्राज्य बना।
❖ मगध साम्राज्यवाद का उत्थान और विस्तार मौर्य-पूर्वयुगीन भारतीय राजनीति की सबसे महत्त्वपूर्ण घटना थी। साम्राज्यवादी होड़ में मगध ने अपने प्रतिस्पर्द्धी महाजनपदों को बहुत पीछे छोड़ दिया और स्वयं उत्तरी भारत की सर्वशक्तिशाली राजनीतिक इकाई बन बैठा।
❖ मगध का सर्वप्रथम स्पष्ट उल्लेख **अथर्ववेद** में मिलता है।
❖ मगध राज्य के उत्तर में गंगा, पश्चिम में सोन नदी एवं दक्षिण में विन्ध्य पर्वत श्रेणी थी। गंगा व सोन नदियों ने मगध के यातायात, जल वितरण एवं जमीन को उपजाऊ बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।
❖ **मगध के एक साम्राज्यवादी शक्ति के रूप में उदय के प्रमुख कारणों में इसकी पाँच पहाड़ियों से घिरी हुई सामरिक महत्त्व की स्थिति, अच्छा संचार तंत्र, समृद्ध उर्वर क्षेत्र, लोहा भण्डार, जंगली हाथियों की उपलब्धता तथा शासकों द्वारा अपनाई गई साम्राज्यवादी नीति प्रमुख थे।**
❖ हर्यंक वंश से पहले **बृहद्रथ वंश** का शासन मगध पर था। इस वंश में **बृहद्रथ, जरासंध** एवं **रिपुंजय** नामक शासक थे। जरासंध ने **गिरिव्रज** को अपनी राजधानी बनायी थी।
❖ मगध का एक साम्राज्य के रूप में अविर्भाव हर्यंक वंश के शासन के साथ हुआ।

1. भाग	कृषकों द्वारा उत्पादित कृषि उत्पादों पर कर (निजी भूमि पर)
2. सीता	राजकीय व वन्य भूमि से आय पर कर
3. प्रणय	आपाताकालीन कर
4. बलि	एक प्रकार का भू-राजस्व
5. हिरण्य	नकद कर
6. सेतुबन्ध	राज्य की ओर से सिंचाई का प्रबंध हेतु कर
7. विष्टि	बेगार (निःशुल्क श्रम)
8. दुर्ग	नगरों से होने वाली आय (जैसे शुल्क, चुंगी, दंड, कारागार आदि)
9. राष्ट्र	देहात तथा जनपदों से प्राप्त आय (अन्य साधनों से प्राप्त राजस्व)
10. खानी	खानों से प्राप्त कर।
11. सेतु	फल, फूल, सब्जियों आदि से प्राप्त कर।
12. वन	वनों से प्राप्त कर।
13. वज्र	पशुओं से प्राप्त कर।
14. वणिक पथ	स्थल व जलमार्ग से प्राप्त कर।
15. प्रवेश्य	आयात कर
16. निष्क्राम्य	निर्यातकर
17. पंकोदक सन्निरोधे	सड़क पर कीचड़ फैलाने पर कर
18. उदकभाग	कृत्रिम सिंचाई कर

- मौर्यकाल में राजकीय भूमि तथा इससे प्राप्त आय को **'सीता'** कहा जाता है। राजकीय कृषि विभाग का अध्यक्ष **'सीताध्यक्ष'** कहलाता था।

नोट—अर्थशास्त्र में हल से जोतकर उत्पन्न किये गये पदार्थ को सीता कहा गया है।

- निजी भूमि से प्राप्त आय **'भाग'** कहलाती थी।
- मौर्यकाल में कर मुक्त गाँवों को **'परिहारिका'** एवं जो गाँव सैनिक आपूर्ति करते थे, उन्हें **'आयुधिका'** कहा जाता था। जो गाँव कच्चे माल की आपूर्ति करते थे उन्हें **'कूप्य'** कहा जाता था।
- कौटिल्य ने अर्थशास्त्र में 10 प्रकार की भूमियों का उल्लेख किया है। इनमें से कुछ प्रमुख भूमियाँ इस प्रकार हैं—
  1. **देव मातृक**—सिर्फ वर्षा द्वारा खेती पर निर्भर भूमि।
  2. **अदेवमातृक**—वह भूमि जिसमें बिना वर्षा के भी अच्छी खेती हो सके।
  3. **कृष्ट**—जुती हुई भूमि
  4. **अकृष्ट**—बिना जुती हुई भूमि
  5. **स्थल**—ऊँची भूमि
  6. **विवीत**—चरागाह भूमि
- मेगस्थनीज के अनुसार भारत में कभी अकाल नहीं पड़ा, जबकि अर्थशास्त्र तथा मौर्यकालीन अभिलेखों (सौहगोरा, महास्थान) में अकाल पड़ने तथा राज्य द्वारा राहत प्रबंधन के उपायों की चर्चा मिलती है।
- मौर्यकाल में **'द्रोण'** अनाज की माप एवं **'निवर्तन'** भूमि माप की इकाई थी।
- मौर्यकाल में सबसे प्रमुख उद्योग वस्त्र उद्योग था। इसमें सूत कातने एवं बुनने को भी प्रमुख उद्योग का दर्जा दिया गया था। अर्थशास्त्र में सूत उत्पादन को राजकीय उद्योग बताया गया है।
- अर्थशास्त्र के अनुसार काशी, बंग, पुण्ड्र, कलिंग, वत्स, मालवा सूती वस्त्रों के लिए प्रसिद्ध केन्द्र थे।
- प्राचीनकाल में **बंग** का मलमल विश्वविख्यात था। काशी और पुण्ड्र में रेशमी कपड़ा (क्षौम) भी बनता था। अन्य वस्त्रों में दुकूल (श्वेत, चिकना एवं महीन वस्त्र), क्षौम (एक प्रकार की रेशमी वस्त्र), कौसेय (कीमती रेशमी वस्त्र) एवं चीनी पट्ट (चीन से आयातित रेशमी वस्त्र) का भी उल्लेख मिलता है।
- मौर्यकाल में **हाथी दाँत व्यापार** विकसित अवस्था में था तथा **काशी** इसका प्रमुख केन्द्र था। मौर्यकाल में **बढ़ईगिरी** भी एक प्रमुख उद्योग था।
- मौर्यकाल में अनेक शिल्पों एवं उद्योगों का विकास हुआ। शिल्पियों की अपनी श्रेणियाँ या संगठन थे। श्रेणी न्यायालय का प्रधान **'महाश्रेष्ठि'** कहलाता था। व्यापार से संबंधित श्रेणी का प्रधान **'श्रेष्ठि'** कहलाता था।
- मौर्यकाल में **18** मुख्य हस्तशिल्प थे जो श्रेणियों में संगठित थे। हस्तशिल्प से संबंधित श्रेणी का मुखिया **'जेट्ठक'** कहलाता था।
- मेगस्थनीज लिखता है कि शिल्पी के हाथ या आँख को नुकसान पहुँचाने वाले को मृत्युदण्ड दिया जाता था।
- व्यापारिक जहाजों का निर्माण की मौर्यकाल का प्रमुख उद्योग था।
- मौर्ययुग तक व्यापार वाणिज्य में नियमित सिक्कों का प्रचलन हो चुका था। मौर्यकालीन सिक्के आहत सिक्के (पंचमार्क) थे।
- मौर्यकाल में ही प्रथम बार आहत मुद्रा निर्माण का कार्य राजकीय नियंत्रण के अंतर्गत लिया गया।
- मौर्यकाल में मुद्रा विभाग (टकसाल) का प्रमुख **'लक्षणाध्यक्ष'** तथा मुद्राओं का परीक्षण करने वाला अधिकारी **'रूपदर्शक'** कहलाता था।
- कौटिल्य ने अर्थशास्त्र में स्वर्ण, रजत एवं ताम्र मुद्राओं का उल्लेख किया है। जिनके नाम निम्न प्रकार है—
  सुवर्ण, निष्क → सोने का सिक्का
  कार्षापण, पण, धरण → चाँदी का सिक्का
  माषक, काकणी → ताँबे का सिक्का
- छोटे-छोटे ताँबे के सिक्के **काकणी** कहे जाते थे।
- मौर्यकाल का सर्वाधिक प्रचलित सिक्का **'पण'** था। जो **49 ग्रेन** का होता था।
- राज्य में व्यापार की सुविधा हेतु चार महत्त्वपूर्ण आंतरिक मार्ग थे जो निम्नलिखित थे –
  1. **प्रथम मार्ग (उत्तरापथ)**—यह बंगाल के समुद्र तट पर स्थित ताम्रलिप्ति से शुरू होकर पश्चिमोत्तर भारत में स्थित पुष्कलावती (पेशावर) तक जाता है।
     → तक्षशिला, श्रावस्ती पाटलीपुत्र इसी मार्ग पर आते थे।
     → यह प्राचीन भारत का सबसे लम्बा व महत्त्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग था।

नोट—मध्यकाल में शेरशाह सूरी ने इसे पक्की सड़क के रूप में परिवर्तित करवाया। उसने इसे शेरशाह सूरी राजमार्ग या सड़क-ए-आजम नाम दिया। भारतीय गवर्नर जनरल लार्ड ऑकलैण्ड ने सर्वप्रथम इसे G.T. रोड़ (Grand Trunk Road) नाम दिया।

  2. **दूसरा मार्ग**—पश्चिम में पाटल से पूर्व में कौशाम्बी के समीप उत्तरापथ से मिलता था।
  3. **तीसरा मार्ग (दक्षिणा पथ)**—दक्षिण में प्रतिष्ठान से उत्तर में श्रावस्ती तक जाता था।

8. किस राजवंश के समय कन्हेरी विश्वविद्यालय प्रसिद्ध हुआ? [REET Level 2, 2012]
(A) राष्ट्रकूट (B) चोल
(C) चालुक्य (D) पल्लव **[D]**

9. महाबलीपुरम् के प्रसिद्ध मंदिर किस शासक के शासन के अन्तर्गत बने– [REET Level 2, 2011]
(A) पल्लव (B) चोल
(C) चालुक्य (D) काकतीय **[A]**

10. वल्लभी के मैत्रक वंश का संस्थापक था?
(A) धरसेन (B) भट्टार्क
(C) ध्रुवसेन (D) ध्रुवभट्ट **[B]**

11. किस संवत् को वल्लभी संवत् भी कहा जाता है?
(A) गुप्त संवत् (B) मौर्य संवत्
(C) मैत्रक संवत् (D) वर्द्धन संवत् **[A]**

12. मालवा के उत्तरगुप्त वंश का संस्थापक था?
(A) हर्षगुप्त (B) दामोदर गुप्त
(C) कृष्णगुप्त (D) जीवितगुप्त **[C]**

13. कन्नौज के मौखरि वंश की जानकारी देने वाला सर्वप्रथम अभिलेख है?
(A) बड़वा अभिलेख (B) अफसढ़ लेख
(C) देवबर्नाक अभिलेख (D) हरहा अभिलेख **[D]**

14. वर्धनवंश का पहला स्वतंत्र शासक था?
(A) हर्षवर्द्धन (B) नरवर्द्धन
(C) प्रभाकरवर्द्धन (D) राज्यवर्धन **[C]**

15. हर्षचरित के अनुसार किसने राज्यवर्धन की मृत्यु की सूचना थानेश्वर की राज्यसभा में हर्षवर्द्धन को दी थी?
(A) कुरंगक ने (B) कुन्तल ने
(C) संवादक ने (D) हंसबेग ने **[B]**

16. निम्न में से किसने कहा था कि – ''मैं पृथ्वी को गौड़ों से रहित न बना दूं तो मैं स्वयं अग्नि में जल जाऊँगा?''
(A) हर्षवर्द्धन (B) राज्यवर्द्धन
(C) प्रभाकरवर्द्धन (D) शंशाक **[A]**

17. किसने अपना उपनाम 'शिलादित्य' रखा था?
(A) देवगुप्त ने (B) हर्षवर्द्धन ने
(C) राज्यवर्द्धन ने (D) ह्वेनसांग ने **[B]**

18. हर्ष का प्रधान सेनापति था?
(A) अवन्ती (B) भण्डि
(C) सिंहनाद (D) कुन्तल **[C]**

19. हर्ष के काल में चीनी नरेश ने कुल कितने दूतमण्डल भेजे थे?
(A) 1 (B) 2
(C) 4 (D) 3 **[D]**

20. हर्ष का समकालीन कामरूप का शासक था?
(A) भास्करवर्मा (B) दुर्लभवर्धन
(C) पुलकेशिन (D) शशांक **[A]**

21. वातापी के चालुक्य वंश का संस्थापक था?
(A) विक्रमादित्य प्रथम (B) पुलकेशिन द्वितीय
(C) तैलप द्वितीय (D) पुलकेशिन प्रथम **[D]**

22. हर्षकालीन ताम्रपत्रों में किस एक कर का उल्लेख नहीं मिलता है?
(A) भाग (B) हिरण्य
(C) तुल्यमेय (D) बलि **[C]**

23. हर्ष के समय प्रति पाँचवें वर्ष 'महामोक्षपरिषद' का आयोजन कहाँ किया जाता था?
(A) कन्नौज (B) प्रयाग
(C) वल्लभी (D) नालन्दा **[B]**

24. खजुराहो के विशाल विष्णु मंदिर (चतुर्भुज मंदिर) का निर्माण करवाया था?
(A) नन्नुक ने (B) धंग ने
(C) यशोवर्मन ने (D) विद्याधर ने **[C]**

25. कवि सोढल ने किस शासक को 'उत्तरापथ स्वामी' कहा है?
(A) विद्याधर को (B) गोपाल को
(C) देवपाल को (D) धर्मपाल को **[D]**

26. त्रिपक्षीय संघर्ष में इनमें से कौनसा वंश सम्मिलित नहीं था?
(A) राष्ट्रकूट (B) प्रतिहार
(C) चोल (D) पाल **[C]**

27. गुर्जर प्रतिहार वंश के किस राजा ने कन्नौज के राजा चक्रायुद्ध को पराजित कर कन्नौज को अपनी राजधानी बनायी?
(A) नागभट्ट द्वितीय (B) महिपाल
(C) नागभट्ट प्रथम (D) वत्सराज **[A]**

28. ऐलोरा का प्रसिद्ध कैलाश मंदिर का निर्माण कराया था?
(A) दन्तिदुर्ग ने (B) कृष्ण प्रथम ने
(C) नरसिंह वर्मन प्रथम ने (D) गोविंद तृतीय ने **[B]**

29. कौनसा पल्लव शासक 'राजसिंह' की उपाधि से अधिक जाना जाता है—
(A) नरसिंहवर्मन-I (B) नन्दिवर्मन द्वितीय
(C) नरसिंहवर्मन-II (D) महेन्द्रवर्मन प्रथम **[C]**

शब्द	अर्थ
फुतूह	बिना माँगी खैर (अयाचित उपहार)
जियारत	सूफी संत के दरगाह पर की जाने वाली धर्मयात्रा
बका	मोक्ष (सूफीवाद की अन्तिम अवस्था)
मलफुजात	सूफी संतों के विचारों व कथनों का संकलन
मकतुबात	सूफी संतों के पत्रों का संकलन
तजकिरा	सूफी संतों की जीवनियों का स्मरण

शब्द	अर्थ
बाशरा	जो इस्लामी विधान को माने
बेशरा	जो इस्लामी विधान को न माने
चिल्ला	लगातार 40 दिनों तक साधना
हरम-ए-दम	प्राणायाम
खलीफा	वारिस (सूफी का उत्तराधिकारी)

महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी तथ्य

- ईश्वर के प्रति गहरा प्रेम भाव या भक्ति उन विभिन्न प्रकार के भक्ति तथा सूफी आंदोलनों की देन है, जिनका उद्भव आठवीं शताब्दी से माना जाता है।
- तौहिद का अर्थ है-यह आस्था कि ईश्वर एक है।
- सुप्रसिद्ध गुजराती संत नरसी मेहता ने कहा था कि ''वैष्णव जन तो तेने कहिए पीर पराई जाने।''
- मध्य एशिया के महान सूफी संतों में गज्जाली, रूमी और सादी के नाम उल्लेखनीय है।
- सुफी मुसलमान रहस्यवादी थे।
- जलालुद्दीन रूमी तेरहवीं सदी का महान सूफी शायर था। वह ईरान का रहने वाला था।
- पंजाबी सूफी संत **'वारिस शाह'** ने **'हीर-रांझा'** की रचना की।
- पंजाब के सूफी संतों में सुल्तान बाहु, बुल्लेशाह, वासिर शाह प्रसिद्ध हुए।
- प्रसिद्ध सूफी कवि अमीर खुसरों ने **'हिन्दवी'** में ग्रंथ लिखे तथा उर्दू गद्य शैली का विकास किया।
- सूफियों ने चरम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए ईश्वर-भक्ति पर जोर दिया था।
- भारत में सूफी सिलसिलों के आगमन का क्रम-चिश्ती, सुहरावर्दी, फिरदौसी, शतादी, कादिरी एवं नक्शबंदी है।
- मंसूर हल्लाज ने सूफी की दस अवस्थाओं का वृतान्त देने वाली **'दस मुकामी रेक्ता'** की रचना की। इसके अनुसार एक सूफी संत को ईश्वर के सामने समर्पण करने के लिए 10 चरणों से होकर गुजरना पड़ता है।
- सूफी मत पर पहली प्रसिद्ध रचना **'कश्फ-उल-महजुब'** (परदे वाले की बेपर्दगी) है, जिसके लेखक **शेख अलहुजविरी** है।
- भारत में सूफीवाद का प्रवेश अरबों की सिन्ध विजय के पश्चात् हुआ।
- महमूद गजनवी के समय शेख अल हुजविरी जिनकी उपाधि दातागंज बख्श थी, भारत आये थे, लाहौर में इनके दरगाह को **'दाता दरबार'** कहा जाता है।
- पीर सद्रउद्दीन ने भारत में खोजह सम्प्रदाय का प्रचार किया।
- ख्वाजा साहब की आत्मकथा **'मुनिस-अल-अरवाह'** (आत्मा का विश्वस्त) है। जिसका संकलन मुगल शहजादी जहाँआरा ने किया था। मुइनुद्दीन चिश्ती के कथनों का संग्रह **'दलैल-अल-अरफिन'** है। जहांआरा ने अजमेर दरगाह में बेगम दालान बनवाया था।
- अकबर कुल 14 बार ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की मजार पर दर्शन हेतु आया था।
- बाबा फरीद के विषय में मोइनुद्दीन चिश्ती ने कहा था कि-''बाबा फरीद ऐसे दीपक हैं जो चिश्ती सिलसिले को प्रकाश देंगे।''
- भारत में बाबर ने नक्शबंदी शाखा को लोकप्रिय बनाया था। औरंगजेब के समय शेख कलीमुल्ला के नेतृत्व में चिश्ती सिलसिले ने पुनः जोर पकड़ा था।
- सूफी संत अपने खानकाहों में विशेष बैठकों का आयोजन करते थे।
- अब्दुल वहीद बेलग्रामी नामक सूफी संत ने 'हकैक-ए-हिन्दी' नामक पुस्तक की रचना की, जिसमें उसने सूफी रहस्यवादी संदर्भ में कृष्ण, गोपी, राधा, यमुना, मुरली आदि शब्दों के अर्थ स्पष्ट करने की कोशिश की।
- चैतन्य सोलहवीं शताब्दी के बंगाल के एक प्रसिद्ध भक्ति संत थे। इन्होंने कृष्ण-राधा के प्रति निष्कामा भक्ति भाव का उपदेश दिया।
- भक्ति संतों का एक महत्त्वपूर्ण योगदान संगीत के विकास में था। बंगाल के जयदेव ने संस्कृत में **'गीत गोविन्द'** की रचना की; जिसमें हर गीत एक विशेष राग और ताल में रचित है।
- कबीर का पालन पोषण बनारस में हुआ था।
- शरिया मुसलमान समुदाय को निर्देशित करने वाला कानून है। यह कूरान शरीफ और हदीस पर आधारित है।

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं)

1. अलवार संतों का एक मुख्य काव्य संकलन जिसे तमिल वेद के रूप में भी जाना जाता है—[REET Level 2, 24.07.22, Shift-4]
(A) तोंदराडिप्पोडि (B) करइक्काल अम्मइयार
(C) तवरम (D) नलयिरदिव्यप्रबंधम **[D]**

2. ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की ''दरगाह'' पर आने वाला पहला सुल्तान कौन था? [REET Level 2, 24.07.22, Shift-3]
(A) कुतुबुद्दीन ऐबक (B) इल्तुतमिश
(C) मुहम्मद बिन तुगलक (D) अलाउद्दीन खिलजी **[C]**

3. पन्द्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में शंकरदेव, जो वैष्णव धर्म के मुख्य प्रचारक थे, के उपदेशों को किस नाम से संबोधित किया जाता है? [REET Level 2, 23.07.22, Shift-2]
(A) वल्लभ धर्म (B) कृष्ण धर्म
(C) गुरु संदेश (D) भगवती धर्म **[D]**

4. भारत के वंचित वर्ग का पहला कवि किसे कहा जाता है— [REET Level 2, 26.09.2021]
(A) दादू (B) जयानक
(C) रामदास (D) चोखामेला **[D]**

5. संत मीराबाई के पति का नाम था— [REET Level 2, 11.02.2018]
(A) भोजराज (B) रतनसिंह
(C) नरपतसिंह (D) संग्रामसिंह **[A]**

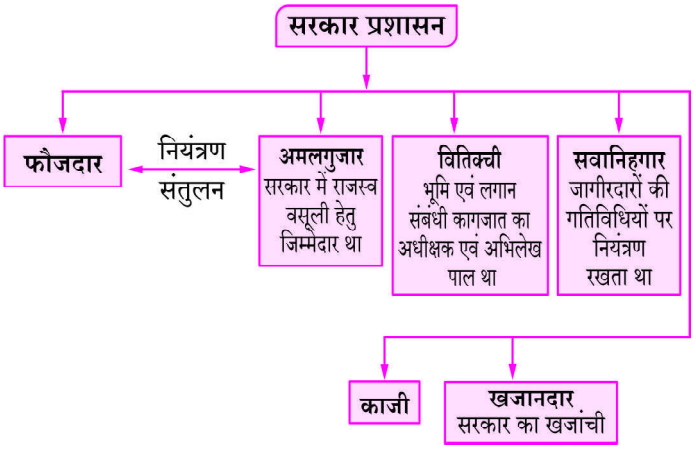

परगना (तहसील) का प्रशासन

- सरकार (जिले) का विभाजन **परगनों** (तहसीलों) में हुआ था। परगने का प्रशासन शिकदार, आमिल, फोतदार, कानूनगों तथा कारकून नामक कर्मचारी संभालते थे।
- शिकदार व आमिल परगने में वही कार्य करते थे, जो सरकार स्तर पर फौजदार एवं अमलगुजार करते थे।
- **शिकदार परगने का प्रधान अधिकारी होता था।** इसका कार्य परगने में शांति व्यवस्था कायम रखना व राजस्व वसूली में आमिल की मदद करना था। जबकि **आमिल परगने का वित्तीय अधिकारी था**, जो किसानों से लगान वसूल करता था।
- अकबर ने अपने शासन के **18वें वर्ष** (1573 ई.) में 1 करोड़ दाम (250000 रुपये) से अधिक राजस्व वाले परगनों में एक **आमिल** नियुक्त किया, **जिसे 'करोड़ी' कहते थे। अकबर ने कुल 182 करोड़ी नियुक्त किये थे।**
- शाहजहाँ ने प्रत्येक परगने में मालगुजारी के निर्धारण के लिए एक अमीन की नियुक्ति की। जब अमीन का पद सृजित हुआ तो शाहजहाँ ने करोड़ी (आमिल) का पारिश्रमिक 8 प्रतिशत से घटाकर **5 प्रतिशत** कर दिया।
- **फोतदार** : यह परगने का खजांची/कोषाध्यक्ष होता था।
- **कानूनगो** : यह परगने के पटवारियों का अधिकारी था। कानूनगो भूमि सम्बन्धी रिकॉर्ड रखता था एवं राजस्व जमा करता था।
- **कारकुन** : ये परगने के लिपिक होते थे।
- अकबर के काल में परगनों के **रिकॉर्ड फारसी में लिखे जाते थे।**
- **शाहजहाँ के काल** में परगना व सरकारों के बीच एक और इकाई होती थी जिसे **'चकला'** कहा जाता था। इसके अन्तर्गत कुछ परगने आते थे।
- **अमीन** : शाहजहाँ ने परगने में जजिया वसूली के लिए अमीन की नियुक्ति की थी तथा शाहजहाँ ने परगने में दो या दो से अधिक कानूनगो की नियुक्ति शुरू की थी।
- औरंगजेब ने ग्रामीण क्षेत्रों में जजिया वसूली के लिए अमीन की नियुक्ति की।

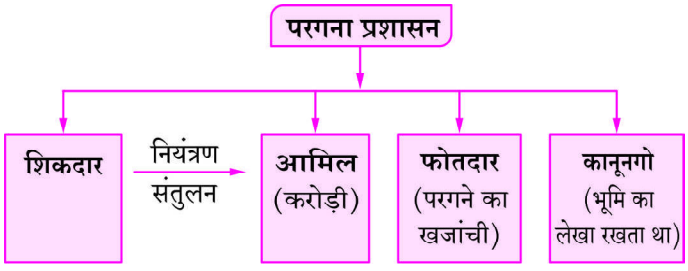

ग्राम प्रशासन

- गाँव को **मौजा, मावदा** एवं **डीह** आदि कहा जाता था।
- मावदा के अंतर्गत छोटी बस्तियां **'नागला'** कहलाती थी। मावास एक किलेबंद गांव एवं उपद्रवी क्षेत्र के रूप में जाना जाता था।
- गाँव के मुखिया को खुत, मुकद्दम, चौधरी या पटेल कहा जाता था।
- गाँव में राजस्व वसूली का कार्य पटवारी करता था। वही कानून व व्यवस्था की जिम्मेदारी मुकद्दम की होती थी।
- राजस्व विभाग का सबसे निम्न अधिकारी **पटवारी** था। अकबर इसे 1% कमीशन देता था।
- क्षेत्रीय अधिकारियों के रूप में पटवारी मुगलों के भू-राजस्व कार्यालय के रीढ़ होते थे।

मुगलकालीन सैन्य व्यवस्था

- मुगल साम्राज्य की शक्ति का मुख्य स्रोत उसकी विशाल सेना थी। बाबर ने अपनी सैनिक शक्ति के बल पर ही भारत में मुगल साम्राज्य की नींव रखी थी। उसकी सैन्य व्यवस्था तैमूर और चंगेज खाँ (मंगोल) के संगठन पर आधारित थी। तोपखाने के प्रयोग से उसकी शक्ति और बढ़ गयी थी।
- मुगल सेना विभिन्न प्रजातियों ईरानी, तूरानी, अफगान, तुर्क, मंगोल, उजबेक, भारतीय मुसलमान, राजपूत, मराठे आदि का मिश्रण था।
- मुगलकाल में सैन्य व्यवस्था का प्रमुख अधिकारी **'मीर बख्शी'** था। मुगल सेना का गठन **'दशमलव पद्धति'** पर आधारित था। सेना के अधिकारियों में सर्वाधिक प्रतिष्ठित पद 'खान-ए-जमान' था, उसके पश्चात् 'खान-ए-खाना' पद था।
- मुगल सेना में चार प्रकार के सैनिक होते थे—
  (i) अहदी सैनिक (ii) दाखिली सैनिक
  (iii) मनसबदार के सैनिक (iv) अधीनस्थ राजाओं के सैनिक
- **अहदी सैनिक** संभ्रात सैनिकों की एक श्रेणी थी। ये बादशाह के व्यक्तिगत सैनिक होते थे। जो बादशाह के अंगरक्षक होते थे। इनको वेतन व अस्त्र-शस्त्र राज्य की ओर से मिलता था तथा इनकी भर्ती भी राज्य के द्वारा की जाती थी। इनके लिए पृथक दीवान नियुक्त होते थे।
- **दाखिली सैनिक** राज्य (बादशाह) द्वारा भर्ती वे घुड़सवार सैनिक थे, जो मनसबदारों के अधीन रखे जाते थे, जिन्हें वेतन मनसबदार ही देते थे।
- **मनसबदारों के सैनिक** मनसबदार द्वारा भर्ती किए जाते थे। उनकी वर्दी, प्रशिक्षण, वेतन आदि की व्यवस्था मनसबदार करता था।
- अधीनस्थ राजाओं के सैनिकों की भर्ती, प्रशिक्षण, वेतनादि की व्यवस्था राजाओं द्वारा की जाती थी।
- मुगल सेना पैदल, घुड़सवार, हस्तिसेना, नौ सेना एवं तोपखाना में विभाजित था।

पैदल (पदाति) सैनिक

- मुख्यतया पैदल सैनिक दो तरह के होते थे—**अहशाम** व **सेहबन्दी**।
- **अहशाम सैनिक**—ये बन्दूक व तलवार चलाने में निपुण होते थे। ये पहले दर्जे के योद्धा होते थे। इनको साधारण बोलचाल में **प्यादा** कहते थे।
- **सेहबन्दी सैनिक**—ये अस्थायी रूप से भर्ती किए गए वे सैनिक थे, जो राजस्व वसूली करने के काम आते थे। ये रसद सामग्री की व्यवस्था भी करते थे।

❖ इस मकबरे को शेरशाह के मकबरे का पूर्वगामी कहा जाता है।

मुहम्मद बिन तुगलक

❖ मुहम्मद बिन तुगलक ने दिल्ली में जहांपनाहनगर व तुगलकाबाद के निकट **आदिलाबाद फोर्ट** का निर्माण करवाया तथा बलबन के लाल महल की मरम्मत करवायी।

❖ मुहम्मद बिन तुगलक की जहांपनाहनगर में बनाई गई इमारतों में केवल **सतपलाह बांध** और **बिजाई मण्डल** (विजयी मण्डल) नामक दो इमारतों के अवशेष प्राप्त होते हैं।

❖ मुहम्मद तुगलक ने दौलताबाद नामक नवीन राजधानी के निर्माण की भी योजना बनाई थी।

❖ मुहम्मद बिन तुगलक ने 12 खम्भा महल तथा निजामुद्दीन औलिया के मकबरे का निर्माण भी करवाया।

फिरोज तुगलक

❖ फिरोज तुगलक महान् निर्माता था, लेकिन खर्चीले कार्य सम्पन्न करने में असमर्थ होने के कारण वह सादगीपूर्ण इमारतें ही बना सका। उसने अनेक सार्वजनिक इमारतें, जैसे-शहर, किले, मस्जिदें, नहरें व मकबरे बनवाये।

❖ फिरोज भवन निर्माताओं का राजा सिद्ध हुआ, जिसने 300 नगरों, 160 कुएँ, 5 नहरों, 5 अस्पतालों, 100 कब्रों, 100 पुलों, 10 स्नानागार, 1200 बागों एवं 10 समाधियों का निर्माण करवाया था।

❖ फरिश्ता ने निर्माण कार्य को फिरोज का मुख्य व्यसन बताया है। उसके अनुसार, सुल्तान वास्तुकला का महान प्रेमी था। इसी आधार पर वूल्जले हेग ने फिरोज की तुलना रोमन सम्राट आगस्टस की है।

❖ फिरोज तुगलक ने **मलिक गाजी** के नियंत्रण में एक पृथक लोक निर्माण विभाग गठित किया, जिसे दीवाने इमारत तथा अफीफ द्वारा इमारतखाना कहा गया। इस विभाग का प्रमुख अधिकारी **मीरे इमारत** था जिसके अधीन अनेक शहना कार्यरत थे।

❖ फिरोजशाह तुगलक ने दिल्ली में यमुना के किनारे अपनी नयी राजधानी (दिल्ली का पांचवा शहर) फिरोजाबाद का निर्माण करवाया, जो आज फिरोजशाह कोटला के नाम से प्रसिद्ध है।

❖ यह भारतीय-मुस्लिम शैली (मिश्रित शैली) का पहला नमूना था।

❖ फिरोज ने दिल्ली में फिरोज शाह कोटला नामक नया किला बनाया तथा हौज खास के निकट मदरसा बनवाया।

❖ फिरोज की इमारतों में कमल के फूल को अलंकरण के रूप में उत्कीर्ण किया गया है।

❖ फिरोज 300 शहरों का संस्थापक था जिसमें जौनपुर (1359), फतेहाबाद हिसार, फिरोजा (आधुनिक हिसार, हरियाणा), फिरोजपुर आदि की स्थापना की।

❖ फिरोजपुर को अन्तिम नगर या अखिरीनपुर भी कहा गया। उसने खानकाह का भी निर्माण करवाया तथा मौलाना सैय्यद नज्मुद्दीन समरकंदी को इसका प्रमुख बनाया।

❖ फिरोजशाह ने अनेक मस्जिदें भी बनवाई थीं, जिनमें **काबा मस्जिद, बेगमपुरी मस्जिद, खिर्की मस्जिद** और **काली मस्जिद** विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

नोट—वैसे इनका निर्माण खानेजहां तेलंगानी (मलिक मकबूल) के पुत्र खानेजहाँ जूना शाह ने करवाया था।

❖ **हौजखास** - यह सैरगाह एवं मदरसा था जो कि दो मंजिला था। इसके एक मंजिल पर मेहराब का एवं दूसरे मंजिल पर लिंटन एवं शहतीर का समन्वय हुआ है।

❖ फिरोज तुगलक ने इल्तुतमिश द्वारा निर्मित हौज-ए-शम्सी एवं अलाउद्दीन द्वारा निर्मित हौज ए अलाई का पुनर्निर्माण करवाया।

❖ फिरोज तुगलक ने हिसार में गुजरी महल का निर्माण करवाया जो उसके प्रेम की निशानी है।

❖ **खानेजहाँ तेलंगानी का मकबरा** - इस मकबरे का निर्माण हौज खास में फिरोज तुगलक के शासन काल में उसके वजीर खानेजहाँ तेलंगानी के पुत्र खानेजहाँ जूनाशाह ने करवाया था। इस मकबरे की खास विशेषताएँ हैं—यह पहला मकबरा है जो कि अष्टकोणीय (अष्टभुजाकार) था।

❖ तुगलक काल की एक अन्य इमारत कबीरूद्दीन औलिया का मकबरा है जो लाल गुम्बद के नाम से प्रसिद्ध है। यह नसिरूद्दीन महमूदशाह (1383-92 ई.) के काल में बना था। यद्यपि यह मकबरा गियासुद्दीन तुगलक के मकबरे की नकल है, लेकिन इसमें खिलजी काल की श्रेष्ठ शैली जैसे पुनः उभरी है। इसके बाद तैमूर के आक्रमण के कारण दिल्ली के सुल्तान बड़े पैमाने पर इमारतों का निर्माण नहीं करा सके।

सैय्यद और लोदीकालीन स्थापत्य कला

❖ तुगलक वंश की समाप्ति के बाद पहले सैय्यदों ने और बाद में लोदियों ने दिल्ली के तख्त पर अधिकार किया था। इस काल के दोनों राजवंशों की जो इमारतें बची हैं, वे केवल मकबरे हैं।

❖ सैय्यद शासक मुबारकशाह ने मुबारकबाद शहर की स्थापना की। मुबारकशाह का मकबरा तथा अलाउद्दीन आलमशाह द्वारा निर्मित मोहम्मदशाह का मकबरा, ये दोनों मकबरें **अष्टभुजीय (अठपहला)** हैं।

❖ इन मकबरों में दो शैलियाँ दिखाई देती हैं-एक तो तिलंगानी मकबरे जैसे अठपहला बने हुए हैं और दूसरे वे जो परम्परागत शैली में वर्गाकार बनाये गये हैं।

❖ **पर्सी ब्राउन ने सैयद एवं लोदी काल को मकबरों का युग कहा है।**

❖ लोदी काल में मकबरों को ऊँचे चबूतरे पर बनाया गया तथा कुछ मकबरे उद्यान के मध्य बनाये गये। जैसे:- दिल्ली का लोदी गार्डन। इसीलिये **लोदीकाल** को **मकबरों का काल** भी कहा जाता है।

❖ लोदी मकबरों में सुल्तानों द्वारा बनवाये गये मकबरे अष्टभुजी होते थे तथा अमीरों द्वारा बनवाये गये मकबरे चतुर्भुजी होते थे।

❖ सिकन्दर लोदी ने एक गुम्बद के स्थान पर दो गुम्बद (द्वि-गुम्बदीय) की नई शैली का शुरुआत की।

❖ **सिकन्दर लोदी का मकबरा** - 1518 ई. में निर्मित यह मकबरा **अष्टकोणीय** है। सर्वप्रथम इसी मकबरे में **दोहरे गुम्बद** का प्रयोग किया गया। इसका निर्माण **इब्राहिम लोदी** ने करवाया था। मुगल शैली के विकास में यह मकबरा महत्वपूर्ण स्थान रखता था।

❖ **मोठ मस्जिद** - इसका निर्माण सिकन्दर लोदी के वजीर **मियाँ भुवा** ने करवाया था।

❖ इस समय वर्गाकार आधार पर भी अनेक मकबरों का निर्माण हुआ। जैसे- बड़ा खाँ का गुम्बद, शिहाबुद्दीन ताज खाँ का मकबरा, दादी का मकबरा आदि।

❖ जान मार्शल के अनुसार, सल्तनत कालीन इमारतों की सुन्दरता का समावेश मोठ की मस्जिद में है। इसमें पाँच मुख्य मेहराबदार प्रवेश द्वार हैं।

❖ उस समय कुछ प्रमुख ब्रिटिश छावनियों एवं उनके कमाण्डरों की स्थिति भी निम्नलिखित थी—

34वीं नेटिव इन्फेन्ट्री बैरकपुर	जनरल जान बैनेट हियरसे
19वीं नेटिव इन्फेन्ट्री बहरामपुर	कर्नल मिशेल
44वीं एवं 67वीं नेटिव इन्फेन्ट्री मथुरा	लेफ्टिनेंट बर्ल्टन
मेरठ कमांडिग ऑफिसर	जनरल हैविट
लखनऊ कमांडिग ऑफिसर	कैम्पबेल
कानपुर कमांडिग ऑफिसर	हूज व्हीलर

❖ विद्रोही सेनिकों ने शीघ्र ही अपने उच्चाधिकारियों को मार कर अपने बंदी साथियों को मुक्त कराकर दिल्ली की ओर रवाना हो गये।

नोट—सुरेन्द्रनाथ सेन ने कहा था कि "मेरठ का विद्रोह गर्मी की आँधी की भाँति अचानक एवं अल्पकालिक था।"

❖ इस विद्रोह का नेतृत्व करने और उनकी समस्याओं को वैधानिकता दिलवाने के लिए बहादुर शाह द्वितीय से अपील करने हेतु उन्होंने दिल्ली की ओर मार्च किया। यद्यपि उस समय बहादुर शाह के पास कुछ नहीं था, लेकिन उनके साथ शक्तिशाली मुगल साम्राज्य का नाम जुड़ा हुआ था।

❖ मेरठ छावनी के सैनिकों का दिल्ली कुच करते समय प्रसिद्ध नारा था—**"चलो दिल्ली, मारो फिरंगी"**

❖ अंग्रेजों से संबंधित सभी चिह्नों का नाश करते हुए यह सैनिक 11 मई, को प्रातः काल में दिल्ली पहुँचे।

❖ दिल्ली के कमांडिंग ऑफिसर (प्रधान अधिकारी) **लेफ्टिनेंट विलोबी** को हराने के बाद इन सैनिकों द्वारा दिल्ली पर कब्जा कर लिया गया। सरकारी भवनों एवं कार्यालयों को आग लगा दी गई। मुगल बादशाह बहादुर शाह द्वितीय को पुनः भारत का सम्राट और विद्रोह का नेता घोषित कर दिया गया।

❖ इस प्रकार विद्रोह को वैद्यता प्राप्त हो गई, क्योंकि अब उसका संचालन मुगल बादशाह के नाम से किया जा सकता था।

❖ दिल्ली विजय का समाचार चारों और फैल गया। इस छोटे से विद्रोह ने बढ़कर एक वृहद स्तरीय राजनीतिक क्रांति का रूप ले लिया। शीघ्र ही यह उत्तर व मध्य भारत के लखनऊ, इलाहाबाद, कानपुर, बरेली, बनारस, जगदीशपुर (बिहार), झाँसी, रूहेलखंड, ग्वालियर आदि स्थानों में फैल गया।

❖ उम्र को देखते हुए 82 वर्षीय वृद्ध **बहादुरशाह** के लिए क्रांति का नेतृत्व संभालना मुश्किल हो रहा था। इसलिए क्रांति के संचालन हेतु एक दस सदस्यीय 'स्वतंत्रता संचालन समिति' का गठन किया गया। जिसका प्रधान **बख्त खाँ** को बनाया गया। इस समिति के प्रशासकों में छह सैनिक तथा चार गैर-सैनिक अधिकारी थे। इस प्रकार **बख्त खाँ सेना का प्रधान सेनापति बना।**

❖ बहादुरशाह ने अपने पुत्र **जीवन बख्त** को वजीर के पद पर नियुक्त किया था, किंतु शहर का असली शासन **कोतवाल शेख रज्जब अली** के हाथ में था।

❖ दिल्ली में बहादुरशाह ने बख्त खाँ के सहयोग से विद्रोह का नेतृत्व किया।

❖ जून 1857 ई. में अंग्रेजों ने दिल्ली पर दोनों दिशाओं कलकत्ता एवं पंजाब की ओर से आक्रमण किया। दोनों और से जमकर संघर्ष हुआ एवं साथ ही भयंकर हानि दोनों पक्षों को उठानी पड़ी। एक लंबे संघर्ष के बाद अंत दिल्ली को पराजित होना पड़ा।

❖ **1857 की क्रांति में अंग्रेजों ने दिल्ली पर सबसे पहले पुनः अधिकार किया था।**

❖ विद्रोह के दौरान अंग्रेजों ने सबसे पहले **निकलसन एवं हड़सन** के नेतृत्व में 20 सितम्बर, 1857 ई. को दिल्ली को पुनः अधिकृत किया, इस दौरान **निकलसन** मारा गया।

❖ 21 सितम्बर, 1857 ई. को **कैप्टन हड़सन** ने मुगल सम्राट बहादुरशाह द्वितीय तथा बेगम जीनत महल को हुमायूँ के मकबरे से पकड़कर बन्दी बना लिया।

❖ हड़सन ने वहां शरण लिए हुए बादशाह के दो पुत्रों **मिर्जा मुगल** व **मिर्जा खिज्र सुल्तान** तथा **पौत्र अबूबक्र** को गोली मार दी।

❖ बहादुर शाह द्वितीय (जफर) का गद्दार जो अंग्रेजों को सूचनाएँ देता था उसका नाम **इलाही बख्श** था, जो जफर का सम्बन्धी था। इसके सहयोग से ही जफर को गिरफ्तार किया गया।

❖ बहादुर शाह जफर पर दिल्ली के लाल किले में मुकदमा चलाया गया। इस मुकदमे का जज **'हैरियट'** था।

❖ इस दौरान बहादुर शाह को उनकी बेगम जीनत महल के साथ **रंगून** निर्वासित कर दिया गया, जहाँ 7 नवम्बर, 1862 को उनकी मृत्यु हो गई। रंगून में ही उन्हें दफना दिया गया।

❖ रंगून (बर्मा) में स्थित बहादुरशाह की मजार पर लिखा है कि "जफर इतना बदनसीब है कि उसे अपनी मातृभूमि में दफनाने के लिए दो गज जमीन भी नसीब न हुई।"

❖ दिल्ली पर अंग्रेजों द्वारा पुनः अधिकार कर लेने के बाद हजारों लोगों का कत्ल किया गया, जिसका वर्णन **बम्बई गवर्नर एलफिंस्टन** ने किया है।

❖ दिल्ली के पराजित होने के साथ ही विद्रोह का आधार समाप्त हो गया और एक के बाद एक अन्य नेता भी पराजित होने लगे।

लखनऊ (अवध)

❖ लखनऊ में **4 जून, 1857 ई.** को विद्रोह की शुरूआत हुई।

❖ **बेगम हजरत महल** (वाजिद अली शाह की पत्नी) और **मौलवी अहमदशाह** के नेतृत्व में जल्दी ही लखनऊ विद्रोह का महत्त्वपूर्ण केन्द्र बन गया।

❖ बेगम ने अपने अल्पायु पुत्र **बिरजिस कादिर** को नवाब घोषित कर दिया एवं अपने सैनिकों के साथ आक्रमण करके लखनऊ की ब्रिटिश रेजीडेन्सी को घेर लिया। इसी घेरे में रेजीडेन्सी की रक्षा करते हुए **हेनरी लॉरेन्स** एवं **जनरल नील** की मृत्यु हो गई।

❖ **हेनरी लॉरेन्स** विद्रोह के समय में अवध का चीफ कमिश्नर था।

❖ हेनरी लॉरेन्स की मृत्यु के बाद **ब्रिगेडियर इंग्लिश** ने रेजीडेन्सी की रक्षा की कमान सम्भाली।

❖ **हैवलाक व आउट्रम ने लखनऊ** रेजीडेन्सी को जीतने का असफल प्रयास किया। अन्त में 21 मार्च, 1858 को **कॉलिन कैम्पबेल** ने जंग बहादुर के नेतृत्व में गोरखा रेजीमेन्ट की सहायता से लखनऊ को पुनः जीता।

❖ ब्रिटिश अधिकारी हेनरी लॉरेन्स, हेवलॉक एवं जनरल नील ने क्रांति के दौरान लखनऊ में अपना जीवन खोया था।

❖ लखनऊ के बाद बेगम हजरत महल ने मौलवी अहमदुल्ला के साथ **शाहजहाँपुर** में भी विद्रोह को नेतृत्व प्रदान किया। वे शीघ्र पराजित हो गई और भाग कर **नेपाल** चली गईं, जहां उनकी गुमनामी में ही मौत हो गई।

❖ बेगम हजरत महल को **'महकपरी'** भी कहा जाता है।

कानपुर

❖ कानपुर में **5 जून, 1857 ई.** को क्रांति की शुरुआत **नाना साहब** (धोंधू पंत) के नेतृत्व में हुई थी। नाना साहब ने खुद को मुगल बादशाह का **पेशवा** (प्रधानमंत्री) घोषित किया था।

- ✧ एक प्रस्ताव में भारतीय कार्यकलापों में भारतीयों के पर्याप्त प्रतिनिधित्व का पता लगाने के लिए रॉयल कमीशन की नियुक्ति की मांग की।
- ✧ अन्य प्रस्ताव में भारत सचिव की भारतीय परिषद (इंडियन कांउंसिल) को समाप्त करने की माँग रखी गई।
- ✧ एक अन्य प्रस्ताव में ऊपरी बर्मा के समामेलन (कब्जे में लेने) की निंदा की।
- ✧ केन्द्र और प्रांतों में विधान परिषद का विस्तार हो।
- ✧ सैनिक खर्च में कमी एवं उच्च सरकारी नौकरियों में भारतीयों को प्रतिनिधित्व मिले।

❖ कांग्रेस ने यह भी निर्णय लिया कि ऐसा प्रयास किया जाना चाहिए कि कांग्रेस द्वारा पारित प्रस्तावों पर अन्य राजनीतिक संगठनों का भी अनुमोदन मिले। अतः यह स्पष्ट है कि सदस्यों ने कांग्रेस को एक पृथक निकाय नहीं समझा और उनका इरादा सभी भारतीयों की राजनीतिक अपेक्षाओं की आवाज बनना था।

कांग्रेस के उद्भव के संबंध में विवाद

❖ कांग्रेस का उद्भव विवादास्पद रहा है और इसके उद्भव को लेकर बहुत सारे सिद्धांत उभरे हैं। इसका एक विशेष कारण ए. ओ. ह्यूम द्वारा निभाई गई भूमिका है। यदि ह्यूम के स्थान पर कोई भारतीय होता, तो सब कुछ सामान्य समझा जाता, लेकिन ह्यूम एक अंग्रेज थे और साथ ही पूर्व सिविल सेवक। एक अखिल भारतीय संस्था के गठन के लिए ऐसे व्यक्ति ने क्यों पहल की?

❖ कांग्रेस की स्थापना का उद्देश्य भारतीय जनता में पनप रहे असंतोष को एक संगठन के रूप से बाहर निकालना था। ह्यूम खुद इस बात को कहते थे। अतः कांग्रेस की स्थापना **ह्यूम ने एक 'सुरक्षा वाल्व' के रूप में की।** यह ह्यूम द्वारा ब्रिटिश राज को सुरक्षित करने का एक तरीका था।

❖ 1898 ई. में व्योमेश चन्द्र बनर्जी ने कहा कि ह्यूम डफरिन की सीधी सलाह से काम कर रहे थे। बनर्जी ने तो यह भी कहा था कि डफरिन ने ही ह्यूम को कांग्रेस का विचार दिया था। यह शिक्षित भारतीयों के बढ़ते असंतोष को कम करने के लिए एक शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक अभिव्यक्ति मार्ग प्रदान करने का विचार था।

❖ इतिहासकार विपिन चंद्र ने कहा था कि यदि ह्यूम कांग्रेस को सेफ्टी वॉल्व की तरह इस्तेमाल करना चाहते थे, तो कांग्रेस के प्रारंभिक नेता भी उसको एक तड़ीत चालक के रूप में इस्तेमाल करने की आशा रखते थे। जिससे सरकारी दमन को रोका जा सके।

❖ लाला लाजपत राय के अनुसार ह्यूम को इस बात का संशय था कि अगर जनता के असंतोष को व्यस्थित रूप से बाहर नहीं निकाला गया तो भारत में भयंकर विस्फोट हो सकता है। जिससे ब्रिटिश साम्राज्य नष्ट हो जायेगा।

❖ लाजपत राय ने कांग्रेस को स्पष्ट रूप से अंग्रेजी राज की रक्षा हेतु सेफ्टी वाल्व (अभय कपाट) माना।

❖ **सुरक्षा वाल्व/सेफ्टी वाल्व का सिद्धान्त लाला लाजपत राय ने यंग इण्डिया में दिया।** लाला लाजपत राय ने 1916 ई. में यंग इंडिया के एक लेख में कांग्रेस को **लार्ड डफरिन के दिमाग की उपज/ डफरिन के दिमाग** का शिशु बताया।

❖ लाला लाजपत के अनुसार 'ह्यूम आजादी के प्रेमी अवश्य थे किन्तु सबसे पहले तो एक अंग्रेज देशभक्त ही थे।' जब उन्होंने देखा कि ब्रिटिश शासन पर विपत्ति आने वाली है तो असंतोष के सुरक्षित निकास के लिए एक 'सुरक्षा वाल्व' बनाने का निश्चय किया।

❖ इतिहासकार अनिल सील का विचार है कि कांग्रेस स्वार्थी व्यक्तियों की एक संस्था थी, जो राष्ट्रीय हितों पर नहीं वरन् संकीर्ण कारकों पर आधारित थी।

❖ लाला लाजपत राय ने अपनी पुस्तक यंग इण्डिया में लिखा है कि 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना का मुख्य कारण यह था कि इसमें संस्थापकों की उत्कण्ठा ब्रिटिश साम्राज्य को छिन्न भिन्न होने से बचाने की थी।'

❖ सुरक्षा कपाट सिद्धान्त को उदारवादियों की आलोचना के साधन के रूप में प्रयोग किया गया है।

❖ सर्वप्रथम वेडरबर्न ने इस सिद्धान्त को **बायोग्राफी ऑफ ए. ओ. ह्यूम** में 1913 में प्रस्तुत किया था। तत्पश्चात 1916 ई. में लाला लाजपत राय ने **'यंग इंण्डिया'** में प्रस्तुत किया।

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का प्रथम चरण उदारवादी युग (1885–1905 ई.)

❖ **1885 से 1905 तक का समय कांग्रेस का प्रारंभिक चरण था।** इस चरण को **उदार चरण** (नरमदलीय चरण अथवा टी–पार्टी पालिटिक्स (चाय पार्टी की राजनीति) अथवा राजनीतिक दरिद्रता या भिक्षुकता का समय) भी कहा जाता है।

❖ इसका कारण प्रारंभिक कांग्रेसी नेताओं का उदार या नरम राजनीति पर पूर्णतया विश्वास होना था। वे उदारवाद एवं संयम के एक स्वस्थ मेल में विश्वास करते थे।

❖ प्रारम्भ में कांग्रेस का रूख ब्रिटिश सरकार की तरफ अत्यंत नरम था।

❖ 1888 ई. तक कांग्रेस अपने प्रथम अधिवेशन में पारित मांग पत्र को विनम्र निवेदन के साथ हर अधिवेशन में दोहराती रही।

❖ कांग्रेस के चौथे अधिवेशन में गोपाल कृष्ण गोखले कांग्रेस में शामिल हुए तथा इस अधिवेशन में नारा दिया गया कि 'हम सब पहले भारतीय है, हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई बाद में।'

❖ कांग्रेस के पाँचवे अधिवेशन(बम्बई, 1889 ई. में) में **बाल गंगाधर तिलक ने सर्वप्रथम भाग लिया** था।

❖ इन दिनों कांग्रेस का सरकार के प्रति जो दृष्टिकोण था वह दादाभाई नौरोजी के शब्दों से स्पष्ट होता है – 'हम ब्रिटिश प्रजा है, हम अपने हकों की माँग कर सकते हैं, अगर ब्रिटेन की सर्वश्रेष्ठ संस्थाओं से हमें वंचित रखा जाता है तो फिर भारत को अंग्रेजी के स्वामित्व में रहने से क्या लाभ?'

❖ सन् 1885 से 1904-05 तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर 'उदारवादी' कहे जाने वाले नेताओं का वर्चस्व था, इन्हें उदारवादी या नरमपंथी इस लिए कहा जाता था क्योंकि इनका लक्ष्य ब्रिटिश सरकार के प्रति निष्ठा व्यक्त करना तथा अपनी माँगों को प्रतिवेदनों, भाषणों और लेखों के माध्यम से सरकार के सम्मुख प्रस्तुत करना था। इन्हें ब्रिटिश सरकार की न्यायप्रियता पर पूरा विश्वास था।

❖ ये संवैधानिक तरीके से भारत की स्वतंत्रता प्राप्त करना चाहते थे।

❖ नरमपंथी या उदारवादी कहे जाने वाले नेताओं में प्रमुख थे – **दादाभाई नौरोजी, रमेश चन्द्र दत्त, व्योमेश चन्द्र बनर्जी, रानाडे, सुरेन्द्र नाथ बनर्जी, गोपाल कृष्ण गोखले, फिरोजशाह मेहता, मदनमोहन मालवीय, दीनशावाचा आदि।**

❖ प्रारंभिक 20वीं शताब्दी के उग्रवादियों (गरम दल) से पृथक समझने के लिए इन्हें उदारवादी (नरम दल) कहा जाता है।

5. पुस्तक 'आनंद मठ' में 'वन्दे मातरम्' किसने लिखा? [REET Level 2, 11.02.2018]
(A) बंकिमचंद्र चटर्जी (B) व्योमेशचन्द्र बनर्जी
(C) विपिनचन्द्र पाल (D) रवीन्द्रनाथ टैगोर **[A]**

6. रवीन्द्रनाथ टैगोर के किस उपन्यास का प्रमुख पात्र निखिल है, जो देशभक्ति से बढ़कर 'मानवता' में विश्वास रखता है? [REET Level 2, 2015]
(A) शेषेर कबिता (B) गोरा
(C) योगायोग (D) घर बाइरे **[D]**

7. महान नागा महिला गिंडाल्यू को 'रानी' की उपाधि किसने दी— [REET Level 2, 2011]
(A) रविन्द्रनाथ टैगोर (B) महात्मा गाँधी
(C) जवाहरलाल नेहरू (D) सुभाषचन्द्र बोस **[C]**

8. स्वदेशी आंदोलन के दौरान विभिन्न जगहों पर नेतृत्व से संबंधी कौनसा कथन सत्य है—
(A) बम्बई – तिलक (B) पंजाब – अजीत सिंह
(C) दिल्ली – सैयद हैदर राजा (D) उपरोक्त सभी **[D]**

9. कॅम्यूनल एवार्ड के बाद किस समझौते के तहत गाँधीजी ने अपना आमरण अनशन तोड़ा था—
(A) पूना पैक्ट (B) लखनऊ समझौता
(C) शिमला समझौता (D) ताशकंद समझौता **[A]**

10. निम्न में से कौन कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन में शामिल नहीं हुआ था?
(A) दादाभाई नौरोजी (B) गोपालकृष्ण गोखले
(C) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी (D) बदरूद्दीन तैय्यबजी **[C]**

11. निम्न में से कौन नरमपंथी नेता नहीं था?
(A) गोपालकृष्ण गोखले (B) फिरोजशाह मेहता
(C) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी (D) अरविन्द घोष **[D]**

12. 14-15 अगस्त, 1947 की मध्यरात्रि को पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा दिया प्रसिद्ध भाषण कहा जाता है—
(A) ट्रिस्ट विद डेस्टिनी (B) ट्राइड विद डेस्टिनी
(C) ट्रिस्ट विद ऑनेस्टी (D) ट्रिस्ट एण्ड को-ऑपरेशन **[A]**

13. कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन किस वर्ष हुआ था?
(A) 1929 (B) 1931 (C) 1928 (D) 1934 **[A]**

14. 1905 ई. में स्वदेशी आंदोलन के दौरान 'मदर इंडिया' (भारत माता) का चित्र किसके द्वारा बनाया गया?
(A) रविन्द्रनाथ टैगोर (B) अवनीन्द्र नाथ टैगोर
(C) नंदलाल बोस (D) राजा रविवर्मा **[B]**

15. द्वितीय सविनय अवज्ञा आंदोलन कब हुआ था?
(A) 1921-22 (B) 1929-30
(C) 1932-34 (D) 1938-39 **[C]**

16. 'ऑपरेशन जीरो ऑवर' किस आंदोलन के दौरान चलाया गया था?
(A) भारत छोड़ो आंदोलन (B) असहयोग आंदोलन
(C) सविनय अवज्ञा आंदोलन (D) खेड़ा आंदोलन **[A]**

17. भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान सर्वाधिक समय तक स्थापित रही समानान्तर सरकार कहाँ की थी?
(A) बालिया (B) तामलुक (C) सतारा (D) कोरापुट **[C]**

18. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन में 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, इसके अध्यक्ष कौन थे?
(A) महात्मा गाँधी (B) व्योमेशचन्द्र बनर्जी
(C) दादाभाई नौरोजी (D) जवाहरलाल नेहरू **[B]**

19. 1939 में सुभाष चन्द्र बोस किसे हराकर कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गये थे?
(A) पट्टाभि सीतारमैया (B) गोविन्द वल्लभ पंत
(C) जवाहरलाल नेहरू (D) दादाभाई नौरोजी **[A]**

20. भारतीय स्वाधीनता संघर्ष के इतिहास में 1885 से 1905 तक के युग को कहा जाता है—
(A) उदारवादी युग (B) उग्रवादी युग
(C) क्रांतिकारी युग (D) वामपंथी युग **[A]**

21. 'पावर्टी एण्ड अनब्रिटिश रूल इन इण्डिया' कृति का लेखक है—
(A) दादाभाई नौरोजी (B) आर.सी. दत्त
(C) विलियम डिग्बी (D) मोतीलाल नेहरू **[A]**

22. मुस्लिम लीग की स्थापना कब हुई?
(A) 1901 में (B) 1905 में (C) 1906 में (D) 1909 में **[C]**

23. 1916 में कांग्रेस के ऐतिहासिक लखनऊ अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की?
(A) श्रीमती एनीबीसेंट (B) आर.एन. मुधोकर
(C) मदनमोहन मालवीय (D) अम्बिका चरण मजूमदार **[D]**

24. कांग्रेस और लीग को निकट लाने (लखनऊ समझौता, 1916) में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी थी—
(A) एनी बीसेन्ट (B) मदन मोहन मालवीय
(C) दादाभाई नौरोजी (D) लोकमान्य तिलक **[D]**

25. 1876 में इण्डियन एसोसिएशन की स्थापना का श्रेय है—
(A) रवीन्द्र नाथ टैगोर (B) व्योमेश चन्द्र बनर्जी
(C) फिरोजशाह मेहता (D) सुरेन्द्र नाथ बनर्जी **[D]**

26. 'करो या मरो' का मन्त्र गाँधी ने किस आन्दोलन में दिया—
(A) असहयोग आन्दोलन (B) सविनय अवज्ञा आन्दोलन
(C) भारत छोड़ो आन्दोलन (D) अछूतोद्धार आन्दोलन **[C]**

27. 'उग्रवाद' के विकास में किस वायसराय के कार्यों का अधिक योगदान था?
(A) लॉर्ड कर्जन (B) लॉर्ड डफरिन
(C) लॉर्ड लैंसडाउन (D) लॉर्ड एल्गिन **[A]**

28. सुभाषचन्द्र बोस किस अधिवेशन में कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे—
(A) नागपुर (B) हरिपुरा (C) लाहौर (D) कलकत्ता **[B]**

29. पूर्ण स्वतंत्रता की माँग कांग्रेस के किस अधिवेशन में रखी गई?
(A) नागपुर (B) इलाहाबाद (C) लाहौर (D) सूरत **[C]**

30. महात्मा गाँधी को चम्पारन आने के लिए किसने निमन्त्रित किया था?
(A) राजेन्द्र प्रसाद (B) आचार्य कृपलानी
(C) राजकुमार शुक्ल (D) रामचन्द्र दास **[C]**

31. नेहरू रिपोर्ट को किस नेता ने अस्वीकार कर दिया था—
(A) मोतीलाल नेहरू (B) डॉ. अंसारी
(C) मौलाना आजाद (D) सुभाष चन्द्र बोस **[D]**

32. पूर्ण स्वराज की घोषणा के समय कांग्रेस का अध्यक्ष कौन था?
(A) महात्मा गाँधी (B) सुभाषचन्द्र बोस
(C) मोतीलाल नेहरू (D) जवाहरलाल नेहरू **[D]**

33. 'लाल कुर्ती' के नाम से प्रसिद्ध होने वाला संगठन था—
(A) मुस्लिम लीग (B) खुदाई खिदमतगार संगठन
(C) स्वराज दल (D) गदर पार्टी **[B]**

34. असहयोग आन्दोलन किस वायसराय के कार्यकाल में चलाया गया था?
(A) लॉर्ड मिन्टो (B) लॉर्ड इरविन
(C) लॉर्ड लिनलिथगो (D) लॉर्ड चेम्सफार्ड **[D]**

भारतीय संविधान एवं लोकतंत्र

1 भारतीय संविधान का निर्माण व विशेषताएँ [Framing & Features of Indian Constitution]

संविधान निर्माण की आवश्यकता

- भारतीय संविधान के निर्माण की पृष्ठभूमि को समझने के लिए भारतीय संविधान के संवैधानिक विकास संबंधी परिस्थितियों को समझना अपरिहार्य है जिसमें प्रमुख रूप से **1600 ई.** में **ईस्ट इण्डिया कम्पनी** के आगमन से भारत पर कम्पनी का नियंत्रण स्पष्ट तौर पर नजर आने लगा था।
- 1765 में बंगाल, बिहार, उड़ीसा के दीवानी अधिकार प्राप्त करने के पश्चात् कम्पनी की क्षेत्रीय शक्ति का विस्तार भारत में व्यापक तौर पर हो चुका था।
- इसके परिणामस्वरूप 1857 में भारतीयों ने सिपाही विद्रोह कम्पनी के अत्याचार के विरुद्ध किया। फलस्वरूप ब्रिटिश ताज ने भारत के शासन का उत्तरदायित्व संभाला।
- इस प्रकार भारत पुनः औपनिवेशिक दासता का शिकार हो गया परन्तु कम्पनी के शासन से क्षुब्ध भारतीय जनता के मस्तिष्क में दासता को उखाड़ फेंकने की भावना उद्वेलित थी। जिसका समय-समय पर विरोध होता रहा क्योंकि भारतीयों का मुख्य उद्देश्य **स्वराज** की प्राप्ति करना था।
- स्वराज की प्राप्ति हेतु भारतीयों को स्वयं द्वारा निर्मित संविधान की आवश्यकता महसूस हुई।

संविधान

- संविधान किसी भी देश के आधारभूत **कानूनों का संग्रह** होता है। इसके द्वारा न केवल सरकार का गठन होता है अपितु सरकार और नागरिकों के आपसी सम्बन्धों का निर्धारण भी होता है।
- संविधान देश की सरकार के विभिन्न अंगों अर्थात् **व्यवस्थापिका, कार्यपालिका** और **न्यायपालिका** का स्वरूप तय करता है। उनकी शक्तियों एवं सीमाओं का फैसला करता है।
- नागरिकों के अधिकार कर्त्तव्य क्या होंगे, पुलिस एवं न्यायप्रणाली कैसी होगी आदि सभी बातों का निर्धारण देश के संविधान द्वारा होता है।
- इस प्रकार संविधान किसी राष्ट्र का जीवन्त स्वरूप होता है।

संविधान निर्माण के प्रयास

- सर्वप्रथम 1895 में बाल गंगाधर तिलक द्वारा ''स्वराज विधेयक'' में भारतीयों के संविधान सभा के सिद्धान्तों का दर्शन देखने को मिलता है।
- सन् 1922 ई. में महात्मा गाँधी ने भारतीयों द्वारा संविधान के निर्माण की मांग प्रस्तुत की। उन्होंने कहा, ''भारतीयों का संविधान की इच्छानुसार होना चाहिए।''
- सन् 1928 ई. में मोतीलाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत नेहरू रिपोर्ट में प्रस्ताव रखा।
- सन् 1934 में रॉय वामपंथी आंदोलन के प्रखर नेता एम.एन. रॉय ने संविधान सभा के गठन का प्रस्ताव रखा।
- वर्ष 1935 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने प्रथम बार भारत के संविधान के निर्माण के लिए आधिकारिक रूप से संविधान सभा के गठन की मांग की।
- वर्ष 1938 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से पंडित जवाहरलाल नेहरू ने घोषणा की कि स्वतंत्र भारत के संविधान के संविधान का निर्माण वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनी गई संविधान सभा द्वारा किया जाएगा और इसमें कोई बाहरी हस्तक्षेप नहीं होगा।
- नेहरू जी की इस मांग को अंततः ब्रिटिश सरकार ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया गया। इसे सन् 1940 के **अगस्त प्रस्ताव** के नाम से जाना जाता है।
- **क्रिप्स मिशन-मार्च, 1942**—ब्रिटिश प्रधानमंत्री विन्स्टन चर्चिल ने 11 मार्च, 1942 को क्रिप्स मिशन की घोषणा की। ब्रिटेन के युद्ध मंत्री स्टेफर्ड क्रिप्स के नेतृत्व में एक विशिष्ट मण्डल 23 मार्च, 1942 को भारत भेजा तथा 30 मार्च, 1942 को प्रस्ताव प्रस्तुत किये जिसे क्रिप्स मिशन नाम से जाना जाता है।
- कांग्रेस के मिशन द्वारा भारत के पूर्ण स्वतंत्रता के स्थान पर डोमिनियन स्टेटस का दर्जा दिए जाने, देशी रियासतों के प्रतिनिधियों के लिए निर्वाचन की जगह मनोनयन की व्यवस्था, प्रांतों को भारतीय संघ से पृथक संविधान बनाने की व्यवस्था के विरोध में क्रिप्स मिशन के प्रस्तावों को अस्वीकार किया।
- सत्ता के त्वरित हस्तांतरण की योजना के अभाव तथा प्रतिरक्षा के मुद्दे पर वास्तविक भागीदारी न होने और गवर्नर जनरल को पूर्ववत् सर्वोच्चता दिए जाने से भी कांग्रेस असंतुष्ट थी।

कैबिनेट मिशन योजना

- क्रिप्स मिशन की असफलता के बाद 9 फरवरी 1946 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली ने भारत में एक कैबिनेट मिशन भेजने की घोषणा की।
- 24 मार्च 1946 को यह मिशन भारत पहुँचा। इसमें तीन सदस्य—**सर स्टैनफोर्ड क्रिप्स, ए.वी. अलेक्जेण्डर** तथा **लार्ड पैथिक लॉरेंस** थे।
- कैबिनेट मिशन योजना को भारत में स्वीकार किया गया जिसके निम्न कारण थे—
  - (i) भारत के विभाजन को अस्वीकार कर दिया गया।
  - (ii) अखिल भारतीय संघ बनाने का प्रावधान।
  - (iii) भारतीय संविधान, संविधान सभा द्वारा तैयार किया जाएगा तथा इसके सभी सदस्य भारतीय होंगे।
  - (iv) इसमें कुल **389** सदस्य होंगे जिसमें **289** प्रांतों, **चार** सदस्य चीफ

सरकार : गठन एवं कार्य

1 सरकार : गठन एवं कार्य [Government : Composition and Functions]

- सरकार एक संस्था एवं व्यवस्था है जो **लोगों के समूह** से बनी होती है जो किसी देश या राज्य की देखभाल एवं प्रबंधन करती है।
- प्रत्येक सरकार का अपना संविधान एवं मौलिक सिद्धांतों का समूह होता है जिसका पालन वह प्रभावी शासन सुनिश्चित करने के लिए करती है।
- सरकार का गठन और उसके कार्य लोकतांत्रिक प्रणाली का एक अनिवार्य हिस्सा होते हैं। किसी भी देश की सरकार नागरिकों के लिए नीति-निर्धारण, कानूनों का क्रियान्वयन और प्रशासनिक व्यवस्था चलाने के लिए जिम्मेदार होती है।
- सरकार का गठन चुनावों के माध्यम से होता है और यह **जनता** के प्रतिनिधियों से मिलकर बनती है।
- सरकार के कार्यों में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास की दिशा में निर्णय लेना और योजनाओं का कार्यान्वयन सुनिश्चित शामिल करना होता है।
- लोकतंत्र में सरकार का गठन चुनावों के माध्यम से होता है। जनता अपने मतों के माध्यम से अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करती है।
- जब चुनाव होते हैं तो जनता द्वारा चुने गये प्रतिनिधियों में से बहुमत प्राप्त पार्टी या गठबंधन सरकार बनाती है। यह सरकार केन्द्र एवं राज्य स्तर पर होती है।

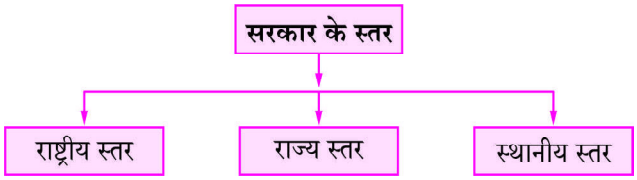

1. राष्ट्रीय स्तर

- इस स्तर पर केन्द्रीय सरकार देश के सर्वोच्च स्तर की सरकार होती है जो पूरे देश के लिए नीतियाँ और कानून बनाती हैं।
- यह सरकार देश की सभी प्रमुख नीतिगत और संवैधानिक मामलों पर निर्णय लेती है।
- केन्द्रीय सरकार की शक्तियाँ **संविधान** द्वारा निर्धारित की जाती है। ये देश की सुरक्षा, विदेश नीति, आर्थिक नीतियाँ और देशव्यापी कानून बनाने जैसे मुद्दों को कवर करती है।
- केन्द्रीय सरकार का काम संसद के माध्यम से कानून बनाना है। संसद में दो सदन होते हैं—
  - **लोकसभा**—निचला सदन, जिसे सीधे जनता द्वारा चुना जाता है।
  - **राज्यसभा**—उच्च सदन, जिसमें राज्य के प्रतिनिधित होते हैं।

2. राज्य स्तर

- राज्य सरकार राज्य स्तर पर नीतियाँ बनाने और उन्हें लागू करने का काम करती है। राज्य सरकार का प्रमुख **मुख्यमंत्री** होता है, जो राज्य विधानसभा के चुनावों में बहुमत प्राप्त पार्टी का नेता होता है।
- राज्य सरकार की जिम्मेदारी राज्य के आंतरिक मामलों पर होती है, जिसमें कानून व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और बुनियादी सुविधाओं की देखरेख शामिल होती है।
- राज्य सरकार के कानून बनाने का काम **विधानसभा** में होता है। कुछ राज्यों में दो सदन होते हैं —
  - **विधानसभा**—जिसे सीधे राज्य के मतदाता चुनते हैं।
  - **विधान परिषद**—जो कुछ राज्यों में होता है और इसमें राज्य के विभिन्न हिस्सों का प्रतिनिधित्व होता है।

महत्त्वपूर्ण कार्य

- **कानून और व्यवस्था**—राज्य सरकार राज्य की कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन की मदद से काम करती है।
- **शिक्षा और स्वास्थ्य**—राज्य के स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, और स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन राज्य सरकार के अंतर्गत आता है।
- **कृषि और ग्रामीण विकास**—राज्य सरकार कृषि संबंधी नीतियाँ और योजनाएँ बनाती है, ताकि किसानों का विकास हो सके।

3. स्थानीय सरकार

- **स्थानीय सरकार** सबसे निचले स्तर की सरकार होती है, जो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सेवाएँ प्रदान करती है।
- यह सरकार सीधे जनता से जुड़ी होती है और उनकी रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान करती है।
- **स्थानीय निकाय** दो प्रकार के होते हैं: शहरी क्षेत्रों में **नगर निकाय** (Urban Local Bodies) और ग्रामीण क्षेत्रों में **पंचायती राज संस्थान** (Panchayati Raj Institutions)।

शहरी स्थानीय निकाय (Urban Local Bodies)

- **नगर निगम**—बड़े शहरों में नगर निगम होते हैं, जो शहर की प्रशासनिक व्यवस्था का संचालन करते हैं।
- **नगर पालिका**—छोटे शहरों और कस्बों में नगर पालिकाएँ होती हैं, जो स्थानीय स्तर पर नागरिक सेवाएँ प्रदान करती हैं।
- **ग्रामीण स्थानीय निकाय**—
  - **ग्राम पंचायत**—गाँवों में ग्राम पंचायत होती है, जो गाँव के विकास और प्रशासनिक कार्यों को देखती है।
  - **पंचायत समिति**—यह पंचायत स्तर पर विभिन्न ग्राम पंचायतों का समूह होता है, जो ब्लॉक स्तर पर काम करता है।
  - **जिला परिषद्**—यह जिले की सबसे बड़ी इकाई होती है, जो जिले के विकास कार्यों की देखरेख करती है।

संसदीय समितियाँ

लोक लेखा समिति

- इस समिति का गठन भारत सरकार अधिनियम 1919 के अंतर्गत सन् 1921 में किया गया।
- इसमें कुल **22 सदस्य** होते हैं जिनमें 15 सदस्य लोकसभा से तथा सात राज्य सभा से होते हैं।
- समिति में किसी मंत्री का निर्वाचन नहीं हो सकता।
- प्रतिवर्ष संसद द्वारा इसके सदस्यों में से समानुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत के अनुसार एकल हस्तांतरणीय मत के माध्यम से सदस्यों का चुनाव किया जाता है।
- सदस्यों का कार्यकाल **एक वर्ष** का होता है।
- समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति लोकसभा अध्यक्ष द्वारा लोकसभा के सदस्यों में से की जाती है।
- परम्परानुसार समिति का अध्यक्ष **विपक्षी दल** से ही चुना जाता है।
- समिति का प्रमुख कार्य नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) के वार्षिक प्रतिवेदनों की जाँच प्रमुख है जो कि राष्ट्रपति द्वारा संसद में प्रस्तुत किया जाता है।

प्राक्कलन समिति:

- स्वतंत्रता पश्चात प्रथम बार **जॉन मथाई** की सिफारिश पर 1950 में पहली प्राक्कलन समिति का गठन किया गया।
- इसमें कुल **30 सदस्य** लोकसभा से शामिल होते हैं। इस समिति में राज्यसभा का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होता है।
- इसके सदस्यों का चुनाव प्रतिवर्ष लोकसभा द्वारा इसके सदस्यों में से किया जाता है।
- समिति का अध्यक्ष **लोकसभा अध्यक्ष** द्वारा लोकसभा सदस्यों में से ही नियुक्त किया जाता है। वह सत्ताधारी दल का ही होता है।
- समिति का प्रमुख कार्य बजट में सम्मिलित प्राक्कलनों की जाँच करना तथा सार्वजनिक व्यय में किफायत के लिए सुझाव देना है।

सार्वजनिक उद्यम समिति

- इस समिति का गठन **कृष्ण मेनन समिति** की सिफारिश पर **1964** में की गई।
- इसमें कुल **22 सदस्य** होते हैं जिनमें से **15 सदस्य लोकसभा** तथा **7 सदस्य राज्यसभा** से लिये जाते हैं।
- समिति के सदस्य संसद द्वारा इसके सदस्यों में से एकल हस्तांतरणीय मत के माध्यम से समानुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धान्त पर निर्वाचित होते हैं।
- लोकसभा अध्यक्ष लोकसभा सदस्यों में से किसी एक को समिति का अध्यक्ष नियुक्त करते हैं। इस प्रकार राज्यसभा सदस्य इस समिति के अध्यक्ष नहीं बन सकते।

विभागीय स्थायी समितियाँ

- लोकसभा की नियम समिति की सिफारिश पर संसद में 1993 में 17 विभाग संबंधित स्थाई समितियाँ गठित की गईं।
- वर्ष 2004 में सात समितियों का गठन हुआ। इस प्रकार इन समितियों की कुल संख्या **24** हो गई।
- स्थायी समितियों का प्रमुख उद्देश्य संसद के प्रति कार्यपालिका को वित्तीय दायित्व को (मंत्रिपरिषद्) को अधिक उत्तरदायी बनाना है।
- इन 24 स्थायी समितियों के कार्यक्षेत्र में केन्द्र सरकार के सभी मंत्रालय एवं विभाग आते हैं।
- प्रत्येक स्थायी समिति में 37 सदस्य (21 लोकसभा तथा 10 राज्यसभा) से होते हैं।
- लोकसभा के सदस्यों का चुनाव लोकसभा अध्यक्ष सदस्यों में से करते हैं जबकि राज्यसभा के सदस्य सभापति द्वारा चुने जाते हैं।
- किसी भी स्थाई समिति में कोई मंत्री सदस्य नहीं बन सकता।
- गठन के समय से लेकर समिति का कार्यकाल एक वर्ष का होता है।
- 24 स्थायी समितियों में 8 समितियाँ राज्यसभा तथा 16 समितियाँ लोकसभा के अंतर्गत कार्य करती हैं।

महत्त्वपूर्ण अनुच्छेद

अनुच्छेद	विषयवस्तु
79	संसद का गठन
80	राज्यसभा का संघटन
81	लोकसभा का संघटन
82	प्रत्येक जगनणना के पश्चात पुनर्समायोजन
83	संसद के सदनों की अवधि
84	संसद की सदस्यता के लिए योग्यता
85	संसद के सत्र, सत्रावसान एवं विघटन (भंग)
86	राष्ट्रपति का सदनों को सम्बोधित करने तथा संदेश देने का अधिकार
87	राष्ट्रपति का विशेष संबोधन
88	सदनों के प्रति मंत्रियों एवं अटार्नी जनरल के अधिकार
89	राज्यसभा के सभापति तथा उपसभापति
90	राज्यसभा के उपसभापति पद की रिक्ति, त्यागपत्र तथा विमुक्ति
91	संसद के पदाधिकारी गण
92	संसद के सत्र और सत्रावसान
93	लोकसभा के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष

अनुच्छेद	विषयवस्तु
94	लोकसभा के उपाध्यक्ष पद की रिक्ति, त्यागपत्र तथा विमुक्ति
95	लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की कार्यावधि
96	संसद की प्रक्रिया और संचालन
97	संसद के अन्य पदाधिकारियों की स्थिति
98	संसद के सचिवालय का गठन
99	संसद की सदस्यता की शपथ
100	संसद में मतदान और निर्णय प्रक्रिया
101	सीटों का रिक्त होना
102	सदस्यता के लिए निरर्हताएँ/अयोग्यताएँ
103	सदस्यों की अयोग्यता से संबंधित प्रश्नों पर निर्णय
104	बिना शपथ ग्रहण करने/अर्हित न होते हुए/निरहित किये जाने पर बैठने और मत देने के लिए शास्ति।
105	संसद के सदनों तथा इसके सदस्यों एवं समितियों की शक्तियाँ तथा विशेषाधिकार
106	सदस्यों के वेतन और भत्ते।

पृथ्वी एवं हमारा पर्यावरण

1 सौरमंडल [Solar System]

❖ सूर्य, ग्रह तथा उनके उपग्रह मिलकर एक पूरे परिवार की रचना करते है जिसे **सौरमंडल** कहा जाता है।

❖ **निहारिका** को सौरमंडल का जनक माना जाता है। उसके ध्वस्त होने व क्रोड के बनने की शुरुआत लगभग 5 से 5.6 अरब वर्षों पहले हुए तथा ग्रहों का निर्माण लगभग 4.6 से 4.56 अरब वर्षों पहले हुआ।

❖ सौरमण्डल में सूर्य (तारा) 8 ग्रह, 63 उपग्रह, लाखों छोटे पिंड जैसे क्षुद्रग्रह (ग्रहों के टुकड़े) (Asteroids) धूमकेतु (Comets) एवं वृहत मात्रा में धुलकण व गैस है जो गुरुत्वाकर्षण बल द्वारा आपस में जुड़े होते हैं।

❖ सूर्य, चन्द्रमा और रात के समय आकाश में जगमगाते लाखों पिंड **खगोलीय पिंड** कहलाते हैं इन्हें आकाशीय पिण्ड भी कहा जाता है। पृथ्वी भी एक खगोलीय पिण्ड है।

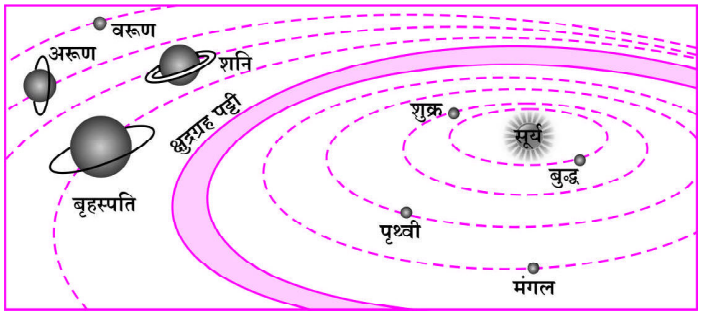

तारा (Star)

❖ जिन खगोलीय पिण्डों में अपनी ऊष्मा और प्रकाश होता है वे **तारे** कहलाते हैं।

❖ ये पिण्ड गैसों से बने हैं और आकार में बहुत बड़े और गर्म हैं।

❖ इनसे बहुत बड़ी मात्रा में ऊष्मा और प्रकाश का विकिरण भी होता है। सूर्य भी एक तारा है। अत्यन्त दूर होने के कारण तारे बहुत छोटे दिखाई देते हैं अन्य तारों की तुलना में सूर्य निकट है जिससे बड़ा एवं चमकीला दिखाई देता है।

तारों का निर्माण

❖ प्रारम्भिक ब्रह्माण्ड में ऊर्जा व पदार्थ का वितरण समान था। घनत्व में आरम्भिक भिन्नता से गुरुत्वाकर्षण बलों में भिन्नता आई, जिसके परिणामस्वरूप पदार्थ का एकत्रण हुआ। यही एकत्रण आकाश गंगाओं के विकास का आधार बना।

❖ आकाश गंगा **असंख्य तारों का समूह** है। आकाश गंगाओं का विस्तार इतना अधिक है कि उनकी दूरी हजारों **प्रकाश वर्षों** में मापी जाती है।

नोट—प्रकाशवर्ष :

✧ प्रकाशवर्ष समय का नहीं वरन् दूरी का माप है। प्रकाश की गति 3 लाख किमी. प्रति सैकण्ड है।

✧ एक वर्ष में प्रकाश जितनी दूरी तय करेगा वह एक प्रकाश वर्ष होगा। यह 9.461×10^{12} किमी. के बराबर है।

✧ पृथ्वी एवं सूर्य की औसत दूरी 14 करोड़ 95 लाख 98 हजार किमी. है।

✧ प्रकाशवर्ष के सन्दर्भ में यह प्रकाश वर्ष का केवल 8.311 मिनट है।

सूर्य

❖ सूर्य सौरमंडल का जनक, केन्द्र तथा ऊर्जा का स्रोत है।

❖ सूर्य सौर परिवार के केन्द्र में स्थित है। यह सौर परिवार का सबसे बड़ा सदस्य है।

❖ सूर्य अत्यन्त गर्म गैसों से बना है। यह पूरे सौर परिवार के लिए ऊर्जा अर्थात् ऊष्मा और प्रकाश का स्रोत है। इसमें **हाइड्रोजन 71%, हीलियम 26.5%** एवं **अन्य तत्व 2.5%** होता है।

नोट—सूर्य से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण तथ्य :

✧ पृथ्वी से अधिकतम दूरी – 15.21 करोड़ किमी.

✧ पृथ्वी से न्यूनतम दूरी – 14.70 करोड़ किमी.

✧ सूर्य से पृथ्वी तक प्रकाश पहुँचने में लगा समय – 8 मिनट 16.6 सैकण्ड

✧ सूर्य के केन्द्र का तापमान – 1.5×10^{70}C

✧ सूर्य के प्रकाश की चाल – 3×10^{8} मी./से.

✧ सूर्य का आयतन – पृथ्वी से 13 लाख गुना

❖ सूर्य दुग्धमेखला मंदाकिनी के केन्द्र के चारों ओर 250 किमी. सेकण्ड की गति से परिक्रमा कर रहा है। इसका परिक्रमण काल (दुग्धमेखला के केन्द्र के चारों ओर एक बार घूमने में लगा समय) 25 करोड़ वर्ष है, जिसे **ब्रह्माण्ड वर्ष (Cosmos Year)** कहते है।

❖ सूर्य अपने अक्ष पर **पूर्व से पश्चिम** की ओर घूमता है। इसका मध्य भाग 25 दिनों में व ध्रुवीय भाग 35 दिनों में एक घूर्णन पूर्ण करता है।

❖ सूर्य अपने अक्ष पर 7° का कोण बनाता है।

ग्रह

❖ खगोलीय पिण्डों का एक वर्ग जो केवल सूर्य जैसे तारों से प्राप्त प्रकाश को ही परावर्तित करते हैं।

❖ इनकी कोई अपनी ऊर्जा एवं ऊष्मा नहीं है अर्थात् वह खगोलीय पिण्ड जो सूर्य का परिक्रमण करता है और उससे ऊष्मा तथा प्रकाश प्राप्त करता है।

❖ **सुनामी**—सुनामी जापानी शब्द है जो सू अर्थात् बंदरगाह और नामी अर्थात् विनाशकारी लहरें से मिलकर बना है। समुद्री नितल पर विवर्तनिक हलचलों के कारण आनेवाले तीव्र भूकम्प के परिणास्वरूप जिन विनाशक समुद्री लहरों की उत्पत्ति होती है उन्हें सुनामी कहते हैं।

❖ ये विनाशकारी समुद्री लहरें हैं जो समुद्र तटीय क्षेत्रों में जल-धन की हानि करते हैं। महासागरों में ये बहुत कम ऊँचाई की होती है, किन्तु जैसे-जैसे किनारों की ओर बढ़ती है तो इसकी ऊँचाई एवं तीव्रता बढ़ती जाती है यही तीव्र लहरें धरातल पर सुनामी कहलाती है।

उत्पत्ति का कारण

❖ महासागरीय तली में भूकम्प की उत्पत्ति

❖ तटवर्ती क्षेत्रों में भू-स्खलन

महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी तथ्य

❖ महासागरीय धाराओं की उत्पत्ति व दिशा को प्रभावित करने वाले कारक
- **(अ) भूपरिभ्रमण संबंधी कारक**
- **(ब) महासागरीय कारक**—तापमान की भिन्नता व लवणता,
- **(स) बाह्य सागरीय कारक**—प्रचलित पवनों की दिशा व द्वीपीय विरोध
- **(द) रूप परिवर्तक कारक**—तटीय आकार, तलीय आकृति और मौसमी परिवर्तन।

❖ महासागरीय जल के ऊपर उठने को ज्वार व नीचे गिरने को भाटा कहते है। उत्पत्ति का प्रमुख कारक **गुरुत्वाकर्षण बल** तथा **अपकेन्द्रीय बल** है।

❖ चन्द्रमा की परिक्रमण गति के कारण पुनः उसी स्थान पर एक ही प्रकार ज्वार 52 मिनट देरी से आता है।

❖ गुरुत्वाकर्षण बल के कारण प्रत्यक्ष ज्वार तथा अपकेन्द्रीय बल के कारण अप्रत्यक्ष ज्वार आता है।

❖ 24 घंटों में एक बार दैनिक ज्वार व दो बार अर्द्ध-दैनिक ज्वार आते है।

❖ वृहत ज्वार के समय उच्च ज्वार की ऊँचाई अधिकतम तथा निम्न ज्वार (भाटे) की निचाई निम्नतर होती है अर्थात् ज्वार परिसर अत्यधिक होगी।

❖ लघु ज्वार के समय उच्च ज्वार की ऊँचाई होना व निम्न ज्वार दोनों ही कम होते हैं अतः ज्वार परिसर भी कम होता है।

❖ चन्द्रमा की परिक्रमण गति **दोगुनी** करने पर अगले ज्वार में विलम्ब 26 मिनट के बजाय **52** मिनट होगा।

❖ चन्द्रमा की परिक्रमणगति **आधी** करने पर अगले ज्वार में विलम्ब 26 मिनट के बजाय **13** मिनट होगा।

❖ पृथ्वी की घूर्णन गति **दोगुनी** करने पर अगले ज्वार में विलम्ब 26 मिनट के बजाय **13** मिनट का होगा।

❖ पृथ्वी की घूर्णन गति **आधी** करने पर अगले ज्वार में विलम्ब 26 मिनट के बजाय **52** मिनट का होगा।

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं)

1. निम्नलिखित महासागरीय धाराओं में से कौन सी धाराएँ दक्षिणी अटलांटिक महासागर में स्थित हैं? [REET Level-2 (shift-4) 24.07.2022]

(1) ब्राजीलियन धारा (2) बैंगुएला धारा
(3) ओयाशिवो धारा (4) गल्फ स्ट्रीम धारा
(A) 2, 4 (B) 1, 2
(C) 3, 4 (D) 1, 2, 4 **[B]**

2. अगुलहास धारा कौन से महासागर में प्रवाहित होती है? [REET Level-2 (shift-3) 24.07.2022]

(A) आर्कटिक महासागर (B) अटलांटिक महासागर
(C) प्रशान्त महासागर (D) हिन्द महासागर **[D]**

3. निम्नलिखित धाराओं में से कौनसी ठंडी धाराएँ हैं? [REET Level-2 (Evening Shift) 23.07.2022]

1. लैब्राडोर धारा 2. ओयाशिवो धारा
3. बैंगुएला धारा 4. अलास्का धारा
(A) 1, 2, 4 (B) 1, 2, 3
(C) 2, 3, 4 (D) 1, 3, 4 **[B]**

4. फॉकलैण्ड धारा किस महासागर में चलती है?
(A) हिन्द (B) आर्कटिक
(C) अटलान्टिक (D) प्रशान्त **[C]**

5. निम्नलिखित में से कौनसा सभी ज्वारों के सर्वाधिक संचलन के लिए उत्तरदायी है?
(A) महासागर का आकार (B) महाद्वीपों की आकृति
(C) गुरुत्वाकर्षण खिंचाव (D) महासागर की लवणता **[C]**

6. पृथ्वी की सतह से दूरी के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा प्रतिशत भूमि-उच्च की अपेक्षा चन्द्रमा की भूमिनीच के लिए सही है?
(A) 2 प्रतिशत (B) 5 प्रतिशत
(C) 8 प्रतिशत (D) 12 प्रतिशत **[D]**

7. यदि पृथ्वी की परिभ्रमण गति दो गुनी हो जाये तो अगला प्रत्यक्ष उच्च ज्वार आने में जितना विलम्ब होगा, वह—
(A) 104 मिनट (B) 13 मिनट
(C) 52 मिनट (D) 26 मिनट **[D]**

8. ज्वारभाटा की उत्पत्ति सम्बन्धी गतिक सिद्धान्त किसने प्रतिपादित किया?
(A) हैरिस (B) एयरी (C) वेवेल (D) लाप्लास **[D]**

9. यदि पृथ्वी व चन्द्रमा की घूर्णन गति आधी रह जाए तो किसी स्थान पर अगली ज्वार जितने मिनट विलम्ब से आएगा, वह हैं।
(A) 13 (B) 26 (C) 52 (D) 104 **[C]**

10. विश्व में ज्वार-भाटे की सबसे अधिक ऊँचाई अंकित की गई?
(A) फंडी की खाड़ी में (B) मैक्सिको की खाड़ी में
(C) बंगाल की खाड़ी में (D) उत्तरी सागर में **[A]**

11. कौनसी महासागरीय धाराओं में मौसमी उत्क्रमण होता है?
(A) उत्तरी हिन्द महासागर (B) दक्षिण हिन्द महासागर
(C) उत्तरी अटलांटिक महासागर (D) दक्षिणी प्रशान्त महासागर **[A]**

12. महासागरीय धारा जो सारगैसों सागर को घेरे हुए नहीं है, यह है—
(A) प्रति भूमध्यरेखीय (B) गल्फ स्ट्रीम
(C) उत्तरी अटलाण्टिक ड्रिफ्ट (D) कनारी **[A]**

भारत का भूगोल एवं संसाधन

1 भू-आकृति प्रदेश [Physiographic Regions]

भारत का नामकरण

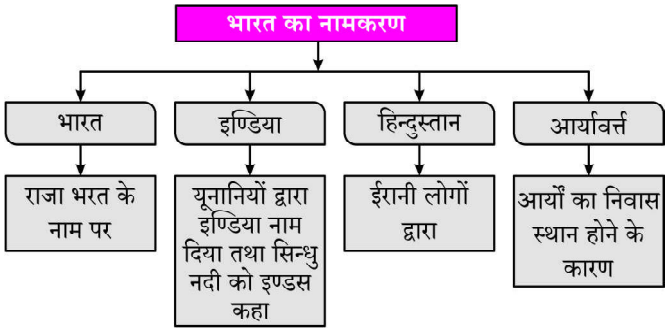

❖ भारत के संविधान के **अनुच्छेद 1** में इण्डिया और भारत दोनों शब्दों का परस्पर उपयोग किया गया है। जिसमें कहा गया है कि "भारत जो कि इंडिया है, राज्यों का एक संघ" होगा।

❖ भारत शब्द की गहरी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जड़े हैं इसका उल्लेख पौराणिक साहित्य, महाकाव्य एवं महाभारत में मिलता है। यह केवल राजनीतिक या भौगोलिक इकाई से अधिक धार्मिक और सामाजिक-सांस्कृतिक इकाई का प्रतीक है।

❖ भारत के अन्य प्राचीन नाम **हिमवर्ष** एवं **जम्बू वर्ष, भारतखण्ड, हिन्द, अलहिन्द, ग्यागर, फग्युल, तियान झू, होडू** आदि अन्य नामों से जाना जाता है।

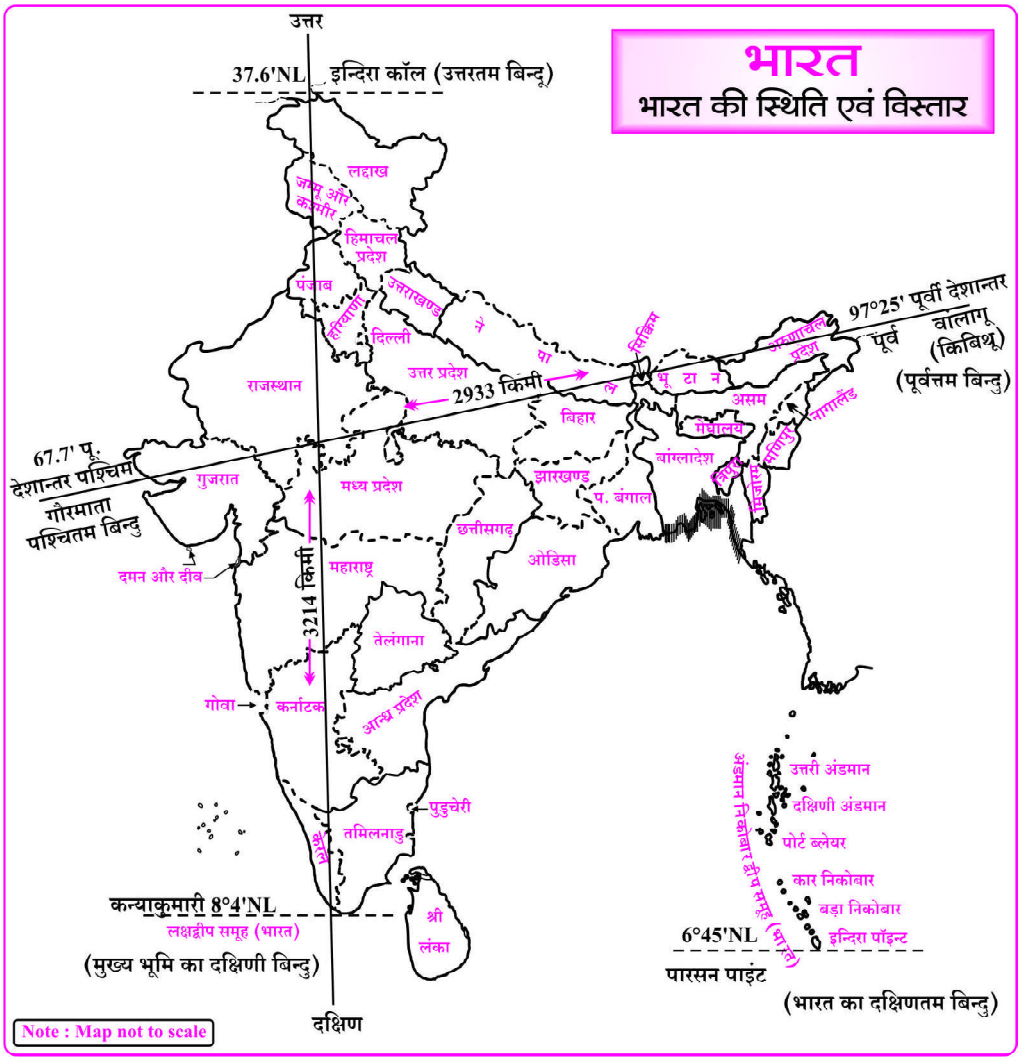

राजस्थान का भूगोल एवं संसाधन

1 राजस्थान के भौतिक प्रदेश [Physical Regions of Rajasthan]

- राजस्थान भौगौलिक, ऐतिहासिक, आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक दृष्टि से विभिन्नता वाला राज्य है।
- स्वतंत्रता के बाद 1956 तक राजस्थान का गठन पूरा हुआ। वर्तमान में प्रशासनिक दृष्टि से यह **10 संभागों, 50 जिलों** में बंटा हुआ है। इसके संभाग जयपुर, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, भरतपुर, सीकर, पाली एवं बांसवाड़ा है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार प्रदेश में **6,85,48,437** व्यक्ति निवास करते हैं। औसत जनसंख्या घनत्व **200 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर** है।
- यह भारत के उत्तर-पश्चिम में पतंगाकार विषमकोणीय चतुर्भुज रूप में **23°3' उत्तरी अक्षांश** से **30°12' उत्तरी अक्षांश** तथा **69°30' पूर्वी देशांतर से 78°17' पूर्वी देशान्तर** के मध्य स्थित है।
- अक्षांशीय दृष्टि से राजस्थान उत्तरी गोलार्द्ध एवं देशांतरीय दृष्टि से पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित है।
- कर्क रेखा (23°30' उत्तरी अक्षांश) इसके दक्षिण से गुजरती है। इसकी पूर्व से पश्चिम तक अधिकतम लम्बाई **869 किलोमीटर** तथा उत्तर से दक्षिण तक अधिकतम चौड़ाई **826 किलोमीटर** है।
- **राजस्थान का विस्तार**—
  - **उत्तरी छोर**—कोणा गाँव, श्री गंगानगर (30°12' उत्तरी अक्षांश)
  - **दक्षिणी छोर**—बोरकुण्ड गाँव, बाँसवाड़ा (23°03' उत्तरी अक्षांश)
  - **पश्चिमी छोर**—कटरा गाँव, जैसलमेर (69°30' पूर्वी देशान्तर)
  - **पूर्वी छोर**—सिलॉन गाँव, धौलपुर (78°17' पूर्वी देशान्तर)
- राजस्थान का कुल क्षेत्र **3,42,239 वर्ग किलोमीटर (132140 वर्ग मील)** है, जो कि हमारे देश भारत का **10.43 प्रतिशत** है। क्षेत्रफल की दृष्टि से इसका भारत में प्रथम स्थान है।
- राजस्थान का क्षेत्रफल की दृष्टि से जर्मनी के बराबर, जापान से थोड़ा बड़ा, ग्रेट ब्रिटेन से डेढ़ गुना, श्रीलंका से 5 गुना व इजराइल से 17 गुना से भी अधिक बड़ा हैं।
- राज्य की पश्चिमी सीमा का **1070 किलोमीटर** भाग पाकिस्तान से अंर्तराष्ट्रीय सीमा (रेडक्लिफ लाइन) बनाता है। राज्य की अंतर्राज्यीय सीमा 5 राज्यों से लगती है। राज्य के पूर्व में उत्तर- प्रदेश व मध्य प्रदेश, उत्तर में पंजाब व हरियाणा तथा दक्षिण में गुजरात व मध्य-प्रदेश के जिले स्थित हैं।
- राजस्थान की अंतर्राज्यीय सीमा की लंबाई 4850 किमी. है। सीमा की लंबाई के अनुसार राज्यों का अवरोही क्रम इस प्रकार हैं—
  मध्यप्रदेश (1600 किमी.), हरियाण (1262 किमी.), गुजरात (1022 किमी.), उत्तर प्रदेश (877 किमी.) एवं पंजाब (89 किमी.)।
  नोट:—राज्य की कुल स्थलीय सीमा की लंबाई 5920 किमी. (अंतर्राष्ट्रीय सीमा - 1070 + अंतर्राज्यीय सीमा 4850 किमी.) है।

पड़ोसी राज्यों के राजस्थान के साथ लगने वाले जिले

राज्य	राजस्थान से लगने वाले जिलों की संख्या	जिलों के नाम
पंजाब	2 जिले	फाजिल्का, मुक्तसर
हरियाणा	7 जिले	हिसार, भिवानी, महेन्द्रगढ़, सिरसा, फतेहाबाद, रेवाड़ी, मेवात
उत्तर प्रदेश	2 जिले	आगरा, मथुरा
मध्य प्रदेश	10 जिले	मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, आगर मालवा, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ
गुजरात	6 जिले	कच्छ, बनासकांठा, साबरकांठा, अरावली, माहीसागर, दाहोद

राजस्थान के पड़ोसी राज्यों के साथ लगने वाले जिले

क्र. स.	पड़ोसी राज्य	जिलों की संख्या	राजस्थान के जिलों के नाम जो पड़ोसी राज्यों से लगते हैं
1.	पंजाब	2 जिले	श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़
2.	हरियाणा	8 जिले	हनुमानगढ़, चूरू, झुँझुनूँ, नीम का थाना, कोटपूतली-बहरोड़, तिजारा-खैरथल, डीग, अलवर
3.	उत्तर प्रदेश	3 जिले	भरतपुर, धौलपुर, डीग
4.	मध्य प्रदेश	10 जिले	धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, कोटा, बाराँ, चितौड़, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, झालावाड़
5.	गुजरात	6 जिले	बाड़मेर, सांचौर, सिरोही, उदयपुर, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर

- राजस्थान में क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से सर्वाधिक बड़े जिले (33 जिलों के अुनसार)—

क्र.सं.	सर्वाधिक बड़े जिले	क्षेत्रफल
1.	जैसलमेर	38,401 वर्ग किलोमीटर
2.	बाड़मेर	28,387 वर्ग किलोमीटर
3.	बीकानेर	27,244 वर्ग किलोमीटर
4.	जोधपुर	22,850 वर्ग किलोमीटर

चरण में **1959 ई.** में बनाया गया **परियोजना का सबसे बड़ा बाँध** है।

(ii) राणा प्रताप सागर (चित्तौड़गढ़, राजस्थान)—चम्बल नदी पर **राजस्थान में बनाया गया सबसे बड़ा बाँध**।

(iii) जवाहर सागर बाँध (कोटा, राजस्थान)—**1972** में निर्मित।

(iv) कोटा बैराज (कोटा, राजस्थान)—**1960** में निर्मित।

- इस परियोजना के तहत **4.5 लाख हेक्टेयर भूमि** पर सिंचाई की जाती है।
- चम्बल परियोजना से राजस्थान में सिंचाई **कोटा, बूँदी एवं बाराँ** जिलों में होती है।
- चम्बल परियोजना के तहत सिंचाई करने हेतु कोटा बैराज से दो प्रमुख नहरें निकाली गयी।

(A) बायीं मुख्य नहर (LMC)—इसकी लम्बाई 259 कि.मी. है, इस नहर से लाडपुरा (कोटा), केशवरायपाटन, बूँदी एवं इन्द्रगढ़ (बूँदी) तहसीलों में सिंचाई की सुविधा प्राप्त है।

(B) दायीं मुख्य नहर (RMC)—124 कि.मी. लम्बी इस नहर से दीगोद, पीपलदा, लाडपुरा (कोटा), अन्ता, माँगरोल (बाराँ) तहसीलों में सिंचाई की जाती है। इस नहर से सिंचाई हेतु कुल 8 लिफ्ट नहरे बनायी गई है - कोटा में जालीपुरा व दीगोद तथा बारां में अंता, अंता माईनर, पंचेल, गणेशगंज, सोरखण्ड एवं कचारी। इस नहर से मध्यप्रदेश में भी सिंचाई की जाती है।

माही बजाज सागर परियोजना

- माही परियोजना के निर्माण हेतु राजस्थान एवं गुजरात राज्यों के मध्य समझौता वर्ष 1966 में हुआ। परियोजना का कार्य 1972 ई. में प्रारम्भ हुआ।
- यह परियोजना माही नदी पर **गुजरात (55%)** एवं **राजस्थान (45%)** की भागीदारी से बनाई गई है।
- माही परियोजना से राजस्थान के **बाँसवाड़ा** एवं **डूँगरपुर** जिलों में सिंचाई होती है।
- **बाँध** :
  - (i) **माही बजाज सागर** (बोरखेड़ा गाँव, **बाँसवाड़ा**), 1983 में निर्मित।
  - (ii) **कागदी पिक-अप बाँध** (कागदी गाँव, **बाँसवाड़ा**), घाटोल एवं गानोड़ा विद्युत गृह।
  - (iii) **कडाणा बाँध** (**पंचमहल**, गुजरात)
- इस परियोजना की समस्त विद्युत **राजस्थान** को मिलती है।
- इस परियोजना से राजस्थान के डूँगरपुर जिले की आसपुर, सागवाड़ा एवं सीमलवाड़ा तहसील व बाँसवाड़ा जिलों के जनजाति क्षेत्रों में सिंचाई उपलब्ध हुई है।
- माही परियोजना का नामकरण प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं राष्ट्रीय नेता श्री जमनालाल बजाज के नाम पर माही बजाज सागर परियोजना किया गया।

वृहद सिंचाई परियोजनाएँ

इंदिरा गाँधी नहर परियोजना

- पश्चिमी राजस्थान की सदियों से प्यासी मरुभूमि की प्यास बुझाने वाली **राजस्थान की जीवनरेखा** इंदिरा गाँधी नहर **'मरु गंगा'** के नाम से जानी जाती है। I.G.N.P. में राजस्थान के अलावा कोई राज्य भागीदार नहीं हैं।
- सर्वप्रथम **1948** में बीकानेर के महाराजा गंगासिंह की प्रेरणा से **बीकानेर** राज्य के तत्कालीन मुख्य सिंचाई इंजिनियर **श्री कँवरसेन** ने इस नहर की रूपरेखा प्रस्तुत की, इसीलिये कँवरसेन को **'इंदिरा गाँधी नहर का जनक'** माना जाता है।
- प्रारम्भ में इस नहर का नाम **'राजस्थान नहर'** था, लेकिन इंदिरा गाँधी की मृत्यु के पश्चात् **3 नवम्बर, 1984** को इसका नाम **'इंदिरा गाँधी नहर परियोजना'** (I.G.N.P.) कर दिया गया।
- इंदिरा गाँधी नहर का **स्रोत** पंजाब राज्य के फिरोजपुर जिले में **सतलज** एवं **व्यास नदियों के संगम पर** 'हरिके' के निकट बनाया गया है। यहाँ से **'राजस्थान फीडर'** निकाली गई है, जो I.G.N.P. मुख्य नहर को जलापूर्ति करती है।
- I.G.N.P. के उद्देश्य **सिंचाई एवं पेयजल** हैं। इस नहर से राज्य के कुल **16.17 लाख हेक्टेयर** क्षेत्र में सिंचाई होती है।
- I.G.N.P. से राज्य के **अनूपगढ़, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, चूरू, बीकानेर, फलौदी,** एवं **जैसलमेर** में सिंचाई एवं पेजयल सुविधा मिलती है। इनमें सर्वाधिक कमाण्ड क्षेत्र क्रमश: **गंगानगर, हनुमानगढ़** एवं **बीकानेर** जिलों का है।
- IGNP से राज्य के बाड़मेर, बालोतरा, नागौर, जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, झुंझुनूं एवं सीकर जिलों को पेयजल की सुविधा मिलती है।
- **राजस्थान फीडर** (Rajasthan Feeder)—यह नहर **हरिके बैराज** से **मसीतावाली हैड** (हनुमानगढ़) तक **204 किमी.** लम्बी है, जिसका उद्देश्य I.G.N.P. मुख्य नहर को जलापूर्ति करना है। यह **पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान** तीन राज्यों से गुजरती है। राजस्थान राज्य में फीडर का प्रवेश **हनुमानगढ़** जिले से होता है। फीडर से सिंचाई हेतु जल का उपयोग नहीं किया जा सकता।
- **इन्दिरा गाँधी परियोजना मुख्य नहर**—यह नहर **मसीतावाली हैड** (हनुमानगढ़) से **मोहनगढ़** (जैसलमेर) तक **445 किमी. लम्बी** है, जो **हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बीकानेर एवं जैसलमेर** जिलों से गुजरती है। मुख्य नहर से **नौ शाखाएँ, एक उपशाखा** एवं **सात लिफ्ट नहरें** निकाली गई हैं, जो सिंचाई एवं पेयजल हेतु पानी उपलब्ध करवाती हैं।
- इस परियोजना की 9 शाखाएँ एवं इनके द्वारा सिंचित जिले निम्नानुसार है— (1) रावतसर शाखा (हनुमानगढ़) (2) सूरतगढ़ शाखा (गंगानगर) (3) अनूपगढ़ शाखा (अनूपगढ़) (4) पूगल शाखा (बीकानेर) (5) दातोर शाखा (बीकानेर) (6) बिरसलपुर शाखा (बीकानेर) (7) शहीद बीरबल शाखा (जैसलमेर) (8) सागरमल गोपा शाखा (जैसलमेर) (9) चारणवाला शाखा (बीकानेर, जैसलमेर)
- नहर की कुल सिंचाई का **30%** भाग लिफ्ट नहरों से तथा **70%** शाखाओं से होता है।
- I.G.N.P. मुख्य नहर का अंतिम छोर **मोहनगढ़ (जैसलमेर)** तथा I.G.N.P. का अंतिम बिन्दु **गडरारोड (बाड़मेर)** है।
- **I.G.N.P. का प्रथम चरण (1958-1986)** में राजस्थान फीडर (204 किमी.), मसीतावाली हैड से पूगल (बीकानेर) तक मुख्य नहर (189 किमी.), कँवरसेन लिफ्ट नहर एवं 3,075 किमी. लम्बी वितरिकाओं का निर्माण किया गया।
- **I.G.N.P. का द्वितीय चरण (1992-2010)**—इस चरण में पूगल से मोहनगढ़ तक मुख्य नहर (256 किमी.), 6 लिफ्ट नहरों एवं 5,606 किमी. लम्बी वितरिकाओं का निर्माण किया गया।
- इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना से 9 शाखाओं एवं 7 लिफ्ट नहरों के

सर्वाधिक एवं न्यूनतम ग्रामीण जनसंख्या प्रतिशत वाले 5 जिले				
रैंक	जिला	सर्वाधिक जनसंख्या %	जिला	न्यूनतम जनसंख्या %
1.	डूँगरपुर	93.6	कोटा	39.7
2.	बाड़मेर	93.0	जयपुर	47.6
3.	बाँसवाड़ा	92.9	अजमेर	59.9

सर्वाधिक एवं न्यूनतम शहरी जनसंख्या प्रतिशत वाले 5 जिले				
रैंक	जिला	सर्वाधिक जनसंख्या %	जिला	न्यूनतम जनसंख्या %
1.	कोटा	60.3	डूंगरपुर	6.4
2.	जयपुर	52.4	बाड़मेर	7.0
3.	अजमेर	40.1	बाँसवाड़ा	7.1

सर्वाधिक एवं न्यूनतम नगरीय जनसंख्या वृद्धि दर वाले 5 जिले				
रैंक	जिला	सर्वाधिक वृद्धि दर	जिला	न्यूनतम वृद्धि दर
1.	अलवर	50.5	डूंगरपुर	9.8
2.	दौसा	48.6	प्रतापगढ़	14.8
3.	बारां	47.8	हनुमानगढ़	15.5

सर्वाधिक एवं न्यूनतम ग्रामीण जनसंख्या वृद्धि दर वाले 5 जिले				
रैंक	जिला	सर्वाधिक वृद्धि दर	जिला	न्यूनतम वृद्धि दर
1.	जैसलमेर	34.5	कोटा	6.1
2.	बाड़मेर	33.1	श्रीगंगानगर	7.3
3.	बाँसवाड़ा	27.2	झुँझुनूँ	8.5

सर्वाधिक एवं न्यूनतम SC जनसंख्या वाले 5 जिले				
रैंक	जिला	सर्वाधिक जनसंख्या	जिला	न्यूनतम जनसंख्या
1.	जयपुर	1003302	डूँगरपुर	52667
2.	श्रीगंगानगर	720412	प्रतापगढ़	60429
3.	नागौर	699911	बाँसवाड़ा	80091
4.	अलवर	653036	जैसलमेर	99134
5.	बाड़मेर	636414	राजसमन्द	148168

सर्वाधिक एवं न्यूनतम ST जनसंख्या वाले 5 जिले				
रैंक	जिला	सर्वाधिक जनसंख्या	जिला	न्यूनतम जनसंख्या
1.	उदयपुर	1525289	बीकानेर	7779
2.	बाँसवाड़ा	1372999	नागौर	10418
3.	डूँगरपुर	983437	चूरू	11245
4.	प्रतापगढ़	550427	श्रीगंगानगर	13477
5.	जयपुर	527966	हनुमानगढ़	14289

सर्वाधिक एवं न्यूनतम SC जनसंख्या प्रतिशत वाले 5 जिले				
रैंक	जिला	सर्वाधिक जनसंख्या %	जिला	न्यूनतम जनसंख्या %
1.	श्रीगंगानगर	36.58	डूँगरपुर	3.36
2.	हनुमानगढ़	27.85	बाँसवाड़ा	4.46
3.	करौली	22.28	उदयपुर	6.14
4.	चूरू	22.15	प्रतापगढ़	6.96
5.	भरतपुर	21.87	राजसमन्द	12.81

सर्वाधिक एवं न्यूनतम ST जनसंख्या प्रतिशत वाले 5 जिले				
रैंक	जिला	सर्वाधिक जनसंख्या %	जिला	न्यूनतम जनसंख्या %
1.	बाँसवाड़ा	76.38	बीकानेर	0.33
2.	डूँगरपुर	70.82	नागौर	0.31
3.	प्रतापगढ़	63.42	चूरू	0.55
4.	उदयपुर	49.71	श्रीगंगानगर	0.68
5.	सिरोही	28.22	हनुमानगढ़	0.81

महत्त्वपूर्ण तथ्य

- भारतीय संविधान में जनगणना **संघ सूची** का एक विषय है।
- आधुनिक प्रणाली के अनुसार भारत में सर्वप्रथम जनगणना लॉर्ड मेयो के शासनकाल में **1872** ई. में हुई, किन्तु प्रथम व्यवस्थित/नियमित जनगणना **लार्ड रिपन** के समय **1881** ई. से शुरू हुई थी।
- राजस्थान में 500 से अधिक जनसंख्या घनत्व वाले जिले हैं—**जयपुर** एवं **भरतपुर**।
- 30% से अधिक दशकीय वृद्धि दर वाले जिले हैं—**बाड़मेर, जैसलमेर**।
- 40% से कम महिला साक्षरता वाले जिले—**जालौर, जैसलमेर, सिरोही**।
- **राजस्थान की जनसंख्या नीति 'वी.एस.व्यास समिति'** की रिपोर्ट के आधार पर **20 जनवरी 2000** को जारी की गई थी।
- **11 जुलाई** को **विश्व जनसंख्या दिवस** मनाया जाता है।
- राजस्थान की पुरुष व महिला साक्षरता में **27.10%** का अंतर है, जो देश में सर्वाधिक है। वर्ष **1951** में राजस्थान मे कुल साक्षरता **8.50%** थी। इस दौरान पुरुष साक्षरता 13.88% एवं महिला साक्षरता मात्र 2.66% थी। साक्षरता दर मापन में जनसंख्या आयु वर्ग 7 वर्ष एवं अधिक को **1981 की जनगणना** से शामिल किया गया है। इससे पूर्व साक्षरता दर हेतु आयु 5 वर्ष या अधिक थी।
- 2001 से 2011 के बीच साक्षरता दर में सर्वाधिक वृद्धि डूँगरपुर (10.9%) एवं बाँसवाड़ा (10.8%) जिलों में हुई है।
- 2001 से 2011 के बीच राज्य के दो जिलों मे साक्षरता दर मे गिरावट आई है—(1) बाड़मेर (–2.5% की गिरावट), (2) चूरू (–0.8% की गिरावट)
- 'उदयपुर' राजस्थान का एकमात्र जिला है, जहाँ पिछले दशक (2001-11) में साक्षरता दर में कोई परिवर्तन नहीं हुआ हैं।
- 2001-2011 के दशक में बाड़मेर व चूरू दो जिलों को छोड़कर सभी जिलों में महिला साक्षरता दर बढ़ी है। जनसंख्या घनत्व के दृष्टिकोण से राजस्थान का देश में 19वाँ स्थान है। 2001-2011 के दशक में जनसंख्या घनत्व में सर्वाधिक वृद्धि **जयपुर** जिले में (124 अंको की) हुई है, जबकि न्यूनतम वृद्धि **जैसलमेर** जिले में केवल 4 अंकों की हुई।

राजस्थान का इतिहास

1 प्राचीन सभ्यताएँ एवं जनपद [Ancient Civilizations and Janpadas]

राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँ

कालीबंगा सभ्यता

- प्राचीन **दृषद्वती** और **सरस्वती नदी** घाटी (वर्तमान में घग्घर नदी का क्षेत्र) क्षेत्र में हड़प्पा सभ्यता से भी प्राचीन कालीबंगा की सभ्यता विकसित हुई।
- राजस्थान के **हनुमानगढ़** जिले में स्थित यह सभ्यता आज से 6 हजार वर्ष से भी अधिक प्राचीन मानी जाती है। इस स्थल का कालीबंगा नाम यहाँ से खुदाई के दौरान प्राप्त काली चूड़ियों के कारण पड़ा है, क्योंकि पंजाबी भाषा में बंगा का अर्थ होता है चूड़ी।
- सर्वप्रथम **1952 ई. में अमलानन्द घोष ने इसकी खोज की** और तत्पश्चात् **1964-62 ई. में बी.बी. लाल, बी.के. थापर द्वारा यहाँ उत्खनन कार्य करवाया गया।**
- उत्खनन में इस सभ्यता के **पाँच स्तर** सामने आये हैं, प्रथम दो स्तर तो हड़प्पा सभ्यता से भी प्राचीन है, वहीं तीसरे, चौथे व पाँचवे स्तर की सामग्री हड़प्पा सभ्यता की सामग्री के समान और समकालीन है।
- इस आधार पर कालीबंगा की सम्यता को दो भागों में बांटा गया है—(1) प्राक हड़प्पा सभ्यता (2) हड़प्पा सभ्यता।
- कालीबंगा सुव्यवस्थित रूप से बसा हुआ नगर था। मकान बनाने में **मिट्टी की ईंटों** को धूप में पकाकर प्रयुक्त किया जाता था।
- उत्खनन से प्राप्त **मिट्टी के बर्तन** एवं उनके अवशेष पतले और हल्के हैं। बर्तनों का रंग लाल है, जिन पर काली एवं सफेद रंग की रेखाएँ खींची गई हैं।
- यहाँ से जुते हुए खेत के साक्ष्य मिलते हैं, ऐसा अनुमान है कि लोग एक ही खेत में **दो फसलें उगाते** थे।
- कालीबंगा से मिले कब्रिस्तान से यहाँ के निवासियों की शवाधान पद्धतियों की जानकारी मिलती है, साथ ही एक **बच्चे के कंकाल की खोपड़ी** में छः छिद्र मिले हैं, जिसे मस्तिष्क शोध बीमारी के इलाज का प्रमाण माना जाता है।
- यहाँ से प्राप्त खिलौना बैलगाड़ी, हवनकुण्ड, लकड़ी की नाली व बेलनाकार मुहर का हड़प्पा सभ्यता में अपना विशिष्ट स्थान है।

आहड़ सभ्यता

- **उदयपुर** शहर के पास बहने वाली **आहड़ नदी** (आयड़ नदी) के तट पर बसे आहड़ के उत्खनन के फलस्वरूप चार हजार वर्ष पुरानी पाषाण धातु युगीन सम्यता के अवशेष सामने आए। यह सभ्यता एक टीले के नीचे दबी हुई प्राप्त हुई थी जिसे **धूलकोट** (धूल यानि मिट्टी का टीला) कहते हैं।
- सर्वप्रथम 1953 में यहाँ **अक्षयकीर्ति व्यास** एवं उसके बाद **रतन चन्द्र अग्रवाल** एवं **एच.डी. साँकलियां** के निर्देशन में उत्खनन कार्य करवाया गया। इस सभ्यता के लोग मकान बनाने में धूप में सुखाई गई ईंटों एवं पत्थरों का प्रयोग करते थे। आहड़ के लोग अपने **मृतकों को गहनों व आभूषणों के साथ दफनाते थे**, जो इनके मृत्यु के बाद भी जीवन की अवधारणा का समर्थक होने का प्रमाण है।
- उत्खनन में **मिट्टी के बर्तन** सर्वाधिक मिले हैं, जो आहड़ को लाल-काले मिट्टी के बर्तन वाली संस्कृति का प्रमुख केन्द्र सिद्ध करते हैं। आहड़ का दूसरा नाम **'ताम्रवती नगरी'** भी मिलता है जो यहाँ ताँबे के औजारों एवं उपकरणों के अत्यधिक प्रयोग के कारण रखा गया होगा। उत्खनन से प्राप्त ठप्पों से यहाँ रंगाई-छपाई व्यवसाय के उन्नत होने का अनुमान भी लगाया जाता है।

गिलूण्ड सभ्यता

- **राजसमन्द** जिले में स्थित **गिलूण्ड कस्बे में बनास नदी के तट पर** दो टीलों के उत्खनन के फलस्वरूप आहड़ संस्कृति से जुड़ी यह सभ्यता प्रकाश में आई, जिसे **'बनास संस्कृति'** के नाम से भी पुकारा जाता है।
- **1957-58 ई.** में **बी.बी. लाल** के निर्देशन में यहाँ उत्खनन किया गया। तत्पश्चात् 1998 से 2003 ई. के मध्य पूना के **डॉ. वी.एस. शिन्दे** एवं पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय (अमेरिका) के **प्रो. ग्रेगरी पोशल** के निर्देशन में यहाँ उत्खनन किया गया। उत्खनन से ताम्रयुगीन सम्यत्ता के अवशेष मिले हैं, जिसका समय 1900-1700 ई.पू. निर्धारित किया गया है।
- गिलूण्ड से **पाँच प्रकार के मिट्टी के बर्तन** मिले हैं—सादे, काले, पालिशदार, भूरे, लाल और काले चित्रित मृदभांड। उत्खनन में **मिट्टी के खिलौने**, **पत्थर की गोलियाँ** एवं **हाथी दाँत की चूडियों के अवशेष** मिले हैं। आहड़ में **पक्की ईंटों (आग में पकाई हुई ईंटे) का उपयोग** नहीं हुआ है, जबकि गिलूण्ड में इनका प्रचुर उपयोग होता था।

बागोर सम्यता

- भीलवाड़ा जिले में स्थित बागोर में **कोठारी नदी** तट पर **डॉ. वी.एन. मिश्र** के निर्देशन में 1967 से 1970 ई. तक उत्खनन कार्य किया गया।
- उत्खनन के दौरान यहाँ **प्रागैतिहासिक काल की सभ्यता के अवशेष** प्राप्त हुए हैं जो चार से पाँच हजार ईसा पूर्व के माने जाते हैं। यहाँ से बड़ी संख्या में लघु पाषाण उपकरण मिले हैं, जो इस सभ्यता के निवासियों के आखेटक होने को प्रमाणित करते हैं।
- बागोर से तांबे के उपकरण प्राप्त हुए हैं, जिनमें छेद वाली सुई सबसे महत्वपूर्ण है। यहाँ से **कृषि व पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य** प्राप्त हुए हैं। बागोर मध्य **पाषाण कालीन सभ्यता का स्थल और लघु पाषाण उपकरण** का प्रमुख केन्द्र था।

(A) हरिभाऊ उपाध्याय (B) गोकुलभाई भट्ट
(C) हीरालाल शास्त्री (D) टीकाराम पालीवाल **[C]**

4. राज्य 'राजस्थान' अपने परिपूर्ण रूप में इस तिथि को सामने आया— **[REET-11-02-2018]**
(A) नवम्बर 01, 1956 (B) मई 15, 1949
(C) मार्च 25, 1948 (D) जनवरी 26, 1950 **[A]**

5. राजस्थान का एकीकरण कितने चरणों में पूरा हुआ?
(A) आठ (B) पाँच (C) छह (D) सात **[D]**

6. राजस्थान दिवस मनाया जाता है—
(A) 15 मई (B) 18 अप्रैल
(C) 1 नवम्बर (D) 30 मार्च **[D]**

7. अजमेर-मेरवाड़ा के विलय के साथ राजस्थान राज्य के एकीकरण की प्रक्रिया किस वर्ष पूर्ण हुई?
(A) 1956 (B) 1955 (C) 1954 (D) 1953 **[A]**

8. निम्न शहरों को राजस्थान के एकीकरण के समय स्थापित सरकारी कार्यालयों के साथ सुमेलित कीजिए—
(a) भरतपुर I. हाईकोर्ट
(b) जोधपुर II. शिक्षा विभाग
(c) बीकानेर III. खनिज विभाग
(d) उदयपुर IV. कृषि विभाग

कूट:	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	IV	II	III	I
(B)	II	I	IV	III
(C)	I	IV	III	II
(D)	IV	I	II	III

[D]

9. किसके प्रस्ताव पर 'मत्स्य संघ' नाम रखा गया?
(A) सरदार पटेल (B) हीरालाल शास्त्री
(C) के.एम. मुंशी (D) जमनालाल बजाज **[C]**

10. राजस्थान की रियासतों के एकीकरण के समय जोधपुर राज्य का महाराजा कौन था?
(A) उम्मेद सिंह (B) हनुवंत सिंह
(C) गज सिंह (D) विजय सिंह **[B]**

11. राजस्थान के एकीकरण के अंतिम चरण के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौनसे सत्य हैं
(1) अजमेर-मेरवाड़ा क्षेत्र को राजस्थान में सम्मिलित किया गया।
(2) सिरौंज का विलय राजस्थान में किया गया।
(3) आबू एवं देलवाड़ा को राजस्थान में सम्मिलित किया गया।
(4) मत्स्य संघ को राजस्थान में सम्मिलित किया गया।
सही उत्तर विकल्प का चयन कीजिए
(A) केवल (1) एवं (2) (B) केवल (1), (2) एवं (3)
(C) केवल (1) एवं (3) (D) उपर्युक्त सभी **[C]**

12. निम्नांकित में से राजस्थान के एकीकरण से सम्बन्धित कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है—
(A) अलवर, भरतपुर, धौलपुर व करौली-मत्स्य संघ
(B) झालावाड़, बूँदी, बाँसवाड़ा, डूँगरपर, कोटा, प्रतापगढ़, किशनगढ़, टोंक, शाहपुरा व कुशलगढ़-राजस्थान संघ
(C) राजस्थान संघ व उदयपुर-संयुक्त राजस्थान
(D) संयुक्त राजस्थान व मत्स्य संघ-वृहत् राजस्थान **[D]**

13. स्वतंत्रता प्राप्ति के समय राजस्थान कितनी देशी रियासतों में विभक्त था?
(A) 15 (B) 18 (C) 19 (D) 22 **[C]**

14. मत्स्य संघ को वृहत् राजस्थान में किस समिति की सिफारिशों पर मिलाया गया?
(A) फजल अली समिति (B) व्यास समिति
(C) शंकर राव देव समिति (D) वर्मा समिति **[C]**

15. वृहद राजस्थान का प्रमुख किसे नियुक्त किया गया?
(A) महाराजा सवाई मानसिंह (B) महाराजा भूपालसिंह
(C) महारावल चन्द्रसिंह (D) महारावल लक्ष्मणसिंह **[A]**

16. किस आयोग की सिफारिश पर माउंट आबू एवं अजमेर मेरवाड़ा का विलय राजस्थान में किया?
(A) वी.पी. मेनन आयोग (B) राजस्थान पुनर्गठन आयोग
(C) राजस्थान संयुक्त आयोग (D) वल्लभभाई पटेल आयोग **[B]**

17. राजस्थान एकीकरण के विभिन्न चरणों एवं तत्संबंधी तिथियों का निम्न में से असंगत युग्म कौन-सा है?

एकीकरण का चरण	तिथि
(A) द्वितीय चरण	25 मार्च, 1948
(B) तृतीय चरण	25 मार्च, 1949
(C) चतुर्थ चरण	30 मार्च, 1949
(D) पंचम चरण	15 मई, 1949

[B]

18. मत्स्य संघ का कौनसा राज्य जनता के बहुमत के आधार पर उत्तर प्रदेश के साथ विलीनीकरण के लिए तैयार था—
(A) भरतपुर (B) करौली
(C) धौलपुर (D) अलवर **[C]**

19. राजस्थान का गठन सात चरणों में हुआ, जिसका प्रथम समूह ...... 18 मार्च, 1948 को बना था।
(A) मत्स्य संघ (B) राजस्थान यूनियन
(C) ग्रेटर राजस्थान (D) संयुक्त राजस्थान **[A]**

20. दक्षिणी राजपूताना के छोटे राज्यों को एकीकृत करने के लिए किसने 'हाड़ौती संघ' बनाने का प्रस्ताव दिया?
(A) एन. बी. गाडगिल (B) महाराव भीमसिंह (कोटा)
(C) महाराव बहादुरसिंह (बूँदी) (D) गोकुल लाल असावा **[B]**

21. राजस्थान (जिसे पहले राजपूताना के नाम से जाना जाता था) राज्य का गठन .... को हुआ था।
(A) 7 मई, 1951 (B) 30 मार्च, 1949
(C) 26 जनवरी, 1950 (D) 18 अगस्त, 1949 **[B]**

22. राजस्थान के एकीकरण के अंतिम चरण में कौन-सा क्षेत्र सम्मिलित किया गया था?
(A) अजमेर (B) बीकानेर (C) शाहपुरा (D) टोंक **[A]**

23. 1949 में, बीकानेर, जयपुर, जैसलमेर और जोधपुर, संयुक्तराज्य राजस्थान के साथ जुड़ गए और राज्यों के एक समूह का गठन किया जिसे..... कहा जाता है।
(A) पुनः संगठित राजस्थान (B) ग्रेटर राजस्थान
(C) संयुक्त राजस्थान (D) राजस्थान संघ **[B]**

राजस्थान की कला व संस्कृति

1 राजस्थान की विरासत एवं स्थापत्य कला [Heritage & Architecture of Rajasthan]
(दुर्ग, महल एवं स्मारक Forts, Palaces and Monuments)

❖ राजस्थान की विशेष भौगोलिक स्थिति ने यहाँ के स्थापत्य को प्रभावित किया है। नगर, महल, परकोटे, किले या जलाशयों के निर्माण में उपयोगिता के साथ मजबूती का पूरा ध्यान रखा गया है।

नगर-विन्यास (स्थापत्य) एवं भवन शिल्प

❖ हनुमानगढ़ जिले में कालीबंगा और सौंथी में खुदाई से ऐसे अनेक प्रमाण मिले हैं, जिनसे ज्ञात होता है कि ऋग्वैदिक काल से कई सदियों पूर्व सरस्वती एवं दृषद्वती नदियों के किनारों पर बसे इन नगरों की नगर योजना एवं भवन निर्माण उच्च स्तरीय था। ईंटों से बने भवन, सड़कें, नालियां, गोल कुएं, वेदियां आदि इस बात को प्रमाणित करती हैं।

❖ दक्षिणी-पश्चिमी राजस्थान में आहड़, गिलूण्ड आदि संस्कृति के केन्द्र रहे। मकानों में खिड़कियां, दरवाजे, बरामदे, खुले चौक आवास को पूर्णता प्रदान करते थे, जो यहाँ की समृद्ध अवस्था पर प्रकाश डालते हैं। अनाज पीसने के पत्थर, तांबे की चद्दरें आदि आहड़ की कृषि त्था व्यवसाय प्रधान बस्ती की ओर संकेत करते हैं।

❖ पौराणिक सभ्यता के युग में राजस्थान के कई सांस्कृतिक केन्द्रों का ज्ञान होता है जिनमें पुष्कर, मरुधन्व, जांगल, मत्स्य, साल्व, मरुकांतार आदि प्रमुख हैं।

❖ महाभारत काल में विराट नगर (बैराठ), पुष्कर आदि नगरों का वर्णन आता है, जो स्थापत्य एवं रक्षा की दृष्टि से नगर योजना की समृद्ध कहानी कहते हैं।

❖ मौर्य-काल से लेकर उत्तर गुप्तकाल में भारतीय स्थापत्य की भांति राजस्थान में भी स्थापत्य के एक विशेष रूप का विकास हुआ। इस काल की कला केवल राजकीय प्रश्रय में ही नहीं पलती थी, वरन् आमजन के मध्य भी प्रचलित थी।

❖ विराट नगर अशोक कालीन सभ्यता का एक अच्छा उदाहरण है। यहाँ के भग्नावशेषों में स्तम्भ लेख और बौद्ध विहार के खण्डहर प्रमुख हैं।

❖ मौर्य काल में बेड़च नदी के किनारे **मध्यमिका** (चित्तौड़ के पास जिसे आजकल नगरी कहते हैं) की भव्य नगर योजना इस बात की साक्षी है कि **तीसरी सदी ईसा पूर्व से छठी सदी तक यह भव्य नगर रहा**।

❖ गुप्त और गुप्तोत्तर काल में मेनाल, अमझेरा, डबोक तथा भरतपुर के आस-पास का क्षेत्र नगरीय वैभव के साक्षी हैं। बावड़ियां, कुण्ड, मंदिर, सड़कें, नालियां तथा रिहायशी मकानों का संतुलित निर्माण इन खण्डहरों तथा उपलब्ध पुरातात्विक सामग्री में आसानी से दिखाई पड़ता है।

❖ सातवीं से तेरहवीं शती तक का काल राजस्थान में स्थापत्य की दृष्टि से बहुत ही महत्त्वपूर्ण रहा है। राजपूत संस्कृति के उदय के कारण वीरता एवं रक्षा के प्रतीक किले एवं धार्मिक प्रवृति के प्रतीक मंदिर बनाये गये।

❖ राजपूत काल में जहाँ-जहाँ राजधानियां बनीं वहाँ का नगर नियोजन विशिष्ट रहा। नगर की रक्षा एवं सुविधा की दृष्टि से जो स्थान चुना जाता था वह महत्त्वपूर्ण स्थल होता था।

❖ इसी दृष्टि से भीनमाल, चित्तौड़, मण्डोर, ओसियां, रणथम्भौर, झालरापाटन, राजौरगढ़, आमेर जैसे स्थानों को राजधानी नगर बनाने हेतु चुना गया। आगे चलकर देशी राजाओं ने अपनी-अपनी राजधानियों के लिए जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, उदयपुर, बूंदी, कोटा, जयपुर जैसे नगरों की स्थापना की और उन्हें परिपूर्ण नगर के रूप में विकसित किया।

❖ महान शिल्पकार **विद्याधर** ने **जयपुर शहर को नौ वर्गों के सिद्धांत पर बसाया** था। सुव्यवस्थित रूप से बसे जयपुर के निर्माण में चौड़ी और सीधी सड़कों एवं रास्तों की व्यवस्था सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण रही।

❖ जयपुर शहर के दोनों सिरों पर दो चौपड़ अर्थात् छोटी और बड़ी चौपड़ हैं, जिनमें बीच में फव्वारें तथा चौड़ी सड़क के दोनों ओर बाजार हैं। शहर से निकास के लिए सूरजपोल, चांदपोल, घाटगेट, सांगानेरी गेट, अजमेरी गेट, जोरावरसिंह गेट आदि महत्त्वपूर्ण दरवाजे हैं।

❖ सवाई जयसिंह की कल्पना को साकार करने के लिए जयपुर शहर की नींव नवम्बर 1726 ई. में राजगुरु **पंडित जगन्नाथ सम्राट** द्वारा रखी गयी थी। आगे चलकर तो पूरे राजस्थान के नगर नियोजन को जयपुर के स्थापत्य ने प्रभावित किया।

❖ 12वीं सदी में जैसलमेर का निर्माण, जंगल की निकटता और पानी की सुविधा को ध्यान में रखकर किया गया था। समूची योजना जन-जीवन और व्यापार की समृद्धि के हित में थी। चौहानों के समय अजमेर की गिनती समृद्ध नगरों में की जाती थी।

❖ बूंदी के स्थापत्य में तथा उसके बसाने में जल की प्रचुरता का बड़ा हाथ रहा है। जोधपुर और बीकानेर की बसावट में गढ़ निर्माण, परकोटे-भवन निर्माण आदि भौगोलिक परिस्थितियों से संबंधित हैं।

❖ बीकानेर में समतल भूमि में पेशे के अनुसार नगर के भाग बनाये गये तथा हाटों और बाजारों को व्यापारिक सुविधा के अनुकूल बनवाया गया।

❖ नगरों के स्थापत्य से गाँवों का स्थापत्य भिन्न रहा है। पहाड़ी इलाके के गाँव पहाड़ी ढलान और कुछ ऊँचाई लिए हुए हैं, जैसे - केलवाड़ा, सराड़ा आदि।

दुर्ग-शिल्प

❖ राजस्थान का शायद ही कोई जनपद या अंचल ऐसा हो जहाँ कोई छोटा-बड़ा दुर्ग या गढ़-गढ़ी न हो। दुर्ग-निर्माण की परम्परा यहाँ बहुत प्राचीन काल से ही चली आ रही है।

❖ शुक्रनीति के अनुसार राज्य के सात अंग माने गये हैं, जिनमें दुर्ग भी एक है। सम्पूर्ण देश में राजस्थान वह प्रदेश है, जहाँ पर महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के बाद सर्वाधिक गढ़ और दुर्ग बने हुए हैं। यहाँ राजाओं व सामन्तों ने अपने निवास, सुरक्षा, सामग्री संग्रहण, आक्रमण के समय

घराने का नाम	प्रवर्तक	विशेष विवरण
मेवाती घराना	घग्घे नजीर खाँ	✧ नजीर खाँ जोधपुर महाराजा जसवंतसिंह के दरबारी गायक थे। मोतीराम ज्योतिराम ने इस गायकी में ख्याति अर्जित की। **प्रसिद्ध गायक**—पं. मणीराम, प. प्रताप, **प. जसराज**, पूरणचंद।
अल्लादिया खाँ घराना	अल्लादिया खाँ	✧ **प्रसिद्ध गायिका**—किशोरी अमोणकर।
अतरौली घराना	साहब खाँ	✧ ध्रुपद की खण्डारवाणी शैली से सम्बन्धित घराना।
बीनकार घराना (जयपुर)	रज्जब अली	✧ श्री रज्जब अली जयपुर महाराजा सवाई रामसिंह के दरबारी थे।
डागर घराना	बहराम खाँ डागर	✧ सवाई रामसिंह का दरबारी जिसको ध्रुपद की डागुरवाणी शैली को विकसित करने का श्रेय है।
सितार का सेनिया घराना (जयपुर)	सूरत सेन	✧ सितारियों के घराना के नाम से प्रसिद्ध इस घराने के गायक गौहरवाणी व खण्डारवाणी में सिद्धहस्त थे। प्रसिद्ध वादक—**अमृत सेन।**
कथक का जयपुर घराना	**भानूजी**	✧ **कथक का सबसे प्राचीन घराना।** कथक नृत्य की **हिन्दू शैली** का प्रतिनिधित्व करने वाला एकमात्र घराना। थाट, आमद, गणेश वंदना, उठान या चौक भरना, क्लिष्टता एवं पौराणिक कथाओं का प्रदर्शन इत्यादि जयपुर कथक घराने की मुख्य विशेषताएँ हैं। जयपुर कथक घराने में **'भ्रमरी'** का विशेष महत्त्व है।

प्रमुख संगीत ग्रंथ व उनके रचनाकार

- ❖ **शृंगारहार**—हम्मीर (रणथम्भौर)
- ❖ **संगीत रागकल्पद्रुम**—कृष्णानंद व्यास
- ❖ **रागमाला, राग मंजरी**—पुण्डरीक विट्ठल
- ❖ **रसिक प्रिया, सूडप्रबंध**—महाराणा कुम्भा
- ❖ **राग रत्नाकर**—राधाकृष्ण
- ❖ **अनूप संगीत विलास, अनूप रागसागर, अनूप संगीत रत्नाकर, अनूपांकुश, अनूपरागमाला**—पण्डित भावभट्ट
- ❖ **संगीतराज, संगीत मीमांसा, संगीत विनोद, संगीतानुराग**—महाराजा अनूपसिंह (बीकानेर)
- ❖ **स्वर सागर**—उस्ताद चाँद खाँ (प्रतापसिंह)
- ❖ **संगीत रत्नाकर**—शारंगदेव
- ❖ **राग चन्द्रिका**—भट्ट द्वारकादास
- ❖ **मान कुतुहल**—मानसिंह तोमर
- ❖ **संगीत दर्पण**—पण्डित दामोदर मिश्र
- ❖ **राग दर्पण**—फकीर उल्ला

राजस्थान के प्रमुख संगीतज्ञ

- ❖ **करणाराम भील**—जैसलमेर का प्रसिद्ध नड़ वादक करणाराम अपनी छः फुट आठ इंच लम्बी मूँछों के लिए विख्यात था।
- ❖ **गवरी देवी**—पाली की प्रसिद्ध 'मांड मल्लिका' लोक गायिका गवरी देवी माँड, रतनराणो, मेंहदी, कव्वाली आदि लोक शैलियों की प्रसिद्ध गायिका तथा 1991 के राज्य स्तरीय संगीत नृत्य में प्रथम रहीं।
- ❖ **मांगी बाई**—मेवाड़ की मांगी बाई ने 'लोक सुरों की शहनाई' से अपनी मांड को नई पहचान प्रदान की।
- ❖ **अल्लाह जिलाई बाई**—राजस्थान की विख्यात मांड गायिका अल्लाह जिलाई बाई 1982 में 'पद्मश्री' अलंकरण से सम्मानित की गईं। इनका गाया प्रसिद्ध गीत **'केसरिया बालम आवो नी पधारो म्हारे देश'** राजस्थान के पर्यटन का लोगो (Logo) बना। इन्हें मरणोपरान्त राजस्थान रत्न पुरस्कार (पहला) 2012 से नवाजा गया।
- ❖ **बन्नो बेगम**—जयपुर की प्रसिद्ध माँड गायिका बन्नो बेगम ने दरबारी परम्परा की माँड गायन शैली को देश-विदेश में पहचान दिलाई।
- ❖ **जगजीत सिंह**—श्रीगंगानगर के प्रसिद्ध गजल गायक जगजीत सिंह को 2003 में 'पद्मभूषण' से सम्मानित किया गया। इन्हें मरणोपरान्त **राजस्थान रत्न पुरस्कार** (पहला) 2012 से नवाजा गया।
- ❖ **रमाबाई**—महाराणा कुंभा की पुत्री रमाबाई प्रसिद्ध संगीतज्ञ थी जिसके लिए **'वागीश्वरी'** उपनाम का प्रयोग हुआ है।

प्रमुख आधुनिक संगीतज्ञ

- ❖ **तबला वादक**—अल्ला रक्खा खाँ, ब्रह्मदत्त, उस्ताद जाकिर हुसैन, किशन महाराज, बाबा अलाउद्दीन, गुलफाम खाँ, सामता प्रसाद मिश्र, देवीलाल, हनुमान सिंह राठौड़, भवानी शंकर, पं. चतुरलाल, पं. चिरंजीलाल, मोहनलाल जोशी, आशिक हुसैन, मदन गंगाणी।
- ❖ **बाँसुरी वादक**—जमुना प्रसाद वर्मन, सूरज नारायण पुरोहित, बाबूलाल शर्मा, भास्कर गोस्वामी, जगदीश प्रसाद वर्मन।
- ❖ **सितार वादक**—कृष्ण मोहन भट्ट, चन्द्रमोहन भट्ट, विश्वमोहन भट्ट, हरिकिशन शर्मा, तानसेन, घासी महाराज, रहीम सेन, नजीर खाँ (भारत के पं. रविशंकर, कु. अनुष्का, उस्ताद विलायत खाँ)।
- ❖ **सारंगी वादक**—पद्मभूषण रामनारायण, रज्जब अली खाँ, उस्ताद सुल्तान खाँ, नवी बख्श, शरबत खाँ, कालका प्रसाद, नानूराम।
- ❖ **संतूर वादक**—पं. शिवकुमार शर्मा।
- ❖ **सरोद वादक**—उस्ताद अमजद अली खाँ, शरण रानी, उस्ताद अली अकबर खाँ, जरीत्रा दारूवाला शर्मा।
- ❖ **वायलिन वादक**—श्रीमती एन. राजन, प्रवीण मेहता, ब्रजभूषण भट्ट, रवि मोहन भट्ट, सत्यदेव पँवार, रवि पंवार, चतुरलाल।
- ❖ **शास्त्रीय संगीत गायक**—कुमार गन्धर्व, गोकी बाई (पटियाला बराना), पं. भीमसेन जोशी, गंगू बाई (किराना घराना), पं. जसराज (मेवात घराना)।
- ❖ **सुरबहार वादक**—अन्नपूर्णा देवी।
- ❖ **गिटार वादक**—सतीश खान बलकर, कृष्ण कुमार डांगी, बसंत काबरा, सलिल भट्ट।
- ❖ **वीणा वादक**—छोटूलाल वर्मा, मोहनलाल शर्मा, राजा सम्मोखन सिंह, बंदे अली खाँ, मिश्रसिंह, सादिक अली खाँ, जमालुद्दीन खाँ।
- ❖ **मृदंग वादक**—रतनलाल वर्मा, मथुरालाल, मूलचन्द कुमावत, गोपाल शर्मा, नूतन प्रकाश पारीक।
- ❖ **शहनाई वादक**—भारत रतन उत्साद बिस्मिल्लाह खाँ।
- ❖ **पखावज वादक**—पं. जगन्नाथ प्रसाद, पं. पुरुषोत्तमदास, रूपराम, अम्बालाल, लक्ष्मीनारायण पंवार, मोहनलाल, रामचन्द्र पखावजी।

शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-I

1 सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन की संकल्पना एवं प्रकृति [Concept and Nature of Social Science/Social Study]

सामाजिक अध्ययन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- सामाजिक अध्ययन सामाजिक विज्ञान, मानविकी और इतिहास का समाकलित अध्ययन है। इसमें मानव संबंधों की चर्चा होती है। अतः इसमें सामाजिक विज्ञान के विविध सरोकारों को समाविष्ट किया जाता है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि यह सामाजिक व भौतिक वातावरण के साथ मानव के संबंधों की चर्चा करता है।
- सामाजिक अध्ययन विषय का शुभारंभ 1892 ई. में संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) में हुआ। इस विषय के आरम्भ के लिए विश्व संयुक्त राज्य अमेरिका का ऋणी है।
- प्रारम्भ में **'सामाजिक अध्ययन'** विषयों के उस समूह के लिए नाम दिया, जिसमें **इतिहास**, **अर्थशास्त्र** तथा **राजनीति शास्त्र** सम्मिलित थे। **'सामाजिक अध्ययन'** यह नामकरण भी **1892** में किया गया।
- आगे चलकर इसमें **समाजशास्त्र** को भी सम्मिलित किया गया। लेकिन सामाजिक अध्ययन के इस स्वरूप को विषय के रूप में सरकार ने **1916 ई.** तक मान्यता नहीं दी।
- 1916 में 'कमेटी ऑन दी सोशल स्टडीज ऑफ दी नेशनल एजुकेशन एसोसियेशन कमीशन ऑन दी रि-ऑर्गेनाइजेशन ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन' ने इस विषय की मान्यता हेतु प्रतिवेदन दिया और कहा कि इसे एक स्वतंत्र विषय के रूप में मान्यता प्रदान की जाए। इसके बाद इसे विषय के रूप में मान्यता मिली।
- 1921 में इस विषय के संबंध में विस्तृत अध्ययन करने के लिए अमेरिका में **'राष्ट्रीय परिषद'** (National Council) का निर्माण किया गया। इस परिषद् ने विभिन्न विषयों के समन्वित रूप की संभावनाओं पर गहन अध्ययन किया।
- 1934 ई. में 'सोशल स्टडीज' पर एक कमीशन की नियुक्ति की गयी। इस कमीशन ने इसके विकास के लिए कार्य किये, जिनके फलस्वरूप सामाजिक अध्ययन के एकीकृत स्वरूप का विकास हुआ और बाद में इसको एक क्षेत्रीय विषय के रूप में देखा जाने लगा।
- इस प्रकार 1892 से 1934 तक की यात्रा में इस विषय का एकीकृत रूप सामने आया, जो विभिन्न सामाजिक विज्ञानों का समूह मात्र न होकर उनका समन्वित (एकीकृत) रूप है।
- अमरीकी विद्यालयों में 1920 से 1955 का समय **'सामाजिक विज्ञान का युग'** कहा जाता है।

भारत में सामाजिक अध्ययन

- यद्यपि संसार के अन्य देशों में सामाजिक अध्ययन की बात 20वीं सदी के दूसरे दशक से प्रारम्भ हो गयी थी। परन्तु भारत में सामाजिक अध्ययन विषय का विद्यालय पाठ्यक्रम में समावेश काफी विलम्ब से हुआ।
- भारत की शिक्षा को गाँधीजी के विचारों ने उसी प्रकार प्रभावित किया, जिस प्रकार जॉन ड्यूवी ने अमेरिका की शिक्षा नीति को प्रभावित किया था।
- 1935 के शासन विधान के अनुसार भारत में स्वायत्त शासन की नींव पड़ी और दो वर्ष बाद 11 प्रांतों में उत्तरदायी सरकारों की स्थापना हुई। इससे साक्षरता व प्रौढ़ शिक्षा के कार्यक्रमों को उत्साह और तत्परता के साथ प्रारम्भ किया गया।
- महात्मा गाँधी ने अपनी नई शिक्षा योजना प्रस्तुत करते हुए कहा था कि — ''मैं तो ऐसी शिक्षा देने का मार्ग प्रशस्त कर रहा हूँ जो बच्चों को स्वावलम्बी और आत्मनिर्भर बनायें।''
- गांधीजी की इस योजना को व्यावहारिक रूप देने तथा विस्तृत पाठ्यक्रम निर्धारित करने का कार्य **डॉ. जाकिर हुसैन** की अध्यक्षता में गठित एक समिति को सौंपा गया।
- इस समिति ने 7 वर्ष से 14 वर्ष तक की आयु के बालकों के लिए बेसिक शिक्षा के नाम से एक सप्तवर्षीय पाठ्यक्रम की सिफारिश की।
- इस पाठ्यक्रम में मातृभाषा, कला, शिल्प, खेलकुद, व्यायाम, गणित, सामान्य विज्ञान के साथ-साथ सामाजिक ज्ञान का विषय भी समायोजित किया गया।
- आजादी के बाद माध्यमिक शिक्षा की समस्याओं पर विचार करने के लिए भारत सरकार ने मद्रास विश्वविद्यालय के कुलपति **डॉ. लक्ष्मण स्वामी मुदालियर** की अध्यक्षता में **सितम्बर, 1952 में माध्यमिक शिक्षा आयोग** की स्थापना की।
- आयोग ने छात्रों को सामाजिक वातावरण से अनुकूलन कराने के लिए इस विधि का अध्यापन अनिवार्य किया और सामाजिक ज्ञान के स्वरूप को इस प्रकार स्पष्ट किया कि सामाजिक ज्ञान इतिहास, भूगोल और नागरिक शास्त्र का सम्मिश्रण न होकर एक एकीकृत रूप से पूर्ण विषय होगा।
- यह एकीकृत रूप छात्रों को यह समझा सकने में समर्थ हो कि समाज ने अपना वर्तमान रूप किस प्रकार धारण किया।
- सर्वप्रथम **पंजाब सरकार** ने अपने शिक्षा सलाहकार बोर्ड की पाठ्यक्रम के पुनर्गठन की सिफारिशों (1949 में) को मानते हुए **राज्य में सभी स्तरों पर सामाजिक ज्ञान का अध्यापन प्रारम्भ किया।**
- सन् 1964 में डॉ. डी.एस. कोठारी की अध्यक्षता में एक शिक्षा आयोग का पुनः गठन किया गया। इस आयोग ने विद्यालयी शिक्षा के प्रत्येक पहलू पर गौर से विचार किया।
- पाठ्यवस्तु के गठन के संबंध में आयोग ने प्राथमिक स्तर तक एकीकृत उपागम को वांछनीय ठहराया। वही उच्च प्राथमिक स्तर पर कुछ प्रकरणों के एकीकृत रूप को छोड़कर इतिहास, भूगोल और नागरिक शास्त्र को पृथक् पृथक् पढ़ाने का सुझाव दिया।
- आयोग की सिफारिशों पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद् दिल्ली ने 1975 में एक दसवर्षीय विद्यालय पाठ्यक्रम का ढाँचा बनाया, जिसमें

(C) अनुदेशन के परिणामों की तुलना करना
(D) उपर्युक्त सभी [D]

9. जब बालक की परीक्षा द्वारा मापी हुई योग्यता के सही मूल्यांकन में स्थायित्व होता है, तब उस परीक्षा को कहते हैं—[REET SS L-2, 2015]
(A) वैधता (B) विश्वसनीयता
(C) वस्तुनिष्ठता (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं [B]

10. निम्न में से कौनसा मूल्यांकन के त्रिकोण का भाग नहीं है?
(A) शैक्षिक उद्देश्य (B) मूल्यांकन [REET SS L-1, 2015]
(C) शिक्षण अनुभव (D) अधिगम अनुभव [C]

11. निम्नलिखित में से कौनसा एक सामाजिक विज्ञान में मूल्यांकन का मुख्य उद्देश्य है? [REET (Level-2) 2012]
(A) छात्रों के ज्ञान की जाँच (B) उत्तम कक्षा-कक्ष अध्यापन
(C) शैक्षिक नियोजन (D) सामाजिक विकास [A]

12. अच्छे मूल्यांकन की कौनसी एक विशेषता नहीं है? [REET (Level-2) 2012]
(A) वैधता (B) विश्वसनीयता
(C) निदानात्मकता (D) नकारात्मकता [D]

13. मूल्यांकन उपयोगी है— [RTET SS 2012 L-1]
(A) विद्यार्थी की प्रगति जानने में
(B) विद्यार्थी की कक्षा उपस्थिति जानने में
(C) विद्यार्थियों के आचरण जानने में
(D) इनमें से सभी [A]

14. मूल्यांकन का मुख्य उद्देश्य है— [RTET 2012 L-1]
(A) अनुशासन बनाये रखना (B) केवल परीक्षा करवाना
(C) केवल प्रश्न-पत्र बनवाना
(D) अधिगमकर्ता की उपलब्धि जानना एवं सुधार लाना [D]

15. अच्छी परीक्षा में आवश्यक है— [RTET 2012 L-1]
(A) विश्वसनीयता (B) वस्तुनिष्ठता
(C) विभेदीकरण (D) इनमें से सभी [D]

16. निम्न में से कौनसा कथन/विकल्प गलत है?
(A) मूल्यांकन प्रभावी पाठ्यक्रम निर्माण करने में मदद करता है।
(B) मूल्यांकन उद्देश्य केन्द्रित होता है।
(C) मूल्यांकन की प्रक्रिया सिर्फ विषयवस्तु पर ही केन्द्रित होता है।
(D) मूल्यांकन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में बौद्धिक मार्गदर्शन प्रदान करता है। [C]

17. यदि एक परीक्षण को एक समूह पर दो या तीन बार प्रशासित किया जाये तथा हर बार समूह के छात्रों के अंकों में निश्चितता रहे, तो उसमें कौनसी विशेषता निहित है—
(A) वस्तुनिष्ठता (B) विश्वसनीयता
(C) विभेदनशीलता (D) वैधता [B]

18. निम्न में से कौन आदर्श मूल्यांकन का मानदंड नहीं है?
(A) विश्वसनीयता (B) स्पष्टता
(C) सम्भाव्यता (D) वस्तुनिष्ठता [C]

19. किसी परीक्षण की विश्वसनीयता का अर्थ है?
(A) एक परीक्षण जो समय-समय पर प्रयुक्त करने पर भी परिणामों में भिन्नता न दे।
(B) एक परीक्षण जिसके लिए बनाया गया हो उसकी योग्यता अथवा विशेषताओं की जांच करे।
(C) एक परीक्षण जो सारे कक्षा कार्य की जांच करे जिसके लिए बनाया गया।
(D) एक परीक्षण जो सभी प्रकार की व्यक्ति निष्ठा से मुक्त हो। [A]

20. एक उत्तम परीक्षण होना चाहिये—
(A) विश्वसनीय (B) वैध
(C) विभेदकारी (D) उपरोक्त सभी [D]

21. मूल्यांकन में शामिल है—
(A) मापन (B) अमापन
(C) मूल्य निर्णय (D) उपरोक्त सभी [D]

22. मूल्यांकन प्रक्रिया के सोपान हैं—
(A) उद्देश्य का निर्धारण
(B) मूल्यांकन की प्रविधियों का चयन एवं निर्माण
(C) अभिलेख तैयार करना
(D) (A) एवं (B) दोनों [D]

23. मूल्यांकन प्रक्रिया के तीन प्रमुख पहलू कौनसे हैं—
(A) उद्देश्य (B) अधिगम अनुभव
(C) मूल्यांकन विधि (D) उपर्युक्त सभी [D]

24. निम्न में से कौनसा मूल्यांकन प्रक्रिया का पद सोपान है—
(A) उद्देश्यों का निर्धारण
(B) मूल्यांकन प्रविधियों का चयन
(C) उद्देश्य प्राप्ति हेतु अध्ययन एवं अध्यापन क्रियाओं का निर्धारण
(D) उपर्युक्त सभी [D]

25. परिमाणात्मक मूल्यांकन प्रविधि निम्न में से है—
(A) लिखित परीक्षा (B) मौखिक परीक्षा
(C) प्रयोगात्मक परीक्षा (D) उपर्युक्त सभी [D]

26. गुणात्मक मूल्यांकन प्रविधि का चयन कीजिए—
(A) समाजमिति (B) अवलोकन
(C) साक्षात्कार (D) उपर्युक्त सभी [D]

27. श्रेष्ठ मूल्यांकन की विशेषता निम्न में से है—
(A) वैद्यता (B) विभेदकारिता
(C) विश्वसनीयता (D) उपर्युक्त सभी [D]

28. मूल्यांकन द्वारा पता चलता है—
(A) विद्यार्थी के व्यवहार परिवर्तन का
(B) विद्यार्थी की विषय विशेष में स्थिति का
(C) विद्यार्थी के सामाजिक व आर्थिक विकास का
(D) विद्यार्थी के सामाजिक स्तर का [A]

29. परीक्षा में छात्र द्वारा दिए गए उत्तरों को विभिन्न परीक्षकों के द्वारा जाँचने पर प्राप्तांकों में कोई अन्तर नहीं आया, ऐसी परीक्षा कहलाएगी—
(A) वैध (B) विभेदकारी
(C) विश्वसनीय (D) व्यापकता [C]

30. मूल्यांकन द्वारा होता है—
(A) मापन (B) मूल्य निर्धारण
(C) ग्रेडिंग (D) ये सभी [D]

दक्ष®

12 दिसम्बर 2024 को जारी विज्ञप्ति एवं 16 दिसम्बर 2024
को जारी New Changed Syllabus के अनुसार Best Study Material

A Complete Guide for

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित

REET

राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा

2025

सामाजिक अध्ययन

— Level-2 (कक्षा 6 से 8) —

शिक्षण विधियों सहित

NCERT एवं Raj. Board की पुस्तकों पर आधारित

वर्ष 2022, 2021, 2017, 2015, 2012 व 2011
के **Exam Papers** के प्रश्नों का उत्तर सहित समावेश

पाठ्यक्रम में शामिल प्रत्येक बिन्दु पर आधारित प्रश्नों का
महत्त्व के अनुसार समावेश

विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों में पूछे गये प्रश्नों का अध्यायवार समावेश

— एच. चारण • ओमप्रकाश यादव • रामजीलाल यादव —

Buy Online at :
WWW.DAKSHBOOKS.COM

Daksh Books

16 दिसम्बर, 2024 को जारी नवीनतम पाठ्यक्रम

राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (REET)-2024

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम (Syllabus)

लेवल-II

(उस व्यक्ति के लिए जो कक्षा 6 से 8 तक सामाजिक अध्ययन का शिक्षक बनना चाहता है)

(इस प्रश्न-पत्र के इस भाग में 60 अंकों के कुल 60 प्रश्न होंगे)

सामाजिक अध्ययन

- **भारतीय सभ्यता, संस्कृति एवं समाज**

  सिन्धु घाटी सभ्यता, वैदिक संस्कृति, जैन व बौद्ध धर्म, महाजनपदकाल।

- **मौर्य तथा गुप्त साम्राज्य एवं गुप्तोत्तर काल**

  राजनीतिक इतिहास और प्रशासन, अर्थव्यवस्था साहित्य एवं स्थापत्य, भारतीय संस्कृति के प्रति योगदान, भारत 600–1000 ईस्वी. वृहत्तर भारत

- **मध्यकाल एवं आधुनिक काल**

  चोल साम्राज्य, भक्ति और सूफी आन्दोलन, मुगल राजपूत सम्बन्ध; मुगल प्रशासन, मध्यकालीन अर्थव्यवस्था एवं स्थापत्य कला। भारतीय राज्यों के प्रति ब्रिटिश नीति, 1857 का विद्रोह, भारतीय अर्थव्यवस्था पर ब्रिटिश प्रभाव, पुनर्जागरण एवं सामाजिक सुधार, भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन (1885–1947)

- **भारतीय संविधान एवं लोकतंत्र**

  भारतीय संविधान का निर्माण व विशेषताएँ, उद्देशिका, मूल अधिकार एवं मूल कर्त्तव्य, कानून एवं सामाजिक न्याय, लिंग बोध (जेण्डर परसेप्शन) बाल अधिकार व बाल संरक्षण, लोकतंत्र में निर्वाचन व मतदाता जागरुकता।

- **सरकार : गठन एवं कार्य**

  संसद; राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्, राज्य सरकार, पंचायती राज एवं नगरीय स्व-शासन (राजस्थान के विशेष संदर्भ में), जिला प्रशासन व न्याय व्यवस्था।

- **पृथ्वी एवं हमारा पर्यावरण**

  सौर-मण्डल, अक्षांश, देशान्तर, पृथ्वी की गतियां, वायुदाब एवं पवनें, चक्रवात एवं प्रति चक्रवात, महासागरीय परिसंचरण, ज्वालामुखी, भूकम्प, पृथ्वी के मुख्य जलवायु कटिबन्ध, पृथ्वी के प्रमुख परिमण्डल, पर्यावरणीय समस्याएं एवं समाधान।

- **भारत का भूगोल एवं संसाधन**

  भू-आकृति, प्रदेश, जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, वन्य जीवन, मृदा, कृषि फसलें, उद्योग, खनिज, जनसंख्या, मानव संसाधन, विकास के आर्थिक एवं सामाजिक कार्यक्रम।

- **राजस्थान का भूगोल एवं संसाधन**

  भौतिक प्रदेश, जलवायु एवं अपवाह प्रणाली, झीले, मृदा, जल-संरक्षण एवं संग्रहण, कृषि फसलें, खनिज एवं ऊर्जा संसाधन, राजस्थान की प्रमुख नहरें एवं नदी घाटी परियोजनाएँ, परिवहन, उद्योग एवं जनसंख्या, पर्यटन स्थल, वन एवं वन्य जीवन।

- **राजस्थान का इतिहास**

  प्राचीन सभ्यताएँ एवं जनपद, राजस्थान के प्रमुख राजवंशों का इतिहास, 1857 की क्रांति में राजस्थान का योगदान, राजस्थान में प्रजामण्डल, जनजातीय व किसान आंदोलन, राजस्थान का एकीकरण, राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व।

- **राजस्थान की कला व संस्कृति**

  राजस्थान की विरासत (दुर्ग, महल, स्मारक), राजस्थान के मेले, त्योहार एवं लोक कलाएं, राजस्थान की चित्रकला, राजस्थान के लोक नृत्य एवं लोक नाट्य, लोक देवता, लोक संत, लोक संगीत एवं संगीत, वाद्य यंत्र, राजस्थान की हस्तकला एवं स्थापत्य कला, राजस्थान की वेशभूषा एवं आभूषण, राजस्थान की भाषा एवं साहित्य।

- **शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-I**

  सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन की संकल्पना एवं प्रकृति; कक्षा-कक्ष की प्रक्रियाएँ, क्रियाकलाप एवं विमर्श; सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन के अध्यापन की समस्याएँ; समालोचनात्मक चिन्तन का विकास।

- **शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-II**

  पृच्छा/आनुभविक साक्ष्य, शिक्षण अधिगम सामग्री एवं सहायक सामग्री, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, प्रायोजना कार्य, सीखने के प्रतिफल, मूल्यांकन।

➢ बहुविकल्प प्रश्नों का मापदण्ड कक्षा *6* से *8* तक के राज्य सरकार द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम एवं शैक्षणिक सत्र *2024-25* की प्रचलित पाठ्य पुस्तकों के आधार पर होगा, लेकिन प्रश्नों का कठिनाई स्तर सीनियर सैकण्डरी (कक्षा *12*) तक का होगा।

अनुक्रमणिका

क्र. स. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

❖ **REET : 2022, 2021, 2017, 2015, 2012, 2011** प्रश्नोत्तर P-1–P-22

भारतीय सभ्यता, संस्कृति एवं समाज 1–46

1 सिन्धु घाटी सभ्यता [Indus Valley Civilisation] 1
- ❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 10

2 वैदिक संस्कृति [Vedic Culture] 12
- ❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 25

3 बौद्ध व जैन धर्म [Buddhism & Jainism] 26
- ❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 39

4 महाजनपदकाल [Mahajanapada Period] 41
- ❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 45

मौर्य तथा गुप्त साम्राज्य एवं गुप्तोत्तर काल 47–108

1 मौर्य साम्राज्य [Maurya Dynasty] 47
(राजनीतिक इतिहास और प्रशासन, भारतीय संस्कृति के प्रति योगदान)
- ❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 65

2 गुप्त साम्राज्य [Gupta Dynasty] 67
(राजनीतिक इतिहास और प्रशासन, अर्थव्यवस्था, साहित्य एवं स्थापत्य, भारतीय संस्कृति के प्रति योगयान)
- ❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 84

3 गुप्तोत्तर काल [Post-Gupta Period] (भारत 600-1000 ईस्वी) 86
- ❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 100

4 वृहत्तर भारत [Greater India] 102
- ❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 108

मध्यकाल एवं आधुनिक काल 109–256

1 चोल साम्राज्य [Cholas Empire] 109
- ❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 120

2 भक्ति एवं सूफी आन्दोलन [Bhakti and Sufi Movements] 122
- ❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 135

3 मुगल-राजपूत सम्बन्ध [Mughal-Rajput Relations] 137
- ❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 153

4 मुगल प्रशासन [Mughal Administration] 154
- ❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 166

5 मध्यकालीन अर्थव्यवस्था एवं स्थापत्य कला [Economy & Architecture of Medieval Period] 168
- ❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 188

क्र. स. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

6 भारतीय राज्यों के प्रति ब्रिटिश नीति
[British Policy towards Indian States] 191
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 196

7 1857 की क्रांति [Revolution of 1857] 198
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 205

8 भारतीय अर्थव्यवस्था पर ब्रिटिश प्रभाव [British Impact on Indian Economy] 206
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 212

9 पुनर्जागरण एवं सामाजिक सुधार [Renaissance and Social Reforms] 214
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 227

10 भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन (1885-1947)
[Indian National Movement : 1885-1947] 229
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 255

भारतीय संविधान एवं लोकतंत्र 257–316

1 भारतीय संविधान का निर्माण व विशेषताएँ
[Framing & Features of Indian Constitution] 257
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 266

2 भारतीय संविधान की उद्देशिका [Preamble of Indian Constitution] 268
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 271

3 मूल अधिकार [Fundamental Right] 273
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 283

4 नीति निदेशक तत्व एवं मूल कर्त्तव्य
[Directive Principles of Policy & Fundamental Duties] 285
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 289

5 कानून एवं सामाजिक न्याय [Law and Social Justice] 291
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 294

6 लिंग बोध [Gender Perception] 296
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 298

7 बाल अधिकार व बाल संरक्षण [Child Rights and Child Protection] ... 300
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 307

8 लोकतंत्र में निर्वाचन व मतदाता जागरुकता
[Election in Democracy & Voters Awareness] 309
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 316

सरकार : गठन एवं कार्य 317–382

1 सरकार : गठन एवं कार्य [Government : Composition & Functions] 317
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 321

क्र. स. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

2 संसद [Parliament] 323
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 338
3 राष्ट्रपति [President] 340
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 353
4 प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद् [Prime Minister & Council of Ministers] . 356
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 364
5 राज्य सरकार (राजस्थान सरकार) [State Government (Govt. of Rajasthan)] 366
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 369, 372, 374
6 पंचायती राज एवं नगरीय स्व-शासन (राजस्थान के विशेष संदर्भ में) [Panchayati Raj & Urban Self-Government (in reference to Rajasthan)] .. 375
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 378
7 जिला प्रशासन व न्याय व्यवस्था [District Administration & Judicial System] 379
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 380, 382

पृथ्वी एवं हमारा पर्यावरण 383–450

1 सौरमंडल [Solar System] 383
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 389
2 अक्षांश एवं देशान्तर [Latitude and Longitude] 391
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 395
3 पृथ्वी की गतियाँ [Earth's Movement] 397
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 400
4 वैश्विक पवन प्रणाली [Global Wind System] 401
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 410
5 चक्रवात एवं प्रतिचक्रवात [Cyclone and Anti-cyclone] 412
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 416
6 महासागरीय परिसंचरण [Ocean Circulation] 417
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 423
7 ज्वालामुखी [Volcano] 424
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 428
8 भूकम्प [Earthquake] 429
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 433
9 पृथ्वी के मुख्य जलवायु कटिबन्ध [Main Climatic Zones of the Earth] . 434
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 435
10 पृथ्वी के प्रमुख परिमंडल [Major Spheres of the Earth] 436
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 440

क्र. स. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

11 पर्यावरणीय समस्याएँ एवं समाधान [Environmental Problems and their Solutions] 441
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 450

भारत का भूगोल एवं संसाधन 451–510

1 भू-आकृति प्रदेश [Physiographic Regions] 451
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 466

2 भारत की जलवायु [Climate of India] 469
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 480

3 भारत में प्राकृतिक वनस्पति [Natural Vegetation in India] 482
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 488

4 भारत में वन्य जीवन [Wild Life in India] 489
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 495

5 भारत में मृदा संसाधन (मिट्टियाँ) [Soil Resources in India] 496
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 502

6 भारत में कृषि एवं फसलें [Agriculture & Crops in India] 503
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 509

7 भारत में उद्योग [Industries in India] 510
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 517

8 भारत में खनिज संसाधन [Mineral Resources in India] 518
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 528

9 भारत में जनसंख्या एवं मानव संसाधन [Population & Human Resources in India] 530
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 533

10 भारत में विकास के सामाजिक एवं आर्थिक कार्यक्रम [Economic and Social Programmes of Development in India] 534
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 540

राजस्थान का भूगोल एवं संसाधन 543–636

1 राजस्थान के भौतिक प्रदेश [Physical Regions of Rajasthan] 543
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 546

2 राजस्थान की जलवायु [Climate of Rajasthan] 547
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 549

3 राजस्थान की अपवाह प्रणाली [Drainage System of Rajasthan] 550
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 554

क्र. स. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

4 राजस्थान की झीलें [Lakes of Rajasthan] 555
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 557

5 राजस्थान में मृदा [Soil in Rajasthan] 558
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 560

6 राजस्थान में जल संरक्षण एवं संग्रहण
[Water Conservation and Harvesting in Rajasthan] 561
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 563

7 राजस्थान में कृषि फसलें [Agriculture Crops in Rajasthan] 564
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 570

8 राजस्थान में खनिज एवं ऊर्जा संसाधन
[Minerals and Energy Resources in Rajasthan] 571
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 574, 581

9 राजस्थान की प्रमुख नहरें एवं नदी घाटी परियोजनाएँ
[Major Canals & River-valley Projects of Rajasthan] 582
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 587

10 राजस्थान में परिवहन [Transportation in Rajasthan] 588
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 593

11 राजस्थान के उद्योग [Industries of Rajasthan] 594
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 602

12 राजस्थान की जनसंख्या (जनगणना-2011)
[Population of Rajasthan (Census-2011)] 604
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 609

13 राजस्थान के पर्यटन स्थल [Tourist Places of Rajasthan] 610
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 624

14 राजस्थान में वन एवं वन्य जीवन [Forest & Wild Life in Rajasthan] 627
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 631, 636

राजस्थान का इतिहास 637–684

1 प्राचीन सभ्यताएँ एवं जनपद [Ancient Civilizations and Janpadas] 637
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 640

2 राजस्थान के प्रमुख राजवंशों का इतिहास
[History of major dynasties of Rajasthan] 641
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 652

3 1857 की क्रांति में राजस्थान का योगदान
[Contribution of Rajasthan in revolt of 1857] 653
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 657

क्र. स. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

4 राजस्थान में प्रजामण्डल आंदोलन
[Prajamandal Movement in Rajasthan] 658
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 663

5 राजस्थान में जनजातीय व किसान आंदोलन
[Tribal's & Peasant's Movement in Rajasthan] 664
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 667, 672

6 राजस्थान का एकीकरण [Integration of Rajasthan] 674
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 676

7 राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व [Major Personalities of Rajasthan] 678
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 684

राजस्थान की कला व संस्कृति 685–744

1 राजस्थान की विरासत एवं स्थापत्य कला
[Heritage & Architecture of Rajasthan] 685
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 696

2 राजस्थान के मेले [Fairs of Rajasthan] 697
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 699

3 राजस्थान के त्योहार [Festivals of Rajasthan] 700
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 702

4 राजस्थान की चित्रकला एवं लोक कलाएँ
[Paintings and Folk-arts of Rajasthan] 703
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 708

5 राजस्थान के लोक नृत्य एवं लोक नाट्य
[Folk Dance and Folk Drama of Rajasthan] 709
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 711, 714

6 राजस्थान के लोक देवता एवं देवियाँ
[Lok-Devta and Lok-Deviyan of Rajasthan] 715
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 717, 719

7 राजस्थान के लोक संत [Lok Saint of Rajasthan] 720
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 723

8 राजस्थान के लोक संगीत एवं वाद्य यंत्र
[Folk Music and Musical Instruments of Rajasthan] 724
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 727, 729

9 राजस्थान की हस्तकला [Handicrafts of Rajasthan] 730
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 733

क्र. स. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

10 राजस्थान की वेशभूषा एवं आभूषण
[Dresses and Ornaments of Rajasthan] 734
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 736, 737

11 राजस्थान की भाषा एवं साहित्य
[Languages & Literature of Rajasthan] 738
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 740, 744

शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-I 745–782

1 सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन की संकल्पना एवं प्रकृति
[Concept and Nature of Social Science/Social Study] 745
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 754

2 कक्षा-कक्ष की प्रक्रियाएँ, क्रियाकलाप एवं विमर्श
[Classroom Processes, Activities and Discussion] 756
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 770

3 सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन के अध्यापन की समस्याएँ
[Problems of Teaching Social Science/ Social Studies] 772
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 775

4 समालोचनात्मक चिंतन का विकास
[Development of Critical Thinking] 777
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 782

शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-II 783–832

1 पृच्छा/आनुभाविक साक्ष्य [Enquiry/Empirical Approach] 783
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 786

2 शिक्षण अधिगम की सामग्री एवं सहायक सामग्री
[Teaching Learning Material and Teaching Aids] 787
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 802

3 सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी : आई.सी.टी.
[Information and Communication Technology : ICT] 804
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 814

4 प्रायोजना कार्य [Project Work] 815
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 819

5 सीखने के प्रतिफल [Learning Outcomes] 821
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 825

6 मूल्यांकन [Evaluation] 826
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं) 831

विज्ञप्ति 2022

REET#Level-II (6-8)

24 जुलाई, 2022 (Shift-IV) को आयोजित (उत्तर सहित)

सामाजिक अध्ययन

(इस खण्ड में कुल 60 प्रश्न हैं जिन अभ्यर्थियों ने इस विषय का चयन किया है उन्हें सभी प्रश्न करना अनिवार्य है।)

91. वर्तमान रूप में उपलब्ध भगवान महावीर एवं उनके अनुयायियों की शिक्षाएँ लगभग 1500 वर्ष पूर्व गुजरात में किस स्थान पर लिखी गई थीं?
(A) वल्लभी (B) लोथल (C) रंगपुर (D) भरुच

92. संघ में पुरुषों और स्त्रियों के रहने की अलग-अलग व्यवस्था थी, यह हमें किस त्रिपिटक से पता चलता है?
(A) अभिधम्म पिटक (B) सुत्त पिटक
(C) विनय पिटक (D) इनमें से कोई नहीं

93. कौन सी नदियों ने मगध के यातायात, जल-वितरण एवं जमीन को उपजाऊ बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया?
(A) गोदावरी - तुंगभद्रा (B) गंगा-सोन
(C) चंबल - माही (D) कृष्णा - कावेरी

94. अशोक के अधिकांश अभिलेख पाये गये हैं
(A) प्राकृत भाषा और ब्राह्मी लिपि
(B) पालि भाषा और देवनागरी लिपि
(C) संस्कृत भाषा और ब्राह्मी लिपि
(D) पंजाबी भाषा और गुरुमुखी लिपि

95. वह कौन सा भू-भाग था जो ब्राह्मणों को दान दिया जाता था तथा उनसे भूमिकर व अन्य प्रकार के कर राजा द्वारा नहीं वसूले जाते थे?
(A) अग्रभाग (B) अग्रहार
(C) अग्रदान (D) भूमि-दान

96. 'प्रयाग-प्रशस्ति' की रचना समुद्रगुप्त के राजकवि हरिषेण ने किस भाषा में की थी?
(A) प्राकृत (B) हिन्दी (C) पालि (D) संस्कृत

97. शुंग वंश की स्थापना किस मौर्य सेनानायक द्वारा की गई थी?
(A) पुष्यमित्र शुंग (B) अग्निमित्र शुंग
(C) असुमित्र शुंग (D) देवभूति शुंग

98. कनिष्क का राजकवि चुनें जिसने बुद्ध की जीवनी, 'बुद्धचरित' की रचना की थी।
(A) सौन्दरानन्द (B) अश्वघोष
(C) शूद्रक (D) हर्षवर्धन

99. मुगल प्रांतों में एक प्रशासनिक मंडल कौन सा था?
(A) पेशकश (B) जाग़ीर
(C) मिल्कियत (D) परगना

100. अलवार संतों का एक मुख्य काव्य संकलन जिसे तमिल वेद के रूप में भी जाना जाता है—
(A) तोंदराडिप्पोडि (B) करइक्काल अम्मइयार
(C) तवरम (D) नलयिरा दिव्यप्रबंधम

101. मुगल शासक जहाँगीर की माता किस राजपूत वंश से संबंधित थी?
(A) कच्छवाहा (B) राठौड़
(C) परमार (D) चौहान

102. 'ये फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा।' 1851 में गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी ने यह कथन किस रियासत के बारे में कहा था?
(A) सतारा (B) अवध (C) झाँसी (D) नागपुर

103. 'प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस' हेतु कौन सा दिन निर्धारित किया गया था?
(A) 14 अगस्त, 1948 (B) 16 अगस्त, 1947
(C) 14 अगस्त, 1946 (D) 16 अगस्त, 1946

104. किस संविधान संशोधन के द्वारा भारत में वयस्क मताधिकार की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की गयी?
(A) 59 (B) 61 (C) 63 (D) 71

105. भारत के संविधान की प्रस्तावना में कौन सी विशेषता नहीं है?
(A) पंथ-निरपेक्षता (B) संघीय शासन
(C) राजनीतिक न्याय (D) प्रतिष्ठा की समानता

106. भारत की संविधान निर्मात्री सभा के उपाध्यक्ष कौन थे?
(A) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (B) के.एम. मुन्शी
(C) ए.एन. सिन्हा (D) एच.सी. मुखर्जी

107. 'संपत्ति का अधिकार' वर्तमान में भारत के संविधान के किस अनुच्छेद में वर्णित है?
(A) 224(क) (B) 290(क)
(C) 300(क) (D) 312(क)

108. 6 से 14 वर्ष उम्र के बालकों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने हेतु कौन सा संविधान संशोधन किया गया?
(A) 74वाँ (B) 81वाँ (C) 86वाँ (D) 91वाँ

109. भारत के उपराष्ट्रपति के निर्वाचक मण्डल में कौन शामिल है?
(A) संसद के मनोनीत सदस्य
(B) राज्य विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य
(C) (A) और (B) दोनों
(D) राज्य विधानसभाओं के मनोनीत सदस्य

110. भारत के उच्चतम न्यायालय से परामर्श करने की राष्ट्रपति की शक्ति भारत के संविधान के किस अनुच्छेद में वर्णित है?
(A) 143 (B) 147 (C) 140 (D) 145

111. भारत के संविधान के किस भाग में शहरी स्थानीय शासन वर्णित है?
(A) 8 (B) 9(क) (C) 11 (D) 10(क)

134. 'पिछवई चित्रांकन' किस चित्रकला शैली से संबंधित है?
(A) किशनगढ़ चित्रकला शैली (B) बीकानेर चित्रकला शैली
(C) अलवर चित्रकला शैली (D) नाथद्वारा चित्रकला शैली

135. 'रांगड़ी' और 'नीमाड़ी' किस राजस्थानी बोली की उपबोलियाँ हैं?
(A) मालवी (B) वागड़ी
(C) हाड़ौती (D) शेखावटी

136. कौन 'वागड़ की मीरा' के नाम से भी जानी जाती थी?
(A) मीरा बाई (B) गवरी बाई
(C) कोयल बाई (D) काली बाई

137. निम्न में से कौन सा सामाजिक विज्ञान का लक्ष्य नहीं है ?
(A) बौद्धिक व मानसिक विकास
(B) अवकाश के समय का सदुपयोग करना
(C) सामाजिक परिवर्तन लाने में सहायक बनना
(D) शिक्षण शिष्टाचार

138. सामाजिक विज्ञान में शिक्षण-अधिगम सामग्री का महत्त्व है :
(A) समय और परिश्रम की बचत
(B) विषय वस्तु की स्पष्टता
(C) (A) और (B) दोनों गलत हैं
(D) (A) और (B) दोनों सही हैं

139. 'सामाजिक विज्ञान से तात्पर्य अध्ययन की उन शाखाओं से है जो मानव मात्र को उनके सामाजिक सम्बन्धों के सन्दर्भ में समझने में सहायता करते हैं ।' यह परिभाषा दी है
(A) कोलम्बिया एनसाइक्लोपीडिया
(B) ब्रिटेनिका एनसाइक्लोपीडिया
(C) एनसाइक्लोपीडिया ऑफ सोशल साइंसेज
(D) सामाजिक अध्ययन आयोग, यू.एस.ए. की रिपोर्ट

140. सूचना तकनीकी का शिक्षा में सबसे पहले उपयोग किस देश में किया गया?
(A) ब्रिटेन (B) यू.एस.ए.
(C) फ्रांस (D) जर्मनी

141. एक अच्छे मूल्यांकन के लिए कौन सा मापदंड सही नहीं है?
(A) वैधता (B) विश्वसनीयता
(C) वस्तुनिष्ठता (D) व्यक्तिपरकता

142. सामाजिक विज्ञान शिक्षण के मूल्य हैं
(A) सामाजिक मूल्य
(B) जनतांत्रिक मूल्य
(C) कलात्मक और मनोरंजनात्मक मूल्य
(D) उपरोक्त सभी

143. संकलनात्मक मूल्यांकन निम्न के लिए अनुपयुक्त है
(A) श्रेणी (ग्रेड) निश्चित करने में
(B) विद्यार्थी अधिगम का सार संक्षेप तैयार करने में
(C) सत्रांत मूल्यांकन में
(D) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की प्रगति पर निगरानी में

144. निम्न में से कौन सा विषय उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान में सम्मिलित नहीं है?
(A) इतिहास (B) नागरिकशास्त्र
(C) भूगोल (D) मनोविज्ञान

145. निम्न में से शिक्षण के 'अनुप्रयोग उद्देश्य' का सही उदाहरण है
(A) परिभाषा देना (B) वर्गीकरण करना
(C) स्थापित करना (D) प्रत्यास्मरण करना

146. सूचना तकनीकी के मुख्य घटक हैं
(A) सॉफ्टवेयर (B) हार्डवेयर
(C) उपयोगकर्ता (D) उपर्युक्त सभी

147. कौन सी स्थायी पवनें 30° दक्षिणी अक्षांशों से 60° दक्षिणी अक्षांशों के मध्य प्रवाहित होती हैं?
(A) दक्षिण-पूर्वी व्यापारिक पवनें
(B) ध्रुवीय पूर्वी पवनें
(C) पछुआ पवनें
(D) उत्तर-पूर्वी व्यापारिक पवनें

148. विली-विलीज चक्रवात कहाँ उत्पन्न होते हैं?
(A) पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया (B) प्रशांत महासागर
(C) अटलांटिक महासागर (D) हिंद महासागर

149. निम्नलिखित महासागरीय धाराओं में से कौन सी धाराएँ दक्षिणी अटलांटिक महासागर में स्थित हैं?
(1) ब्राजीलियन धारा (2) बैंगुएला धारा
(3) ओयाशिवो धारा (4) गल्फ स्ट्रीम धारा
(A) 2, 4 (B) 1, 2
(C) 3, 4 (D) 1, 2, 4

150. देहरादून, कोटलीदून एवं पाटलीदून स्थित हैं
(A) हिमाद्री व हिमाचल के मध्य
(B) हिमाचल व शिवालिक के मध्य
(C) शिवालिक के दक्षिणी भागों पर
(D) हिमाद्री के उत्तरी भागों पर

उत्तरमाला

91.(A)	92.(C)	93.(B)	94.(A)	95.(B)	96.(D)	97.(A)	98.(B)	99.(D)	100.(D)
101.(A)	102.(B)	103.(D)	104.(B)	105.(B)	106.(D)	107.(C)	108.(C)	109.(A)	110.(A)
111.(B)	112.(A)	113.(A)	114.(B)	115.(D)	116.(A)	117.(C)	118.(B)	119.(C)	120.(*)
121.(B)	122.(*)	123.(D)	124.(A)	125.(D)	126.(A)	127.(A)	128.(C)	129.(A)	130.(B)
131.(D)	132.(B)	133.(A)	134.(D)	135.(A)	136.(B)	137.(D)	138.(D)	139.(A)	140.(B)
141.(D)	142.(D)	143.(D)	144.(D)	145.(C)	146.(D)	147.(C)	148.(A)	149.(B)	150.(B)

109. हमारे देश का केन्द्रीय बैंक है—
(A) भारतीय स्टेट बैंक (B) भारतीय रिजर्व बैंक
(C) सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया (D) बैंक ऑफ बड़ौदा

110. राजस्थान राज्य सहकारी बैंक का मुख्यालय स्थित है—
(A) जोधपुर (B) जयपुर (C) अजमेर (D) कोटा

111. 'सौ टापूओं का शहर' राजस्थान के किस जिले में स्थित है—
(A) डूँगरपुर (B) उदयपुर
(C) प्रतापगढ़ (D) बाँसवाड़ा

112. राजस्थान की निम्न में से कौनसी जनजाति को भारत सरकार द्वारा आदिम जनजाति समूह की सूची में शामिल किया गया है—
(A) भील (B) सहरिया (C) गरासिया (D) मीणा

113. राजस्थान में मीठे पानी की सबसे बड़ी झील है—
(A) जयसमन्द (B) राजसमन्द
(C) कायलाना (D) सिलीसेढ़

114. राजस्थान भारत में निम्न में से कौनसी फसल का सर्वाधिक उत्पादक राज्य है—
(A) मक्का (B) मूँगफली (C) सरसों (D) कपास

115. अध्यापन कक्ष में पृथ्वी की आकृति को समझाने का सर्वश्रेष्ठ साधन क्या है—
(A) ग्लोब (B) मानचित्र (C) रेखाचित्र (D) चार्ट

116. राज्य विधान परिषद् में राज्यपाल द्वारा कितने सदस्यों का मनोनयन किया जाता है—
(A) 1/3 (B) 1/12 (C) 1/9 (D) 1/6

117. स्वतंत्र भारत की पहली लोकसभा के प्रथम उपाध्यक्ष थे—
(A) सरदार हुकुम सिंह (B) एस.वी. कृष्णामूर्ति राव
(C) अनन्त शयनम अयंगर (D) जी.जी. स्वेल

118. भारत में मतदान के दौरान मतदान केन्द्र पर 'मतदाता रजिस्टर' का प्रभारी कौन होता है—
(A) प्रथम मतदान अधिकारी (B) द्वितीय मतदान अधिकारी
(C) तृतीय मतदान अधिकारी (D) पीठासीन अधिकारी

119. किस शासन प्रणाली में कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी होती है—
(A) संसदीय सरकार (B) अध्यक्षीय सरकार
(C) सर्वाधिकारवादी सरकार (D) सैनिक शासन

120. निम्न में से कौनसा 'ज्ञान उद्देश्य' का उदाहरण है—
(A) व्याख्या करना (B) रचना करना
(C) परिभाषित करना (D) विश्लेषण करना

121. दुर्गादास राठौड़ की छतरी किस राज्य में स्थित है—
(A) राजस्थान (B) उत्तर प्रदेश
(C) मध्य प्रदेश (D) गुजरात

122. चावण्ड चित्रकला शैली का विकास किस क्षेत्र में हुआ—
(A) मेवाड़ (B) हाड़ौती
(C) मारवाड़ (D) शेखावाटी

123. श्रीमती किशोरी देवी किस किसान आन्दोलन से सम्बद्ध रहीं—
(A) बरड़ (B) सीकर (C) बिजौलिया (D) बीकानेर

124. 'बजट्टी' नामक आभूषण शरीर के किस भाग में धारण किया जाता है—
(A) नाक (B) दांत (C) कान (D) गला

125. एडवर्ड थॉर्नडाइक (1898) को शिक्षा मनोविज्ञान में किस सिद्धान्त के लिए जाना जाता है—
(A) स्मृति का सिद्धान्त (B) विस्मृति का सिद्धान्त
(C) सीखने का सिद्धान्त (D) समायोजन का सिद्धान्त

126. निम्नलिखित में से कौनसा वाद्य यंत्र बांसुरी की तरह होता है—
(A) अलगोजा (B) भपंग
(C) रावणहत्था (D) तंदूरा

127. निम्नलिखित में से कौनसा एक युग्म सही सुमेलित है—

महाजनपद	नगर
(A) गांधार	मथुरा
(B) अंग	उज्जैन
(C) अवन्ति	सोत्थवती
(D) कम्बोज	राजपुर

128. भण्डदेवरा मंदिर किस जिले में स्थित है—
(A) बूँदी (B) कोटा
(C) बाराँ (D) झालावाड़

129. चन्द्रगुप्त मौर्य के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. उसने सेल्यूकस की पुत्री के साथ विवाह किया।
2. उसने अपने जीवन के अंतिम काल में बौद्ध धर्म स्वीकार किया।
3. उसने अशोक को अपना उत्तराधिकारी बनाया
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही हैं—
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1, 2 (D) 1, 2, 3

130. अशोक के अभिलेखों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. अधिकांश अभिलेख प्राकृत भाषा में हैं
2. अधिकांश अभिलेख ब्राह्मी लिपि में हैं
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1, 2 (D) इनमें से कोई नहीं

131. डूँगजी व जवाहरजी ने किन राज्यों की सेना के विरुद्ध संघर्ष किया—
(A) बीकानेर व जोधपुर (B) भरतपुर व जोधपुर
(C) भरतपुर व बीकानेर (D) उदयपुर व बाँसवाड़ा

132. निम्न में से किस क्रांतिकारी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए 'अमरदास वैरागी' का छद्म नाम धारण किया—
(A) अर्जुनलाल सेठी (B) प्रतापसिंह बारहठ
(C) केसरी सिंह बारहठ (D) जोरावर सिंह बारहठ

133. राजस्थान के किस क्रांतिकारी को तिहाड़ जेल में रखा गया था—
(A) अर्जुनलाल सेठी (B) गोपाल सिंह खरवा
(C) केसरी सिंह बारहठ (D) प्रतापसिंह बारहठ

134. निम्नलिखित में से कौन हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप के चंदावल दस्ते में शामिल थे?
1. पुरोहित गोपीनाथ 2. राणा पूंजा
3. जयमल मेहता 4. हकीम खाँ
5. चारण जैसा 6. कृष्णदास चूडावत
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 2, 3, 4, 5
(C) 2, 3, 5, 6 (D) 1, 2, 3, 5

(A) मूल्यांकन के लिये (B) आनुभविक साक्ष्य के लिए
(C) मनोरंजन के लिए (D) इनमें से सभी

95. सामाजिक विज्ञान में किस प्रकार की शिक्षण सामग्री सबसे उपयोगी होती है?
(A) मॉडल (B) संग्रहालय
(C) दृश्य-श्रव्य सामग्री (D) ड्राइंग उपकरण

96. सामाजिक विज्ञान अध्ययन की आवश्यकता है—
(A) सामाजिक-सांस्कृतिक संरचना एवं उसके पर्यावरण से सम्बन्ध को समझने के लिए
(B) ढाँचागत सुविधाओं के विकास के लिए
(C) तीव्र आर्थिक विकास के लिए
(D) शैक्षणिक समस्याओं को समझने के लिए

97. निम्नलिखित में से सामाजिक विज्ञान की नवीन संकल्पना कौन-सी है?
(A) तथ्यात्मक सूचनाओं को एकत्र करना
(B) सामाजिक प्रथाओं का अध्ययन
(C) मानवीय सम्बन्धों का अध्ययन एवं समाज को श्रेष्ठ बनाना
(D) अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्धों का अध्ययन

98. सामाजिक विज्ञान कक्षा-कक्ष की प्रमुख आवश्यकता क्या है?
(A) स्थिति, बनावट एवं स्थान
(B) पुस्तकालय एवं वाचनालय का संलग्न होना
(C) प्रदर्शन की सुविधा (D) प्रयोगों की सुविधा

99. सामाजिक विज्ञान में कक्षा-कक्ष प्रक्रिया विकसित करने में सहायक होता है—
(A) ज्ञान (B) कुशलता (C) अभिव्यक्ति (D) इनमें से सभी

100. सामाजिक विज्ञान अध्ययन की प्रमुख समस्या है—
(A) छोटे कक्षा-कक्ष
(B) अध्यापक-छात्र अनुपात में वृद्धि होना
(C) अप्रशिक्षित अध्यापक
(D) पुस्तकालय सुविधाओं में कमी

101. विरासत के संरक्षण हेतु स्मारक, पुराशेष स्थान एवं प्राचीन वस्तु अधिनियम राजस्थान में कब लागू हुआ?
(A) 1961 (B) 1971 (C) 1947 (D) 1952

102. 'बालद' क्या है?
(A) मांड गायन की परम्परा
(B) बिणजारों की वह बैल समूह, जिसकी पीठ पर माल लादकर विक्रय हेतु ले जाया जाता है
(C) 'ओलयूं' का पर्यायवाची
(D) अकाल पड़ने पर मवेशियों को चारे-पानी की खोज में अन्य भू-भागों में ले जाने की घटना

103. राजस्थान के जननायक माणिक्यलाल वर्मा के बारे में निम्न में से कौन-सा कथन असत्य है?
(A) इनका जन्म बिजौलिया में हुआ था
(B) इन्होंने अपना जीवन एक किसान के रूप में शुरू किया था
(C) वे बिजौलिया किसान आन्दोलन से लम्बे समय तक सम्बद्ध रहे
(D) स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् वे वृहत्तर राजस्थान के प्रधानमंत्री बने।

104. राजस्थान की अमूल्य साहित्यिक धरोहर 'वातां री फुलवारी' कितने खण्डों में उपलब्ध है?
(A) 8 (B) 10 (C) 12 (D) 16

105. ऐतिहासिक स्थल 'मानगढ़' राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) डूँगरपुर (B) प्रतापगढ़ (C) राजसमन्द (D) बाँसवाड़ा

106. निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन अरावली श्रेणियों के लिए सही है?
(A) वर्ष में सहायक
(B) जल विद्युत उत्पादन के लिए उपयुक्त
(C) जल विभाजक का कार्य करता है
(D) परिवहन के लिए अवरोधक

107. निम्नलिखित में से कौन-सा एक राजस्थान में वर्षा जल संग्रहण की परम्परागत विधि है?
(A) तालाब (B) कुआँ (C) नदी (D) टांका

108. राजस्थान के किस जिले में छबड़ा तापीय ऊर्जा केन्द्र स्थित है?
(A) कोटा (B) बाराँ (C) झालावाड़ (D) सवाई माधोपुर

109. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

उद्योग		स्थान
(A) हिन्दुस्तान मशीन टूल्स (एचएमटी)	—	अजमेर
(B) बॉल बियरिंग	—	अलवर
(C) सीमेन्ट	—	मोड़क
(D) विद्युत मीटर	—	जयपुर

110. राजस्थान में प्रमुख अभ्रक उत्पादक जिले हैं—
(A) अजमेर, भीलवाड़ा और जयपुर
(B) उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और राजसमन्द
(C) भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और कोटा
(D) जयपुर, दौसा और टोंक

111. कौन-सा भू-आकार 'विश्व की छत' के नाम से जाना जाता है?
(A) महा हिमालय (B) पामीर का पठार
(C) तिब्बत का पठार (D) दक्षिण का पठार

112. भारत के किस राज्य में ग्रीष्म ऋतु में सामान्यतया 'काल वैशाखी' हवायें चलती हैं?
(A) पश्चिम बंगाल (B) असम (C) उड़ीसा (D) बिहार

113. भारत के किस क्षेत्र में याक पशु मिलता है?
(A) सुन्दरवन (B) अरुणाचल प्रदेश (C) दार्जिलिंग (D) लद्दाख

114. निम्नलिखित में से किस एक स्थान पर एण्टीबायोटिक दवाओं की उत्पादक इकाई है?
(A) ऋषिकेश (B) देहरादून (C) शिमला (D) चंडीगढ़

115. भारत में 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम' किस वर्ष में लागू किया गया?
(A) 1982 (B) 1986 (C) 1988 (D) 1991

116. निम्नलिखित में से कौन-सा धात्विक खनिज नहीं है?
(A) बॉक्साइट (B) ताँबा (C) क्रोमाइट (D) अभ्रक

117. निम्न में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

संसाधन का प्रकार		उदाहरण
(A) अनवीकरणीय संसाधन	—	प्राकृतिक गैस
(B) प्राकृतिक संसाधन	—	जल
(C) जैव संसाधन	—	वन
(D) सर्वव्यापक संसाधन	—	ताँबा

118. सतत् पोषणीय विकास की अवधारणा का सम्बन्ध है—
(A) संसाधनों के अधिकतम उपयोग से
(B) संसाधनों के संरक्षण से
(C) संसाधनों के औद्योगिक उपयोग से
(D) ऊर्जा संसाधनों के विकास से

119. वन्य जीवों के कम होने का एक प्रमुख कारण है—
(A) प्राकृतिक आवासों का नष्ट होना (B) बाँधों का निर्माण
(C) बाढ़ (D) नगरीकरण

120. विश्व में निम्नलिखित में से किस एक प्रदेश में गहन निर्वाह कृषि अधिक प्रचलित है?
(A) शीतोष्ण प्रदेश (B) भूमध्यसागरीय प्रदेश
(C) मानसूनी प्रदेश (D) अर्द्धशुष्क प्रदेश

121. किस महासागर में 'मेरियाना गर्त' स्थित है?
(A) हिन्द महासागर (B) प्रशान्त महासागर
(C) अन्ध महासागर (D) उत्तरी ध्रुव सागर

122. क्षेत्रफल के आधार पर विश्व का सबसे बड़ा और सबसे छोटा महाद्वीप है—
(A) अफ्रीका एवं ऑस्ट्रेलिया (B) एशिया एवं एन्टार्कटिका
(C) एशिया एवं ऑस्ट्रेलिया (D) उत्तरी अमेरिका एवं एन्टार्कटिका

123. निम्नलिखित में से कौन-सा एक पृथ्वी का परिमण्डल नहीं है?

भारतीय सभ्यता, संस्कृति एवं समाज

1 सिन्धु घाटी सभ्यता [Indus Valley Civilisation]

नगर नियोजन, सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक जीवन

- बीसवीं सदी के शुरुआती दशकों तक पश्चिमी विद्वानों की यह धारणा थी कि सिकन्दर के आक्रमण (326 ई.पू.) से पहले भारत में कोई सभ्यता ही नहीं थी परन्तु इसी सदी के द्वितीय दशक के अंतिम सालों में इस भ्रामक धारणा का निराकरण हुआ।
- जब सिन्धु व उसकी सहायक नदियों के किनारे एक विशाल सभ्यता के अस्तित्व के साक्ष्य मिले। जब 20वीं शताब्दी के तीसरे दशक (1924) में सिन्धु घाटी सभ्यता की खोज की घोषणा हुई और मान्यता मिली तो यह सभ्यता विश्व की प्राचीन नदी घाटी सभ्यताओं में से एक थी। नगर नियोजन, भवन निर्माण व स्वच्छता में तो यह सभ्यता विश्व की समकालीन सभ्यताओं (मिस्र एवं सुमेरियन) से भी उत्कृष्ट थी। इस सभ्यता की खोज ने भारत के प्राचीन इतिहास को विश्व के मानचित्र पर उकेर दिया। भारत की इस प्राचीन व प्रसिद्ध सभ्यता को सिन्धु घाटी सभ्यता कहा जाता है।
- सिन्धु घाटी सभ्यता को सम्पूर्णता में समझने हेतु इस अध्याय में निम्नलिखित बिन्दुओं को शामिल किया गया है—

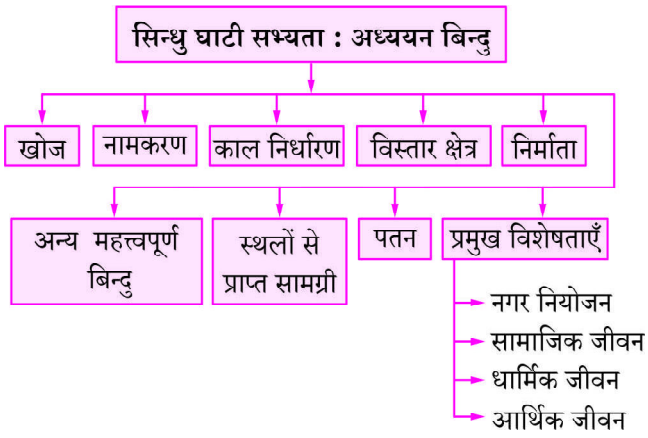

सिन्धु घाटी सभ्यता की खोज

- सर्वप्रथम 1826 ई. में **'चार्ल्स मैसन'** नामक अंग्रेज ने हड़प्पा के टीलों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया और अपनी पत्रिका 'नेरेटिव ऑफ जरनीज' में इसका उल्लेख किया। चार्ल्स मैसन का अनुमान था कि हड़प्पा के टीलों के नीचे कोई पुरानी सभ्यता दबी हुई हो सकती है।
- 1856 ई. में बर्टन बंधुओं (जॉन बर्टन/विलियम बर्टन) ने हड़प्पा के टीलों से प्राप्त ईंटों का प्रयोग लाहौर से करांची तक रेलवे लाइन बिछाने में किया।
- 1856 ई. में **अलेक्जेण्डर कनिंघम** ने हड़प्पा नगर के टीलों का सर्वे किया।
- भारत में प्रागैतिहासिक स्थलों को खोजने का कार्य **'भारतीय पुरातत्व एवं सर्वेक्षण विभाग'** करता है। भारतीय पुरातत्व विभाग के जन्मदाता **अलेक्जेण्डर कनिंघम** को माना जाता है।
- **1861 ई.** में इन्हीं के निर्देशन में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (ASI) की स्थापना की गई। इसके पहले जनरल **अलेक्जेण्डर कनिंघम** ही बने। **1902 ई.** में **जॉन मार्शल** के द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (ASI) का पुनर्गठन किया गया।
- 1921 ई. में ASI के महानिदेशक **'सर जॉन मार्शल'** थे तब इनके निर्देशन में रायबहादुर दयाराम साहनी ने 1921 ई. में पंजाब (वर्तमान पाकिस्तान) के मोण्टगोमरी जिले में रावी नदी के तट पर स्थित हड़प्पा का अन्वेषण किया।

नोट—1947 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (ASI) के तत्कालीन डायरेक्टर जनरल आर.ई.एम. व्हीलर थे।

- 1922 ई. में **राखलदास बनर्जी** द्वारा मोहन जोदड़ो नामक स्थल का उत्खनन किया गया।
- 1924 ई. में (चार्ल्स मैंसन के सर्वप्रथम 'हड़प्पा' जाने के करीब 100 वर्षों बाद) **'जॉन मार्शल'** ने **'द इलस्ट्रेटेड लंदन न्यूज'** नामक समाचार पत्र में पूरे विश्व के समक्ष सिंधु सभ्यता की खोज की घोषणा की।
- इस घोषणा ने भारत को विश्व के मानचित्र पर अंकित कर दिया और उसे विश्व के प्राचीनतम सभ्यताओं की जन्म स्थली मेसापोटामिया एवं मिस्र के समकक्ष ला खड़ा किया।
- इस सभ्यता के प्रकाश में आने के साथ दुनिया को यह ज्ञात हो गया कि आज से लगभग 3000 वर्ष पहले भारतीय उपमहाद्वीप के पश्चिमोत्तर भाग में सिंधु व उसकी नदियों के किनारे एक विशाल नगरीय सभ्यता का अस्तित्व था।
- **एस.एन. राव** 'द स्टोरी ऑफ इंडियन आर्कियोलॉजी' में लिखते है कि ''मार्शल ने भारत को जहाँ पाया था, उसे उससे 3000 वर्ष पीछे छोड़ा।''
- इस सभ्यता से जुड़े प्रारम्भिक स्थलों की खोज सिन्धु व उसकी सहायक नदियों के किनारे होने के कारण सर्वप्रथम जॉन मार्शल ने 1924 ई. में इसे **'सिंधु घाटी सभ्यता'** नाम दिया।
- **हड़प्पा सभ्यता** भारत की प्रथम नगरीय सभ्यता थी। **गार्डन चाइल्ड** ने इसे **'प्रथम नगरीय सभ्यता'** या **'प्रथम नगरीय क्रांति'** कहा है।

नामकरण

- इस सभ्यता के लिए तीन नामों का प्रयोग होता है–
  सिन्धु सभ्यता/सिन्धु घाटी सभ्यता, हड़प्पा सभ्यता और सिन्धु–सरस्वती सभ्यता।

❖ अजातशत्रु ने आक्रमण कर मल्ल राज्य को **मगध** में मिला लिया था।

11. शूरसेन

❖ मथुरा के आसपास का क्षेत्र **'शूरसेन'** कहलाता था। यहाँ यदुवंश का शासन था। यही पर यदु राजवंश में जन्मे **'कृष्ण'** यहाँ के राजा थे।
❖ बुद्ध के समय यहाँ का राजा **अवन्तिपुत्र** था, जो बुद्ध का शिष्य था।

12. मत्स्य

❖ वर्तमान राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, अलवर, दौसा के क्षेत्र मत्स्य महाजनपद में सम्मिलित थे।
❖ मत्स्य जनपद की राजधानी **'विराटनगर'** थी। इसकी स्थापना **'विराट'** नामक राजा ने की थी। जिसे **'बैराठ'** भी कहा जाता है।
❖ महाभारत में यहाँ के राजा विराट का उल्लेख मिलता है। अज्ञातवास में पाण्डवों ने अपना अन्तिम वर्ष यहीं व्यतीत किया था।
❖ उस समय मत्स्य व चेदि जनपद के मध्य निरंतर संघर्ष चलता रहता था। कालान्तर में मगध के शक्तिशाली राजाओं ने इसे जीतकर अपने अधीन कर लिया।
❖ मत्स्य जनपद का सर्वप्रथम उल्लेख **'ऋग्वेद'** में मिलता है।

13. अवन्ति

❖ अवन्ति की दोनों राजधानियों (उज्जयिनी एवं महिष्मति) के बीच में **वैत्रवती** नदी बहती थी।
❖ बुद्ध के समकालीन अवन्ति के राजा **चण्डप्रद्यौत** थे। चण्डप्रद्यौत के बीमार होने पर बिम्बिसार ने अपने राजवैद्य **जीवक** को उनके उपचार हेतु भेजा था।
❖ अवन्ति का मगध साम्राज्य में विलय **शिशुनाग** ने किया।

14. अश्मक

❖ यह महाजनपद वर्तमान में **गोदावरी** नदी के तट पर समीपवर्ती क्षेत्र में स्थित था। **अश्मक एकमात्र महाजनपद, जो दक्षिण भारत में स्थित** था।
❖ बुद्धकाल में **अवन्ति** ने अश्मक को जीत लिया था। यहाँ पर ईक्ष्वाकुवंशी शासकों का शासन था।

15. गांधार

❖ यह महाजनपद आधुनिक पेशावर, रावलपिण्डी व कश्मीर के कुछ क्षेत्रों में स्थित था। **तक्षशिला** व **पुष्करावती** इसके दो प्रमुख नगर थे। **तक्षशिला** इसकी राजधानी थी।
❖ यहाँ के लोग **गान्धार** कहे जाते थे और इनका उल्लेख अशोककालीन अभिलेखों में मिलता है।
❖ **तक्षशिला** नगर उस काल में विद्या व कला का प्रमुख केन्द्र था। यहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी विद्याध्ययन करने आते थे।
❖ महाभारत के अनुसार गान्धार की राजकुमारी गांधारी धृतराष्ट्र की पत्नी और दुर्योधन की माता इसी महाजनपद की थी।
❖ गांधार के राजा **पुष्करसारिन** ने अवन्ति के राजा **चण्डप्रद्योत** को पराजित किया था।
❖ रामायण के अनुसार गांधार की राजधानी **तक्षशिला** की स्थापना भरत के पुत्र **तक्ष** ने की।

16. कम्बोज

❖ कौटिल्य ने कम्बोजों को **'वार्ताशस्त्रोपजीवी संघ'** अर्थात **वार्ता** (कृषि, पशुपालन एवं वाणिज्य) तथा **शस्त्रों** द्वारा जीविका चलाने वाला कहा है।
❖ **कम्बोज अपने घोड़ो के लिए प्रसिद्ध था।**
❖ यह महाजनपद पश्चिमोत्तर सीमा प्रांत में स्थित था।
❖ सौलह महाजनपदों के अतिरिक्त बौद्ध साहित्य में निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण गणराज्यों का उल्लेख हुआ है—

1. कपिलवस्तु के शाक्य
2. रामग्राम के कोलिय
3. पिप्पलीवन के मोरिय
4. पावा के मल्ल
5. कुशीनार के मल्ल (मल्लों की दूसरी शाखा)
6. वैशाली के लिच्छवि
7. अल्लकल्प के बुलि
8. सुंसभारगिरि के भग्ग
9. मिथिला के विदेह
10. केसपुत्त के कालाम

❖ उपर्युक्त गणतन्त्रों में शासन-सूत्र जनता के हाथों में होता था। विवाद का निर्णय बहुमत से किया जाता था। कालान्तर में ये गणराज्य राजतन्त्र में परिवर्तित हो गये अथवा शक्तिशाली महाजनपदों (राज्यों) द्वारा इनको उनमें सम्मिलित कर लिया गया था और इनकी गणराज्य-पद्धति का अन्त कर दिया गया था।
❖ **गणराज्यों की कार्यप्रणाली :** गणराज्यों का संथागार उनका सार्वजनिक सभागार होता था। जिसमें जनों के मुखिया एकत्रित होते थे। उनमें से एक प्रतिनिधि 'राजा' संथागार का मुखिया होता था। सभा में कोरम पूर्ति, प्रस्ताव रखने, मत गणना आदि के सुस्पष्ट एवं सुनिश्चित नियम थे।
❖ **गणराज्यों के पतन के कारण**

1. अजातशत्रु की साम्राज्यवादी नीति
2. गणराज्यों के उच्च पदों का अनुवांशिक होना
3. गणराज्यों की आपसी फूट
4. समकालीन राजतंत्रों की विस्तारवादी नीति
5. सिकंदर का आक्रमण
6. गणराज्यों के बहुमत के निर्णय में देरी व गोपनीयता न रहना।

मगध का उत्कर्ष (हर्यक वंश)

❖ छठी सदी ई.पू. में सोलह महाजनपदों में से चार शक्तिशाली राजतंत्र मगध (हर्यक वंश), कौशल (ईश्वाकु वंश), वत्स (पौरव वंश) एवं अवन्ति (प्रद्योत वंश) प्रमुख थे। कालान्तर में इन में से **मगध** राजनीतिक सर्वोच्चता प्राप्त कर प्राचीन भारत का प्रथम साम्राज्य बना।
❖ मगध साम्राज्यवाद का उत्थान और विस्तार मौर्य-पूर्वयुगीन भारतीय राजनीति की सबसे महत्त्वपूर्ण घटना थी। साम्राज्यवादी होड़ में मगध ने अपने प्रतिस्पर्द्धी महाजनपदों को बहुत पीछे छोड़ दिया और स्वयं उत्तरी भारत की सर्वशक्तिशाली राजनीतिक इकाई बन बैठा।
❖ मगध का सर्वप्रथम स्पष्ट उल्लेख **अथर्ववेद** में मिलता है।
❖ मगध राज्य के उत्तर में गंगा, पश्चिम में सोन नदी एवं दक्षिण में विन्ध्य पर्वत श्रेणी थी। गंगा व सोन नदियों ने मगध के यातायात, जल वितरण एवं जमीन को उपजाऊ बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।
❖ **मगध के एक साम्राज्यवादी शक्ति के रूप में उदय के प्रमुख कारणों में इसकी पाँच पहाड़ियों से घिरी हुई सामरिक महत्त्व की स्थिति, अच्छा संचार तंत्र, समृद्ध उर्वर क्षेत्र, लोहा भण्डार, जंगली हाथियों की उपलब्धता तथा शासकों द्वारा अपनाई गई साम्राज्यवादी नीति प्रमुख थे।**
❖ हर्यंक वंश से पहले **बृहद्रथ वंश** का शासन मगध पर था। इस वंश में **बृहद्रथ, जरासंध** एवं **रिपुंजय** नामक शासक थे। जरासंध ने **गिरिव्रज** को अपनी राजधानी बनायी थी।
❖ मगध का एक साम्राज्य के रूप में अविर्भाव हर्यंक वंश के शासन के साथ हुआ।

1. भाग	कृषकों द्वारा उत्पादित कृषि उत्पादों पर कर (निजी भूमि पर)
2. सीता	राजकीय व वन्य भूमि से आय पर कर
3. प्रणय	आपाताकालीन कर
4. बलि	एक प्रकार का भू-राजस्व
5. हिरण्य	नकद कर
6. सेतुबन्ध	राज्य की ओर से सिंचाई का प्रबंध हेतु कर
7. विष्टि	बेगार (निःशुल्क श्रम)
8. दुर्ग	नगरों से होने वाली आय (जैसे शुल्क, चुंगी, दंड, कारागार आदि)
9. राष्ट्र	देहात तथा जनपदों से प्राप्त आय (अन्य साधनों से प्राप्त राजस्व)
10. खानी	खानों से प्राप्त कर।
11. सेतु	फल, फूल, सब्जियों आदि से प्राप्त कर।
12. वन	वनों से प्राप्त कर।
13. वज्र	पशुओं से प्राप्त कर।
14. वणिक पथ	स्थल व जलमार्ग से प्राप्त कर।
15. प्रवेश्य	आयात कर
16. निष्क्राम्य	निर्यातकर
17. पंकोदक सन्निरोधे	सड़क पर कीचड़ फैलाने पर कर
18. उदकभाग	कृत्रिम सिंचाई कर

- मौर्यकाल में राजकीय भूमि तथा इससे प्राप्त आय को **'सीता'** कहा जाता है। राजकीय कृषि विभाग का अध्यक्ष **'सीताध्यक्ष'** कहलाता था।

नोट—अर्थशास्त्र में हल से जोतकर उत्पन्न किये गये पदार्थ को सीता कहा गया है।

- निजी भूमि से प्राप्त आय **'भाग'** कहलाती थी।
- मौर्यकाल में कर मुक्त गाँवों को **'परिहारिका'** एवं जो गाँव सैनिक आपूर्ति करते थे, उन्हें **'आयुधिका'** कहा जाता था। जो गाँव कच्चे माल की आपूर्ति करते थे उन्हें **'कूप्य'** कहा जाता था।
- कौटिल्य ने अर्थशास्त्र में 10 प्रकार की भूमियों का उल्लेख किया है। इनमें से कुछ प्रमुख भूमियाँ इस प्रकार हैं—
  1. **देव मातृक**—सिर्फ वर्षा द्वारा खेती पर निर्भर भूमि।
  2. **अदेवमातृक**—वह भूमि जिसमें बिना वर्षा के भी अच्छी खेती हो सके।
  3. **कृष्ट**—जुती हुई भूमि
  4. **अकृष्ट**—बिना जुती हुई भूमि
  5. **स्थल**—ऊँची भूमि
  6. **विवीत**—चरागाह भूमि
- मेगस्थनीज के अनुसार भारत में कभी अकाल नहीं पड़ा, जबकि अर्थशास्त्र तथा मौर्यकालीन अभिलेखों (सौहगोरा, महास्थान) में अकाल पड़ने तथा राज्य द्वारा राहत प्रबंधन के उपायों की चर्चा मिलती है।
- मौर्यकाल में **'द्रोण'** अनाज की माप एवं **'निवर्तन'** भूमि माप की इकाई थी।
- मौर्यकाल में सबसे प्रमुख उद्योग वस्त्र उद्योग था। इसमें सूत कातने एवं बुनने को भी प्रमुख उद्योग का दर्जा दिया गया था। अर्थशास्त्र में सूत उत्पादन को राजकीय उद्योग बताया गया है।
- अर्थशास्त्र के अनुसार काशी, बंग, पुण्ड्र, कलिंग, वत्स, मालवा सूती वस्त्रों के लिए प्रसिद्ध केन्द्र थे।
- प्राचीनकाल में **बंग** का मलमल विश्वविख्यात था। काशी और पुण्ड्र में रेशमी कपड़ा (क्षौम) भी बनता था। अन्य वस्त्रों में दुकूल (श्वेत, चिकना एवं महीन वस्त्र), क्षौम (एक प्रकार की रेशमी वस्त्र), कौसेय (कीमती रेशमी वस्त्र) एवं चीनी पट्ट (चीन से आयातित रेशमी वस्त्र) का भी उल्लेख मिलता है।
- मौर्यकाल में **हाथी दाँत व्यापार** विकसित अवस्था में था तथा **काशी** इसका प्रमुख केन्द्र था। मौर्यकाल में **बढ़ईगिरी** भी एक प्रमुख उद्योग था।
- मौर्यकाल में अनेक शिल्पों एवं उद्योगों का विकास हुआ। शिल्पियों की अपनी श्रेणियाँ या संगठन थे। श्रेणी न्यायालय का प्रधान **'महाश्रेष्ठि'** कहलाता था। व्यापार से संबंधित श्रेणी का प्रधान **'श्रेष्ठि'** कहलाता था।
- मौर्यकाल में **18** मुख्य हस्तशिल्प थे जो श्रेणियों में संगठित थे। हस्तशिल्प से संबंधित श्रेणी का मुखिया **'जेट्ठक'** कहलाता था।
- मेगस्थनीज लिखता है कि शिल्पी के हाथ या आँख को नुकसान पहुँचाने वाले को मृत्युदण्ड दिया जाता था।
- व्यापारिक जहाजों का निर्माण की मौर्यकाल का प्रमुख उद्योग था।
- मौर्ययुग तक व्यापार वाणिज्य में नियमित सिक्कों का प्रचलन हो चुका था। मौर्यकालीन सिक्के आहत सिक्के (पंचमार्क) थे।
- मौर्यकाल में ही प्रथम बार आहत मुद्रा निर्माण का कार्य राजकीय नियंत्रण के अंतर्गत लिया गया।
- मौर्यकाल में मुद्रा विभाग (टकसाल) का प्रमुख **'लक्षणाध्यक्ष'** तथा मुद्राओं का परीक्षण करने वाला अधिकारी **'रूपदर्शक'** कहलाता था।
- कौटिल्य ने अर्थशास्त्र में स्वर्ण, रजत एवं ताम्र मुद्राओं का उल्लेख किया है। जिनके नाम निम्न प्रकार है—
  सुवर्ण, निष्क → सोने का सिक्का
  कार्षापण, पण, धरण → चाँदी का सिक्का
  माषक, काकणी → ताँबे का सिक्का
- छोटे-छोटे ताँबे के सिक्के **काकणी** कहे जाते थे।
- मौर्यकाल का सर्वाधिक प्रचलित सिक्का **'पण'** था। जो **49 ग्रेन** का होता था।
- राज्य में व्यापार की सुविधा हेतु चार महत्त्वपूर्ण आंतरिक मार्ग थे जो निम्नलिखित थे –
  1. **प्रथम मार्ग (उत्तरापथ)**—यह बंगाल के समुद्र तट पर स्थित ताम्रलिप्ति से शुरू होकर पश्चिमोत्तर भारत में स्थित पुष्कलावती (पेशावर) तक जाता है।
     → तक्षशिला, श्रावस्ती पाटलीपुत्र इसी मार्ग पर आते थे।
     → यह प्राचीन भारत का सबसे लम्बा व महत्त्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग था।

नोट—मध्यकाल में शेरशाह सूरी ने इसे पक्की सड़क के रूप में परिवर्तित करवाया। उसने इसे शेरशाह सूरी राजमार्ग या सड़क-ए-आजम नाम दिया। भारतीय गवर्नर जनरल लार्ड ऑकलैण्ड ने सर्वप्रथम इसे G.T. रोड़ (Grand Trunk Road) नाम दिया।

  2. **दूसरा मार्ग**—पश्चिम में पाटल से पूर्व में कौशाम्बी के समीप उत्तरापथ से मिलता था।
  3. **तीसरा मार्ग (दक्षिणा पथ)**—दक्षिण में प्रतिष्ठान से उत्तर में श्रावस्ती तक जाता था।

8. किस राजवंश के समय कन्हेरी विश्वविद्यालय प्रसिद्ध हुआ? [REET Level 2, 2012]
(A) राष्ट्रकूट (B) चोल
(C) चालुक्य (D) पल्लव **[D]**

9. महाबलीपुरम् के प्रसिद्ध मंदिर किस शासक के शासन के अन्तर्गत बने– [REET Level 2, 2011]
(A) पल्लव (B) चोल
(C) चालुक्य (D) काकतीय **[A]**

10. वल्लभी के मैत्रक वंश का संस्थापक था?
(A) धरसेन (B) भट्टार्क
(C) ध्रुवसेन (D) ध्रुवभट्ट **[B]**

11. किस संवत् को वल्लभी संवत् भी कहा जाता है?
(A) गुप्त संवत् (B) मौर्य संवत्
(C) मैत्रक संवत् (D) वर्द्धन संवत् **[A]**

12. मालवा के उत्तरगुप्त वंश का संस्थापक था?
(A) हर्षगुप्त (B) दामोदर गुप्त
(C) कृष्णगुप्त (D) जीवितगुप्त **[C]**

13. कन्नौज के मौखरि वंश की जानकारी देने वाला सर्वप्रथम अभिलेख है?
(A) बड़वा अभिलेख (B) अफसढ़ लेख
(C) देवबर्नाक अभिलेख (D) हरहा अभिलेख **[D]**

14. वर्धनवंश का पहला स्वतंत्र शासक था?
(A) हर्षवर्द्धन (B) नरवर्द्धन
(C) प्रभाकरवर्द्धन (D) राज्यवर्धन **[C]**

15. हर्षचरित के अनुसार किसने राज्यवर्धन की मृत्यु की सूचना थानेश्वर की राज्यसभा में हर्षवर्द्धन को दी थी?
(A) कुरंगक ने (B) कुन्तल ने
(C) संवादक ने (D) हंसबेग ने **[B]**

16. निम्न में से किसने कहा था कि – ''मैं पृथ्वी को गौड़ों से रहित न बना दूं तो मैं स्वयं अग्नि में जल जाऊँगा?''
(A) हर्षवर्द्धन (B) राज्यवर्द्धन
(C) प्रभाकरवर्द्धन (D) शंशाक **[A]**

17. किसने अपना उपनाम 'शिलादित्य' रखा था?
(A) देवगुप्त ने (B) हर्षवर्द्धन ने
(C) राज्यवर्द्धन ने (D) ह्वेनसांग ने **[B]**

18. हर्ष का प्रधान सेनापति था?
(A) अवन्ती (B) भण्डि
(C) सिंहनाद (D) कुन्तल **[C]**

19. हर्ष के काल में चीनी नरेश ने कुल कितने दूतमण्डल भेजे थे?
(A) 1 (B) 2
(C) 4 (D) 3 **[D]**

20. हर्ष का समकालीन कामरूप का शासक था?
(A) भास्करवर्मा (B) दुर्लभवर्धन
(C) पुलकेशिन (D) शशांक **[A]**

21. वातापी के चालुक्य वंश का संस्थापक था?
(A) विक्रमादित्य प्रथम (B) पुलकेशिन द्वितीय
(C) तैलप द्वितीय (D) पुलकेशिन प्रथम **[D]**

22. हर्षकालीन ताम्रपत्रों में किस एक कर का उल्लेख नहीं मिलता है?
(A) भाग (B) हिरण्य
(C) तुल्यमेय (D) बलि **[C]**

23. हर्ष के समय प्रति पाँचवें वर्ष 'महामोक्षपरिषद' का आयोजन कहाँ किया जाता था?
(A) कन्नौज (B) प्रयाग
(C) वल्लभी (D) नालन्दा **[B]**

24. खजुराहो के विशाल विष्णु मंदिर (चतुर्भुज मंदिर) का निर्माण करवाया था?
(A) नन्नुक ने (B) धंग ने
(C) यशोवर्मन ने (D) विद्याधर ने **[C]**

25. कवि सोढल ने किस शासक को 'उत्तरापथ स्वामी' कहा है?
(A) विद्याधर को (B) गोपाल को
(C) देवपाल को (D) धर्मपाल को **[D]**

26. त्रिपक्षीय संघर्ष में इनमें से कौनसा वंश सम्मिलित नहीं था?
(A) राष्ट्रकूट (B) प्रतिहार
(C) चोल (D) पाल **[C]**

27. गुर्जर प्रतिहार वंश के किस राजा ने कन्नौज के राजा चक्रायुद्ध को पराजित कर कन्नौज को अपनी राजधानी बनायी?
(A) नागभट्ट द्वितीय (B) महिपाल
(C) नागभट्ट प्रथम (D) वत्सराज **[A]**

28. ऐलोरा का प्रसिद्ध कैलाश मंदिर का निर्माण कराया था?
(A) दन्तिदुर्ग ने (B) कृष्ण प्रथम ने
(C) नरसिंह वर्मन प्रथम ने (D) गोविंद तृतीय ने **[B]**

29. कौनसा पल्लव शासक 'राजसिंह' की उपाधि से अधिक जाना जाता है—
(A) नरसिंहवर्मन-I (B) नन्दिवर्मन द्वितीय
(C) नरसिंहवर्मन-II (D) महेन्द्रवर्मन प्रथम **[C]**

शब्द	अर्थ
फुतूह	बिना माँगी खैर (अयाचित उपहार)
जियारत	सूफी संत के दरगाह पर की जाने वाली धर्मयात्रा
बका	मोक्ष (सूफीवाद की अन्तिम अवस्था)
मलफुजात	सूफी संतों के विचारों व कथनों का संकलन
मकतुबात	सूफी संतों के पत्रों का संकलन
तजकिरा	सूफी संतों की जीवनियों का स्मरण

शब्द	अर्थ
बाशरा	जो इस्लामी विधान को माने
बेशरा	जो इस्लामी विधान को न माने
चिल्ला	लगातार 40 दिनों तक साधना
हरम-ए-दम	प्राणायाम
खलीफा	वारिस (सूफी का उत्तराधिकारी)

महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी तथ्य

- ईश्वर के प्रति गहरा प्रेम भाव या भक्ति उन विभिन्न प्रकार के भक्ति तथा सूफी आंदोलनों की देन है, जिनका उद्भव आठवीं शताब्दी से माना जाता है।
- तौहिद का अर्थ है-यह आस्था कि ईश्वर एक है।
- सुप्रसिद्ध गुजराती संत नरसी मेहता ने कहा था कि ''वैष्णव जन तो तेने कहिए पीर पराई जाने।''
- मध्य एशिया के महान सूफी संतों में गज्जाली, रूमी और सादी के नाम उल्लेखनीय है।
- सुफी मुसलमान रहस्यवादी थे।
- जलालुद्दीन रूमी तेरहवीं सदी का महान सूफी शायर था। वह ईरान का रहने वाला था।
- पंजाबी सूफी संत **'वारिस शाह'** ने **'हीर-रांझा'** की रचना की।
- पंजाब के सूफी संतों में सुल्तान बाहु, बुल्लेशाह, वासिर शाह प्रसिद्ध हुए।
- प्रसिद्ध सूफी कवि अमीर खुसरों ने **'हिन्दवी'** में ग्रंथ लिखे तथा उर्दू गद्य शैली का विकास किया।
- सूफियों ने चरम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए ईश्वर-भक्ति पर जोर दिया था।
- भारत में सूफी सिलसिलों के आगमन का क्रम-चिश्ती, सुहरावर्दी, फिरदौसी, शतादी, कादिरी एवं नक्शबंदी है।
- मंसूर हल्लाज ने सूफी की दस अवस्थाओं का वृतान्त देने वाली **'दस मुकामी रेक्ता'** की रचना की। इसके अनुसार एक सूफी संत को ईश्वर के सामने समर्पण करने के लिए 10 चरणों से होकर गुजरना पड़ता है।
- सूफी मत पर पहली प्रसिद्ध रचना **'कश्फ-उल-महजुब'** (परदे वाले की बेपर्दगी) है, जिसके लेखक **शेख अलहुजविरी** है।
- भारत में सूफीवाद का प्रवेश अरबों की सिन्ध विजय के पश्चात् हुआ।
- महमूद गजनवी के समय शेख अल हुजविरी जिनकी उपाधि दातागंज बख्श थी, भारत आये थे, लाहौर में इनके दरगाह को **'दाता दरबार'** कहा जाता है।
- पीर सद्रउद्दीन ने भारत में खोजह सम्प्रदाय का प्रचार किया।
- ख्वाजा साहब की आत्मकथा **'मुनिस-अल-अरवाह'** (आत्मा का विश्वस्त) है। जिसका संकलन मुगल शहजादी जहाँआरा ने किया था। मुइनुद्दीन चिश्ती के कथनों का संग्रह **'दलैल-अल-अरफिन'** है। जहांआरा ने अजमेर दरगाह में बेगम दालान बनवाया था।
- अकबर कुल 14 बार ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की मजार पर दर्शन हेतु आया था।
- बाबा फरीद के विषय में मोइनुद्दीन चिश्ती ने कहा था कि-''बाबा फरीद ऐसे दीपक हैं जो चिश्ती सिलसिले को प्रकाश देंगे।''
- भारत में बाबर ने नक्शबंदी शाखा को लोकप्रिय बनाया था। औरंगजेब के समय शेख कलीमुल्ला के नेतृत्व में चिश्ती सिलसिले ने पुनः जोर पकड़ा था।
- सूफी संत अपने खानकाहों में विशेष बैठकों का आयोजन करते थे।
- अब्दुल वहीद बेलग्रामी नामक सूफी संत ने 'हकैक-ए-हिन्दी' नामक पुस्तक की रचना की, जिसमें उसने सूफी रहस्यवादी संदर्भ में कृष्ण, गोपी, राधा, यमुना, मुरली आदि शब्दों के अर्थ स्पष्ट करने की कोशिश की।
- चैतन्य सोलहवीं शताब्दी के बंगाल के एक प्रसिद्ध भक्ति संत थे। इन्होंने कृष्ण-राधा के प्रति निष्कामा भक्ति भाव का उपदेश दिया।
- भक्ति संतों का एक महत्त्वपूर्ण योगदान संगीत के विकास में था। बंगाल के जयदेव ने संस्कृत में **'गीत गोविन्द'** की रचना की; जिसमें हर गीत एक विशेष राग और ताल में रचित है।
- कबीर का पालन पोषण बनारस में हुआ था।
- शरिया मुसलमान समुदाय को निर्देशित करने वाला कानून है। यह कूरान शरीफ और हदीस पर आधारित है।

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं)

1. अलवार संतों का एक मुख्य काव्य संकलन जिसे तमिल वेद के रूप में भी जाना जाता है—[REET Level 2, 24.07.22, Shift-4]
(A) तोंदराडिप्पोडि (B) करइक्काल अम्मइयार
(C) तवरम (D) नलयिरदिव्यप्रबंधम **[D]**

2. ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की ''दरगाह'' पर आने वाला पहला सुल्तान कौन था? [REET Level 2, 24.07.22, Shift-3]
(A) कुतुबुद्दीन ऐबक (B) इल्तुतमिश
(C) मुहम्मद बिन तुगलक (D) अलाउद्दीन खिलजी **[C]**

3. पन्द्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में शंकरदेव, जो वैष्णव धर्म के मुख्य प्रचारक थे, के उपदेशों को किस नाम से संबोधित किया जाता है? [REET Level 2, 23.07.22, Shift-2]
(A) वल्लभ धर्म (B) कृष्ण धर्म
(C) गुरु संदेश (D) भगवती धर्म **[D]**

4. भारत के वंचित वर्ग का पहला कवि किसे कहा जाता है— [REET Level 2, 26.09.2021]
(A) दादू (B) जयानक
(C) रामदास (D) चोखामेला **[D]**

5. संत मीराबाई के पति का नाम था— [REET Level 2, 11.02.2018]
(A) भोजराज (B) रतनसिंह
(C) नरपतसिंह (D) संग्रामसिंह **[A]**

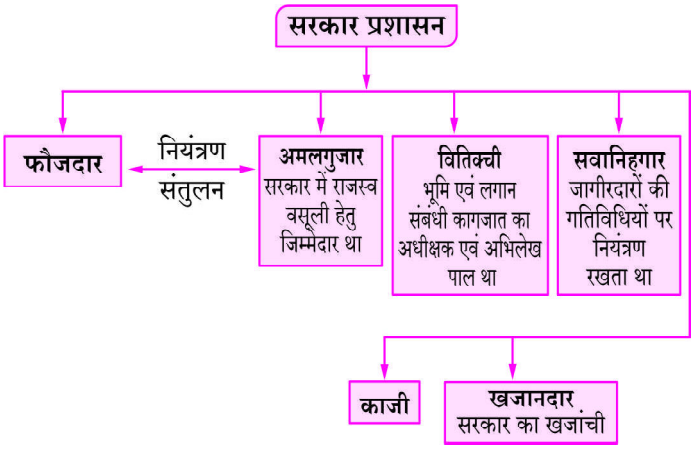

परगना (तहसील) का प्रशासन

- सरकार (जिले) का विभाजन **परगनों** (तहसीलों) में हुआ था। परगने का प्रशासन शिकदार, आमिल, फोतदार, कानूनगों तथा कारकून नामक कर्मचारी संभालते थे।
- शिकदार व आमिल परगने में वही कार्य करते थे, जो सरकार स्तर पर फौजदार एवं अमलगुजार करते थे।
- **शिकदार परगने का प्रधान अधिकारी होता था।** इसका कार्य परगने में शांति व्यवस्था कायम रखना व राजस्व वसूली में आमिल की मदद करना था। जबकि **आमिल परगने का वित्तीय अधिकारी था**, जो किसानों से लगान वसूल करता था।
- अकबर ने अपने शासन के **18वें वर्ष** (1573 ई.) में 1 करोड़ दाम (250000 रुपये) से अधिक राजस्व वाले परगनों में एक **आमिल** नियुक्त किया, **जिसे 'करोड़ी' कहते थे। अकबर ने कुल 182 करोड़ी नियुक्त किये थे।**
- शाहजहाँ ने प्रत्येक परगने में मालगुजारी के निर्धारण के लिए एक अमीन की नियुक्ति की। जब अमीन का पद सृजित हुआ तो शाहजहाँ ने करोड़ी (आमिल) का पारिश्रमिक 8 प्रतिशत से घटाकर **5 प्रतिशत** कर दिया।
- **फोतदार** : यह परगने का खजांची/कोषाध्यक्ष होता था।
- **कानूनगो** : यह परगने के पटवारियों का अधिकारी था। कानूनगो भूमि सम्बन्धी रिकॉर्ड रखता था एवं राजस्व जमा करता था।
- **कारकुन** : ये परगने के लिपिक होते थे।
- अकबर के काल में परगनों के **रिकॉर्ड फारसी में लिखे जाते थे।**
- **शाहजहाँ के काल** में परगना व सरकारों के बीच एक और इकाई होती थी जिसे **'चकला'** कहा जाता था। इसके अन्तर्गत कुछ परगने आते थे।
- **अमीन** : शाहजहाँ ने परगने में जजिया वसूली के लिए अमीन की नियुक्ति की थी तथा शाहजहाँ ने परगने में दो या दो से अधिक कानूनगो की नियुक्ति शुरू की थी।
- औरंगजेब ने ग्रामीण क्षेत्रों में जजिया वसूली के लिए अमीन की नियुक्ति की।

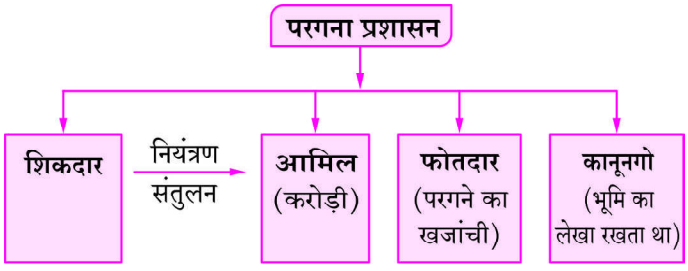

ग्राम प्रशासन

- गाँव को **मौजा, मावदा** एवं **डीह** आदि कहा जाता था।
- मावदा के अंतर्गत छोटी बस्तियां **'नागला'** कहलाती थी। मावास एक किलेबंद गांव एवं उपद्रवी क्षेत्र के रूप में जाना जाता था।
- गाँव के मुखिया को खुत, मुकद्दम, चौधरी या पटेल कहा जाता था।
- गाँव में राजस्व वसूली का कार्य पटवारी करता था। वही कानून व व्यवस्था की जिम्मेदारी मुकद्दम की होती थी।
- राजस्व विभाग का सबसे निम्न अधिकारी **पटवारी** था। अकबर इसे 1% कमीशन देता था।
- क्षेत्रीय अधिकारियों के रूप में पटवारी मुगलों के भू-राजस्व कार्यालय के रीढ़ होते थे।

मुगलकालीन सैन्य व्यवस्था

- मुगल साम्राज्य की शक्ति का मुख्य स्रोत उसकी विशाल सेना थी। बाबर ने अपनी सैनिक शक्ति के बल पर ही भारत में मुगल साम्राज्य की नींव रखी थी। उसकी सैन्य व्यवस्था तैमूर और चंगेज खाँ (मंगोल) के संगठन पर आधारित थी। तोपखाने के प्रयोग से उसकी शक्ति और बढ़ गयी थी।
- मुगल सेना विभिन्न प्रजातियों ईरानी, तूरानी, अफगान, तुर्क, मंगोल, उजबेक, भारतीय मुसलमान, राजपूत, मराठे आदि का मिश्रण था।
- मुगलकाल में सैन्य व्यवस्था का प्रमुख अधिकारी **'मीर बख्शी'** था। मुगल सेना का गठन **'दशमलव पद्धति'** पर आधारित था। सेना के अधिकारियों में सर्वाधिक प्रतिष्ठित पद 'खान-ए-जमान' था, उसके पश्चात् 'खान-ए-खाना' पद था।
- मुगल सेना में चार प्रकार के सैनिक होते थे—
  (i) अहदी सैनिक (ii) दाखिली सैनिक
  (iii) मनसबदार के सैनिक (iv) अधीनस्थ राजाओं के सैनिक
- **अहदी सैनिक** संभ्रात सैनिकों की एक श्रेणी थी। ये बादशाह के व्यक्तिगत सैनिक होते थे। जो बादशाह के अंगरक्षक होते थे। इनको वेतन व अस्त्र-शस्त्र राज्य की ओर से मिलता था तथा इनकी भर्ती भी राज्य के द्वारा की जाती थी। इनके लिए पृथक दीवान नियुक्त होते थे।
- **दाखिली सैनिक** राज्य (बादशाह) द्वारा भर्ती वे घुड़सवार सैनिक थे, जो मनसबदारों के अधीन रखे जाते थे, जिन्हें वेतन मनसबदार ही देते थे।
- **मनसबदारों के सैनिक** मनसबदार द्वारा भर्ती किए जाते थे। उनकी वर्दी, प्रशिक्षण, वेतन आदि की व्यवस्था मनसबदार करता था।
- अधीनस्थ राजाओं के सैनिकों की भर्ती, प्रशिक्षण, वेतनादि की व्यवस्था राजाओं द्वारा की जाती थी।
- मुगल सेना पैदल, घुड़सवार, हस्तिसेना, नौ सेना एवं तोपखाना में विभाजित था।

पैदल (पदाति) सैनिक

- मुख्यतया पैदल सैनिक दो तरह के होते थे—**अहशाम** व **सेहबन्दी**।
- **अहशाम सैनिक**—ये बन्दूक व तलवार चलाने में निपुण होते थे। ये पहले दर्जे के योद्धा होते थे। इनको साधारण बोलचाल में **प्यादा** कहते थे।
- **सेहबन्दी सैनिक**—ये अस्थायी रूप से भर्ती किए गए वे सैनिक थे, जो राजस्व वसूली करने के काम आते थे। ये रसद सामग्री की व्यवस्था भी करते थे।

❖ इस मकबरे को शेरशाह के मकबरे का पूर्वगामी कहा जाता है।

मुहम्मद बिन तुगलक

❖ मुहम्मद बिन तुगलक ने दिल्ली में जहांपनाहनगर व तुगलकाबाद के निकट **आदिलाबाद फोर्ट** का निर्माण करवाया तथा बलबन के लाल महल की मरम्मत करवायी।

❖ मुहम्मद बिन तुगलक की जहांपनाहनगर में बनाई गई इमारतों में केवल **सतपलाह बांध** और **बिजाई मण्डल** (विजयी मण्डल) नामक दो इमारतों के अवशेष प्राप्त होते हैं।

❖ मुहम्मद तुगलक ने दौलताबाद नामक नवीन राजधानी के निर्माण की भी योजना बनाई थी।

❖ मुहम्मद बिन तुगलक ने 12 खम्भा महल तथा निजामुद्दीन औलिया के मकबरे का निर्माण भी करवाया।

फिरोज तुगलक

❖ फिरोज तुगलक महान् निर्माता था, लेकिन खर्चीले कार्य सम्पन्न करने में असमर्थ होने के कारण वह सादगीपूर्ण इमारतें ही बना सका। उसने अनेक सार्वजनिक इमारतें, जैसे-शहर, किले, मस्जिदें, नहरें व मकबरे बनवाये।

❖ फिरोज भवन निर्माताओं का राजा सिद्ध हुआ, जिसने 300 नगरों, 160 कुएँ, 5 नहरों, 5 अस्पतालों, 100 कब्रों, 100 पुलों, 10 स्नानागार, 1200 बागों एवं 10 समाधियों का निर्माण करवाया था।

❖ फरिश्ता ने निर्माण कार्य को फिरोज का मुख्य व्यसन बताया है। उसके अनुसार, सुल्तान वास्तुकला का महान प्रेमी था। इसी आधार पर वूल्जले हेग ने फिरोज की तुलना रोमन सम्राट आगस्टस की है।

❖ फिरोज तुगलक ने **मलिक गाजी** के नियंत्रण में एक पृथक लोक निर्माण विभाग गठित किया, जिसे दीवाने इमारत तथा अफीफ द्वारा इमारतखाना कहा गया। इस विभाग का प्रमुख अधिकारी **मीरे इमारत** था जिसके अधीन अनेक शहना कार्यरत थे।

❖ फिरोजशाह तुगलक ने दिल्ली में यमुना के किनारे अपनी नयी राजधानी (दिल्ली का पांचवा शहर) फिरोजाबाद का निर्माण करवाया, जो आज फिरोजशाह कोटला के नाम से प्रसिद्ध है।

❖ यह भारतीय-मुस्लिम शैली (मिश्रित शैली) का पहला नमूना था।

❖ फिरोज ने दिल्ली में फिरोज शाह कोटला नामक नया किला बनाया तथा हौज खास के निकट मदरसा बनवाया।

❖ फिरोज की इमारतों में कमल के फूल को अलंकरण के रूप में उत्कीर्ण किया गया है।

❖ फिरोज 300 शहरों का संस्थापक था जिसमें जौनपुर (1359), फतेहाबाद हिसार, फिरोजा (आधुनिक हिसार, हरियाणा), फिरोजपुर आदि की स्थापना की।

❖ फिरोजपुर को अन्तिम नगर या अखिरीनपुर भी कहा गया। उसने खानकाह का भी निर्माण करवाया तथा मौलाना सैय्यद नज्मुद्दीन समरकंदी को इसका प्रमुख बनाया।

❖ फिरोजशाह ने अनेक मस्जिदें भी बनवाई थीं, जिनमें **काबा मस्जिद, बेगमपुरी मस्जिद, खिर्की मस्जिद** और **काली मस्जिद** विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

नोट—वैसे इनका निर्माण खानेजहां तेलंगानी (मलिक मकबूल) के पुत्र खानेजहाँ जूना शाह ने करवाया था।

❖ **हौजखास** - यह सैरगाह एवं मदरसा था जो कि दो मंजिला था। इसके एक मंजिल पर मेहराब का एवं दूसरे मंजिल पर लिंटन एवं शहतीर का समन्वय हुआ है।

❖ फिरोज तुगलक ने इल्तुतमिश द्वारा निर्मित हौज-ए-शम्सी एवं अलाउद्दीन द्वारा निर्मित हौज ए अलाई का पुनर्निर्माण करवाया।

❖ फिरोज तुगलक ने हिसार में गुजरी महल का निर्माण करवाया जो उसके प्रेम की निशानी है।

❖ **खानेजहाँ तेलंगानी का मकबरा** - इस मकबरे का निर्माण हौज खास में फिरोज तुगलक के शासन काल में उसके वजीर खानेजहाँ तेलंगानी के पुत्र खानेजहाँ जूनाशाह ने करवाया था। इस मकबरे की खास विशेषताएँ हैं—यह पहला मकबरा है जो कि अष्टकोणीय (अष्टभुजाकार) था।

❖ तुगलक काल की एक अन्य इमारत कबीरूद्दीन औलिया का मकबरा है जो लाल गुम्बद के नाम से प्रसिद्ध है। यह नसिरूद्दीन महमूदशाह (1383-92 ई.) के काल में बना था। यद्यपि यह मकबरा गियासुद्दीन तुगलक के मकबरे की नकल है, लेकिन इसमें खिलजी काल की श्रेष्ठ शैली जैसे पुनः उभरी है। इसके बाद तैमूर के आक्रमण के कारण दिल्ली के सुल्तान बड़े पैमाने पर इमारतों का निर्माण नहीं करा सके।

सैय्यद और लोदीकालीन स्थापत्य कला

❖ तुगलक वंश की समाप्ति के बाद पहले सैय्यदों ने और बाद में लोदियों ने दिल्ली के तख्त पर अधिकार किया था। इस काल के दोनों राजवंशों की जो इमारतें बची हैं, वे केवल मकबरे हैं।

❖ सैय्यद शासक मुबारकशाह ने मुबारकबाद शहर की स्थापना की। मुबारकशाह का मकबरा तथा अलाउद्दीन आलमशाह द्वारा निर्मित मोहम्मदशाह का मकबरा, ये दोनों मकबरें **अष्टभुजीय (अठपहला)** हैं।

❖ इन मकबरों में दो शैलियाँ दिखाई देती हैं-एक तो तिलंगानी मकबरे जैसे अठपहला बने हुए हैं और दूसरे वे जो परम्परागत शैली में वर्गाकार बनाये गये हैं।

❖ **पर्सी ब्राउन ने सैयद एवं लोदी काल को मकबरों का युग कहा है।**

❖ लोदी काल में मकबरों को ऊँचे चबूतरे पर बनाया गया तथा कुछ मकबरे उद्यान के मध्य बनाये गये। जैसे:- दिल्ली का लोदी गार्डन। इसीलिये **लोदीकाल** को **मकबरों का काल** भी कहा जाता है।

❖ लोदी मकबरों में सुल्तानों द्वारा बनवाये गये मकबरे अष्टभुजी होते थे तथा अमीरों द्वारा बनवाये गये मकबरे चतुर्भुजी होते थे।

❖ सिकन्दर लोदी ने एक गुम्बद के स्थान पर दो गुम्बद (द्वि-गुम्बदीय) की नई शैली का शुरुआत की।

❖ **सिकन्दर लोदी का मकबरा** - 1518 ई. में निर्मित यह मकबरा **अष्टकोणीय** है। सर्वप्रथम इसी मकबरे में **दोहरे गुम्बद** का प्रयोग किया गया। इसका निर्माण **इब्राहिम लोदी** ने करवाया था। मुगल शैली के विकास में यह मकबरा महत्वपूर्ण स्थान रखता था।

❖ **मोठ मस्जिद** - इसका निर्माण सिकन्दर लोदी के वजीर **मियाँ भुवा** ने करवाया था।

❖ इस समय वर्गाकार आधार पर भी अनेक मकबरों का निर्माण हुआ। जैसे- बड़ा खाँ का गुम्बद, शिहाबुद्दीन ताज खाँ का मकबरा, दादी का मकबरा आदि।

❖ जान मार्शल के अनुसार, सल्तनत कालीन इमारतों की सुन्दरता का समावेश मोठ की मस्जिद में है। इसमें पाँच मुख्य मेहराबदार प्रवेश द्वार हैं।

❖ उस समय कुछ प्रमुख ब्रिटिश छावनियों एवं उनके कमाण्डरों की स्थिति भी निम्नलिखित थी—

34वीं नेटिव इन्फेन्ट्री बैरकपुर	जनरल जान बैनेट हियरसे
19वीं नेटिव इन्फेन्ट्री बहरामपुर	कर्नल मिशेल
44वीं एवं 67वीं नेटिव इन्फेन्ट्री मथुरा	लेफ्टिनेंट बर्ल्टन
मेरठ कमांडिग ऑफिसर	जनरल हैविट
लखनऊ कमांडिग ऑफिसर	कैम्पबेल
कानपुर कमांडिग ऑफिसर	हूज व्हीलर

❖ विद्रोही सेनिकों ने शीघ्र ही अपने उच्चाधिकारियों को मार कर अपने बंदी साथियों को मुक्त कराकर दिल्ली की ओर रवाना हो गये।

नोट—सुरेन्द्रनाथ सेन ने कहा था कि "मेरठ का विद्रोह गर्मी की आँधी की भाँति अचानक एवं अल्पकालिक था।"

❖ इस विद्रोह का नेतृत्व करने और उनकी समस्याओं को वैधानिकता दिलवाने के लिए बहादुर शाह द्वितीय से अपील करने हेतु उन्होंने दिल्ली की ओर मार्च किया। यद्यपि उस समय बहादुर शाह के पास कुछ नहीं था, लेकिन उनके साथ शक्तिशाली मुगल साम्राज्य का नाम जुड़ा हुआ था।

❖ मेरठ छावनी के सैनिकों का दिल्ली कुच करते समय प्रसिद्ध नारा था—**"चलो दिल्ली, मारो फिरंगी"**

❖ अंग्रेजों से संबंधित सभी चिह्नों का नाश करते हुए यह सैनिक 11 मई, को प्रातः काल में दिल्ली पहुँचे।

❖ दिल्ली के कमांडिंग ऑफिसर (प्रधान अधिकारी) **लेफ्टिनेंट विलोबी** को हराने के बाद इन सैनिकों द्वारा दिल्ली पर कब्जा कर लिया गया। सरकारी भवनों एवं कार्यालयों को आग लगा दी गई। मुगल बादशाह बहादुर शाह द्वितीय को पुनः भारत का सम्राट और विद्रोह का नेता घोषित कर दिया गया।

❖ इस प्रकार विद्रोह को वैद्यता प्राप्त हो गई, क्योंकि अब उसका संचालन मुगल बादशाह के नाम से किया जा सकता था।

❖ दिल्ली विजय का समाचार चारों और फैल गया। इस छोटे से विद्रोह ने बढ़कर एक वृहद स्तरीय राजनीतिक क्रांति का रूप ले लिया। शीघ्र ही यह उत्तर व मध्य भारत के लखनऊ, इलाहाबाद, कानपुर, बरेली, बनारस, जगदीशपुर (बिहार), झाँसी, रूहेलखंड, ग्वालियर आदि स्थानों में फैल गया।

❖ उम्र को देखते हुए 82 वर्षीय वृद्ध **बहादुरशाह** के लिए क्रांति का नेतृत्व संभालना मुश्किल हो रहा था। इसलिए क्रांति के संचालन हेतु एक दस सदस्यीय 'स्वतंत्रता संचालन समिति' का गठन किया गया। जिसका प्रधान **बख्त खाँ** को बनाया गया। इस समिति के प्रशासकों में छह सैनिक तथा चार गैर-सैनिक अधिकारी थे। इस प्रकार **बख्त खाँ सेना का प्रधान सेनापति बना।**

❖ बहादुरशाह ने अपने पुत्र **जीवन बख्त** को वजीर के पद पर नियुक्त किया था, किंतु शहर का असली शासन **कोतवाल शेख रज्जब अली** के हाथ में था।

❖ दिल्ली में बहादुरशाह ने बख्त खाँ के सहयोग से विद्रोह का नेतृत्व किया।

❖ जून 1857 ई. में अंग्रेजों ने दिल्ली पर दोनों दिशाओं कलकत्ता एवं पंजाब की ओर से आक्रमण किया। दोनों और से जमकर संघर्ष हुआ एवं साथ ही भयंकर हानि दोनों पक्षों को उठानी पड़ी। एक लंबे संघर्ष के बाद अंत दिल्ली को पराजित होना पड़ा।

❖ **1857 की क्रांति में अंग्रेजों ने दिल्ली पर सबसे पहले पुनः अधिकार किया था।**

❖ विद्रोह के दौरान अंग्रेजों ने सबसे पहले **निकलसन एवं हड़सन** के नेतृत्व में 20 सितम्बर, 1857 ई. को दिल्ली को पुनः अधिकृत किया, इस दौरान **निकलसन** मारा गया।

❖ 21 सितम्बर, 1857 ई. को **कैप्टन हड़सन** ने मुगल सम्राट बहादुरशाह द्वितीय तथा बेगम जीनत महल को हुमायूँ के मकबरे से पकड़कर बन्दी बना लिया।

❖ हड़सन ने वहां शरण लिए हुए बादशाह के दो पुत्रों **मिर्जा मुगल** व **मिर्जा खिज्र सुल्तान** तथा **पौत्र अबूबक्र** को गोली मार दी।

❖ बहादुर शाह द्वितीय (जफर) का गद्दार जो अंग्रेजों को सूचनाएँ देता था उसका नाम **इलाही बख्श** था, जो जफर का सम्बन्धी था। इसके सहयोग से ही जफर को गिरफ्तार किया गया।

❖ बहादुर शाह जफर पर दिल्ली के लाल किले में मुकदमा चलाया गया। इस मुकदमे का जज **'हैरियट'** था।

❖ इस दौरान बहादुर शाह को उनकी बेगम जीनत महल के साथ **रंगून** निर्वासित कर दिया गया, जहाँ 7 नवम्बर, 1862 को उनकी मृत्यु हो गई। रंगून में ही उन्हें दफना दिया गया।

❖ रंगून (बर्मा) में स्थित बहादुरशाह की मजार पर लिखा है कि "जफर इतना बदनसीब है कि उसे अपनी मातृभूमि में दफनाने के लिए दो गज जमीन भी नसीब न हुई।"

❖ दिल्ली पर अंग्रेजों द्वारा पुनः अधिकार कर लेने के बाद हजारों लोगों का कत्ल किया गया, जिसका वर्णन **बम्बई गवर्नर एलफिंस्टन** ने किया है।

❖ दिल्ली के पराजित होने के साथ ही विद्रोह का आधार समाप्त हो गया और एक के बाद एक अन्य नेता भी पराजित होने लगे।

लखनऊ (अवध)

❖ लखनऊ में **4 जून, 1857 ई.** को विद्रोह की शुरूआत हुई।

❖ **बेगम हजरत महल** (वाजिद अली शाह की पत्नी) और **मौलवी अहमदशाह** के नेतृत्व में जल्दी ही लखनऊ विद्रोह का महत्त्वपूर्ण केन्द्र बन गया।

❖ बेगम ने अपने अल्पायु पुत्र **बिरजिस कादिर** को नवाब घोषित कर दिया एवं अपने सैनिकों के साथ आक्रमण करके लखनऊ की ब्रिटिश रेजीडेन्सी को घेर लिया। इसी घेरे में रेजीडेन्सी की रक्षा करते हुए **हेनरी लॉरेन्स** एवं **जनरल नील** की मृत्यु हो गई।

❖ **हेनरी लॉरेन्स** विद्रोह के समय में अवध का चीफ कमिश्नर था।

❖ हेनरी लॉरेन्स की मृत्यु के बाद **ब्रिगेडियर इंग्लिश** ने रेजीडेन्सी की रक्षा की कमान सम्भाली।

❖ **हैवलाक व आउट्रम ने लखनऊ** रेजीडेन्सी को जीतने का असफल प्रयास किया। अन्त में 21 मार्च, 1858 को **कॉलिन कैम्पबेल** ने जंग बहादुर के नेतृत्व में गोरखा रेजीमेन्ट की सहायता से लखनऊ को पुनः जीता।

❖ ब्रिटिश अधिकारी हेनरी लॉरेन्स, हेवलॉक एवं जनरल नील ने क्रांति के दौरान लखनऊ में अपना जीवन खोया था।

❖ लखनऊ के बाद बेगम हजरत महल ने मौलवी अहमदुल्ला के साथ **शाहजहाँपुर** में भी विद्रोह को नेतृत्व प्रदान किया। वे शीघ्र पराजित हो गई और भाग कर **नेपाल** चली गईं, जहां उनकी गुमनामी में ही मौत हो गई।

❖ बेगम हजरत महल को **'महकपरी'** भी कहा जाता है।

कानपुर

❖ कानपुर में **5 जून, 1857 ई.** को क्रांति की शुरुआत **नाना साहब** (धोंधू पंत) के नेतृत्व में हुई थी। नाना साहब ने खुद को मुगल बादशाह का **पेशवा** (प्रधानमंत्री) घोषित किया था।

- ✧ एक प्रस्ताव में भारतीय कार्यकलापों में भारतीयों के पर्याप्त प्रतिनिधित्व का पता लगाने के लिए रॉयल कमीशन की नियुक्ति की मांग की।
- ✧ अन्य प्रस्ताव में भारत सचिव की भारतीय परिषद (इंडियन कांउंसिल) को समाप्त करने की माँग रखी गई।
- ✧ एक अन्य प्रस्ताव में ऊपरी बर्मा के समामेलन (कब्जे में लेने) की निंदा की।
- ✧ केन्द्र और प्रांतों में विधान परिषद का विस्तार हो।
- ✧ सैनिक खर्च में कमी एवं उच्च सरकारी नौकरियों में भारतीयों को प्रतिनिधित्व मिले।

❖ कांग्रेस ने यह भी निर्णय लिया कि ऐसा प्रयास किया जाना चाहिए कि कांग्रेस द्वारा पारित प्रस्तावों पर अन्य राजनीतिक संगठनों का भी अनुमोदन मिले। अतः यह स्पष्ट है कि सदस्यों ने कांग्रेस को एक पृथक निकाय नहीं समझा और उनका इरादा सभी भारतीयों की राजनीतिक अपेक्षाओं की आवाज बनना था।

कांग्रेस के उद्भव के संबंध में विवाद

❖ कांग्रेस का उद्भव विवादास्पद रहा है और इसके उद्भव को लेकर बहुत सारे सिद्धांत उभरे हैं। इसका एक विशेष कारण ए. ओ. ह्यूम द्वारा निभाई गई भूमिका है। यदि ह्यूम के स्थान पर कोई भारतीय होता, तो सब कुछ सामान्य समझा जाता, लेकिन ह्यूम एक अंग्रेज थे और साथ ही पूर्व सिविल सेवक। एक अखिल भारतीय संस्था के गठन के लिए ऐसे व्यक्ति ने क्यों पहल की?

❖ कांग्रेस की स्थापना का उद्देश्य भारतीय जनता में पनप रहे असंतोष को एक संगठन के रूप से बाहर निकालना था। ह्यूम खुद इस बात को कहते थे। अतः कांग्रेस की स्थापना **ह्यूम ने एक 'सुरक्षा वाल्व' के रूप में की।** यह ह्यूम द्वारा ब्रिटिश राज को सुरक्षित करने का एक तरीका था।

❖ 1898 ई. में व्योमेश चन्द्र बनर्जी ने कहा कि ह्यूम डफरिन की सीधी सलाह से काम कर रहे थे। बनर्जी ने तो यह भी कहा था कि डफरिन ने ही ह्यूम को कांग्रेस का विचार दिया था। यह शिक्षित भारतीयों के बढ़ते असंतोष को कम करने के लिए एक शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक अभिव्यक्ति मार्ग प्रदान करने का विचार था।

❖ इतिहासकार विपिन चंद्र ने कहा था कि यदि ह्यूम कांग्रेस को सेफ्टी वॉल्व की तरह इस्तेमाल करना चाहते थे, तो कांग्रेस के प्रारंभिक नेता भी उसको एक तड़ीत चालक के रूप में इस्तेमाल करने की आशा रखते थे। जिससे सरकारी दमन को रोका जा सके।

❖ लाला लाजपत राय के अनुसार ह्यूम को इस बात का संशय था कि अगर जनता के असंतोष को व्यस्थित रूप से बाहर नहीं निकाला गया तो भारत में भयंकर विस्फोट हो सकता है। जिससे ब्रिटिश साम्राज्य नष्ट हो जायेगा।

❖ लाजपत राय ने कांग्रेस को स्पष्ट रूप से अंग्रेजी राज की रक्षा हेतु सेफ्टी वाल्व (अभय कपाट) माना।

❖ **सुरक्षा वाल्व/सेफ्टी वाल्व का सिद्धान्त लाला लाजपत राय ने यंग इण्डिया में दिया।** लाला लाजपत राय ने 1916 ई. में यंग इंडिया के एक लेख में कांग्रेस को **लार्ड डफरिन के दिमाग की उपज/ डफरिन के दिमाग** का शिशु बताया।

❖ लाला लाजपत के अनुसार 'ह्यूम आजादी के प्रेमी अवश्य थे किन्तु सबसे पहले तो एक अंग्रेज देशभक्त ही थे।' जब उन्होंने देखा कि ब्रिटिश शासन पर विपत्ति आने वाली है तो असंतोष के सुरक्षित निकास के लिए एक 'सुरक्षा वाल्व' बनाने का निश्चय किया।

❖ इतिहासकार अनिल सील का विचार है कि कांग्रेस स्वार्थी व्यक्तियों की एक संस्था थी, जो राष्ट्रीय हितों पर नहीं वरन् संकीर्ण कारकों पर आधारित थी।

❖ लाला लाजपत राय ने अपनी पुस्तक यंग इण्डिया में लिखा है कि 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना का मुख्य कारण यह था कि इसमें संस्थापकों की उत्कण्ठा ब्रिटिश साम्राज्य को छिन्न भिन्न होने से बचाने की थी।'

❖ सुरक्षा कपाट सिद्धान्त को उदारवादियों की आलोचना के साधन के रूप में प्रयोग किया गया है।

❖ सर्वप्रथम वेडरबर्न ने इस सिद्धान्त को **बायोग्राफी ऑफ ए. ओ. ह्यूम** में 1913 में प्रस्तुत किया था। तत्पश्चात 1916 ई. में लाला लाजपत राय ने **'यंग इंण्डिया'** में प्रस्तुत किया।

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का प्रथम चरण उदारवादी युग (1885–1905 ई.)

❖ **1885 से 1905 तक का समय कांग्रेस का प्रारंभिक चरण था।** इस चरण को **उदार चरण** (नरमदलीय चरण अथवा टी–पार्टी पालिटिक्स (चाय पार्टी की राजनीति) अथवा राजनीतिक दरिद्रता या भिक्षुकता का समय) भी कहा जाता है।

❖ इसका कारण प्रारंभिक कांग्रेसी नेताओं का उदार या नरम राजनीति पर पूर्णतया विश्वास होना था। वे उदारवाद एवं संयम के एक स्वस्थ मेल में विश्वास करते थे।

❖ प्रारम्भ में कांग्रेस का रूख ब्रिटिश सरकार की तरफ अत्यंत नरम था।

❖ 1888 ई. तक कांग्रेस अपने प्रथम अधिवेशन में पारित मांग पत्र को विनम्र निवेदन के साथ हर अधिवेशन में दोहराती रही।

❖ कांग्रेस के चौथे अधिवेशन में गोपाल कृष्ण गोखले कांग्रेस में शामिल हुए तथा इस अधिवेशन में नारा दिया गया कि 'हम सब पहले भारतीय है, हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई बाद में।'

❖ कांग्रेस के पाँचवे अधिवेशन(बम्बई, 1889 ई. में) में **बाल गंगाधर तिलक ने सर्वप्रथम भाग लिया** था।

❖ इन दिनों कांग्रेस का सरकार के प्रति जो दृष्टिकोण था वह दादाभाई नौरोजी के शब्दों से स्पष्ट होता है – 'हम ब्रिटिश प्रजा है, हम अपने हकों की माँग कर सकते हैं, अगर ब्रिटेन की सर्वश्रेष्ठ संस्थाओं से हमें वंचित रखा जाता है तो फिर भारत को अंग्रेजी के स्वामित्व में रहने से क्या लाभ?'

❖ सन् 1885 से 1904-05 तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर 'उदारवादी' कहे जाने वाले नेताओं का वर्चस्व था, इन्हें उदारवादी या नरमपंथी इस लिए कहा जाता था क्योंकि इनका लक्ष्य ब्रिटिश सरकार के प्रति निष्ठा व्यक्त करना तथा अपनी माँगों को प्रतिवेदनों, भाषणों और लेखों के माध्यम से सरकार के सम्मुख प्रस्तुत करना था। इन्हें ब्रिटिश सरकार की न्यायप्रियता पर पूरा विश्वास था।

❖ ये संवैधानिक तरीके से भारत की स्वतंत्रता प्राप्त करना चाहते थे।

❖ नरमपंथी या उदारवादी कहे जाने वाले नेताओं में प्रमुख थे – **दादाभाई नौरोजी, रमेश चन्द्र दत्त, व्योमेश चन्द्र बनर्जी, रानाडे, सुरेन्द्र नाथ बनर्जी, गोपाल कृष्ण गोखले, फिरोजशाह मेहता, मदनमोहन मालवीय, दीनशावाचा आदि।**

❖ प्रारंभिक 20वीं शताब्दी के उग्रवादियों (गरम दल) से पृथक समझने के लिए इन्हें उदारवादी (नरम दल) कहा जाता है।

5. पुस्तक 'आनंद मठ' में 'वन्दे मातरम्' किसने लिखा? [REET Level 2, 11.02.2018]
(A) बंकिमचंद्र चटर्जी (B) व्योमेशचन्द्र बनर्जी
(C) विपिनचन्द्र पाल (D) रवीन्द्रनाथ टैगोर **[A]**

6. रवीन्द्रनाथ टैगोर के किस उपन्यास का प्रमुख पात्र निखिल है, जो देशभक्ति से बढ़कर 'मानवता' में विश्वास रखता है? [REET Level 2, 2015]
(A) शेषेर कबिता (B) गोरा
(C) योगायोग (D) घर बाइरे **[D]**

7. महान नागा महिला गिंडाल्यू को 'रानी' की उपाधि किसने दी— [REET Level 2, 2011]
(A) रविन्द्रनाथ टैगोर (B) महात्मा गाँधी
(C) जवाहरलाल नेहरू (D) सुभाषचन्द्र बोस **[C]**

8. स्वदेशी आंदोलन के दौरान विभिन्न जगहों पर नेतृत्व से संबंधी कौनसा कथन सत्य है—
(A) बम्बई – तिलक (B) पंजाब – अजीत सिंह
(C) दिल्ली – सैयद हैदर राजा (D) उपरोक्त सभी **[D]**

9. कॅम्यूनल एवार्ड के बाद किस समझौते के तहत गाँधीजी ने अपना आमरण अनशन तोड़ा था—
(A) पूना पैक्ट (B) लखनऊ समझौता
(C) शिमला समझौता (D) ताशकंद समझौता **[A]**

10. निम्न में से कौन कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन में शामिल नहीं हुआ था?
(A) दादाभाई नौरोजी (B) गोपालकृष्ण गोखले
(C) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी (D) बदरूद्दीन तैय्यबजी **[C]**

11. निम्न में से कौन नरमपंथी नेता नहीं था?
(A) गोपालकृष्ण गोखले (B) फिरोजशाह मेहता
(C) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी (D) अरविन्द घोष **[D]**

12. 14-15 अगस्त, 1947 की मध्यरात्रि को पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा दिया प्रसिद्ध भाषण कहा जाता है—
(A) ट्रिस्ट विद डेस्टिनी (B) ट्राइड विद डेस्टिनी
(C) ट्रिस्ट विद ऑनेस्टी (D) ट्रिस्ट एण्ड को-ऑपरेशन **[A]**

13. कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन किस वर्ष हुआ था?
(A) 1929 (B) 1931 (C) 1928 (D) 1934 **[A]**

14. 1905 ई. में स्वदेशी आंदोलन के दौरान 'मदर इंडिया' (भारत माता) का चित्र किसके द्वारा बनाया गया?
(A) रविन्द्रनाथ टैगोर (B) अवनीन्द्र नाथ टैगोर
(C) नंदलाल बोस (D) राजा रविवर्मा **[B]**

15. द्वितीय सविनय अवज्ञा आंदोलन कब हुआ था?
(A) 1921-22 (B) 1929-30
(C) 1932-34 (D) 1938-39 **[C]**

16. 'ऑपरेशन जीरो ऑवर' किस आंदोलन के दौरान चलाया गया था?
(A) भारत छोड़ो आंदोलन (B) असहयोग आंदोलन
(C) सविनय अवज्ञा आंदोलन (D) खेड़ा आंदोलन **[A]**

17. भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान सर्वाधिक समय तक स्थापित रही समानान्तर सरकार कहाँ की थी?
(A) बालिया (B) तामलुक (C) सतारा (D) कोरापुट **[C]**

18. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन में 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, इसके अध्यक्ष कौन थे?
(A) महात्मा गाँधी (B) व्योमेशचन्द्र बनर्जी
(C) दादाभाई नौरोजी (D) जवाहरलाल नेहरू **[B]**

19. 1939 में सुभाष चन्द्र बोस किसे हराकर कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गये थे?
(A) पट्टाभि सीतारमैया (B) गोविन्द वल्लभ पंत
(C) जवाहरलाल नेहरू (D) दादाभाई नौरोजी **[A]**

20. भारतीय स्वाधीनता संघर्ष के इतिहास में 1885 से 1905 तक के युग को कहा जाता है—
(A) उदारवादी युग (B) उग्रवादी युग
(C) क्रांतिकारी युग (D) वामपंथी युग **[A]**

21. 'पावर्टी एण्ड अनब्रिटिश रूल इन इण्डिया' कृति का लेखक है—
(A) दादाभाई नौरोजी (B) आर.सी. दत्त
(C) विलियम डिग्बी (D) मोतीलाल नेहरू **[A]**

22. मुस्लिम लीग की स्थापना कब हुई?
(A) 1901 में (B) 1905 में (C) 1906 में (D) 1909 में **[C]**

23. 1916 में कांग्रेस के ऐतिहासिक लखनऊ अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की?
(A) श्रीमती एनीबीसेंट (B) आर.एन. मुधोकर
(C) मदनमोहन मालवीय (D) अम्बिका चरण मजूमदार **[D]**

24. कांग्रेस और लीग को निकट लाने (लखनऊ समझौता, 1916) में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी थी—
(A) एनी बीसेन्ट (B) मदन मोहन मालवीय
(C) दादाभाई नौरोजी (D) लोकमान्य तिलक **[D]**

25. 1876 में इण्डियन एसोसिएशन की स्थापना का श्रेय है—
(A) रवीन्द्र नाथ टैगोर (B) व्योमेश चन्द्र बनर्जी
(C) फिरोजशाह मेहता (D) सुरेन्द्र नाथ बनर्जी **[D]**

26. 'करो या मरो' का मन्त्र गाँधी ने किस आन्दोलन में दिया—
(A) असहयोग आन्दोलन (B) सविनय अवज्ञा आन्दोलन
(C) भारत छोड़ो आन्दोलन (D) अछूतोद्धार आन्दोलन **[C]**

27. 'उग्रवाद' के विकास में किस वायसराय के कार्यों का अधिक योगदान था?
(A) लॉर्ड कर्जन (B) लॉर्ड डफरिन
(C) लॉर्ड लैंसडाउन (D) लॉर्ड एल्गिन **[A]**

28. सुभाषचन्द्र बोस किस अधिवेशन में कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे—
(A) नागपुर (B) हरिपुरा (C) लाहौर (D) कलकत्ता **[B]**

29. पूर्ण स्वतंत्रता की माँग कांग्रेस के किस अधिवेशन में रखी गई?
(A) नागपुर (B) इलाहाबाद (C) लाहौर (D) सूरत **[C]**

30. महात्मा गाँधी को चम्पारन आने के लिए किसने निमन्त्रित किया था?
(A) राजेन्द्र प्रसाद (B) आचार्य कृपलानी
(C) राजकुमार शुक्ल (D) रामचन्द्र दास **[C]**

31. नेहरू रिपोर्ट को किस नेता ने अस्वीकार कर दिया था—
(A) मोतीलाल नेहरू (B) डॉ. अंसारी
(C) मौलाना आजाद (D) सुभाष चन्द्र बोस **[D]**

32. पूर्ण स्वराज की घोषणा के समय कांग्रेस का अध्यक्ष कौन था?
(A) महात्मा गाँधी (B) सुभाषचन्द्र बोस
(C) मोतीलाल नेहरू (D) जवाहरलाल नेहरू **[D]**

33. 'लाल कुर्ती' के नाम से प्रसिद्ध होने वाला संगठन था—
(A) मुस्लिम लीग (B) खुदाई खिदमतगार संगठन
(C) स्वराज दल (D) गदर पार्टी **[B]**

34. असहयोग आन्दोलन किस वायसराय के कार्यकाल में चलाया गया था?
(A) लॉर्ड मिन्टो (B) लॉर्ड इरविन
(C) लॉर्ड लिनलिथगो (D) लॉर्ड चेम्सफार्ड **[D]**

भारतीय संविधान एवं लोकतंत्र

1 भारतीय संविधान का निर्माण व विशेषताएँ [Framing & Features of Indian Constitution]

संविधान निर्माण की आवश्यकता

- भारतीय संविधान के निर्माण की पृष्ठभूमि को समझने के लिए भारतीय संविधान के संवैधानिक विकास संबंधी परिस्थितियों को समझना अपरिहार्य है जिसमें प्रमुख रूप से **1600 ई.** में **ईस्ट इण्डिया कम्पनी** के आगमन से भारत पर कम्पनी का नियंत्रण स्पष्ट तौर पर नजर आने लगा था।
- 1765 में बंगाल, बिहार, उड़ीसा के दीवानी अधिकार प्राप्त करने के पश्चात् कम्पनी की क्षेत्रीय शक्ति का विस्तार भारत में व्यापक तौर पर हो चुका था।
- इसके परिणामस्वरूप 1857 में भारतीयों ने सिपाही विद्रोह कम्पनी के अत्याचार के विरुद्ध किया। फलस्वरूप ब्रिटिश ताज ने भारत के शासन का उत्तरदायित्व संभाला।
- इस प्रकार भारत पुनः औपनिवेशिक दासता का शिकार हो गया परन्तु कम्पनी के शासन से क्षुब्ध भारतीय जनता के मस्तिष्क में दासता को उखाड़ फेंकने की भावना उद्वेलित थी। जिसका समय-समय पर विरोध होता रहा क्योंकि भारतीयों का मुख्य उद्देश्य **स्वराज** की प्राप्ति करना था।
- स्वराज की प्राप्ति हेतु भारतीयों को स्वयं द्वारा निर्मित संविधान की आवश्यकता महसूस हुई।

संविधान

- संविधान किसी भी देश के आधारभूत **कानूनों का संग्रह** होता है। इसके द्वारा न केवल सरकार का गठन होता है अपितु सरकार और नागरिकों के आपसी सम्बन्धों का निर्धारण भी होता है।
- संविधान देश की सरकार के विभिन्न अंगों अर्थात् **व्यवस्थापिका, कार्यपालिका** और **न्यायपालिका** का स्वरूप तय करता है। उनकी शक्तियों एवं सीमाओं का फैसला करता है।
- नागरिकों के अधिकार कर्त्तव्य क्या होंगे, पुलिस एवं न्यायप्रणाली कैसी होगी आदि सभी बातों का निर्धारण देश के संविधान द्वारा होता है।
- इस प्रकार संविधान किसी राष्ट्र का जीवन्त स्वरूप होता है।

संविधान निर्माण के प्रयास

- सर्वप्रथम 1895 में बाल गंगाधर तिलक द्वारा ''स्वराज विधेयक'' में भारतीयों के संविधान सभा के सिद्धान्तों का दर्शन देखने को मिलता है।
- सन् 1922 ई. में महात्मा गाँधी ने भारतीयों द्वारा संविधान के निर्माण की मांग प्रस्तुत की। उन्होंने कहा, ''भारतीयों का संविधान की इच्छानुसार होना चाहिए।''
- सन् 1928 ई. में मोतीलाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत नेहरू रिपोर्ट में प्रस्ताव रखा।
- सन् 1934 में रॉय वामपंथी आंदोलन के प्रखर नेता एम.एन. रॉय ने संविधान सभा के गठन का प्रस्ताव रखा।
- वर्ष 1935 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने प्रथम बार भारत के संविधान के निर्माण के लिए आधिकारिक रूप से संविधान सभा के गठन की मांग की।
- वर्ष 1938 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से पंडित जवाहरलाल नेहरू ने घोषणा की कि स्वतंत्र भारत के संविधान के संविधान का निर्माण वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनी गई संविधान सभा द्वारा किया जाएगा और इसमें कोई बाहरी हस्तक्षेप नहीं होगा।
- नेहरू जी की इस मांग को अंततः ब्रिटिश सरकार ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया गया। इसे सन् 1940 के **अगस्त प्रस्ताव** के नाम से जाना जाता है।
- **क्रिप्स मिशन-मार्च, 1942**—ब्रिटिश प्रधानमंत्री विन्स्टन चर्चिल ने 11 मार्च, 1942 को क्रिप्स मिशन की घोषणा की। ब्रिटेन के युद्ध मंत्री स्टेफर्ड क्रिप्स के नेतृत्व में एक विशिष्ट मण्डल 23 मार्च, 1942 को भारत भेजा तथा 30 मार्च, 1942 को प्रस्ताव प्रस्तुत किये जिसे क्रिप्स मिशन नाम से जाना जाता है।
- कांग्रेस के मिशन द्वारा भारत के पूर्ण स्वतंत्रता के स्थान पर डोमिनियन स्टेटस का दर्जा दिए जाने, देशी रियासतों के प्रतिनिधियों के लिए निर्वाचन की जगह मनोनयन की व्यवस्था, प्रांतों को भारतीय संघ से पृथक संविधान बनाने की व्यवस्था के विरोध में क्रिप्स मिशन के प्रस्तावों को अस्वीकार किया।
- सत्ता के त्वरित हस्तांतरण की योजना के अभाव तथा प्रतिरक्षा के मुद्दे पर वास्तविक भागीदारी न होने और गवर्नर जनरल को पूर्ववत् सर्वोच्चता दिए जाने से भी कांग्रेस असंतुष्ट थी।

कैबिनेट मिशन योजना

- क्रिप्स मिशन की असफलता के बाद 9 फरवरी 1946 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली ने भारत में एक कैबिनेट मिशन भेजने की घोषणा की।
- 24 मार्च 1946 को यह मिशन भारत पहुँचा। इसमें तीन सदस्य—**सर स्टैनफोर्ड क्रिप्स, ए.वी. अलेक्जेण्डर** तथा **लार्ड पैथिक लॉरेंस** थे।
- कैबिनेट मिशन योजना को भारत में स्वीकार किया गया जिसके निम्न कारण थे—
  - (i) भारत के विभाजन को अस्वीकार कर दिया गया।
  - (ii) अखिल भारतीय संघ बनाने का प्रावधान।
  - (iii) भारतीय संविधान, संविधान सभा द्वारा तैयार किया जाएगा तथा इसके सभी सदस्य भारतीय होंगे।
  - (iv) इसमें कुल **389** सदस्य होंगे जिसमें **289** प्रांतों, **चार** सदस्य चीफ

सरकार : गठन एवं कार्य

1 सरकार : गठन एवं कार्य [Government : Composition and Functions]

- सरकार एक संस्था एवं व्यवस्था है जो **लोगों के समूह** से बनी होती है जो किसी देश या राज्य की देखभाल एवं प्रबंधन करती है।
- प्रत्येक सरकार का अपना संविधान एवं मौलिक सिद्धांतों का समूह होता है जिसका पालन वह प्रभावी शासन सुनिश्चित करने के लिए करती है।
- सरकार का गठन और उसके कार्य लोकतांत्रिक प्रणाली का एक अनिवार्य हिस्सा होते हैं। किसी भी देश की सरकार नागरिकों के लिए नीति-निर्धारण, कानूनों का क्रियान्वयन और प्रशासनिक व्यवस्था चलाने के लिए जिम्मेदार होती है।
- सरकार का गठन चुनावों के माध्यम से होता है और यह **जनता** के प्रतिनिधियों से मिलकर बनती है।
- सरकार के कार्यों में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास की दिशा में निर्णय लेना और योजनाओं का कार्यान्वयन सुनिश्चित शामिल करना होता है।
- लोकतंत्र में सरकार का गठन चुनावों के माध्यम से होता है। जनता अपने मतों के माध्यम से अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करती है।
- जब चुनाव होते हैं तो जनता द्वारा चुने गये प्रतिनिधियों में से बहुमत प्राप्त पार्टी या गठबंधन सरकार बनाती है। यह सरकार केन्द्र एवं राज्य स्तर पर होती है।

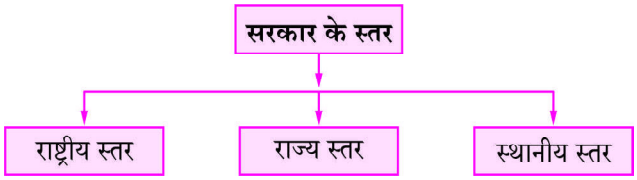

1. राष्ट्रीय स्तर

- इस स्तर पर केन्द्रीय सरकार देश के सर्वोच्च स्तर की सरकार होती है जो पूरे देश के लिए नीतियाँ और कानून बनाती हैं।
- यह सरकार देश की सभी प्रमुख नीतिगत और संवैधानिक मामलों पर निर्णय लेती है।
- केन्द्रीय सरकार की शक्तियाँ **संविधान** द्वारा निर्धारित की जाती है। ये देश की सुरक्षा, विदेश नीति, आर्थिक नीतियाँ और देशव्यापी कानून बनाने जैसे मुद्दों को कवर करती है।
- केन्द्रीय सरकार का काम संसद के माध्यम से कानून बनाना है। संसद में दो सदन होते हैं—
  - **लोकसभा**—निचला सदन, जिसे सीधे जनता द्वारा चुना जाता है।
  - **राज्यसभा**—उच्च सदन, जिसमें राज्य के प्रतिनिधित होते हैं।

2. राज्य स्तर

- राज्य सरकार राज्य स्तर पर नीतियाँ बनाने और उन्हें लागू करने का काम करती है। राज्य सरकार का प्रमुख **मुख्यमंत्री** होता है, जो राज्य विधानसभा के चुनावों में बहुमत प्राप्त पार्टी का नेता होता है।
- राज्य सरकार की जिम्मेदारी राज्य के आंतरिक मामलों पर होती है, जिसमें कानून व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और बुनियादी सुविधाओं की देखरेख शामिल होती है।
- राज्य सरकार के कानून बनाने का काम **विधानसभा** में होता है। कुछ राज्यों में दो सदन होते हैं —
  - **विधानसभा**—जिसे सीधे राज्य के मतदाता चुनते हैं।
  - **विधान परिषद**—जो कुछ राज्यों में होता है और इसमें राज्य के विभिन्न हिस्सों का प्रतिनिधित्व होता है।

महत्त्वपूर्ण कार्य

- **कानून और व्यवस्था**—राज्य सरकार राज्य की कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन की मदद से काम करती है।
- **शिक्षा और स्वास्थ्य**—राज्य के स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, और स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन राज्य सरकार के अंतर्गत आता है।
- **कृषि और ग्रामीण विकास**—राज्य सरकार कृषि संबंधी नीतियाँ और योजनाएँ बनाती है, ताकि किसानों का विकास हो सके।

3. स्थानीय सरकार

- **स्थानीय सरकार** सबसे निचले स्तर की सरकार होती है, जो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सेवाएँ प्रदान करती है।
- यह सरकार सीधे जनता से जुड़ी होती है और उनकी रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान करती है।
- **स्थानीय निकाय** दो प्रकार के होते हैं: शहरी क्षेत्रों में **नगर निकाय** (Urban Local Bodies) और ग्रामीण क्षेत्रों में **पंचायती राज संस्थान** (Panchayati Raj Institutions)।

शहरी स्थानीय निकाय (Urban Local Bodies)

- **नगर निगम**—बड़े शहरों में नगर निगम होते हैं, जो शहर की प्रशासनिक व्यवस्था का संचालन करते हैं।
- **नगर पालिका**—छोटे शहरों और कस्बों में नगर पालिकाएँ होती हैं, जो स्थानीय स्तर पर नागरिक सेवाएँ प्रदान करती हैं।
- **ग्रामीण स्थानीय निकाय**—
  - **ग्राम पंचायत**—गाँवों में ग्राम पंचायत होती है, जो गाँव के विकास और प्रशासनिक कार्यों को देखती है।
  - **पंचायत समिति**—यह पंचायत स्तर पर विभिन्न ग्राम पंचायतों का समूह होता है, जो ब्लॉक स्तर पर काम करता है।
  - **जिला परिषद्**—यह जिले की सबसे बड़ी इकाई होती है, जो जिले के विकास कार्यों की देखरेख करती है।

संसदीय समितियाँ

लोक लेखा समिति

- इस समिति का गठन भारत सरकार अधिनियम 1919 के अंतर्गत सन् 1921 में किया गया।
- इसमें कुल **22 सदस्य** होते हैं जिनमें 15 सदस्य लोकसभा से तथा सात राज्य सभा से होते हैं।
- समिति में किसी मंत्री का निर्वाचन नहीं हो सकता।
- प्रतिवर्ष संसद द्वारा इसके सदस्यों में से समानुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत के अनुसार एकल हस्तांतरणीय मत के माध्यम से सदस्यों का चुनाव किया जाता है।
- सदस्यों का कार्यकाल **एक वर्ष** का होता है।
- समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति लोकसभा अध्यक्ष द्वारा लोकसभा के सदस्यों में से की जाती है।
- परम्परानुसार समिति का अध्यक्ष **विपक्षी दल** से ही चुना जाता है।
- समिति का प्रमुख कार्य नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) के वार्षिक प्रतिवेदनों की जाँच प्रमुख है जो कि राष्ट्रपति द्वारा संसद में प्रस्तुत किया जाता है।

प्राक्कलन समिति:

- स्वतंत्रता पश्चात प्रथम बार **जॉन मथाई** की सिफारिश पर 1950 में पहली प्राक्कलन समिति का गठन किया गया।
- इसमें कुल **30 सदस्य** लोकसभा से शामिल होते हैं। इस समिति में राज्यसभा का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होता है।
- इसके सदस्यों का चुनाव प्रतिवर्ष लोकसभा द्वारा इसके सदस्यों में से किया जाता है।
- समिति का अध्यक्ष **लोकसभा अध्यक्ष** द्वारा लोकसभा सदस्यों में से ही नियुक्त किया जाता है। वह सत्ताधारी दल का ही होता है।
- समिति का प्रमुख कार्य बजट में सम्मिलित प्राक्कलनों की जाँच करना तथा सार्वजनिक व्यय में किफायत के लिए सुझाव देना है।

सार्वजनिक उद्यम समिति

- इस समिति का गठन **कृष्ण मेनन समिति** की सिफारिश पर **1964** में की गई।
- इसमें कुल **22 सदस्य** होते हैं जिनमें से **15 सदस्य लोकसभा** तथा **7 सदस्य राज्यसभा** से लिये जाते हैं।
- समिति के सदस्य संसद द्वारा इसके सदस्यों में से एकल हस्तांतरणीय मत के माध्यम से समानुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धान्त पर निर्वाचित होते हैं।
- लोकसभा अध्यक्ष लोकसभा सदस्यों में से किसी एक को समिति का अध्यक्ष नियुक्त करते हैं। इस प्रकार राज्यसभा सदस्य इस समिति के अध्यक्ष नहीं बन सकते।

विभागीय स्थायी समितियाँ

- लोकसभा की नियम समिति की सिफारिश पर संसद में 1993 में 17 विभाग संबंधित स्थाई समितियाँ गठित की गईं।
- वर्ष 2004 में सात समितियों का गठन हुआ। इस प्रकार इन समितियों की कुल संख्या **24** हो गई।
- स्थायी समितियों का प्रमुख उद्देश्य संसद के प्रति कार्यपालिका को वित्तीय दायित्व को (मंत्रिपरिषद्) को अधिक उत्तरदायी बनाना है।
- इन 24 स्थायी समितियों के कार्यक्षेत्र में केन्द्र सरकार के सभी मंत्रालय एवं विभाग आते हैं।
- प्रत्येक स्थायी समिति में 37 सदस्य (21 लोकसभा तथा 10 राज्यसभा) से होते हैं।
- लोकसभा के सदस्यों का चुनाव लोकसभा अध्यक्ष सदस्यों में से करते हैं जबकि राज्यसभा के सदस्य सभापति द्वारा चुने जाते हैं।
- किसी भी स्थाई समिति में कोई मंत्री सदस्य नहीं बन सकता।
- गठन के समय से लेकर समिति का कार्यकाल एक वर्ष का होता है।
- 24 स्थायी समितियों में 8 समितियाँ राज्यसभा तथा 16 समितियाँ लोकसभा के अंतर्गत कार्य करती हैं।

महत्त्वपूर्ण अनुच्छेद

अनुच्छेद	विषयवस्तु
79	संसद का गठन
80	राज्यसभा का संघटन
81	लोकसभा का संघटन
82	प्रत्येक जगनणना के पश्चात पुनर्समायोजन
83	संसद के सदनों की अवधि
84	संसद की सदस्यता के लिए योग्यता
85	संसद के सत्र, सत्रावसान एवं विघटन (भंग)
86	राष्ट्रपति का सदनों को सम्बोधित करने तथा संदेश देने का अधिकार
87	राष्ट्रपति का विशेष संबोधन
88	सदनों के प्रति मंत्रियों एवं अटार्नी जनरल के अधिकार
89	राज्यसभा के सभापति तथा उपसभापति
90	राज्यसभा के उपसभापति पद की रिक्ति, त्यागपत्र तथा विमुक्ति
91	संसद के पदाधिकारी गण
92	संसद के सत्र और सत्रावसान
93	लोकसभा के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष

अनुच्छेद	विषयवस्तु
94	लोकसभा के उपाध्यक्ष पद की रिक्ति, त्यागपत्र तथा विमुक्ति
95	लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की कार्यावधि
96	संसद की प्रक्रिया और संचालन
97	संसद के अन्य पदाधिकारियों की स्थिति
98	संसद के सचिवालय का गठन
99	संसद की सदस्यता की शपथ
100	संसद में मतदान और निर्णय प्रक्रिया
101	सीटों का रिक्त होना
102	सदस्यता के लिए निरर्हताएँ/अयोग्यताएँ
103	सदस्यों की अयोग्यता से संबंधित प्रश्नों पर निर्णय
104	बिना शपथ ग्रहण करने/अर्हित न होते हुए/निरहित किये जाने पर बैठने और मत देने के लिए शास्ति।
105	संसद के सदनों तथा इसके सदस्यों एवं समितियों की शक्तियाँ तथा विशेषाधिकार
106	सदस्यों के वेतन और भत्ते।

पृथ्वी एवं हमारा पर्यावरण

1 सौरमंडल [Solar System]

❖ सूर्य, ग्रह तथा उनके उपग्रह मिलकर एक पूरे परिवार की रचना करते है जिसे **सौरमंडल** कहा जाता है।

❖ **निहारिका** को सौरमंडल का जनक माना जाता है। उसके ध्वस्त होने व क्रोड के बनने की शुरुआत लगभग 5 से 5.6 अरब वर्षों पहले हुए तथा ग्रहों का निर्माण लगभग 4.6 से 4.56 अरब वर्षों पहले हुआ।

❖ सौरमण्डल में सूर्य (तारा) 8 ग्रह, 63 उपग्रह, लाखों छोटे पिंड जैसे क्षुद्रग्रह (ग्रहों के टुकड़े) (Asteroids) धूमकेतु (Comets) एवं वृहत मात्रा में धुलकण व गैस है जो गुरुत्वाकर्षण बल द्वारा आपस में जुड़े होते हैं।

❖ सूर्य, चन्द्रमा और रात के समय आकाश में जगमगाते लाखों पिंड **खगोलीय पिंड** कहलाते हैं इन्हें आकाशीय पिण्ड भी कहा जाता है। पृथ्वी भी एक खगोलीय पिण्ड है।

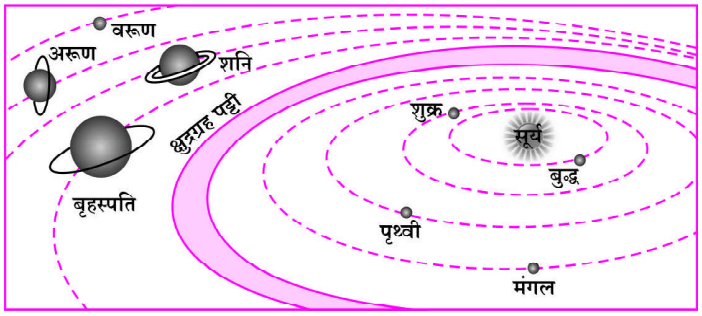

तारा (Star)

❖ जिन खगोलीय पिण्डों में अपनी ऊष्मा और प्रकाश होता है वे **तारे** कहलाते हैं।

❖ ये पिण्ड गैसों से बने हैं और आकार में बहुत बड़े और गर्म हैं।

❖ इनसे बहुत बड़ी मात्रा में ऊष्मा और प्रकाश का विकिरण भी होता है। सूर्य भी एक तारा है। अत्यन्त दूर होने के कारण तारे बहुत छोटे दिखाई देते हैं अन्य तारों की तुलना में सूर्य निकट है जिससे बड़ा एवं चमकीला दिखाई देता है।

तारों का निर्माण

❖ प्रारम्भिक ब्रह्माण्ड में ऊर्जा व पदार्थ का वितरण समान था। घनत्व में आरम्भिक भिन्नता से गुरुत्वाकर्षण बलों में भिन्नता आई, जिसके परिणामस्वरूप पदार्थ का एकत्रण हुआ। यही एकत्रण आकाश गंगाओं के विकास का आधार बना।

❖ आकाश गंगा **असंख्य तारों का समूह** है। आकाश गंगाओं का विस्तार इतना अधिक है कि उनकी दूरी हजारों **प्रकाश वर्षों** में मापी जाती है।

नोट—प्रकाशवर्ष :

✧ प्रकाशवर्ष समय का नहीं वरन् दूरी का माप है। प्रकाश की गति 3 लाख किमी. प्रति सैकण्ड है।

✧ एक वर्ष में प्रकाश जितनी दूरी तय करेगा वह एक प्रकाश वर्ष होगा। यह 9.461×10^{12} किमी. के बराबर है।

✧ पृथ्वी एवं सूर्य की औसत दूरी 14 करोड़ 95 लाख 98 हजार किमी. है।

✧ प्रकाशवर्ष के सन्दर्भ में यह प्रकाश वर्ष का केवल 8.311 मिनट है।

सूर्य

❖ सूर्य सौरमंडल का जनक, केन्द्र तथा ऊर्जा का स्रोत है।

❖ सूर्य सौर परिवार के केन्द्र में स्थित है। यह सौर परिवार का सबसे बड़ा सदस्य है।

❖ सूर्य अत्यन्त गर्म गैसों से बना है। यह पूरे सौर परिवार के लिए ऊर्जा अर्थात् ऊष्मा और प्रकाश का स्रोत है। इसमें **हाइड्रोजन 71%, हीलियम 26.5%** एवं **अन्य तत्व 2.5%** होता है।

नोट—सूर्य से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण तथ्य :

✧ पृथ्वी से अधिकतम दूरी – 15.21 करोड़ किमी.

✧ पृथ्वी से न्यूनतम दूरी – 14.70 करोड़ किमी.

✧ सूर्य से पृथ्वी तक प्रकाश पहुँचने में लगा समय – 8 मिनट 16.6 सैकण्ड

✧ सूर्य के केन्द्र का तापमान – 1.5×10^{70}C

✧ सूर्य के प्रकाश की चाल – 3×10^{8} मी./से.

✧ सूर्य का आयतन – पृथ्वी से 13 लाख गुना

❖ सूर्य दुग्धमेखला मंदाकिनी के केन्द्र के चारों ओर 250 किमी. सेकण्ड की गति से परिक्रमा कर रहा है। इसका परिक्रमण काल (दुग्धमेखला के केन्द्र के चारों ओर एक बार घूमने में लगा समय) 25 करोड़ वर्ष है, जिसे **ब्रह्माण्ड वर्ष (Cosmos Year)** कहते है।

❖ सूर्य अपने अक्ष पर **पूर्व से पश्चिम** की ओर घूमता है। इसका मध्य भाग 25 दिनों में व ध्रुवीय भाग 35 दिनों में एक घूर्णन पूर्ण करता है।

❖ सूर्य अपने अक्ष पर 7° का कोण बनाता है।

ग्रह

❖ खगोलीय पिण्डों का एक वर्ग जो केवल सूर्य जैसे तारों से प्राप्त प्रकाश को ही परावर्तित करते हैं।

❖ इनकी कोई अपनी ऊर्जा एवं ऊष्मा नहीं है अर्थात् वह खगोलीय पिण्ड जो सूर्य का परिक्रमण करता है और उससे ऊष्मा तथा प्रकाश प्राप्त करता है।

❖ **सुनामी**—सुनामी जापानी शब्द है जो सू अर्थात् बंदरगाह और नामी अर्थात् विनाशकारी लहरें से मिलकर बना है। समुद्री नितल पर विवर्तनिक हलचलों के कारण आनेवाले तीव्र भूकम्प के परिणास्वरूप जिन विनाशक समुद्री लहरों की उत्पत्ति होती है उन्हें सुनामी कहते हैं।

❖ ये विनाशकारी समुद्री लहरें हैं जो समुद्र तटीय क्षेत्रों में जल-धन की हानि करते हैं। महासागरों में ये बहुत कम ऊँचाई की होती है, किन्तु जैसे-जैसे किनारों की ओर बढ़ती है तो इसकी ऊँचाई एवं तीव्रता बढ़ती जाती है यही तीव्र लहरें धरातल पर सुनामी कहलाती है।

उत्पत्ति का कारण

❖ महासागरीय तली में भूकम्प की उत्पत्ति

❖ तटवर्ती क्षेत्रों में भू-स्खलन

महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी तथ्य

❖ महासागरीय धाराओं की उत्पत्ति व दिशा को प्रभावित करने वाले कारक
- **(अ) भूपरिभ्रमण संबंधी कारक**
- **(ब) महासागरीय कारक**—तापमान की भिन्नता व लवणता,
- **(स) बाह्य सागरीय कारक**—प्रचलित पवनों की दिशा व द्वीपीय विरोध
- **(द) रूप परिवर्तक कारक**—तटीय आकार, तलीय आकृति और मौसमी परिवर्तन।

❖ महासागरीय जल के ऊपर उठने को ज्वार व नीचे गिरने को भाटा कहते है। उत्पत्ति का प्रमुख कारक **गुरुत्वाकर्षण बल** तथा **अपकेन्द्रीय बल** है।

❖ चन्द्रमा की परिक्रमण गति के कारण पुनः उसी स्थान पर एक ही प्रकार ज्वार 52 मिनट देरी से आता है।

❖ गुरुत्वाकर्षण बल के कारण प्रत्यक्ष ज्वार तथा अपकेन्द्रीय बल के कारण अप्रत्यक्ष ज्वार आता है।

❖ 24 घंटों में एक बार दैनिक ज्वार व दो बार अर्द्ध-दैनिक ज्वार आते है।

❖ वृहत ज्वार के समय उच्च ज्वार की ऊँचाई अधिकतम तथा निम्न ज्वार (भाटे) की निचाई निम्नतर होती है अर्थात् ज्वार परिसर अत्यधिक होगी।

❖ लघु ज्वार के समय उच्च ज्वार की ऊँचाई होना व निम्न ज्वार दोनों ही कम होते हैं अतः ज्वार परिसर भी कम होता है।

❖ चन्द्रमा की परिक्रमण गति **दोगुनी** करने पर अगले ज्वार में विलम्ब 26 मिनट के बजाय **52** मिनट होगा।

❖ चन्द्रमा की परिक्रमणगति **आधी** करने पर अगले ज्वार में विलम्ब 26 मिनट के बजाय **13** मिनट होगा।

❖ पृथ्वी की घूर्णन गति **दोगुनी** करने पर अगले ज्वार में विलम्ब 26 मिनट के बजाय **13** मिनट का होगा।

❖ पृथ्वी की घूर्णन गति **आधी** करने पर अगले ज्वार में विलम्ब 26 मिनट के बजाय **52** मिनट का होगा।

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर (सभी प्रश्नों की व्याख्या अध्याय में समाहित हैं)

1. निम्नलिखित महासागरीय धाराओं में से कौन सी धाराएँ दक्षिणी अटलांटिक महासागर में स्थित हैं? [REET Level-2 (shift-4) 24.07.2022]

(1) ब्राजीलियन धारा (2) बैंगुएला धारा
(3) ओयाशिवो धारा (4) गल्फ स्ट्रीम धारा
(A) 2, 4 (B) 1, 2
(C) 3, 4 (D) 1, 2, 4 **[B]**

2. अगुलहास धारा कौन से महासागर में प्रवाहित होती है? [REET Level-2 (shift-3) 24.07.2022]

(A) आर्कटिक महासागर (B) अटलांटिक महासागर
(C) प्रशान्त महासागर (D) हिन्द महासागर **[D]**

3. निम्नलिखित धाराओं में से कौनसी ठंडी धाराएँ हैं? [REET Level-2 (Evening Shift) 23.07.2022]

1. लैब्राडोर धारा 2. ओयाशिवो धारा
3. बैंगुएला धारा 4. अलास्का धारा
(A) 1, 2, 4 (B) 1, 2, 3
(C) 2, 3, 4 (D) 1, 3, 4 **[B]**

4. फॉकलैण्ड धारा किस महासागर में चलती है?
(A) हिन्द (B) आर्कटिक
(C) अटलान्टिक (D) प्रशान्त **[C]**

5. निम्नलिखित में से कौनसा सभी ज्वारों के सर्वाधिक संचलन के लिए उत्तरदायी है?
(A) महासागर का आकार (B) महाद्वीपों की आकृति
(C) गुरुत्वाकर्षण खिंचाव (D) महासागर की लवणता **[C]**

6. पृथ्वी की सतह से दूरी के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा प्रतिशत भूमि-उच्च की अपेक्षा चन्द्रमा की भूमिनीच के लिए सही है?
(A) 2 प्रतिशत (B) 5 प्रतिशत
(C) 8 प्रतिशत (D) 12 प्रतिशत **[D]**

7. यदि पृथ्वी की परिभ्रमण गति दो गुनी हो जाये तो अगला प्रत्यक्ष उच्च ज्वार आने में जितना विलम्ब होगा, वह—
(A) 104 मिनट (B) 13 मिनट
(C) 52 मिनट (D) 26 मिनट **[D]**

8. ज्वारभाटा की उत्पत्ति सम्बन्धी गतिक सिद्धान्त किसने प्रतिपादित किया?
(A) हैरिस (B) एयरी (C) वेवेल (D) लाप्लास **[D]**

9. यदि पृथ्वी व चन्द्रमा की घूर्णन गति आधी रह जाए तो किसी स्थान पर अगली ज्वार जितने मिनट विलम्ब से आएगा, वह हैं।
(A) 13 (B) 26 (C) 52 (D) 104 **[C]**

10. विश्व में ज्वार-भाटे की सबसे अधिक ऊँचाई अंकित की गई?
(A) फंडी की खाड़ी में (B) मैक्सिको की खाड़ी में
(C) बंगाल की खाड़ी में (D) उत्तरी सागर में **[A]**

11. कौनसी महासागरीय धाराओं में मौसमी उत्क्रमण होता है?
(A) उत्तरी हिन्द महासागर (B) दक्षिण हिन्द महासागर
(C) उत्तरी अटलांटिक महासागर (D) दक्षिणी प्रशान्त महासागर **[A]**

12. महासागरीय धारा जो सारगैसों सागर को घेरे हुए नहीं है, यह है—
(A) प्रति भूमध्यरेखीय (B) गल्फ स्ट्रीम
(C) उत्तरी अटलाण्टिक ड्रिफ्ट (D) कनारी **[A]**

भारत का भूगोल एवं संसाधन

1 भू-आकृति प्रदेश [Physiographic Regions]

भारत का नामकरण

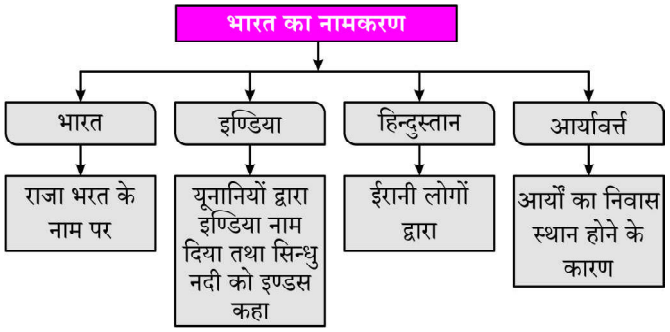

❖ भारत के संविधान के **अनुच्छेद 1** में इण्डिया और भारत दोनों शब्दों का परस्पर उपयोग किया गया है। जिसमें कहा गया है कि "भारत जो कि इंडिया है, राज्यों का एक संघ" होगा।

❖ भारत शब्द की गहरी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जड़े हैं इसका उल्लेख पौराणिक साहित्य, महाकाव्य एवं महाभारत में मिलता है। यह केवल राजनीतिक या भौगोलिक इकाई से अधिक धार्मिक और सामाजिक-सांस्कृतिक इकाई का प्रतीक है।

❖ भारत के अन्य प्राचीन नाम **हिमवर्ष** एवं **जम्बू वर्ष, भारतखण्ड, हिन्द, अलहिन्द, ग्यागर, फग्युल, तियान झू, होडू** आदि अन्य नामों से जाना जाता है।

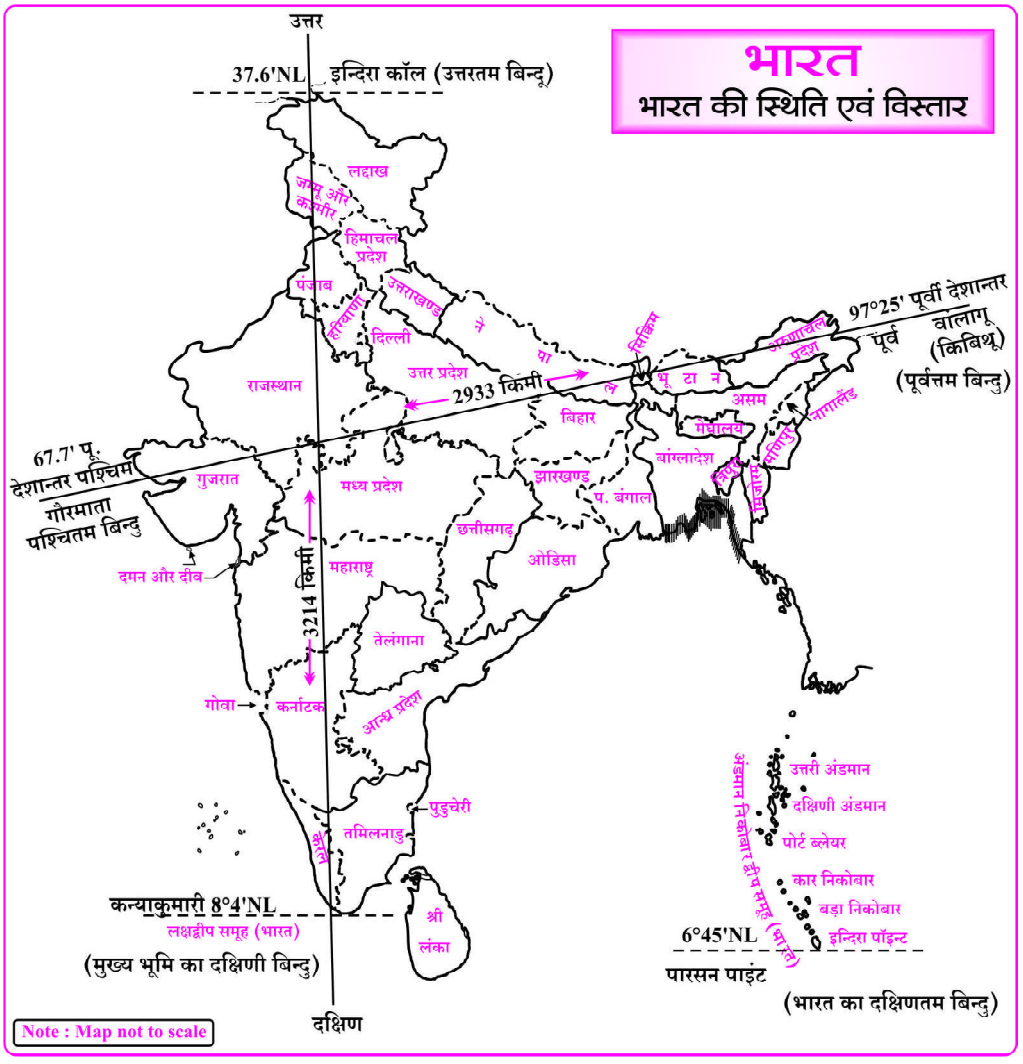

राजस्थान का भूगोल एवं संसाधन

1 राजस्थान के भौतिक प्रदेश [Physical Regions of Rajasthan]

- राजस्थान भौगौलिक, ऐतिहासिक, आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक दृष्टि से विभिन्नता वाला राज्य है।
- स्वतंत्रता के बाद 1956 तक राजस्थान का गठन पूरा हुआ। वर्तमान में प्रशासनिक दृष्टि से यह **10 संभागों, 50 जिलों** में बंटा हुआ है। इसके संभाग जयपुर, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, भरतपुर, सीकर, पाली एवं बांसवाड़ा है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार प्रदेश में **6,85,48,437** व्यक्ति निवास करते हैं। औसत जनसंख्या घनत्व **200 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर** है।
- यह भारत के उत्तर-पश्चिम में पतंगाकार विषमकोणीय चतुर्भुज रूप में **23°3' उत्तरी अक्षांश** से **30°12' उत्तरी अक्षांश** तथा **69°30' पूर्वी देशांतर से 78°17' पूर्वी देशान्तर** के मध्य स्थित है।
- अक्षांशीय दृष्टि से राजस्थान उत्तरी गोलार्द्ध एवं देशांतरीय दृष्टि से पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित है।
- कर्क रेखा (23°30' उत्तरी अक्षांश) इसके दक्षिण से गुजरती है। इसकी पूर्व से पश्चिम तक अधिकतम लम्बाई **869 किलोमीटर** तथा उत्तर से दक्षिण तक अधिकतम चौड़ाई **826 किलोमीटर** है।
- **राजस्थान का विस्तार**—
  - **उत्तरी छोर**—कोणा गाँव, श्री गंगानगर (30°12' उत्तरी अक्षांश)
  - **दक्षिणी छोर**—बोरकुण्ड गाँव, बाँसवाड़ा (23°03' उत्तरी अक्षांश)
  - **पश्चिमी छोर**—कटरा गाँव, जैसलमेर (69°30' पूर्वी देशान्तर)
  - **पूर्वी छोर**—सिलॉन गाँव, धौलपुर (78°17' पूर्वी देशान्तर)
- राजस्थान का कुल क्षेत्र **3,42,239 वर्ग किलोमीटर (132140 वर्ग मील)** है, जो कि हमारे देश भारत का **10.43 प्रतिशत** है। क्षेत्रफल की दृष्टि से इसका भारत में प्रथम स्थान है।
- राजस्थान का क्षेत्रफल की दृष्टि से जर्मनी के बराबर, जापान से थोड़ा बड़ा, ग्रेट ब्रिटेन से डेढ़ गुना, श्रीलंका से 5 गुना व इजराइल से 17 गुना से भी अधिक बड़ा हैं।
- राज्य की पश्चिमी सीमा का **1070 किलोमीटर** भाग पाकिस्तान से अंर्तराष्ट्रीय सीमा (रेडक्लिफ लाइन) बनाता है। राज्य की अंतर्राज्यीय सीमा 5 राज्यों से लगती है। राज्य के पूर्व में उत्तर- प्रदेश व मध्य प्रदेश, उत्तर में पंजाब व हरियाणा तथा दक्षिण में गुजरात व मध्य-प्रदेश के जिले स्थित हैं।
- राजस्थान की अंतर्राज्यीय सीमा की लंबाई 4850 किमी. है। सीमा की लंबाई के अनुसार राज्यों का अवरोही क्रम इस प्रकार हैं—
  मध्यप्रदेश (1600 किमी.), हरियाण (1262 किमी.), गुजरात (1022 किमी.), उत्तर प्रदेश (877 किमी.) एवं पंजाब (89 किमी.)।
  नोट:—राज्य की कुल स्थलीय सीमा की लंबाई 5920 किमी. (अंतर्राष्ट्रीय सीमा - 1070 + अंतर्राज्यीय सीमा 4850 किमी.) है।

पड़ोसी राज्यों के राजस्थान के साथ लगने वाले जिले

राज्य	राजस्थान से लगने वाले जिलों की संख्या	जिलों के नाम
पंजाब	2 जिले	फाजिल्का, मुक्तसर
हरियाणा	7 जिले	हिसार, भिवानी, महेन्द्रगढ़, सिरसा, फतेहाबाद, रेवाड़ी, मेवात
उत्तर प्रदेश	2 जिले	आगरा, मथुरा
मध्य प्रदेश	10 जिले	मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, आगर मालवा, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ
गुजरात	6 जिले	कच्छ, बनासकांठा, साबरकांठा, अरावली, माहीसागर, दाहोद

राजस्थान के पड़ोसी राज्यों के साथ लगने वाले जिले

क्र. स.	पड़ोसी राज्य	जिलों की संख्या	राजस्थान के जिलों के नाम जो पड़ोसी राज्यों से लगते हैं
1.	पंजाब	2 जिले	श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़
2.	हरियाणा	8 जिले	हनुमानगढ़, चूरू, झुँझुनूँ, नीम का थाना, कोटपूतली-बहरोड़, तिजारा-खैरथल, डीग, अलवर
3.	उत्तर प्रदेश	3 जिले	भरतपुर, धौलपुर, डीग
4.	मध्य प्रदेश	10 जिले	धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, कोटा, बाराँ, चितौड़, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, झालावाड़
5.	गुजरात	6 जिले	बाड़मेर, सांचौर, सिरोही, उदयपुर, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर

- राजस्थान में क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से सर्वाधिक बड़े जिले (33 जिलों के अुनसार)—

क्र.सं.	सर्वाधिक बड़े जिले	क्षेत्रफल
1.	जैसलमेर	38,401 वर्ग किलोमीटर
2.	बाड़मेर	28,387 वर्ग किलोमीटर
3.	बीकानेर	27,244 वर्ग किलोमीटर
4.	जोधपुर	22,850 वर्ग किलोमीटर

चरण में **1959 ई.** में बनाया गया **परियोजना का सबसे बड़ा बाँध** है।

(ii) राणा प्रताप सागर (चित्तौड़गढ़, राजस्थान)—चम्बल नदी पर **राजस्थान में बनाया गया सबसे बड़ा बाँध**।

(iii) जवाहर सागर बाँध (कोटा, राजस्थान)—**1972** में निर्मित।

(iv) कोटा बैराज (कोटा, राजस्थान)—**1960** में निर्मित।

- इस परियोजना के तहत **4.5 लाख हेक्टेयर भूमि** पर सिंचाई की जाती है।
- चम्बल परियोजना से राजस्थान में सिंचाई **कोटा, बूँदी एवं बाराँ** जिलों में होती है।
- चम्बल परियोजना के तहत सिंचाई करने हेतु कोटा बैराज से दो प्रमुख नहरें निकाली गयी।

(A) बायीं मुख्य नहर (LMC)—इसकी लम्बाई 259 कि.मी. है, इस नहर से लाडपुरा (कोटा), केशवरायपाटन, बूँदी एवं इन्द्रगढ़ (बूँदी) तहसीलों में सिंचाई की सुविधा प्राप्त है।

(B) दायीं मुख्य नहर (RMC)—124 कि.मी. लम्बी इस नहर से दीगोद, पीपलदा, लाडपुरा (कोटा), अन्ता, माँगरोल (बाराँ) तहसीलों में सिंचाई की जाती है। इस नहर से सिंचाई हेतु कुल 8 लिफ्ट नहरे बनायी गई है - कोटा में जालीपुरा व दीगोद तथा बारां में अंता, अंता माईनर, पंचेल, गणेशगंज, सोरखण्ड एवं कचारी। इस नहर से मध्यप्रदेश में भी सिंचाई की जाती है।

माही बजाज सागर परियोजना

- माही परियोजना के निर्माण हेतु राजस्थान एवं गुजरात राज्यों के मध्य समझौता वर्ष 1966 में हुआ। परियोजना का कार्य 1972 ई. में प्रारम्भ हुआ।
- यह परियोजना माही नदी पर **गुजरात (55%)** एवं **राजस्थान (45%)** की भागीदारी से बनाई गई है।
- माही परियोजना से राजस्थान के **बाँसवाड़ा** एवं **डूँगरपुर** जिलों में सिंचाई होती है।
- **बाँध** :
  - (i) **माही बजाज सागर** (बोरखेड़ा गाँव, **बाँसवाड़ा**), 1983 में निर्मित।
  - (ii) **कागदी पिक-अप बाँध** (कागदी गाँव, **बाँसवाड़ा**), घाटोल एवं गानोड़ा विद्युत गृह।
  - (iii) **कडाणा बाँध** (**पंचमहल**, गुजरात)
- इस परियोजना की समस्त विद्युत **राजस्थान** को मिलती है।
- इस परियोजना से राजस्थान के डूँगरपुर जिले की आसपुर, सागवाड़ा एवं सीमलवाड़ा तहसील व बाँसवाड़ा जिलों के जनजाति क्षेत्रों में सिंचाई उपलब्ध हुई है।
- माही परियोजना का नामकरण प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं राष्ट्रीय नेता श्री जमनालाल बजाज के नाम पर माही बजाज सागर परियोजना किया गया।

वृहद सिंचाई परियोजनाएँ

इंदिरा गाँधी नहर परियोजना

- पश्चिमी राजस्थान की सदियों से प्यासी मरुभूमि की प्यास बुझाने वाली **राजस्थान की जीवनरेखा** इंदिरा गाँधी नहर **'मरु गंगा'** के नाम से जानी जाती है। I.G.N.P. में राजस्थान के अलावा कोई राज्य भागीदार नहीं हैं।
- सर्वप्रथम **1948** में बीकानेर के महाराजा गंगासिंह की प्रेरणा से **बीकानेर** राज्य के तत्कालीन मुख्य सिंचाई इंजिनियर **श्री कँवरसेन** ने इस नहर की रूपरेखा प्रस्तुत की, इसीलिये कँवरसेन को **'इंदिरा गाँधी नहर का जनक'** माना जाता है।
- प्रारम्भ में इस नहर का नाम **'राजस्थान नहर'** था, लेकिन इंदिरा गाँधी की मृत्यु के पश्चात् **3 नवम्बर, 1984** को इसका नाम **'इंदिरा गाँधी नहर परियोजना'** (I.G.N.P.) कर दिया गया।
- इंदिरा गाँधी नहर का **स्रोत** पंजाब राज्य के फिरोजपुर जिले में **सतलज** एवं **व्यास नदियों के संगम पर** 'हरिके' के निकट बनाया गया है। यहाँ से **'राजस्थान फीडर'** निकाली गई है, जो I.G.N.P. मुख्य नहर को जलापूर्ति करती है।
- I.G.N.P. के उद्देश्य **सिंचाई एवं पेयजल** हैं। इस नहर से राज्य के कुल **16.17 लाख हेक्टेयर** क्षेत्र में सिंचाई होती है।
- I.G.N.P. से राज्य के **अनूपगढ़, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, चूरू, बीकानेर, फलौदी,** एवं **जैसलमेर** में सिंचाई एवं पेजयल सुविधा मिलती है। इनमें सर्वाधिक कमाण्ड क्षेत्र क्रमश: **गंगानगर, हनुमानगढ़** एवं **बीकानेर** जिलों का है।
- IGNP से राज्य के बाड़मेर, बालोतरा, नागौर, जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, झुंझुनूं एवं सीकर जिलों को पेयजल की सुविधा मिलती है।
- **राजस्थान फीडर** (Rajasthan Feeder)—यह नहर **हरिके बैराज** से **मसीतावाली हैड** (हनुमानगढ़) तक **204 किमी.** लम्बी है, जिसका उद्देश्य I.G.N.P. मुख्य नहर को जलापूर्ति करना है। यह **पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान** तीन राज्यों से गुजरती है। राजस्थान राज्य में फीडर का प्रवेश **हनुमानगढ़** जिले से होता है। फीडर से सिंचाई हेतु जल का उपयोग नहीं किया जा सकता।
- **इन्दिरा गाँधी परियोजना मुख्य नहर**—यह नहर **मसीतावाली हैड** (हनुमानगढ़) से **मोहनगढ़** (जैसलमेर) तक **445 किमी. लम्बी** है, जो **हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बीकानेर एवं जैसलमेर** जिलों से गुजरती है। मुख्य नहर से **नौ शाखाएँ, एक उपशाखा** एवं **सात लिफ्ट नहरें** निकाली गई हैं, जो सिंचाई एवं पेयजल हेतु पानी उपलब्ध करवाती हैं।
- इस परियोजना की 9 शाखाएँ एवं इनके द्वारा सिंचित जिले निम्नानुसार है— (1) रावतसर शाखा (हनुमानगढ़) (2) सूरतगढ़ शाखा (गंगानगर) (3) अनूपगढ़ शाखा (अनूपगढ़) (4) पूगल शाखा (बीकानेर) (5) दातोर शाखा (बीकानेर) (6) बिरसलपुर शाखा (बीकानेर) (7) शहीद बीरबल शाखा (जैसलमेर) (8) सागरमल गोपा शाखा (जैसलमेर) (9) चारणवाला शाखा (बीकानेर, जैसलमेर)
- नहर की कुल सिंचाई का **30%** भाग लिफ्ट नहरों से तथा **70%** शाखाओं से होता है।
- I.G.N.P. मुख्य नहर का अंतिम छोर **मोहनगढ़ (जैसलमेर)** तथा I.G.N.P. का अंतिम बिन्दु **गडरारोड (बाड़मेर)** है।
- **I.G.N.P. का प्रथम चरण (1958-1986)** में राजस्थान फीडर (204 किमी.), मसीतावाली हैड से पूगल (बीकानेर) तक मुख्य नहर (189 किमी.), कँवरसेन लिफ्ट नहर एवं 3,075 किमी. लम्बी वितरिकाओं का निर्माण किया गया।
- **I.G.N.P. का द्वितीय चरण (1992-2010)**—इस चरण में पूगल से मोहनगढ़ तक मुख्य नहर (256 किमी.), 6 लिफ्ट नहरों एवं 5,606 किमी. लम्बी वितरिकाओं का निर्माण किया गया।
- इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना से 9 शाखाओं एवं 7 लिफ्ट नहरों के

सर्वाधिक एवं न्यूनतम ग्रामीण जनसंख्या प्रतिशत वाले 5 जिले				
रैंक	जिला	सर्वाधिक जनसंख्या %	जिला	न्यूनतम जनसंख्या %
1.	डूँगरपुर	93.6	कोटा	39.7
2.	बाड़मेर	93.0	जयपुर	47.6
3.	बाँसवाड़ा	92.9	अजमेर	59.9

सर्वाधिक एवं न्यूनतम शहरी जनसंख्या प्रतिशत वाले 5 जिले				
रैंक	जिला	सर्वाधिक जनसंख्या %	जिला	न्यूनतम जनसंख्या %
1.	कोटा	60.3	डूंगरपुर	6.4
2.	जयपुर	52.4	बाड़मेर	7.0
3.	अजमेर	40.1	बाँसवाड़ा	7.1

सर्वाधिक एवं न्यूनतम नगरीय जनसंख्या वृद्धि दर वाले 5 जिले				
रैंक	जिला	सर्वाधिक वृद्धि दर	जिला	न्यूनतम वृद्धि दर
1.	अलवर	50.5	डूंगरपुर	9.8
2.	दौसा	48.6	प्रतापगढ़	14.8
3.	बारां	47.8	हनुमानगढ़	15.5

सर्वाधिक एवं न्यूनतम ग्रामीण जनसंख्या वृद्धि दर वाले 5 जिले				
रैंक	जिला	सर्वाधिक वृद्धि दर	जिला	न्यूनतम वृद्धि दर
1.	जैसलमेर	34.5	कोटा	6.1
2.	बाड़मेर	33.1	श्रीगंगानगर	7.3
3.	बाँसवाड़ा	27.2	झुँझुनूँ	8.5

सर्वाधिक एवं न्यूनतम SC जनसंख्या वाले 5 जिले				
रैंक	जिला	सर्वाधिक जनसंख्या	जिला	न्यूनतम जनसंख्या
1.	जयपुर	1003302	डूँगरपुर	52667
2.	श्रीगंगानगर	720412	प्रतापगढ़	60429
3.	नागौर	699911	बाँसवाड़ा	80091
4.	अलवर	653036	जैसलमेर	99134
5.	बाड़मेर	636414	राजसमन्द	148168

सर्वाधिक एवं न्यूनतम ST जनसंख्या वाले 5 जिले				
रैंक	जिला	सर्वाधिक जनसंख्या	जिला	न्यूनतम जनसंख्या
1.	उदयपुर	1525289	बीकानेर	7779
2.	बाँसवाड़ा	1372999	नागौर	10418
3.	डूँगरपुर	983437	चूरू	11245
4.	प्रतापगढ़	550427	श्रीगंगानगर	13477
5.	जयपुर	527966	हनुमानगढ़	14289

सर्वाधिक एवं न्यूनतम SC जनसंख्या प्रतिशत वाले 5 जिले				
रैंक	जिला	सर्वाधिक जनसंख्या %	जिला	न्यूनतम जनसंख्या %
1.	श्रीगंगानगर	36.58	डूँगरपुर	3.36
2.	हनुमानगढ़	27.85	बाँसवाड़ा	4.46
3.	करौली	22.28	उदयपुर	6.14
4.	चूरू	22.15	प्रतापगढ़	6.96
5.	भरतपुर	21.87	राजसमन्द	12.81

सर्वाधिक एवं न्यूनतम ST जनसंख्या प्रतिशत वाले 5 जिले				
रैंक	जिला	सर्वाधिक जनसंख्या %	जिला	न्यूनतम जनसंख्या %
1.	बाँसवाड़ा	76.38	बीकानेर	0.33
2.	डूँगरपुर	70.82	नागौर	0.31
3.	प्रतापगढ़	63.42	चूरू	0.55
4.	उदयपुर	49.71	श्रीगंगानगर	0.68
5.	सिरोही	28.22	हनुमानगढ़	0.81

महत्त्वपूर्ण तथ्य

- भारतीय संविधान में जनगणना **संघ सूची** का एक विषय है।
- आधुनिक प्रणाली के अनुसार भारत में सर्वप्रथम जनगणना लॉर्ड मेयो के शासनकाल में **1872** ई. में हुई, किन्तु प्रथम व्यवस्थित/नियमित जनगणना **लार्ड रिपन** के समय **1881** ई. से शुरू हुई थी।
- राजस्थान में 500 से अधिक जनसंख्या घनत्व वाले जिले हैं—**जयपुर** एवं **भरतपुर**।
- 30% से अधिक दशकीय वृद्धि दर वाले जिले हैं—**बाड़मेर, जैसलमेर**।
- 40% से कम महिला साक्षरता वाले जिले—**जालौर, जैसलमेर, सिरोही**।
- **राजस्थान की जनसंख्या नीति 'वी.एस.व्यास समिति'** की रिपोर्ट के आधार पर **20 जनवरी 2000** को जारी की गई थी।
- **11 जुलाई** को **विश्व जनसंख्या दिवस** मनाया जाता है।
- राजस्थान की पुरुष व महिला साक्षरता में **27.10%** का अंतर है, जो देश में सर्वाधिक है। वर्ष **1951** में राजस्थान मे कुल साक्षरता **8.50%** थी। इस दौरान पुरुष साक्षरता 13.88% एवं महिला साक्षरता मात्र 2.66% थी। साक्षरता दर मापन में जनसंख्या आयु वर्ग 7 वर्ष एवं अधिक को **1981 की जनगणना** से शामिल किया गया है। इससे पूर्व साक्षरता दर हेतु आयु 5 वर्ष या अधिक थी।
- 2001 से 2011 के बीच साक्षरता दर में सर्वाधिक वृद्धि डूँगरपुर (10.9%) एवं बाँसवाड़ा (10.8%) जिलों में हुई है।
- 2001 से 2011 के बीच राज्य के दो जिलों मे साक्षरता दर मे गिरावट आई है—(1) बाड़मेर (–2.5% की गिरावट), (2) चूरू (–0.8% की गिरावट)
- 'उदयपुर' राजस्थान का एकमात्र जिला है, जहाँ पिछले दशक (2001-11) में साक्षरता दर में कोई परिवर्तन नहीं हुआ हैं।
- 2001-2011 के दशक में बाड़मेर व चूरू दो जिलों को छोड़कर सभी जिलों में महिला साक्षरता दर बढ़ी है। जनसंख्या घनत्व के दृष्टिकोण से राजस्थान का देश में 19वाँ स्थान है। 2001-2011 के दशक में जनसंख्या घनत्व में सर्वाधिक वृद्धि **जयपुर** जिले में (124 अंको की) हुई है, जबकि न्यूनतम वृद्धि **जैसलमेर** जिले में केवल 4 अंकों की हुई।

राजस्थान का इतिहास

1 प्राचीन सभ्यताएँ एवं जनपद [Ancient Civilizations and Janpadas]

राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँ

कालीबंगा सभ्यता

- प्राचीन **दृषद्वती** और **सरस्वती नदी** घाटी (वर्तमान में घग्घर नदी का क्षेत्र) क्षेत्र में हड़प्पा सभ्यता से भी प्राचीन कालीबंगा की सभ्यता विकसित हुई।
- राजस्थान के **हनुमानगढ़** जिले में स्थित यह सभ्यता आज से 6 हजार वर्ष से भी अधिक प्राचीन मानी जाती है। इस स्थल का कालीबंगा नाम यहाँ से खुदाई के दौरान प्राप्त काली चूड़ियों के कारण पड़ा है, क्योंकि पंजाबी भाषा में बंगा का अर्थ होता है चूड़ी।
- सर्वप्रथम **1952 ई. में अमलानन्द घोष ने इसकी खोज की** और तत्पश्चात् **1964-62 ई. में बी.बी. लाल, बी.के. थापर द्वारा यहाँ उत्खनन कार्य करवाया गया।**
- उत्खनन में इस सभ्यता के **पाँच स्तर** सामने आये हैं, प्रथम दो स्तर तो हड़प्पा सभ्यता से भी प्राचीन है, वहीं तीसरे, चौथे व पाँचवे स्तर की सामग्री हड़प्पा सभ्यता की सामग्री के समान और समकालीन है।
- इस आधार पर कालीबंगा की सम्यता को दो भागों में बांटा गया है—(1) प्राक हड़प्पा सभ्यता (2) हड़प्पा सभ्यता।
- कालीबंगा सुव्यवस्थित रूप से बसा हुआ नगर था। मकान बनाने में **मिट्टी की ईंटों** को धूप में पकाकर प्रयुक्त किया जाता था।
- उत्खनन से प्राप्त **मिट्टी के बर्तन** एवं उनके अवशेष पतले और हल्के हैं। बर्तनों का रंग लाल है, जिन पर काली एवं सफेद रंग की रेखाएँ खींची गई हैं।
- यहाँ से जुते हुए खेत के साक्ष्य मिलते हैं, ऐसा अनुमान है कि लोग एक ही खेत में **दो फसलें उगाते** थे।
- कालीबंगा से मिले कब्रिस्तान से यहाँ के निवासियों की शवाधान पद्धतियों की जानकारी मिलती है, साथ ही एक **बच्चे के कंकाल की खोपड़ी** में छः छिद्र मिले हैं, जिसे मस्तिष्क शोध बीमारी के इलाज का प्रमाण माना जाता है।
- यहाँ से प्राप्त खिलौना बैलगाड़ी, हवनकुण्ड, लकड़ी की नाली व बेलनाकार मुहर का हड़प्पा सभ्यता में अपना विशिष्ट स्थान है।

आहड़ सभ्यता

- **उदयपुर** शहर के पास बहने वाली **आहड़ नदी** (आयड़ नदी) के तट पर बसे आहड़ के उत्खनन के फलस्वरूप चार हजार वर्ष पुरानी पाषाण धातु युगीन सम्यता के अवशेष सामने आए। यह सभ्यता एक टीले के नीचे दबी हुई प्राप्त हुई थी जिसे **धूलकोट** (धूल यानि मिट्टी का टीला) कहते हैं।
- सर्वप्रथम 1953 में यहाँ **अक्षयकीर्ति व्यास** एवं उसके बाद **रतन चन्द्र अग्रवाल** एवं **एच.डी. साँकलियां** के निर्देशन में उत्खनन कार्य करवाया गया। इस सभ्यता के लोग मकान बनाने में धूप में सुखाई गई ईंटों एवं पत्थरों का प्रयोग करते थे। आहड़ के लोग अपने **मृतकों को गहनों व आभूषणों के साथ दफनाते थे**, जो इनके मृत्यु के बाद भी जीवन की अवधारणा का समर्थक होने का प्रमाण है।
- उत्खनन में **मिट्टी के बर्तन** सर्वाधिक मिले हैं, जो आहड़ को लाल-काले मिट्टी के बर्तन वाली संस्कृति का प्रमुख केन्द्र सिद्ध करते हैं। आहड़ का दूसरा नाम **'ताम्रवती नगरी'** भी मिलता है जो यहाँ ताँबे के औजारों एवं उपकरणों के अत्यधिक प्रयोग के कारण रखा गया होगा। उत्खनन से प्राप्त ठप्पों से यहाँ रंगाई-छपाई व्यवसाय के उन्नत होने का अनुमान भी लगाया जाता है।

गिलूण्ड सभ्यता

- **राजसमन्द** जिले में स्थित **गिलूण्ड कस्बे में बनास नदी के तट पर** दो टीलों के उत्खनन के फलस्वरूप आहड़ संस्कृति से जुड़ी यह सभ्यता प्रकाश में आई, जिसे **'बनास संस्कृति'** के नाम से भी पुकारा जाता है।
- **1957-58 ई.** में **बी.बी. लाल** के निर्देशन में यहाँ उत्खनन किया गया। तत्पश्चात् 1998 से 2003 ई. के मध्य पूना के **डॉ. वी.एस. शिन्दे** एवं पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय (अमेरिका) के **प्रो. ग्रेगरी पोशल** के निर्देशन में यहाँ उत्खनन किया गया। उत्खनन से ताम्रयुगीन सम्यत्ता के अवशेष मिले हैं, जिसका समय 1900-1700 ई.पू. निर्धारित किया गया है।
- गिलूण्ड से **पाँच प्रकार के मिट्टी के बर्तन** मिले हैं—सादे, काले, पालिशदार, भूरे, लाल और काले चित्रित मृदभांड। उत्खनन में **मिट्टी के खिलौने**, **पत्थर की गोलियाँ** एवं **हाथी दाँत की चूडियों के अवशेष** मिले हैं। आहड़ में **पक्की ईंटों (आग में पकाई हुई ईंटे) का उपयोग** नहीं हुआ है, जबकि गिलूण्ड में इनका प्रचुर उपयोग होता था।

बागोर सम्यता

- भीलवाड़ा जिले में स्थित बागोर में **कोठारी नदी** तट पर **डॉ. वी.एन. मिश्र** के निर्देशन में 1967 से 1970 ई. तक उत्खनन कार्य किया गया।
- उत्खनन के दौरान यहाँ **प्रागैतिहासिक काल की सभ्यता के अवशेष** प्राप्त हुए हैं जो चार से पाँच हजार ईसा पूर्व के माने जाते हैं। यहाँ से बड़ी संख्या में लघु पाषाण उपकरण मिले हैं, जो इस सभ्यता के निवासियों के आखेटक होने को प्रमाणित करते हैं।
- बागोर से तांबे के उपकरण प्राप्त हुए हैं, जिनमें छेद वाली सुई सबसे महत्वपूर्ण है। यहाँ से **कृषि व पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य** प्राप्त हुए हैं। बागोर मध्य **पाषाण कालीन सभ्यता का स्थल और लघु पाषाण उपकरण** का प्रमुख केन्द्र था।

(A) हरिभाऊ उपाध्याय (B) गोकुलभाई भट्ट
(C) हीरालाल शास्त्री (D) टीकाराम पालीवाल **[C]**

4. राज्य 'राजस्थान' अपने परिपूर्ण रूप में इस तिथि को सामने आया— [REET-11-02-2018]
(A) नवम्बर 01, 1956 (B) मई 15, 1949
(C) मार्च 25, 1948 (D) जनवरी 26, 1950 **[A]**

5. राजस्थान का एकीकरण कितने चरणों में पूरा हुआ?
(A) आठ (B) पाँच (C) छह (D) सात **[D]**

6. राजस्थान दिवस मनाया जाता है—
(A) 15 मई (B) 18 अप्रैल
(C) 1 नवम्बर (D) 30 मार्च **[D]**

7. अजमेर-मेरवाड़ा के विलय के साथ राजस्थान राज्य के एकीकरण की प्रक्रिया किस वर्ष पूर्ण हुई?
(A) 1956 (B) 1955 (C) 1954 (D) 1953 **[A]**

8. निम्न शहरों को राजस्थान के एकीकरण के समय स्थापित सरकारी कार्यालयों के साथ सुमेलित कीजिए—

(a)	भरतपुर	I.	हाईकोर्ट
(b)	जोधपुर	II.	शिक्षा विभाग
(c)	बीकानेर	III.	खनिज विभाग
(d)	उदयपुर	IV.	कृषि विभाग

कूट:	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	IV	II	III	I
(B)	II	I	IV	III
(C)	I	IV	III	II
(D)	IV	I	II	III

[D]

9. किसके प्रस्ताव पर 'मत्स्य संघ' नाम रखा गया?
(A) सरदार पटेल (B) हीरालाल शास्त्री
(C) के.एम. मुंशी (D) जमनालाल बजाज **[C]**

10. राजस्थान की रियासतों के एकीकरण के समय जोधपुर राज्य का महाराजा कौन था?
(A) उम्मेद सिंह (B) हनुवंत सिंह
(C) गज सिंह (D) विजय सिंह **[B]**

11. राजस्थान के एकीकरण के अंतिम चरण के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौनसे सत्य हैं
(1) अजमेर-मेरवाड़ा क्षेत्र को राजस्थान में सम्मिलित किया गया।
(2) सिरौंज का विलय राजस्थान में किया गया।
(3) आबू एवं देलवाड़ा को राजस्थान में सम्मिलित किया गया।
(4) मत्स्य संघ को राजस्थान में सम्मिलित किया गया।
सही उत्तर विकल्प का चयन कीजिए
(A) केवल (1) एवं (2) (B) केवल (1), (2) एवं (3)
(C) केवल (1) एवं (3) (D) उपर्युक्त सभी **[C]**

12. निम्नांकित में से राजस्थान के एकीकरण से सम्बन्धित कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है—
(A) अलवर, भरतपुर, धौलपुर व करौली-मत्स्य संघ
(B) झालावाड़, बूँदी, बाँसवाड़ा, डूँगरपर, कोटा, प्रतापगढ़, किशनगढ़, टोंक, शाहपुरा व कुशलगढ़-राजस्थान संघ
(C) राजस्थान संघ व उदयपुर-संयुक्त राजस्थान
(D) संयुक्त राजस्थान व मत्स्य संघ-वृहत् राजस्थान **[D]**

13. स्वतंत्रता प्राप्ति के समय राजस्थान कितनी देशी रियासतों में विभक्त था?
(A) 15 (B) 18 (C) 19 (D) 22 **[C]**

14. मत्स्य संघ को वृहत् राजस्थान में किस समिति की सिफारिशों पर मिलाया गया?
(A) फजल अली समिति (B) व्यास समिति
(C) शंकर राव देव समिति (D) वर्मा समिति **[C]**

15. वृहद राजस्थान का प्रमुख किसे नियुक्त किया गया?
(A) महाराजा सवाई मानसिंह (B) महाराजा भूपालसिंह
(C) महारावल चन्द्रसिंह (D) महारावल लक्ष्मणसिंह **[A]**

16. किस आयोग की सिफारिश पर माउंट आबू एवं अजमेर मेरवाड़ा का विलय राजस्थान में किया?
(A) वी.पी. मेनन आयोग (B) राजस्थान पुनर्गठन आयोग
(C) राजस्थान संयुक्त आयोग (D) वल्लभभाई पटेल आयोग **[B]**

17. राजस्थान एकीकरण के विभिन्न चरणों एवं तत्संबंधी तिथियों का निम्न में से असंगत युग्म कौन-सा है?

एकीकरण का चरण	तिथि
(A) द्वितीय चरण	25 मार्च, 1948
(B) तृतीय चरण	25 मार्च, 1949
(C) चतुर्थ चरण	30 मार्च, 1949
(D) पंचम चरण	15 मई, 1949

[B]

18. मत्स्य संघ का कौनसा राज्य जनता के बहुमत के आधार पर उत्तर प्रदेश के साथ विलीनीकरण के लिए तैयार था—
(A) भरतपुर (B) करौली
(C) धौलपुर (D) अलवर **[C]**

19. राजस्थान का गठन सात चरणों में हुआ, जिसका प्रथम समूह ...... 18 मार्च, 1948 को बना था।
(A) मत्स्य संघ (B) राजस्थान यूनियन
(C) ग्रेटर राजस्थान (D) संयुक्त राजस्थान **[A]**

20. दक्षिणी राजपूताना के छोटे राज्यों को एकीकृत करने के लिए किसने 'हाड़ौती संघ' बनाने का प्रस्ताव दिया?
(A) एन. बी. गाडगिल (B) महाराव भीमसिंह (कोटा)
(C) महाराव बहादुरसिंह (बूँदी) (D) गोकुल लाल असावा **[B]**

21. राजस्थान (जिसे पहले राजपूताना के नाम से जाना जाता था) राज्य का गठन .... को हुआ था।
(A) 7 मई, 1951 (B) 30 मार्च, 1949
(C) 26 जनवरी, 1950 (D) 18 अगस्त, 1949 **[B]**

22. राजस्थान के एकीकरण के अंतिम चरण में कौन-सा क्षेत्र सम्मिलित किया गया था?
(A) अजमेर (B) बीकानेर (C) शाहपुरा (D) टोंक **[A]**

23. 1949 में, बीकानेर, जयपुर, जैसलमेर और जोधपुर, संयुक्तराज्य राजस्थान के साथ जुड़ गए और राज्यों के एक समूह का गठन किया जिसे..... कहा जाता है।
(A) पुनः संगठित राजस्थान (B) ग्रेटर राजस्थान
(C) संयुक्त राजस्थान (D) राजस्थान संघ **[B]**

राजस्थान की कला व संस्कृति

1 राजस्थान की विरासत एवं स्थापत्य कला [Heritage & Architecture of Rajasthan]
(दुर्ग, महल एवं स्मारक Forts, Palaces and Monuments)

❖ राजस्थान की विशेष भौगोलिक स्थिति ने यहाँ के स्थापत्य को प्रभावित किया है। नगर, महल, परकोटे, किले या जलाशयों के निर्माण में उपयोगिता के साथ मजबूती का पूरा ध्यान रखा गया है।

नगर-विन्यास (स्थापत्य) एवं भवन शिल्प

❖ हनुमानगढ़ जिले में कालीबंगा और सौंथी में खुदाई से ऐसे अनेक प्रमाण मिले हैं, जिनसे ज्ञात होता है कि ऋग्वैदिक काल से कई सदियों पूर्व सरस्वती एवं दृषद्वती नदियों के किनारों पर बसे इन नगरों की नगर योजना एवं भवन निर्माण उच्च स्तरीय था। ईंटों से बने भवन, सड़कें, नालियां, गोल कुएं, वेदियां आदि इस बात को प्रमाणित करती हैं।

❖ दक्षिणी-पश्चिमी राजस्थान में आहड़, गिलूण्ड आदि संस्कृति के केन्द्र रहे। मकानों में खिड़कियां, दरवाजे, बरामदे, खुले चौक आवास को पूर्णता प्रदान करते थे, जो यहाँ की समृद्ध अवस्था पर प्रकाश डालते हैं। अनाज पीसने के पत्थर, तांबे की चद्दरें आदि आहड़ की कृषि त्था व्यवसाय प्रधान बस्ती की ओर संकेत करते हैं।

❖ पौराणिक सभ्यता के युग में राजस्थान के कई सांस्कृतिक केन्द्रों का ज्ञान होता है जिनमें पुष्कर, मरुधन्व, जांगल, मत्स्य, साल्व, मरुकांतार आदि प्रमुख हैं।

❖ महाभारत काल में विराट नगर (बैराठ), पुष्कर आदि नगरों का वर्णन आता है, जो स्थापत्य एवं रक्षा की दृष्टि से नगर योजना की समृद्ध कहानी कहते हैं।

❖ मौर्य-काल से लेकर उत्तर गुप्तकाल में भारतीय स्थापत्य की भांति राजस्थान में भी स्थापत्य के एक विशेष रूप का विकास हुआ। इस काल की कला केवल राजकीय प्रश्रय में ही नहीं पलती थी, वरन् आमजन के मध्य भी प्रचलित थी।

❖ विराट नगर अशोक कालीन सभ्यता का एक अच्छा उदाहरण है। यहाँ के भग्नावशेषों में स्तम्भ लेख और बौद्ध विहार के खण्डहर प्रमुख हैं।

❖ मौर्य काल में बेड़च नदी के किनारे **मध्यमिका** (चित्तौड़ के पास जिसे आजकल नगरी कहते हैं) की भव्य नगर योजना इस बात की साक्षी है कि **तीसरी सदी ईसा पूर्व से छठी सदी तक यह भव्य नगर रहा**।

❖ गुप्त और गुप्तोत्तर काल में मेनाल, अमझेरा, डबोक तथा भरतपुर के आस-पास का क्षेत्र नगरीय वैभव के साक्षी हैं। बावड़ियां, कुण्ड, मंदिर, सड़कें, नालियां तथा रिहायशी मकानों का संतुलित निर्माण इन खण्डहरों तथा उपलब्ध पुरातात्विक सामग्री में आसानी से दिखाई पड़ता है।

❖ सातवीं से तेरहवीं शती तक का काल राजस्थान में स्थापत्य की दृष्टि से बहुत ही महत्त्वपूर्ण रहा है। राजपूत संस्कृति के उदय के कारण वीरता एवं रक्षा के प्रतीक किले एवं धार्मिक प्रवृति के प्रतीक मंदिर बनाये गये।

❖ राजपूत काल में जहाँ-जहाँ राजधानियां बनीं वहाँ का नगर नियोजन विशिष्ट रहा। नगर की रक्षा एवं सुविधा की दृष्टि से जो स्थान चुना जाता था वह महत्त्वपूर्ण स्थल होता था।

❖ इसी दृष्टि से भीनमाल, चित्तौड़, मण्डोर, ओसियां, रणथम्भौर, झालरापाटन, राजौरगढ़, आमेर जैसे स्थानों को राजधानी नगर बनाने हेतु चुना गया। आगे चलकर देशी राजाओं ने अपनी-अपनी राजधानियों के लिए जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, उदयपुर, बूंदी, कोटा, जयपुर जैसे नगरों की स्थापना की और उन्हें परिपूर्ण नगर के रूप में विकसित किया।

❖ महान शिल्पकार **विद्याधर** ने **जयपुर शहर को नौ वर्गों के सिद्धांत पर बसाया** था। सुव्यवस्थित रूप से बसे जयपुर के निर्माण में चौड़ी और सीधी सड़कों एवं रास्तों की व्यवस्था सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण रही।

❖ जयपुर शहर के दोनों सिरों पर दो चौपड़ अर्थात् छोटी और बड़ी चौपड़ हैं, जिनमें बीच में फव्वारें तथा चौड़ी सड़क के दोनों ओर बाजार हैं। शहर से निकास के लिए सूरजपोल, चांदपोल, घाटगेट, सांगानेरी गेट, अजमेरी गेट, जोरावरसिंह गेट आदि महत्त्वपूर्ण दरवाजे हैं।

❖ सवाई जयसिंह की कल्पना को साकार करने के लिए जयपुर शहर की नींव नवम्बर 1726 ई. में राजगुरु **पंडित जगन्नाथ सम्राट** द्वारा रखी गयी थी। आगे चलकर तो पूरे राजस्थान के नगर नियोजन को जयपुर के स्थापत्य ने प्रभावित किया।

❖ 12वीं सदी में जैसलमेर का निर्माण, जंगल की निकटता और पानी की सुविधा को ध्यान में रखकर किया गया था। समूची योजना जन-जीवन और व्यापार की समृद्धि के हित में थी। चौहानों के समय अजमेर की गिनती समृद्ध नगरों में की जाती थी।

❖ बूंदी के स्थापत्य में तथा उसके बसाने में जल की प्रचुरता का बड़ा हाथ रहा है। जोधपुर और बीकानेर की बसावट में गढ़ निर्माण, परकोटे-भवन निर्माण आदि भौगोलिक परिस्थितियों से संबंधित हैं।

❖ बीकानेर में समतल भूमि में पेशे के अनुसार नगर के भाग बनाये गये तथा हाटों और बाजारों को व्यापारिक सुविधा के अनुकूल बनवाया गया।

❖ नगरों के स्थापत्य से गाँवों का स्थापत्य भिन्न रहा है। पहाड़ी इलाके के गाँव पहाड़ी ढलान और कुछ ऊँचाई लिए हुए हैं, जैसे - केलवाड़ा, सराड़ा आदि।

दुर्ग-शिल्प

❖ राजस्थान का शायद ही कोई जनपद या अंचल ऐसा हो जहाँ कोई छोटा-बड़ा दुर्ग या गढ़-गढ़ी न हो। दुर्ग-निर्माण की परम्परा यहाँ बहुत प्राचीन काल से ही चली आ रही है।

❖ शुक्रनीति के अनुसार राज्य के सात अंग माने गये हैं, जिनमें दुर्ग भी एक है। सम्पूर्ण देश में राजस्थान वह प्रदेश है, जहाँ पर महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के बाद सर्वाधिक गढ़ और दुर्ग बने हुए हैं। यहाँ राजाओं व सामन्तों ने अपने निवास, सुरक्षा, सामग्री संग्रहण, आक्रमण के समय

घराने का नाम	प्रवर्तक	विशेष विवरण
मेवाती घराना	घग्घे नजीर खाँ	✧ नजीर खाँ जोधपुर महाराजा जसवंतसिंह के दरबारी गायक थे। मोतीराम ज्योतिराम ने इस गायकी में ख्याति अर्जित की। **प्रसिद्ध गायक**—पं. मणीराम, प. प्रताप, **प. जसराज**, पूरणचंद।
अल्लादिया खाँ घराना	अल्लादिया खाँ	✧ **प्रसिद्ध गायिका**—किशोरी अमोणकर।
अतरौली घराना	साहब खाँ	✧ ध्रुपद की खण्डारवाणी शैली से सम्बन्धित घराना।
बीनकार घराना (जयपुर)	रज्जब अली	✧ श्री रज्जब अली जयपुर महाराजा सवाई रामसिंह के दरबारी थे।
डागर घराना	बहराम खाँ डागर	✧ सवाई रामसिंह का दरबारी जिसको ध्रुपद की डागुरवाणी शैली को विकसित करने का श्रेय है।
सितार का सेनिया घराना (जयपुर)	सूरत सेन	✧ सितारियों के घराना के नाम से प्रसिद्ध इस घराने के गायक गौहरवाणी व खण्डारवाणी में सिद्धहस्त थे। प्रसिद्ध वादक—**अमृत सेन।**
कथक का जयपुर घराना	**भानूजी**	✧ **कथक का सबसे प्राचीन घराना।** कथक नृत्य की **हिन्दू शैली** का प्रतिनिधित्व करने वाला एकमात्र घराना। थाट, आमद, गणेश वंदना, उठान या चौक भरना, क्लिष्टता एवं पौराणिक कथाओं का प्रदर्शन इत्यादि जयपुर कथक घराने की मुख्य विशेषताएँ हैं। जयपुर कथक घराने में **'भ्रमरी'** का विशेष महत्त्व है।

प्रमुख संगीत ग्रंथ व उनके रचनाकार

- ❖ **शृंगारहार**—हम्मीर (रणथम्भौर)
- ❖ **संगीत रागकल्पद्रुम**—कृष्णानंद व्यास
- ❖ **रागमाला, राग मंजरी**—पुण्डरीक विट्ठल
- ❖ **रसिक प्रिया, सूडप्रबंध**—महाराणा कुम्भा
- ❖ **राग रत्नाकर**—राधाकृष्ण
- ❖ **अनूप संगीत विलास, अनूप रागसागर, अनूप संगीत रत्नाकर, अनूपांकुश, अनूपरागमाला**—पण्डित भावभट्ट
- ❖ **संगीतराज, संगीत मीमांसा, संगीत विनोद, संगीतानुराग**—महाराजा अनूपसिंह (बीकानेर)
- ❖ **स्वर सागर**—उस्ताद चाँद खाँ (प्रतापसिंह)
- ❖ **संगीत रत्नाकर**—शारंगदेव
- ❖ **राग चन्द्रिका**—भट्ट द्वारकादास
- ❖ **मान कुतुहल**—मानसिंह तोमर
- ❖ **संगीत दर्पण**—पण्डित दामोदर मिश्र
- ❖ **राग दर्पण**—फकीर उल्ला

राजस्थान के प्रमुख संगीतज्ञ

- ❖ **करणाराम भील**—जैसलमेर का प्रसिद्ध नड़ वादक करणाराम अपनी छः फुट आठ इंच लम्बी मूँछों के लिए विख्यात था।
- ❖ **गवरी देवी**—पाली की प्रसिद्ध 'मांड मल्लिका' लोक गायिका गवरी देवी माँड, रतनराणो, मेंहदी, कव्वाली आदि लोक शैलियों की प्रसिद्ध गायिका तथा 1991 के राज्य स्तरीय संगीत नृत्य में प्रथम रहीं।
- ❖ **मांगी बाई**—मेवाड़ की मांगी बाई ने 'लोक सुरों की शहनाई' से अपनी मांड को नई पहचान प्रदान की।
- ❖ **अल्लाह जिलाई बाई**—राजस्थान की विख्यात मांड गायिका अल्लाह जिलाई बाई 1982 में 'पद्मश्री' अलंकरण से सम्मानित की गईं। इनका गाया प्रसिद्ध गीत **'केसरिया बालम आवो नी पधारो म्हारे देश'** राजस्थान के पर्यटन का लोगो (Logo) बना। इन्हें मरणोपरान्त राजस्थान रत्न पुरस्कार (पहला) 2012 से नवाजा गया।
- ❖ **बन्नो बेगम**—जयपुर की प्रसिद्ध माँड गायिका बन्नो बेगम ने दरबारी परम्परा की माँड गायन शैली को देश-विदेश में पहचान दिलाई।
- ❖ **जगजीत सिंह**—श्रीगंगानगर के प्रसिद्ध गजल गायक जगजीत सिंह को 2003 में 'पद्मभूषण' से सम्मानित किया गया। इन्हें मरणोपरान्त **राजस्थान रत्न पुरस्कार** (पहला) 2012 से नवाजा गया।
- ❖ **रमाबाई**—महाराणा कुंभा की पुत्री रमाबाई प्रसिद्ध संगीतज्ञ थी जिसके लिए **'वागीश्वरी'** उपनाम का प्रयोग हुआ है।

प्रमुख आधुनिक संगीतज्ञ

- ❖ **तबला वादक**—अल्ला रक्खा खाँ, ब्रह्मदत्त, उस्ताद जाकिर हुसैन, किशन महाराज, बाबा अलाउद्दीन, गुलफाम खाँ, सामता प्रसाद मिश्र, देवीलाल, हनुमान सिंह राठौड़, भवानी शंकर, पं. चतुरलाल, पं. चिरंजीलाल, मोहनलाल जोशी, आशिक हुसैन, मदन गंगाणी।
- ❖ **बाँसुरी वादक**—जमुना प्रसाद वर्मन, सूरज नारायण पुरोहित, बाबूलाल शर्मा, भास्कर गोस्वामी, जगदीश प्रसाद वर्मन।
- ❖ **सितार वादक**—कृष्ण मोहन भट्ट, चन्द्रमोहन भट्ट, विश्वमोहन भट्ट, हरिकिशन शर्मा, तानसेन, घासी महाराज, रहीम सेन, नजीर खाँ (भारत के पं. रविशंकर, कु. अनुष्का, उस्ताद विलायत खाँ)।
- ❖ **सारंगी वादक**—पद्मभूषण रामनारायण, रज्जब अली खाँ, उस्ताद सुल्तान खाँ, नवी बख्श, शरबत खाँ, कालका प्रसाद, नानूराम।
- ❖ **संतूर वादक**—पं. शिवकुमार शर्मा।
- ❖ **सरोद वादक**—उस्ताद अमजद अली खाँ, शरण रानी, उस्ताद अली अकबर खाँ, जरीत्रा दारूवाला शर्मा।
- ❖ **वायलिन वादक**—श्रीमती एन. राजन, प्रवीण मेहता, ब्रजभूषण भट्ट, रवि मोहन भट्ट, सत्यदेव पँवार, रवि पंवार, चतुरलाल।
- ❖ **शास्त्रीय संगीत गायक**—कुमार गन्धर्व, गोकी बाई (पटियाला बराना), पं. भीमसेन जोशी, गंगू बाई (किराना घराना), पं. जसराज (मेवात घराना)।
- ❖ **सुरबहार वादक**—अन्नपूर्णा देवी।
- ❖ **गिटार वादक**—सतीश खान बलकर, कृष्ण कुमार डांगी, बसंत काबरा, सलिल भट्ट।
- ❖ **वीणा वादक**—छोटूलाल वर्मा, मोहनलाल शर्मा, राजा सम्मोखन सिंह, बंदे अली खाँ, मिश्रसिंह, सादिक अली खाँ, जमालुद्दीन खाँ।
- ❖ **मृदंग वादक**—रतनलाल वर्मा, मथुरालाल, मूलचन्द कुमावत, गोपाल शर्मा, नूतन प्रकाश पारीक।
- ❖ **शहनाई वादक**—भारत रतन उत्साद बिस्मिल्लाह खाँ।
- ❖ **पखावज वादक**—पं. जगन्नाथ प्रसाद, पं. पुरुषोत्तमदास, रूपराम, अम्बालाल, लक्ष्मीनारायण पंवार, मोहनलाल, रामचन्द्र पखावजी।

शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-I

1 सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन की संकल्पना एवं प्रकृति [Concept and Nature of Social Science/Social Study]

सामाजिक अध्ययन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- सामाजिक अध्ययन सामाजिक विज्ञान, मानविकी और इतिहास का समाकलित अध्ययन है। इसमें मानव संबंधों की चर्चा होती है। अतः इसमें सामाजिक विज्ञान के विविध सरोकारों को समाविष्ट किया जाता है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि यह सामाजिक व भौतिक वातावरण के साथ मानव के संबंधों की चर्चा करता है।
- सामाजिक अध्ययन विषय का शुभारंभ 1892 ई. में संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) में हुआ। इस विषय के आरम्भ के लिए विश्व संयुक्त राज्य अमेरिका का ऋणी है।
- प्रारम्भ में **'सामाजिक अध्ययन'** विषयों के उस समूह के लिए नाम दिया, जिसमें **इतिहास**, **अर्थशास्त्र** तथा **राजनीति शास्त्र** सम्मिलित थे। **'सामाजिक अध्ययन'** यह नामकरण भी **1892** में किया गया।
- आगे चलकर इसमें **समाजशास्त्र** को भी सम्मिलित किया गया। लेकिन सामाजिक अध्ययन के इस स्वरूप को विषय के रूप में सरकार ने **1916 ई.** तक मान्यता नहीं दी।
- 1916 में 'कमेटी ऑन दी सोशल स्टडीज ऑफ दी नेशनल एजुकेशन एसोसियेशन कमीशन ऑन दी रि-ऑर्गेनाइजेशन ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन' ने इस विषय की मान्यता हेतु प्रतिवेदन दिया और कहा कि इसे एक स्वतंत्र विषय के रूप में मान्यता प्रदान की जाए। इसके बाद इसे विषय के रूप में मान्यता मिली।
- 1921 में इस विषय के संबंध में विस्तृत अध्ययन करने के लिए अमेरिका में **'राष्ट्रीय परिषद'** (National Council) का निर्माण किया गया। इस परिषद् ने विभिन्न विषयों के समन्वित रूप की संभावनाओं पर गहन अध्ययन किया।
- 1934 ई. में 'सोशल स्टडीज' पर एक कमीशन की नियुक्ति की गयी। इस कमीशन ने इसके विकास के लिए कार्य किये, जिनके फलस्वरूप सामाजिक अध्ययन के एकीकृत स्वरूप का विकास हुआ और बाद में इसको एक क्षेत्रीय विषय के रूप में देखा जाने लगा।
- इस प्रकार 1892 से 1934 तक की यात्रा में इस विषय का एकीकृत रूप सामने आया, जो विभिन्न सामाजिक विज्ञानों का समूह मात्र न होकर उनका समन्वित (एकीकृत) रूप है।
- अमरीकी विद्यालयों में 1920 से 1955 का समय **'सामाजिक विज्ञान का युग'** कहा जाता है।

भारत में सामाजिक अध्ययन

- यद्यपि संसार के अन्य देशों में सामाजिक अध्ययन की बात 20वीं सदी के दूसरे दशक से प्रारम्भ हो गयी थी। परन्तु भारत में सामाजिक अध्ययन विषय का विद्यालय पाठ्यक्रम में समावेश काफी विलम्ब से हुआ।
- भारत की शिक्षा को गाँधीजी के विचारों ने उसी प्रकार प्रभावित किया, जिस प्रकार जॉन ड्यूवी ने अमेरिका की शिक्षा नीति को प्रभावित किया था।
- 1935 के शासन विधान के अनुसार भारत में स्वायत्त शासन की नींव पड़ी और दो वर्ष बाद 11 प्रांतों में उत्तरदायी सरकारों की स्थापना हुई। इससे साक्षरता व प्रौढ़ शिक्षा के कार्यक्रमों को उत्साह और तत्परता के साथ प्रारम्भ किया गया।
- महात्मा गाँधी ने अपनी नई शिक्षा योजना प्रस्तुत करते हुए कहा था कि — ''मैं तो ऐसी शिक्षा देने का मार्ग प्रशस्त कर रहा हूँ जो बच्चों को स्वावलम्बी और आत्मनिर्भर बनायें।''
- गांधीजी की इस योजना को व्यावहारिक रूप देने तथा विस्तृत पाठ्यक्रम निर्धारित करने का कार्य **डॉ. जाकिर हुसैन** की अध्यक्षता में गठित एक समिति को सौंपा गया।
- इस समिति ने 7 वर्ष से 14 वर्ष तक की आयु के बालकों के लिए बेसिक शिक्षा के नाम से एक सप्तवर्षीय पाठ्यक्रम की सिफारिश की।
- इस पाठ्यक्रम में मातृभाषा, कला, शिल्प, खेलकुद, व्यायाम, गणित, सामान्य विज्ञान के साथ-साथ सामाजिक ज्ञान का विषय भी समायोजित किया गया।
- आजादी के बाद माध्यमिक शिक्षा की समस्याओं पर विचार करने के लिए भारत सरकार ने मद्रास विश्वविद्यालय के कुलपति **डॉ. लक्ष्मण स्वामी मुदालियर** की अध्यक्षता में **सितम्बर, 1952 में माध्यमिक शिक्षा आयोग** की स्थापना की।
- आयोग ने छात्रों को सामाजिक वातावरण से अनुकूलन कराने के लिए इस विधि का अध्यापन अनिवार्य किया और सामाजिक ज्ञान के स्वरूप को इस प्रकार स्पष्ट किया कि सामाजिक ज्ञान इतिहास, भूगोल और नागरिक शास्त्र का सम्मिश्रण न होकर एक एकीकृत रूप से पूर्ण विषय होगा।
- यह एकीकृत रूप छात्रों को यह समझा सकने में समर्थ हो कि समाज ने अपना वर्तमान रूप किस प्रकार धारण किया।
- सर्वप्रथम **पंजाब सरकार** ने अपने शिक्षा सलाहकार बोर्ड की पाठ्यक्रम के पुनर्गठन की सिफारिशों (1949 में) को मानते हुए **राज्य में सभी स्तरों पर सामाजिक ज्ञान का अध्यापन प्रारम्भ किया।**
- सन् 1964 में डॉ. डी.एस. कोठारी की अध्यक्षता में एक शिक्षा आयोग का पुनः गठन किया गया। इस आयोग ने विद्यालयी शिक्षा के प्रत्येक पहलू पर गौर से विचार किया।
- पाठ्यवस्तु के गठन के संबंध में आयोग ने प्राथमिक स्तर तक एकीकृत उपागम को वांछनीय ठहराया। वही उच्च प्राथमिक स्तर पर कुछ प्रकरणों के एकीकृत रूप को छोड़कर इतिहास, भूगोल और नागरिक शास्त्र को पृथक् पृथक् पढ़ाने का सुझाव दिया।
- आयोग की सिफारिशों पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद् दिल्ली ने 1975 में एक दसवर्षीय विद्यालय पाठ्यक्रम का ढाँचा बनाया, जिसमें

(C) अनुदेशन के परिणामों की तुलना करना
(D) उपर्युक्त सभी [D]

9. जब बालक की परीक्षा द्वारा मापी हुई योग्यता के सही मूल्यांकन में स्थायित्व होता है, तब उस परीक्षा को कहते हैं—[REET SS L-2, 2015]
(A) वैधता (B) विश्वसनीयता
(C) वस्तुनिष्ठता (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं [B]

10. निम्न में से कौनसा मूल्यांकन के त्रिकोण का भाग नहीं है?
(A) शैक्षिक उद्देश्य (B) मूल्यांकन [REET SS L-1, 2015]
(C) शिक्षण अनुभव (D) अधिगम अनुभव [C]

11. निम्नलिखित में से कौनसा एक सामाजिक विज्ञान में मूल्यांकन का मुख्य उद्देश्य है? [REET (Level-2) 2012]
(A) छात्रों के ज्ञान की जाँच (B) उत्तम कक्षा-कक्ष अध्यापन
(C) शैक्षिक नियोजन (D) सामाजिक विकास [A]

12. अच्छे मूल्यांकन की कौनसी एक विशेषता नहीं है? [REET (Level-2) 2012]
(A) वैधता (B) विश्वसनीयता
(C) निदानात्मकता (D) नकारात्मकता [D]

13. मूल्यांकन उपयोगी है— [RTET SS 2012 L-1]
(A) विद्यार्थी की प्रगति जानने में
(B) विद्यार्थी की कक्षा उपस्थिति जानने में
(C) विद्यार्थियों के आचरण जानने में
(D) इनमें से सभी [A]

14. मूल्यांकन का मुख्य उद्देश्य है— [RTET 2012 L-1]
(A) अनुशासन बनाये रखना (B) केवल परीक्षा करवाना
(C) केवल प्रश्न-पत्र बनवाना
(D) अधिगमकर्ता की उपलब्धि जानना एवं सुधार लाना [D]

15. अच्छी परीक्षा में आवश्यक है— [RTET 2012 L-1]
(A) विश्वसनीयता (B) वस्तुनिष्ठता
(C) विभेदीकरण (D) इनमें से सभी [D]

16. निम्न में से कौनसा कथन/विकल्प गलत है?
(A) मूल्यांकन प्रभावी पाठ्यक्रम निर्माण करने में मदद करता है।
(B) मूल्यांकन उद्देश्य केन्द्रित होता है।
(C) मूल्यांकन की प्रक्रिया सिर्फ विषयवस्तु पर ही केन्द्रित होता है।
(D) मूल्यांकन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में बौद्धिक मार्गदर्शन प्रदान करता है। [C]

17. यदि एक परीक्षण को एक समूह पर दो या तीन बार प्रशासित किया जाये तथा हर बार समूह के छात्रों के अंकों में निश्चितता रहे, तो उसमें कौनसी विशेषता निहित है—
(A) वस्तुनिष्ठता (B) विश्वसनीयता
(C) विभेदनशीलता (D) वैधता [B]

18. निम्न में से कौन आदर्श मूल्यांकन का मानदंड नहीं है?
(A) विश्वसनीयता (B) स्पष्टता
(C) सम्भाव्यता (D) वस्तुनिष्ठता [C]

19. किसी परीक्षण की विश्वसनीयता का अर्थ है?
(A) एक परीक्षण जो समय-समय पर प्रयुक्त करने पर भी परिणामों में भिन्नता न दे।
(B) एक परीक्षण जिसके लिए बनाया गया हो उसकी योग्यता अथवा विशेषताओं की जांच करे।
(C) एक परीक्षण जो सारे कक्षा कार्य की जांच करे जिसके लिए बनाया गया।
(D) एक परीक्षण जो सभी प्रकार की व्यक्ति निष्ठा से मुक्त हो। [A]

20. एक उत्तम परीक्षण होना चाहिये—
(A) विश्वसनीय (B) वैध
(C) विभेदकारी (D) उपरोक्त सभी [D]

21. मूल्यांकन में शामिल है—
(A) मापन (B) अमापन
(C) मूल्य निर्णय (D) उपरोक्त सभी [D]

22. मूल्यांकन प्रक्रिया के सोपान हैं—
(A) उद्देश्य का निर्धारण
(B) मूल्यांकन की प्रविधियों का चयन एवं निर्माण
(C) अभिलेख तैयार करना
(D) (A) एवं (B) दोनों [D]

23. मूल्यांकन प्रक्रिया के तीन प्रमुख पहलू कौनसे हैं—
(A) उद्देश्य (B) अधिगम अनुभव
(C) मूल्यांकन विधि (D) उपर्युक्त सभी [D]

24. निम्न में से कौनसा मूल्यांकन प्रक्रिया का पद सोपान है—
(A) उद्देश्यों का निर्धारण
(B) मूल्यांकन प्रविधियों का चयन
(C) उद्देश्य प्राप्ति हेतु अध्ययन एवं अध्यापन क्रियाओं का निर्धारण
(D) उपर्युक्त सभी [D]

25. परिमाणात्मक मूल्यांकन प्रविधि निम्न में से है—
(A) लिखित परीक्षा (B) मौखिक परीक्षा
(C) प्रयोगात्मक परीक्षा (D) उपर्युक्त सभी [D]

26. गुणात्मक मूल्यांकन प्रविधि का चयन कीजिए—
(A) समाजमिति (B) अवलोकन
(C) साक्षात्कार (D) उपर्युक्त सभी [D]

27. श्रेष्ठ मूल्यांकन की विशेषता निम्न में से है—
(A) वैद्यता (B) विभेदकारिता
(C) विश्वसनीयता (D) उपर्युक्त सभी [D]

28. मूल्यांकन द्वारा पता चलता है—
(A) विद्यार्थी के व्यवहार परिवर्तन का
(B) विद्यार्थी की विषय विशेष में स्थिति का
(C) विद्यार्थी के सामाजिक व आर्थिक विकास का
(D) विद्यार्थी के सामाजिक स्तर का [A]

29. परीक्षा में छात्र द्वारा दिए गए उत्तरों को विभिन्न परीक्षकों के द्वारा जाँचने पर प्राप्तांकों में कोई अन्तर नहीं आया, ऐसी परीक्षा कहलाएगी—
(A) वैध (B) विभेदकारी
(C) विश्वसनीय (D) व्यापकता [C]

30. मूल्यांकन द्वारा होता है—
(A) मापन (B) मूल्य निर्धारण
(C) ग्रेडिंग (D) ये सभी [D]

दक्ष की पुस्तकें Online Order करने के लिए www.dakshbooks.com पर जायें

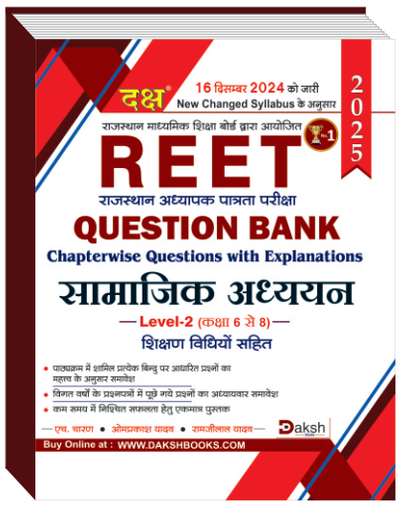

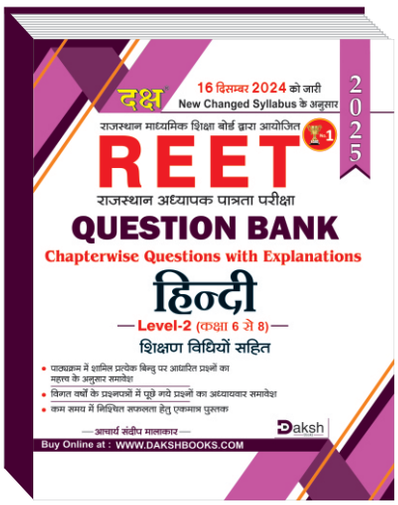

दक्ष प्रकाशन
(A Unit of College Book Centre)
A-19 सेठी कॉलोनी, जयपुर (राज.)
फोन नं. 0141-2604302
Code No. D-809 | ₹ 1080/-

इस पुस्तक को ONLINE खरीदने हेतु
WWW.DAKSHBOOKS.COM
पर ORDER करें
★ SPECIAL DISCOUNT + FREE DELIVERY ★

दक्ष की पुस्तकें Online Order करने के लिए www.dakshbooks.com पर जायें

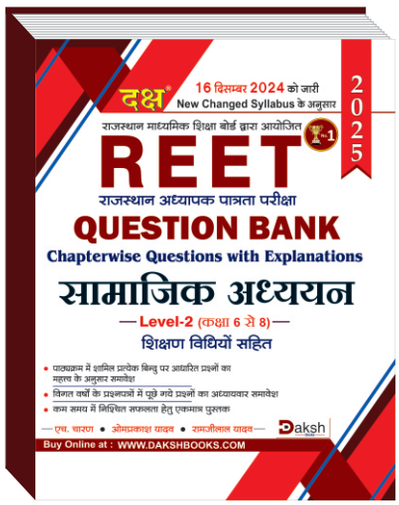

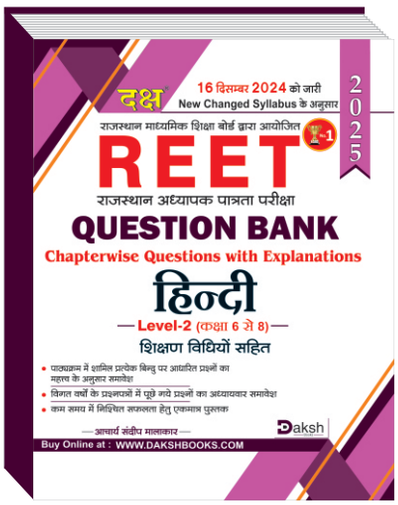

दक्ष प्रकाशन
(A Unit of College Book Centre)
A-19 सेठी कॉलोनी, जयपुर (राज.)
फोन नं. 0141-2604302
Code No. D-809 | ₹ 1080/-

इस पुस्तक को ONLINE खरीदने हेतु
WWW.DAKSHBOOKS.COM
पर ORDER करें
★ SPECIAL DISCOUNT + FREE DELIVERY ★